राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 7 अंक 248

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, गुरुवार, 15 फरवरी, 2024

www.jagran.com

पृष्ठ 14

टी-20 विश्व कप में रोहित ही होंगे कप्तान

>> 12

विश्वास.News

13 हजार से ज्यादा कट्टियाबाज पकड़े गए 5 साल में ?

विश्वास न्यूज की पड़ताल • पेज-5

जागरण विशेष

स्वदेशी जैविक फिल्टर से कम होगा वाहनों का प्रदूषण

नई दिल्ली : पुणे स्थित जैव संस्थान ने ऐसा फिल्टर तैयार किया है जो वाहनों के धुएं में मौजूद हानिकारक तत्वों को 80 प्रतिशत तक कम करने में सक्षम है।

• पेज-7

संपादकीय

भारत-अमीरात की बेमिसाल जोड़ी : अमीरात में 'अहलन मोदी' का उद्घोष और बुर्ज खलीफा पर तिरंगे की रौनक दर्शा रही है कि यह मित्रता मजबूत होकर वैश्विक वैकल्पिक नेतृत्व में भूमिका निभाएगी। **श्रीराम चौलिया** का दृष्टिकोण।

राजनीतिक इरादों वाला आंदोलन : प्रदर्शन कर रहे किसान संगठनों की कुछ मांगें ऐसी हैं, जिन्हें किसी भी सरकार के लिए मानना संभव नहीं। **उमेश चतुर्वेदी** का आलेख।

• पेज-8

विमर्श

नारी शक्ति के व्यापक योगदान की महता : केंद्र सरकार द्वारा हालिया प्रस्तुत अंतरिम बजट में नारी शक्ति की महत्ता और अर्थव्यवस्था में उनके व्यापक योगदान को दर्शाया गया है। **मनु त्यागी** का विश्लेषण।

राज्यसभा में हिमाचल से सिंघवी का अभिषेक : हिमाचल प्रदेश से कांग्रेस द्वारा अभिषेक मनु सिंघवी को राज्यसभा भेजे जाने की तैयारी को राज्य और दलों में प्रदेश के समर्पित कार्यकर्ताओं-नेताओं की अनदेखी के रूप में दर्शाती **नवनीत शर्मा** की डायरी।

• पेज-9

सप्तरंग

तकनीक की दुनिया का

फर्जी लोन एप बचें जाल में फंसने से

लक्षण जो बताते हैं फोन में लगा रहा है सेंध

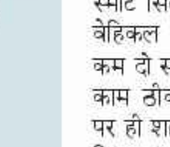

• पेज- 13

रामलला की आरती में नित्य शामिल हो सकेंगे चार सौ भक्त

अयोध्या : श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट रामलला के दर्शन के साथ ही उनकी आरती में भी अधिकाधिक श्रद्धालुओं को शामिल करने की योजना बना रहा है। इसका प्रारूप इस तरह बन रहा है, जिससे रामलला की आरती में स्वयं आनलाइन पास बनाकर श्रद्धालु शामिल हो सकें। इसके प्रारूप पर अंतिम विमर्श चल रहा है। अलग-अलग आरती में शामिल होने वालों की संख्या चार सौ तक हो सकती है। ये सभी नित्य होने वाली पांच में से चार आरती में शामिल होंगे। (पेज-13)

सोनिया ने छोड़ी रायबरेली, राजस्थान से जाएंगी राज्यसभा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- जयपुर में नामांकन के समय सोनिया के साथ थे राहुल और प्रियंका गांधी
- कांग्रेस ने सोनिया समेत घोषित किए राज्यसभा चुनाव के 10 प्रत्याशी
- अभिषेक सिंघवी हिमाचल व अखिलेश प्रसाद सिंह बिहार से उम्मीदवार
- माकन को कर्नाटक से मौका, रेणुका चौधरी तेलंगाना से करेंगी वापसी
- मध्य प्रदेश से अशोक सिंह व तेलंगाना से अनिल यादव को मिला मौका

राज्यसभा चुनाव के लिए बुधवार को जयपुर में कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में नामांकन पत्र दाखिल करतीं सोनिया गांधी। इस अवसर पर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी तथा अशोक गहलोत भी उपस्थित रहे। प्रेट्र

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष और कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी आगामी लोकसभा में दिखाई नहीं देंगी। उन्होंने उत्तर प्रदेश में रायबरेली की अपनी लोकसभा सीट छोड़ दी है और वह पहली बार संसद के ऊपरी सदन राज्यसभा की सदस्य होंगी। बुधवार को उन्होंने राजस्थान से राज्यसभा प्रत्याशी के तौर पर जयपुर में नामांकन दाखिल कर दिया। इस दौरान उनके साथ राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत समेत कई कांग्रेसी नेता मौजूद थे। इससे पहले कांग्रेस ने राज्यसभा के आगामी चुनावों के लिए सोनिया समेत 10 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। इसमें पार्टी की राष्ट्रीय राजनीति का ध्यान रखने के साथ कुछ हद तक राज्यों के राजनीतिक समीकरणों को भी साधने की कोशिश की गई है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा से विशेष ब्रेक लेकर मंगलवार रात दिल्ली आए राहुल गांधी से मशविरा कर राज्यसभा उम्मीदवारों की सूची फाइनल कर दी। सोनिया गांधी के नामांकन के लिए जयपुर पहुंचते ही पहली सूची में उनके समेत चार उम्मीदवारों की पहली सूची कांग्रेस की ओर से जारी की गई। इसमें हिमाचल प्रदेश की एकमात्र सीट के लिए अभिषेक सिंघवी की उम्मीदवारी की घोषणा की गई। पहले दो बार राजस्थान का प्रतिनिधित्व करने वाले सिंघवी पिछली बार बंगाल से उच्च सदन में पहुंचे थे। कपिल सिब्बल के पार्टी छोड़ने के बाद सिंघवी कांग्रेस के मुख्य कानूनी सलाहकार हैं और सोनिया-राहुल गांधी के विरुद्ध तमाम मुकदमों की लड़ाई लड़ते हैं। हालांकि हिमाचल प्रदेश की एकमात्र इस सीट पर वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा की भी निगाह थी। इस सूची में शामिल बिहार से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश सिंह की उम्मीदवारी निर्विवाद थी क्योंकि कांग्रेस को राजद की मदद से ही एक सीट मिलनी है और अखिलेश सिंह के लालू प्रसाद यादव से पुराने करीबी रिश्ते रहे हैं। मिलिंद देवड़ा और अशोक चव्हाण के पार्टी छोड़कर भाजपा में जाने के बाद कांग्रेस ने महाराष्ट्र की एक सीट से स्थानीय नेता चंद्रकांत हंडोरे को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया है।

दोपहर बाद जारी पार्टी के छह राज्यसभा उम्मीदवारों की दूसरी सूची में मध्य प्रदेश से अशोक सिंह को टिकट देने की घोषणा के बाद हाईकमान के इस फैसले पर सवाल उठाना मुश्किल हो गया। अशोक सिंह ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के प्रभावी नेता हैं और हमेशा सिंधिया परिवार के विरोध की पताका उठाते रहे हैं। कर्नाटक से अजय माकन को उम्मीदवार बनाने की घोषणा की गई। माकन को पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी का करीबी माना जाता है। कर्नाटक के तीन उम्मीदवारों में अकेले माकन ही बाहरी हैं। कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य सैयद नासिर हुसैन को लगातार दूसरी बार कर्नाटक से राज्यसभा में आने का मौका दिया गया है। नासिर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के निकटस्थ हैं और उनके अघोषित सलाहकार की भूमिका निभा रहे हैं। कर्नाटक के तीसरे उम्मीदवार जीसी चंद्रशेखर भी स्थानीय चेहरे हैं। तेलंगाना की दोनों सीटों पर कांग्रेस ने बाहरी चेहरों को लाने का जोखिम नहीं उठाया और तेज-तर्रार नेत्री रेणुका चौधरी को विधानसभा चुनाव में पार्टी के लिए पसीना बहाने का ईनाम देकर फिर से राज्यसभा में आने का मौका दिया है। रेणुका के राज्यसभा में आने से सदन में कांग्रेस के तेवरों को भी ताकत मिलेगी। जबकि राज्य में पिछड़े वर्ग को साधने के लिए स्थानीय युवा चेहरे एम. अनिल कुमार यादव को राज्यसभा भेजने का फैसला कर कांग्रेस ने हैदराबाद शहरी क्षेत्र में पार्टी के प्रदर्शन को लोकसभा चुनाव के दौरान सुधारने का दांव चला है।

2019 में कर दी थी अगला लोस चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा

सोनिया गांधी पांच बार लोकसभा की सदस्य रही हैं। कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद 1999 में वह पहली बार लोकसभा सदस्य बनी थीं। लेकिन 2019 में उन्होंने घोषणा कर दी थी कि वह अगला लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी। बुधवार को नामांकन दाखिल करने से पहले उन्होंने विधानसभा की विपक्षी लाबी में पार्टी के विधायकों से मुलाकात भी की।

सात मंत्रियों को भाजपा का रास टिकट नहीं

नई दिल्ली : राज्यसभा से केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल सात मंत्री लोकसभा चुनाव में उतर सकते हैं। इनका कार्यकाल अप्रैल में खत्म हो रहा है और पार्टी ने इन्हें राज्यसभा का टिकट नहीं दिया है। भाजपा ने राज्यसभा के टिकट में पुराने के बजाय नए चेहरों पर ज्यादा भरोसा किया है। (पेज-4)

वोटिंग स्याही से पांच सेकेंड में ही बनेगा अमिट निशान

नई दिल्ली : चुनावों में अंगुलियों पर लगने वाली स्याही को अब मिटाना आसान नहीं होगा। बल्कि, यह अंगुलियों पर लगने के पांच सेकेंड के भीतर ही अपनी छाप निशान बना देगी। अंगुलियों में इसे लगाने से पहले अब यह भी देखा जाएगा कि मतदाता ने अपने हाथों में चिकनाई वाली कोई चीज तो नहीं लगाई है। (पेज-3)

संदेशखाली घटना की सीबीआइ जांच की मांग

कोलकाता : विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने संदेशखाली घटना की सीबीआइ जांच की मांग की है। आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन और सत्तारूढ़ दल सुबूत नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि हाई कोर्ट केंद्रीय जांच एजेंसी की महिला अधिकारियों की टीम बनाए और त्वरित कार्रवाई करे। (पेज-5)

मणिपुर पीटीसी में घुसने का प्रयास, गोलीबारी में एक की मौत

इंफाल : पूर्वी इंफाल के पंगोई में मणिपुर पुलिस प्रशिक्षण कालेज (एमपीटीसी) में घुसने का प्रयास करने वाले सशस्त्र युवाओं को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा कर्मियों द्वारा की गई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई। (पेज-7)

केंद्र हर समाधान के लिए तैयार : मुंडा

किसानों की परेशानियों को दूर करने के लिए कृषि मंत्री ने संवाद और सहयोग पर दिया जोर

जेएनएन, नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे किसान नेताओं से आम नागरिकों की परेशानी को कम करने के लिए सहयोग के साथ ही बातचीत करने का आग्रह किया है। कहा कि नए कानून के निर्माण को लेकर बहुत सारी ऐसी बातें हैं, जिन पर सरकार किसान संगठनों से चर्चा करना चाहती है। कृषि मंत्री ने किसानों की परेशानियों को दूर करने के लिए संवाद और सहयोग पर जोर दिया। वहीं, किसान नेता तीसरी बार सरकार से बातचीत के लिए तैयार हो गए हैं। उनकी सरकार के कई मंत्रियों के साथ गुरुवार को शाम पांच बजे चंडीगढ़ में बैठक होगी।

इस बीच, किसानों की समस्याओं के हल के लिए प्रयासरत कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि बातचीत के जरिये समाधान निकालने के लिए केंद्र सरकार पूरी तरह से तैयार है, लेकिन किसान संगठन समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन्हें और बढ़ा रहे हैं। ऐसा कर वे लोगों के लिए परेशानी पैदा कर रहे हैं। किसानों से बातचीत के लिए क्या कोई नई कमेटी बनेगी, इस पर कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार इसमें पीछे नहीं है। उन्होंने कहा कि हमें इस पर चर्चा करने की जरूरत है कि अच्छे के लिए क्या हो सकता है। इससे पहले भी किसान संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ इस मुद्दे पर चर्चा करने की बात हो चुकी है, लेकिन संगठनों के प्रतिनिधियों ने इसमें विशेष योगदान नहीं दिया। अब समय बीत चुका है। कम से कम आने वाले समय के लिए हमें साथ मिलकर काम करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पिछली जो कमेटी बनी थी, उसमें किसान संगठनों के कुछ प्रतिनिधियों ने अपना नाम नहीं दिया था। भविष्य में हम एक छोटा समूह बनाएंगे और इसे समिति नहीं कहेंगे।

किसान नेता सरकार से तीसरी बार बातचीत के लिए तैयार पेज>>6

पंजाब-हरियाणा सीमा पर कुवार को भी 'दिल्ली चलो' मार्च को लेकर किसानों का सुरक्षाकर्मियों से टकराव हुआ। इस दौरान प्रदर्शनकारी किसान। एएफपी

- कहा, प्रशासनिक कार्य तेजी से होंगे, लेकिन नए कानून को लेकर बहुत से मुद्दों पर करना होगा विचार
- किसान नेताओं के साथ कई मंत्रियों की आज शाम पांच बजे चंडीगढ़ में होगी बैठक

समाधान के लिए राजनाथ को भी लगाया गया

किसानों के मुद्दों का समाधान खोजने में सहायता के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को लगाया गया है। सूत्रों ने कहा है कि मुंडा ने राजनाथ सिंह से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की और उनसे समाधान के तरीकों पर चर्चा की।

किसानों ने शंभू बार्डर पर ही लगा लिया मोर्चा

जागरण टीम, दिल्ली

- हरियाणा सीमा पर दूसरे दिन भी उपद्रव करते रहे किसान
- भाकियू उगराहां ने आज चार घंटे तक रेल ट्रैक जाम करने का किया एलान

पंजाब-हरियाणा सीमा पर प्रेसवार्ता करते किसान नेता। प्रेट्र

एमएसपी पर कानून बनाने समेत विभिन्न मांगों को लेकर दिल्ली कूच पर निकले किसानों ने हरियाणा सीमा से सटे पंजाब के शंभू बार्डर पर मोर्चा लगा लिया है। किसान नेताओं ने बुधवार को कहा कि केंद्र सरकार से बातचीत तक वे आगे नहीं बढ़ेंगे। इससे पूर्व ट्रैक्टर-ट्रालियों से आगे बढ़े रहे किसानों ने बुधवार को दूसरे दिन भी जमकर उपद्रव किया, लेकिन हरियाणा ने अपनी सीमा में प्रवेश नहीं करने दिया। इस बीच, भारतीय किसान यूनियन एकता (उगराहां) ने पंजाबभर में गुरुवार को दोपहर 12 से शाम चार बजे तक रेल ट्रैक जाम करने की घोषणा की है।

पंजाब के विभिन्न जिलों से जुटे किसान मंगलवार दोपहर से ही दिल्ली कूच के लिए हरियाणा सीमा में घुसने का प्रयास कर रहे हैं। बठिंडा से सटे हरियाणा के डबवाली में स्थिति शांत रही, लेकिन पटियाला से सटे शंभू और संगरूर व जींद के बीच स्थित दाता सिंह बार्डर पर दूसरे दिन भी किसान उपद्रव करते रहे। हरियाणा पुलिस ने उग्र हुए किसानों को नियंत्रित करने के लिए ड्रोन से आंसू गैस के गोले छोड़े तो किसानों ने पतंग उड़ाकर ड्रोन को गिराने का प्रयास किया। आंसू गैस के गोले का असर कम करने के लिए वे पानी की बौछार करते रहे। किसान पानी के टैंकर और स्प्रे टैंक लेकर पहुंचे थे। गुलेल से पत्थर मारकर भी ड्रोन गिराने का प्रयास किया। कुछ किसानों ने बताया कि ड्रोन गिराने के लिए पहले वे पत्थर मार रहे थे, लेकिन टकराने से टुकड़ों में बंटे पत्थर से उन्हें चोट पहुंच रही थी। इसलिए टेनिस बाल के जरिये ड्रोन को गिराने की कोशिश की है।

दिल्ली की सभी सीमाएं सील : किसानों के प्रवेश को देखते हुए पड़ोसी राज्यों से जुड़ी दिल्ली की सभी सीमाएं सील कर दी हैं। हरियाणा से सटे सिंघु और टीकरी बार्डर पर कड़ी निगरानी की जा रही है। (पेज 6 भी देखें)

मंत्रोच्चार के बीच मोदी ने किया अबू धाबी में मंदिर का उद्घाटन

अबूधाबी में कुवार को बीएपीएस हिंदू मंदिर के लोकार्पण समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। प्रेट्र

अबू धाबी, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को मंत्रोच्चार के बीच अबू धाबी के पहले मंदिर का उद्घाटन किया। यह पश्चिम एशिया का सबसे बड़ा मंदिर है। मंदिर को मानवता की साझा विरासत का प्रतीक बताते हुए प्रधानमंत्री ने मानवता के इतिहास में नया सुनहरा अध्याय लिखने के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को धन्यवाद दिया।

दुबई-अबू धाबी शेख जायद राजमार्ग पर अल रहबा के पास अबू मरेखह में 27 एकड़ भूमि पर लगभग 700 करोड़ रुपये की लागत से इस मंदिर का निर्माण बोचासनवासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) ने कराया है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने अबू धाबी में भव्य मंदिर के निर्माण को हकीकत में बदलने के लिए यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद जायद अल नाहयान को हार्दिक धन्यवाद दिया और कहा कि उन्होंने न सिर्फ खाड़ी देश में रहने वाले भारतीयों का, बल्कि 140 करोड़ भारतवासियों का भी दिल जीत लिया है। यूएई सरकार ने करोड़ों भारतीयों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पूरे दिल से काम किया है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि बीएपीएस मंदिर पूरी दुनिया में सांप्रदायिक सद्भाव और वैश्विक एकता का प्रतीक बनेगा।' इस दौरान यूएई के सहिष्णुता मंत्री शेख नाहयान बिन मुबारक अल नाहयान और सभी पंथों के आध्यात्मिक गुरु उपस्थित थे।

- यूएई के राष्ट्रपति को दिया धन्यवाद दिया, कहा- 140 करोड़ भारतीयों का जीता दिल
- जताई उम्मीद- दुनिया में सांप्रदायिक सद्भाव और वैश्विक एकता का प्रतीक बनेगा मंदिर

राम मंदिर की तरह नागर शैली में हुआ निर्माण

मंदिर के अधिकारियों के अनुसार, भव्य मंदिर का निर्माण शिल्प और स्थापत्य शास्त्रों में वर्णित निर्माण की प्राचीन शैली के अनुसार किया गया है। इसे नागर शैली में बनाया गया है, जिस शैली में अयोध्या के राम मंदिर का निर्माण किया गया है।

हल्के गुलाबी रंग की रेशमी धोती और कुर्ता, स्लीवलेस जैकेट और स्टोल पहने प्रधानमंत्री ने कहा, 'हम विविधता में घृणा नहीं देखते, हम विविधता को अपनी विशेषता मानते हैं। इस मंदिर में कदम-कदम पर विविध आस्थाओं की झलक देखने को मिलेगी।' मोदी ने कहा कि यूएई को अभी तक बुर्ज खलीफा, फ्यूचर म्यूजियम, शेख जायद मस्जिद और अन्य हाई-टेक इमारतों के लिए जाना जाता था, लेकिन अब उसने अपनी पहचान में एक और सांस्कृतिक अध्याय जोड़ लिया है।

अयोध्या की असीम खुशी अबू धाबी में और बढ़ गई पेज>>3

अड़चन

केंद्र ने राज्यों से फिर कहा, न्यूनतम दो साल होना चाहिए कार्यकाल, छह-छह महीने में हो रहे स्थानांतरण से नहीं हो पाती काम में प्रगति

सीईओ के बार-बार तबादलों से भी पिछड़े स्मार्ट सिटी

मनीष तिवारी, नई दिल्ली

इस साल स्मार्ट सिटी मिशन पूरा करने में जुटे शहरी कार्य मंत्रालय की योजना में शामिल शहरों में बार-बार सीईओ के तबादलों पर चिंतित केंद्र सरकार ने फिर से राज्यों से कहा है कि वे उनके लिए निश्चित कार्यकाल निर्धारित करें। केंद्र सरकार के अनुसार, स्मार्ट सिटी के एसपीवी यानी स्पेशल परपज वेहिकल के सीईओ का कार्यकाल कम से कम दो साल का होना चाहिए ताकि वे अपना काम ठीक ढंग से कर सकें। इन एसपीवी पर ही शहर स्तर पर योजनाएं बनाने, उनका क्रियान्वयन करने और निगरानी की जिम्मेदारी होती है। इनमें स्थानीय शहरी निकाय और संबंधित राज्य सरकार की आधी-आधी हिस्सेदारी होती है।

शहरी कार्य मंत्रालय ने माना है कि स्थानीय परिस्थितियों के कारण सीईओ के बार-बार तबादलों की नौबत आती है, लेकिन यह नहीं होना चाहिए। स्मार्ट सिटी मिशन कई

क्रियान्वयन की बाधाएं दूर करनी होंगी। प्रतीकात्मक

विस्तार के बाद इस साल जून में पूरा होना है, लेकिन अभी भी काफी परियोजनाएं लंबित हैं। मिशन के क्रियान्वयन की चुनौतियों में सीईओ के बार-बार तबादलों के मसले को भी शामिल किया गया है। शहरी कार्य मंत्रालय से संबंधित एक संसदीय समिति ने भी इस पर अपनी चिंता जताते हुए मंत्रालय से जवाब जानना चाहा था।

मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, सीईओ का बार-बार स्थानांतरण सही नहीं है। सबसे पिछड़े शहरों में सबसे बड़ा कारण भी यही है कि वहां सीईओ का हर छह महीने या उससे भी कम समय में तबादला हो रहा है। एक तो तबादले जल्दी-जल्दी हो रहे हैं और दूसरे, परियोजनाएं भी बार-बार बदली जा रही हैं। इससे काम प्रभावित होता है। सबसे ज्यादा पिछड़े शहरों में शिमला और धर्मशाला जैसे शहर भी हैं। इन सभी की रैंकिंग 80 से नीचे हैं। मंत्रालय की चिंता यह भी है कि अनेक जगहों पर स्मार्ट सिटी के लिए जिस एसपीवी का गठन हुआ है, उनमें कुछ कागजी एसपीवी हैं। वहां कुछ स्टाफ हैं, लेकिन एसपीवी का क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा है। वे परियोजना के संदर्भ में निर्णय तो ले लेती हैं, लेकिन उसके बाद या तो प्रोजेक्ट नगर निगम को वापस कर दिया जाता है या फिर किसी अन्य संगठन को दे दिया जाता है। इंदौर और अहमदाबाद जैसे जिन शहरों में अच्छा और सक्षम स्टाफ है, इंजीनियरिंग से जुड़े लोग हैं या काम खुद किया जा रहा है वहां काम ठीक हो रहा है। दूसरे संगठनों को काम दे देने से निगरानी नहीं हो पा रही है।

****

पाक में एमबीबीएस में दाखिले की आड़ में टेरर फंडिंग में तीन गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

- सभी हुर्रियत कान्फ्रेंस के पूर्व नेता, एक महिला भी, कुल आठ आरोपित, दो पाकिस्तान में छिपे बैठे
- दाखिला दिलाने के बदले वसूलते थे मोटी रकम, पैसा घाटी में आतंकी गतिविधियों में लगाते थे

पाकिस्तान में एमबीबीएस में दाखिले की आड़ में टेरर फंडिंग मामले में ईडी ने बुधवार को तीन को गिरफ्तार किया है। सभी जम्मू कश्मीर में आतंकियों व अलगाववादियों के ईको सिस्टम की वित्तीय मदद करने के खेल में लिप्त हैं। ये सभी अलगाववादी हुर्रियत कान्फ्रेंस के पूर्व नेता हैं और इनमें एक महिला भी है। श्रीनगर न्यायालय में विशेष कोर्ट ने तीनों आरोपितों को 20 फरवरी तक ईडी की हिरासत में भेज दिया है। अब इस मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तार आरोपितों की संख्या चार हो गई है। ये चारों जेल में बंद थे। इस मामले में कुल आठ आरोपित हैं, जिनमें से दो पाकिस्तान में छिपे बैठे हैं और दो पुलिस हिरासत में बताए जा रहे हैं।

हुर्रियत कांफ्रेंस के नेता व कुछ अन्य अलगाववादी पाकिस्तान में कश्मीर के छात्र-छात्राओं को एमबीबीएस व इंजीनियरिंग कालेजों में दाखिला दिलाने और बदले में एक मोटी रकम वसूलकर उसे घाटी में आतंकी व अलगाववादी गतिविधियों में लगाने का काम करते थे। इनका कश्मीर में एक बड़ा नेटवर्क था। इसी नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए जम्मू कश्मीर पुलिस की जांच के आधार पर अब ईडी आगे बढ़ रही है।

पाकिस्तान से चला रहे थे खेल पेज>>10

'मां पर धन और समय खर्च करना घरेलू हिंसा नहीं

मुंबई : मुंबई की एक अदालत ने कहा है कि पति द्वारा अपनी मां को समय देना और वित्तीय सहायता प्रदान करना घरेलू हिंसा नहीं है। अदालत ने यह फैसला एक 43 वर्षीय एक महिला की याचिका खारिज करते हुए सुनाया जिसमें उसने घरेलू हिंसा से महिलाओं की रक्षा अधिनियम के तहत अपने पति एवं उसके स्वजन के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की थी। (पेज-7)

बेहमई कांड में 43 साल बाद एक को उम्र कैद, एक बरी

कानपुर देहात : कानपुर देहात के बेहमई गांव में 43 वर्ष पहले हुए नरसंहार पर बुधवार को फैसला आ गया। घटना में दस्यु सरगना फूलन देवी समेत 36 आरोपित बनाए गए थे। फूलन देवी समेत 33 आरोपित अब इस दुनिया में नहीं हैं। एक अब तक फरार है, वहीं दो लोग जमानत पर चल रहे थे। एक को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया गया है। (पेज-10)

341 रहा बुधवार को दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआइ)। इससे लगातार चौथे दिन हवा की गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में रही। प्रदूषक कणों का औसत स्तर मानकों से तीन गुना ज्यादा रहा।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
गुरुवार 15 फरवरी, 2024

आज का मौसम

हल्के से मध्यम श्रेणी का कोहरा होगा।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
15 फरवरी	25.0	09.0
16 फरवरी	25.0	08.0
नोएडा		
15 फरवरी	24.0	08.0
16 फरवरी	25.0	08.0
गुरुग्राम		
15 फरवरी	22.0	09.0
16 फरवरी	22.0	09.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

सीबीएसई परीक्षाएं आज से, 10 बजे तक केंद्र पर पहुंचें छात्र

नई दिल्ली : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं गुरुवार से शुरू हो रही हैं। परीक्षा सुबह 10.30 बजे से शुरू होगी। सभी छात्रों को बोर्ड की ओर से सुबह 10 बजे केंद्र पर पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद पहुंचने वाले छात्रों को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। दिल्ली में 877 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इनमें 5,80,192 छात्र शामिल होंगे। बोर्ड ने जारी निर्देशों में कहा है कि दिल्ली में मौजूदा स्थिति के कारण, यह आशंका है कि यातायात संबंधी समस्याएं होंगी। इसलिए छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे अपने घरों से जल्दी निकलें। (जासं)

अस्पताल में डाक्टर बनकर घुसने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली : डाक्टर बन आरएमएल अस्पताल के सर्जरी विभाग की इमरजेंसी में घुसे एक शख्स को नार्थ एवेन्यू पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान बजीराबाद गांव बुराड़ी निवासी 24 वर्षीय आशुतोष त्रिपाठी के रूप में हुई है। बताया गया कि वह चोरी की नीयत से घुसा था। हालांकि सीनियर डाक्टर की नजर उस पर पड़ गई और उसे पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। (जासं)

फैकल्टी आफ टेक्नोलाजी भवन का जल्द होगा निर्माण

नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय में फैकल्टी आफ टेक्नोलाजी के नए भवन के निर्माण कार्य का शुभारंभ कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने भूमि पूजन के साथ किया। इसके साथ ही फैकल्टी आफ टेक्नोलाजी के नए भवन का काउंटडाउन 14 फरवरी को शुरू हो गया। कुलपति ने बताया कि अगले 541 दिनों में इसके निर्माण कार्य को संपूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। 16 अगस्त 2025 तक यह भवन बन कर तैयार हो जाएगा। इस शैक्षणिक भवन का निर्माण कार्य एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। (जासं)

ई-बसें लाने का मकसद दिल्ली को प्रदूषण से मुक्ति दिलाना : एलजी

बढ़ी सुविधा ▶ उपराज्यपाल व मुख्यमंत्री ने 350 नई इलेक्ट्रिक बसों को दिखाई हरी झंडी

सीएम केजरीवाल बोले, देश में सबसे अधिक ई-बसें चलाने वाला पहला राज्य बना दिल्ली

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने राज्य की सड़कों पर बुधवार को 350 और नई इलेक्ट्रिक बसें उतार दीं। इन्हें मिलाकर अब राजधानी में 1650 इलेक्ट्रिक बसें हो गई हैं। सरकार ने दावा किया कि अब सबसे अधिक इलेक्ट्रिक बसों के मामले में दिल्ली भारत का पहला और विश्व का तीसरा शहर बन गया है, जबकि दो हजार ई-बसों के बेड़े के साथ चिली की राजधानी सैंटियागो दुनिया का दूसरा शहर है, जबकि पहले स्थान पर चीन के शहर हैं। ये इलेक्ट्रिक बसें सुखदेव विहार, रोहिणी सेक्टर-37 डिपो-दो और बुराड़ी बस डिपो-एक से अलग-अलग रूटों पर चलनी शुरू हो गई हैं।

सभी लो-फ्लोर ई-बसें हैं। यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर ये बसें जीपीएस, सीसीटीवी, पैनिक बटन समेत अन्य सुविधाओं से लैस हैं। दिल्ली के सराय काले खां बस डिपो में आयोजित उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान एलजी वीके सक्सेना के साथ सीएम अरविंद केजरीवाल ने नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और बसों में उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान एलजी वीके सक्सेना ने कहा कि ई-बसों को लाने का मकसद दिल्ली को प्रदूषण से मुक्ति दिलाना है,। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ई-बस चलाने में दिल्ली दुनिया में अपनी पहचान बना रही है। हमें खुशी है कि सबसे अधिक इलेक्ट्रिक बस चलाने के मामले में देश में दिल्ली पहला राज्य बन गया है। ये ई-बसें न सिर्फ दिल्लीवासियों का सफर आसान बनाएंगी, बल्कि पर्यावरण को संतुलित रखने में भी सहायक होंगी।

1300
इलेक्ट्रिक बसों से 47 हजार टन कार्बन डाईआक्साइड का उत्सर्जन कम होने का दावा

ई-बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते एलजी वीके सक्सेना, सीएम अरविंद केजरीवाल और परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत। चंद्र प्रकाश मिश्र

दिल्ली सचिवालय में आयोजित प्रेसवार्ता में परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि सीएम अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने प्रदूषण के खिलाफ बहुत ही ठोस कदम उठाया है। दिल्ली की सड़कों पर जितनी अधिक इलेक्ट्रिक बसें होंगी, उतना ही कम प्रदूषण होगा। वर्ष 2022 से अभी तक दिल्ली की सड़कों पर 1300 इलेक्ट्रिक बसें चल रही थीं। इन बसों ने अब तक 5.8 करोड़ किमी का सफर तय किया है और दिल्ली में 47 हजार टन कार्बन डाईआक्साइड का उत्सर्जन कम हुआ है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में दिल्ली के बस बेड़े में 7582 बसें हैं। इसमें 3,141 बसें डिम्ट्स और 4,441 बसें डीटीसी की हैं, जबकि 2025 तक दिल्ली में कुल 10,480 बसें हो जाएंगी। इनमें 80 प्रतिशत ई-बसें होंगी, जिनकी मदद से सालाना 4.67 लाख टन कार्बन डाईआक्साइड के उत्सर्जन में कमी आएगी।

मोहल्ला बस के लिए करना होगा इंतजार : मोहल्ला बस के लिए अभी थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा, क्योंकि पहली बार नौ मीटर की बसें दिल्ली की सड़कों पर आएंगी। इसलिए इसकी प्रक्रिया, प्रोटोटाइप, टेस्ट और सर्टिफिकेट मिलने में थोड़ा समय लग रहा है। गहलोत ने कहा कि उम्मीद है कि 15 से 20 दिनों के अंदर मोहल्ला बस के तहत कुछ बसें आ जाएंगी और जनता को समर्पित की जाएंगी।

बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली व सड़कों पर फोकस की संभावना

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र की शुरुआत गुरुवार को उपराज्यपाल वीके सक्सेना के अभिभाषण से होगी। सत्र के पहले दिन बिजनेस एडवाइजरी समिति की छठी रिपोर्ट पेश की जाएगी और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल लोक लेखा, अनुमान और सरकारी उपक्रमों पर सदन समितियों में से प्रत्येक में नौ सदस्यों को चुनने के लिए एक प्रस्ताव पेश करेंगे। अधिकारियों ने कहा कि बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और सड़कों समेत अन्य पर फोकस रहने की संभावना है। बताया गया कि बजट में बिजली विभाग को 3600 करोड़, गांवों के विकास के लिए 900 करोड़, लोक निर्माण विभाग को 7700 करोड़ रुपये मिलने की संभावना है। इस बार जल बोर्ड का बजट भी बढ़ सकता है। वहीं, दिल्ली सरकार की ओर पहले से दी जा रहीं मुफ्त की योजनाएं जारी रहने की संभावना है।

आम आदमी पार्टी की ओर से आबकारी नीति से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में केजरीवाल को बार-बार समन भेजे जाने का मुद्दा उठाए जाने की संभावना है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को मामले में पूछताछ के लिए उन्हें छठा समन भेजा। आप ने बार-बार आरोप लगाया है कि कई समन अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करके आप को कुचलने और दिल्ली में सरकार गिराने का एक प्रयास है। दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र में वित्त मंत्री आतिशी द्वारा 2024-25 का बजट पेश किया जाएगा, जो 15 फरवरी से शुरू होकर 21 फरवरी को समाप्त होगा।

विधानसभा का बजट सत्र आज से

बजट सत्र पर टिकी निगाहें।

पीएम मोदी का आभार जताने को भाजपा लाएगी प्रस्ताव

अधिकारियों ने बताया कि सरकार सत्र के दौरान अपना आउटकम बजट और दिल्ली की आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट भी पेश करेगी। विपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि पूर्व पीएम नरसिम्हा राव और पूर्व डिप्टी पीएम लालकृष्ण आडवाणी समेत दिग्गजों को भारत रत्न देने और कतर में मौत की सजा पाए नौ भारतीयों की रिहाई के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए भाजपा एक प्रस्ताव लाएगी। अस्पतालों की स्थिति, प्रदूषण जैसे मुद्दों पर सवाल पूछने की कोशिश होगी।

केजरीवाल को आबकारी मामले में ईडी का छठा समन

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आबकारी नीति से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को फिर से समन जारी किया है। यह छठा समन है। उन्हें 19 फरवरी को पेश होने के लिए कहा गया है।

पिछले पांच समन की अवज्ञा करने पर ईडी की ओर से दायर शिकायत पर राउज एवेन्यू कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को उसके समक्ष 17 फरवरी को पेश होने के लिए कहा था। अदालत ने कहा था कि केजरीवाल प्रथमदृष्टया समन का अनुपालन करने के लिए कानूनी रूप से बाध्य हैं। इससे पहले ईडी ने इस वर्ष दो फरवरी, तीन एवं 18 जनवरी और पिछले वर्ष 21 दिसंबर एवं दो नवंबर को मुख्यमंत्री को समन जारी किया था। मुख्यमंत्री हर बार ईडी के समन को अवैध और राजनीति से प्रेरित बताते रहे और एजेंसी के सामने कभी पेश नहीं हुए।

आबकारी नीति मामले में पूछताछ के लिए 19 फरवरी को बुलाया

बता दें कि आबकारी घोटाले के मामले में ईडी की ओर से दायर आरोपपत्र में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नाम का कई बार उल्लेख किया गया है। आरोपित दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 की तैयारी के संबंध में उनके साथ संपर्क में थे। ईडी ने आरोपपत्र में दावा किया है कि आप ने अपने गोवा चुनाव अभियान में लगभग 45 करोड़ रुपये का उपयोग किया था, जोकि अपराध से हुई आय थी। उधर, आम आदमी पार्टी आबकारी घोटाले को फर्जी करार देती आ रही है। आप का आरोप है कि इस मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को फर्जी आरोपों में जेल में रखा गया है।

घटिया चिकित्सा उपकरण आपूर्ति करने वाले दस गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- **छह सरकारी अस्पतालों में खराब चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति का भंडाफोड़**
- **सात उपकरण निर्माता व सप्लायरों और तीन प्रयोगशाला प्रबंधकों को पकड़ा गया**
- **कई कंपनियों के पास चिकित्सा उपकरणों का निर्माण करने का नहीं था लाइसेंस**

एसीबी द्वारा गिरफ्तार आरोपित। सौजन्य : दिल्ली पुलिस

दिल्ली सरकार के छह अस्पतालों में खराब गुणवत्ता के चिकित्सा उपकरण आपूर्ति करने के मामले में बड़े स्तर के फर्जीवाड़े का भंडाफोड़ किया गया है। भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने सात उपकरण निर्माताओं व सप्लायरों और तीन प्रयोगशाला प्रबंधकों को गिरफ्तार किया है। हैरानी की बात यह है कि जिन कंपनियों ने अस्पतालों में चिकित्सा उपकरण आपूर्ति किए, उनमें से कई के पास उपकरणों के निर्माण करने का लाइसेंस ही नहीं था। साथ ही चिकित्सा उपकरणों सप्लाई होने के बाद कर दिए गए, जबकि इनकी खरीद की स्वीकृति बाद में मिली।

दिल्ली सरकार के लोक नायक, एलबीएस, डीडीयू, एसजीएम, जेएसएस और जीटीबी अस्पताल में इन खराब गुणवत्ता वाले चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति की गई थी। संयुक्त आयुक्त एसीबी मधुर वर्मा ने बताया कि दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग की शिकायत के बाद पांच जनवरी को इस मामले में एफआइआर दर्ज की गई थी। अब एसीबी इस फर्जीवाड़े में शामिल चिकित्सा उपकरण खरीदने वाली कमेटी के डाक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। एसीबी ने अब इस मामले में डीडीयू और एलएनजेपी अस्पताल के नौ डाक्टरों के खिलाफ भी एफआइआर दर्ज करने की सरकार से अनुमति मांगी है। एसीपी जरनैल सिंह का कहना है कि इस मामले में आरोपितों से पूछताछ के बाद अन्य अस्पतालों के डाक्टरों के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

इन आरोपितों को किया गया गिरफ्तार : गिरफ्तार आरोपितों में हेमंत जोशी (बाल भवन, आईटीओ), राहुल चौरसिया (सेक्टर-22, नोएडा), कमल दीप सिंह (सुभाष नगर), राजेश मल्होत्रा (सेक्टर 19, नोएडा), शाहिद चौधरी (बागपत), शेखर शर्मा (सेक्टर-12, नोएडा,) विपिन पाठक (विनोद नगर, दिल्ली), अरजिंदर पाल सिंह (जनकपुरी), कपिल मखीजा (सेक्टर-22, फरीदाबाद) व हरनीत सिंह बिंद्रा (जनकपुरी) शामिल हैं।

अधिकारी जानबूझकर जीईएम अनुबंध आदेश में लैब रिपोर्ट और लाइसेंस लेने से बचते रहे : पूछताछ में पता चला कि विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं ने जीईएम पोर्टल के माध्यम से इन उपकरणों की आपूर्ति की थी। नियमानुसार उपकरणों की आपूर्ति के साथ ही सरकार की ओर से मांगे गए अनिवार्य प्रमाणपत्र भी देने थे। जिसमें प्रयोगशाला की रिपोर्ट भी शामिल है, लेकिन जांच में सामने आया कि सरकारी अधिकारी जानबूझकर जीईएम अनुबंध आदेश में लैब रिपोर्ट और आपूर्तिकर्ताओं के लाइसेंस लेने से बचते रहे। कुछ मामलों में न तो आपूर्तिकर्ता का लाइसेंस नंबर था, न ही निर्माता का। अधिकांश मामलों में वितरित उपकरण की बैच संख्या निर्माता और आपूर्तिकर्ता के बैच संख्या से मेल नहीं खा रहे थे।

स्थानीय बाजारों से बगैर अमानक उपकरण खरीदकर आपूर्ति : जांच में सामने आया कि स्थानीय बाजारों से बगैर मानकों के खराब गुणवत्ता के उपकरण खरीदकर सरकारी अस्पतालों में आपूर्ति की गई। एसीपी जरनैल सिंह का कहना है कि इस मामले में मुकदमा दर्ज होने के बाद भी अधिकारी और आपूर्तिकर्ता दस्तावेज में जालसाजी करते रहे। मुकदमा दर्ज होने से पहले विजिलेंस जांच कराने पर उपकरणों के नमूने 18 अगस्त को लिए गए थे।

अर्बन एक्सटेंशन रोड दो के लिए जमीन अधिग्रहण की मंजूरी

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

एलजी वीके सक्सेना ने काफी समय से लंबित अर्बन एक्सटेंशन रोड (यूईआर दो) के लिए जमीन अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है। इस आशय की जानकारी बुधवार को राजनिवास अधिकारियों ने दी। यूईआर-दो की प्लानिंग एक बाईपास के जरिये उत्तर एवं दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली के बीच भीड़ कम करने के लिए की गई है। एलजी ने भरथाल गांव में दो बीघा जमीन के अधिग्रहण को मंजूरी दी है।

इस प्रोजेक्ट के लिए जमीन का अधिग्रहण करना काफी अहम था। सिर्फ इस जमीन का अधिग्रहण नहीं होने की वजह से प्रोजेक्ट को पूरा करने में सात साल की देरी हुई। अप्रैल 2016 में दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली के भरथाल गांव में जमीन अधिग्रहण को लेकर आग्रह किया था, लेकिन कई मुश्किलों की वजह से इस जमीन का अधिग्रहण नहीं हो सका था। यूईआर दिल्ली मास्टर प्लान में प्रस्तावित है। इस प्रोजेक्ट को

वाईपास के जरिये उत्तर और दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली के बीच भीड़ कम करने के लिए बनना है यूईआर-दो

दिल्ली आधारित तीसरे रिंग रोड के तौर पर विकसित किया गया है। इस प्रस्तावित रोड के जरिये धौला कुआं और मौजूदा रिंग रोड पर यातायात को कम करने की योजना बनाई गई है।

यूईआर-दो को डीडीए के द्वारा प्रस्तावित किया गया था। इसके तहत एनएच एक से एनएच दो तक सड़कें बनाई गई हैं। इसके जरिये उत्तरी दिल्ली में नरेला, बवाना व रोहिणी से द्वारका उपनगरी, आइजीआइ एयरपोर्ट और गुरुग्राम को जोड़ने की योजना है। **हरियाणा के पूर्वी हिस्से और राजस्थान जाने में होगी सुविधा :** यूईआर दो के बन जाने के बाद दक्षिणी दिल्ली और हरियाणा के पूर्वी हिस्से (अंबाला, पानीपत, करनाल, रोहतक आदि) से आने वाले लोगों को दिल्ली एवं गुरुग्राम आने और आगे राजस्थान जाने में भी सुविधा होगी।

जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद ने सुप्रीम कोर्ट से वापस ली जमानत अर्जी

नई दिल्ली, प्रेट्र: दिल्ली दंगों की साजिश रचने के आरोप में जेल में बंद जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के पूर्व छात्र उमर खालिद ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से अपनी जमानत अर्जी वापस ले ली। फरवरी 2020 में पूर्वोत्तर दिल्ली में हुए दंगों की साजिश रचने के आरोप में खालिद पर आतंकवाद विरोधी कानून यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामले में दिल्ली हाई कोर्ट से जमानत खारिज होने के बाद खालिद ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी और जस्टिस पंकज मित्तल की पीठ से खालिद की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि परिस्थितियों में बदलाव के कारण खालिद अपनी जमानत अर्जी वापस लेना चाहता है और अब हम ट्रायल कोर्ट जाना चाहते हैं। पीठ ने सिब्बल का अनुरोध स्वीकार कर खालिद को जमानत अर्जी वापस लेने का आदेश दिया। खालिद ने दिल्ली हाई कोर्ट के 18 अक्टूबर 2022 को दिए आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

राजधानी में यमुना के हिस्से में 23 क्यूमेक्स जल प्रवाह कम : डीपीसीसी

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

- **रिपोर्ट में कहा, नदी में जल प्रवाह स्नान योग्य होने और पारिस्थितिकी बरकरार रखने के लिए भी पर्याप्त नहीं**
- **दिल्ली में पड़ने वाला नदी का हिस्सा इसके करीब 80% प्रदूषण के लिए जिम्मेदार**

बढ़ रही यमुना की दुर्दशा। प्रतीकात्मक

दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने कहा है कि यमुना नदी के राष्ट्रीय राजधानी में पड़ने वाले हिस्से में जल प्रवाह 23 घन मीटर प्रति सेकेंड (क्यूमेक्स) कम है। यह जल प्रवाह स्नान योग्य होने और नदी में पारिस्थितिकी बरकरार रखने के लिए भी पर्याप्त नहीं है। अलबत्ता, डीपीसीसी का यह कहना पिछले सप्ताह एक संसदीय समिति द्वारा की गई उस सिफारिश से मेल नहीं खाता है, जिसने दिल्ली में यमुना के 22 किमी लंबे हिस्से में 23 घन मीटर प्रति सेकेंड (क्यूमेक्स) 'ई-फ्लो' रखे जाने की बात कही है।

गौरतलब है कि दिल्ली में पड़ने वाला नदी का हिस्सा इसके करीब 80 प्रतिशत प्रदूषण के लिए जिम्मेदार है। ई-फ्लो (जल प्रवाह) की न्यूनतम मात्रा है, जिसे किसी नदी को अपनी पारिस्थितिकी बरकरार रखने और उसके स्नान योग्य होने के लिए जरूरी है। राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान (एनआइएच), रुड़की द्वारा किए गए एक अध्ययन में 2019 में यह सिफारिश की गई थी कि 23 क्यूमेक्स जल (प्रति दिन 43.7 करोड़ गैलन) हरियाणा के यमुनानगर जिला स्थित हथिनीकुंड बैराज से अक्टूबर से जून तक नदी में छोड़ा जाए, ताकि नदी की पारिस्थितिकी को बरकरार रखा जा सके। वर्तमान में केवल 10 क्यूमेक्स जल बैराज से छोड़ा जाता है। लोकसभा में छह फरवरी को प्रस्तुत की गई अपनी रिपोर्ट में जल संसाधन संबंधी स्थायी समिति ने यह भी उल्लेख किया था कि राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान द्वारा सिफारिश किए गए 'ई-फ्लो' पर यमुना बेसिन राज्यों के बीच मतभेद हैं। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के अनुसार, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली के बीच जल बंटवारे पर हुए 1994 के समझौते की 2025 में समीक्षा होनी है। डीपीसीसी के अनुसार, 23 क्यूमेक्स का 'ई-फ्लो' जैविक आक्सीजन मांग (बीओडी) का स्तर घटाकर 12 मिलीग्राम प्रति लीटर कर देगा। बीओडी नदी या जलाशय में मौजूद कार्बनिक पदार्थों को विघटित करने के लिए सूक्ष्मजीवों द्वारा आवश्यक आक्सीजन की मात्रा है।

आबकारी नीति से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंचे संजय सिंह

नई दिल्ली, प्रेट्र: आम आदमी पार्टी (आप) नेता संजय सिंह ने दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। गत सात जनवरी को दिल्ली हाई कोर्ट ने आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में आप नेता की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इसके साथ ही ट्रायल कोर्ट को सुनवाई शुरू होने पर तेजी लाने का निर्देश दिया था।

आप नेता संजय सिंह ने हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ याचिका अधिवक्ता विवेक जैन और अधिवक्ता रजत भारद्वाज के माध्यम से दाखिल की। संजय सिंह को गत चार अक्टूबर को ईडी ने गिरफ्तार किया था। उन्होंने हाई कोर्ट से इस आधार पर जमानत मांगी थी कि वह तीन माह से अधिक समय से हिरासत में हैं और दिल्ली सरकार की अब समाप्त हो चुकी आबकारी नीति के निर्माण और क्रियान्वयन में भ्रष्टाचार से जुड़े अपराध में उनकी कोई भूमिका नहीं बताई गई है। जांच एजेंसी ने कोर्ट में उनकी जमानत याचिका का विरोध किया था। ईडी ने हाई कोर्ट में दावा किया था कि सिंह घोटाले में प्रमुख साजिशकर्ता हैं।

आयोजन

800 वर्षों से दरगाह में मनाया जा रहा है वसंत उत्सव, हिंदू मुस्लिम सभी हुए शामिल, गेंदे और सरसों के फूलों की दरगाह ने ओढ़ी थी चादर, कव्वाली में बर से वसंत के नज्म

वसंत उत्सव की अनूठी परंपरा से महकी निजामुद्दीन दरगाह

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

महबूब इलाही निजामुद्दीन की दरगाह खास वासंती रंग ओढ़े हुई थी। पीली चादर के साथ पीले सरसों व गेंदे के फूल निजामुद्दीन दरगाह के हर कोने को पीलापन और विशेष खुशबू दिए हुए थे। कव्वाली में भी मशहूर शायर अमीर खुसरो के वसंत पर लिखे नज्मों की वर्षा हो रही थी। मौका भी खास था, बुधवार शाम यहां धूमधाम और परंपरागत तरीके से वसंतोत्सव मनाया गया। इसमें हजारों लोग पीले परिधान और पीले साफे के साथ हाथ में पीले फूल लिए शामिल हुए।

इसके लिए दरगाह में विशेष तैयारियां की गई थीं। दरगाह को विशेष पीले लाइटों से सजाया गया था। हर ओर पीले गेंदे और सरसों के फूलों की महक थी। वैसे यह कोई पहली बार नहीं है। गंगा-यमुना तहजीब को प्रगाढ़ करने की यह अनूठी परंपरा 800 से अधिक वर्षों से चली आ रही है। जब यह दरगाह हिंदू धर्म के विशेष उत्सव को आत्मसात करता है।

विशेष बात कि इस उत्सव में शामिल होने के लिए हर धर्म के लोग शामिल हुए। विदेशी पर्यटक भी इसे देखने के लिए विशेष तौर पर पहुंचे। इसमें कई विशिष्ट लोग भी शामिल थे।

निजामुद्दीन दरगाह में लगभग 800 वर्षों से वसंत उत्सव मनाने की परंपरा के तहत बुधवार को पीले वस्त्र में सरसों के फूलों से होली खेलते हुए हिंदुओं और मुस्लिमों के सौहार्द का दृश्य देखने को मिला। चंद्र प्रकाश मिश्र

ऐसे शुरू हुआ यह उत्सव

दरगाह के अध्यक्ष अफसर अली निजामी ने बताया कि हजरत निजामुद्दीन का अपने भांजे ख्वाजा तकीउद्दीन नूंह से गहरा लगाव था। बीमारी से उनका निधन होने से औलिया दुखी रहने लगे थे। उन्हें इस हाल में देखकर उनके अनुयायी हजरत अमीर खुसरो परेशान थे। एक दिन खुसरो ने महिलाओं के समूह को पीले वस्त्र पहनकर और सरसों के फूल लेकर गाते जाते देखा। खुसरो के पूछने पर उन महिलाओं ने बताया कि वे अपने भगवान को खुश करने के लिए यह वस्त्र पहनकर फूल चढ़ाने मंदिर जा रही हैं। ऐसे में खुसरो ने भी तुरंत पीली साड़ी पहनकर और सरसों का फूल लेकर "सकल बन फूल रही सरसों' गाते हुए हजरत निजामुद्दीन के पास पहुंच गए और नृत्य करने लगे। उन्हें यह करता देख निजामुद्दीन औलिया के चेहरे पर मुस्कान आ गई। कहा जाता है कि तब से वसंत पंचमी का पर्व दरगाह पर मनाया जा रहा है।

'आयुष्मान भारत' के तहत एम्स में 5179 कैंसर रोगियों का उपचार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- **नेत्र विज्ञान विभाग में 4275 मरीजों को उपचार दिया गया**
- **जनरल मेडिसिन में 3169 मरीजों को उपचार मिला**

आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना के क्रियान्वयन के बाद से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने आन्कोलाजी केंद्र में 5,179 कैंसर रोगियों का उपचार किया है। साथ ही 148 घुटनों के रिप्लेसमेंट किए गए हैं। इन वर्षों में 23,260 मरीजों को योजना का लाभ दिया गया है।

एम्स में आयुष्मान भारत योजना के प्रभारी प्रोफेसर डा. वीके बंसल ने बताया कि 27 स्पेशियलिटी केंद्रों में 1109 पैकेज और 1949 प्रक्रियाएं प्रदान की जा रही हैं। इनमें शीर्ष पांच स्पेशियलिटी केंद्रों आन्कोलाजी के अलावा नेत्र विज्ञान विभाग में 4275 मरीजों का, जनरल मेडिसिन में 3169, आर्थोपेडिक्स में 2260 और न्यूरोसर्जरी में 2223 मरीजों को उपचार दिया गया है। आयुष्मान योजना के तहत चार गुर्दे के प्रत्यारोपण, एक बोन मेरो प्रत्यारोपण, रिवीजन घुटना रिप्लेसमेंट 17, हिप रिप्लेसमेंट 557, रिवीजन हिप रिप्लेसमेंट 45, जन्मजात हृदय रोग की 730 सर्जरी की की गई हैं। इसके अलावा ओरल और मैक्सिलरी के 27 सर्जरी की गई हैं। डा. बंसल ने बताया कि एम्स में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है। एम्स के पास एक केंद्रीकृत आयुष्मान भारत केंद्र है जो गेट नंबर एक के पास स्थित है। यह योजना के सुचारू कार्यान्वयन के लिए 24 घंटे और सातों दिन चलता है।

3.4 लाख केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल कर्मियों की मांग चुनाव आयोग ने आगामी लोकसभा चुनाव और आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम में विधानसभा चुनावों के दौरान चरणबद्ध तरीके से तैनाती के लिए की है।

सभी को चाहिए भ्रष्टाचार मुक्त सरकार : पीएम मोदी

दुबई में वर्ल्ड गवर्नमेंट्स समिट में प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन

बोले- दुनिया में सरकारों पर कम हुआ भरोसा, भारत में बढ़ा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को दुबई में वर्ल्ड गवर्नमेंट्स समिट को संबोधित किया। एएफपी

दुनिया में ऐसी सरकारों की जरूरत है जो स्वच्छ हो, पारदर्शी हो, भ्रष्टाचार से दूर हो और सभी को साथ लेकर चले। यह बात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुबई में वर्ल्ड गवर्नमेंट्स समिट को संबोधित करते हुए कही। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की दो दिवसीय यात्रा पर गए प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को इस वैश्विक कार्यक्रम में कई देशों के नेताओं के सामने न सिर्फ अपनी सरकार की कार्यशैली और नीतियों को विस्तार से गिनाया बल्कि यह भी बताने की कोशिश की कि क्यों भारत की जनता का उनकी सरकार के प्रति भरोसा बढ़ता जा रहा है। इस क्रम में प्रधानमंत्री ने भौगोलिक अखंडता की सुरक्षा करने और सभी देशों को अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन करने की हिदायत देकर चीन के साथ चल रहे सीमा विवाद की तरफ भी इशारा कर दिया। यह सम्मेलन हर साल दुबई में आयोजित होता है जो सरकारों को भविष्य की चुनौतियों और इनके लिए अनुभव साझा करने का एक प्रसिद्ध प्लेटफार्म बन गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'कई विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना महामारी के बाद सरकारों के प्रति आम जनता का भरोसा कम हुआ है। लेकिन भारत में हमने एकदम विपरीत अनुभव देखा है। बीते वर्षों में भारत सरकार पर देश के लोगों का भरोसा और मजबूत हुआ है। लोगों को हमारी सरकार की प्रतिबद्धता पर भरोसा बढ़ा है। क्योंकि हम देशवासियों की जरूरतों के प्रति संवेदनशील हैं। लोगों की जरूरतों और सपने दोनों को पूरा करने पर ध्यान दिया है। 23 वर्षों में सरकार में मेरा सबसे बड़ा सिद्धांत यह रहा है कि न्यूनतम गवर्नमेंट, अधिकतम गवर्नेंस।' सनद रहे कि हाल ही में भारत में पांच राज्यों में चुनाव संपन्न हुए हैं जिसमें तीन राज्यों (राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़) में भाजपा को विजय हासिल हुई है। इसमें दो राज्य उसने कांग्रेस से हासिल किए हैं।

मोदी ने वैश्विक नेताओं को चेताया, 'पिछली सदी से खाद्य, स्वास्थ्य और ऊर्जा जैसी चुनौतियों का अब विस्तार हो रहा है। आतंकवाद एक नए स्वरूप के साथ मानवता के सामने नई चुनौती लेकर आ रहा है, जबकि पर्यावरण संबंधी चुनौतियां बड़ी होती जा रही हैं। इन चिंताओं के बीच अंतरराष्ट्रीय सिस्टम बिखरा नजर आ रहा है। सरकारों के सामने अपनी प्रासंगिकता को बचाना भी चुनौती है। ऐसे में विश्व को ऐसी सरकारें चाहिए जो पर्यावरण सुरक्षा को लेकर गंभीर हो, सभी को साथ लेकर चले, स्मार्ट हो, प्रौद्योगिकी को बड़े बदलाव का जरिया बनाए।'

बतौर प्रधानमंत्री विगत 10 वर्षों जो अहम बदलाव उन्होंने किए हैं, उसके बारे में मोदी ने बताया कि 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। 400 अरब डालर से ज्यादा की राशि सीधे लोगों के बैंक खाते में डाली गई है। इससे भ्रष्टाचार की संभावना को खत्म किया गया है और 33 करोड़ डालर की राशि गलत हाथों में जाने से रोकी गई है।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने वैश्विक संस्थानों में बदलाव की मांग भी इस मंच पर रखी। कहा कि जब हर देश अपने आप में बदलाव कर रहे हैं तो वैश्विक सस्थानों में भी सुधार होने चाहिए। हमें भविष्य की योजना बनानी है, विकासशील देशों की भागीदारी सुनिश्चित करनी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए दुबई में स्थित दुनिया की सबसे ऊंची बिल्डिंग बुर्ज खलीफा पर तिरंगे की रंगों की रोशनी की गई। साथ ही संदेश लिखा गया 'गेस्ट आफ आनर, रिपब्लिक आफ इंडिया'। प्रेटर

मोदी के स्वागत में तिरंगे के रंगों से जगमगाया बुर्ज खलीफा

दुबई, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की बातचीत के दौरान मंगलवार को दुबई का प्रसिद्ध बुर्ज खलीफा तिरंगे के रंगों से जगमगा उठा। दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने मंगलवार को बुर्ज खलीफा की दो तस्वीरें साझा कीं। इसमें बुर्ज खलीफा भारतीय ध्वज के रंगों और विश्व सरकार शिखर सम्मेलन के लोगो से जगमगा रही थी। भारत इस वर्ष दुबई में आयोजित विश्व सरकार सम्मेलन में सम्मानित अतिथि के रूप में शामिल हुआ है।

दुबई के क्राउन प्रिंस ने एक्स पोस्ट में तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि हम इस वर्ष के विश्व सरकार शिखर सम्मेलन के सम्मानित अतिथि भारत गणराज्य और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हार्दिक स्वागत करते हैं। हमारे देशों के बीच मजबूत संबंध अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए माडल के रूप में काम करते हैं। उन्होंने कहा कि विश्व सरकार सम्मेलन शासन के सर्वोत्तम तरीकों, सफलता की कहानियों और पहलों को साझा करने के लिए दुनिया के अग्रणी प्लेटफार्मों में से एक है। इस अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में भारत को मुख्य अतिथि के रूप में शामिल करना हमारे लिए खुशी की बात है।

भारत और यूएई में सहयोग बढ़ाने को दस समझौते

अबूधाबी, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के यूएई दौरे में दोनों देशों ने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के दस समझौते किए हैं। जिन क्षेत्रों में सहयोग के लिए समझौते हुए हैं उनमें ऊर्जा, आधारभूत ढांचा, निवेश और प्रबंधन शामिल हैं। इन समझौतों से दोनों देशों के संबंधों में और ज्यादा मजबूती आएगी। समझौतों की जानकारी देते हुए यह बात भारतीय विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने कही है।

अबूधाबी में प्रेस कान्फ्रेंस में क्वात्रा ने कहा, भारत और यूएई के बीच द्विपक्षीय कारोबार 85 अरब डालर के करीब पहुंच चुका है। इतना ही नहीं यूएई भारत में सबसे ज्यादा निवेश करना वाला चौथा देश है। हमारे संबंधों का महत्व इसी से समझा जा सकता है कि यूएई के राष्ट्रपति शेख मुहम्मद बिन जायेद ने मंगलवार को हवाई अड्डे पर आकर समारोहपूर्वक प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया था। इसके बाद दोनों नेताओं ने आपस में बात की और उसके बाद प्रतिनिधिमंडलों के जरिये बात हुई।

विदेश सचिव ने बताया कि जो समझौते हुए हैं उनसे भारत में ऊर्जा सुरक्षा बढ़ेगी और दोनों देशों के बीच ग्रीन हाइड्रोजन के भंडारण का भी समझौता हुआ है। दोनों देश ऊर्जा क्षेत्र के विकास के लिए शोध के साथ ही भारत-मध्य पूर्व-यूरोप इकोनोमिक कारिडोर के विकास के लिए भी सहयोग करेंगे। दोनों देश मिलकर आपूर्ति व्यवस्था को भी सुदृढ़ करेंगे जिससे उत्पादों का लागत मूल्य कम होगा और वस्तुएं जल्द उपलब्ध होंगी।

कोर्ट को मध्यस्थता वाले फैसलों को बदलने की शक्ति देने की सिफारिश

- पूर्व कानून सचिव टीके विश्वनाथन की अध्यक्षता वाली समिति ने मध्यस्थता सुधारों पर सौंपी रिपोर्ट
- सरकार ने मध्यस्थता और सुलह अधिनियम में सुधार के लिए विशेषज्ञ समिति का किया था गठन

नई दिल्ली, प्रेट्र : पूर्व विधि सचिव टीके विश्वनाथन की अध्यक्षता वाली एक विशेषज्ञ समिति ने मध्यस्थता क्षेत्र में सुधारों पर अपनी रिपोर्ट कानून मंत्रालय को सौंप दी है। समिति ने मध्यस्थता कानून में संशोधन की सिफारिश की है ताकि अदालत को मध्यस्थता संबंधी फैसलों को दरकिनार करने या बदलने की शक्ति प्रदान की जा सके। विधि जगत के प्रतिनिधियों ने कानून में प्रस्तावित बदलावों को देश में मध्यस्थता संबंधी सुधारों के लिए झटका बताया है।

सूत्रों ने बुधवार को बताया कि इस समिति में कानून मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ-साथ मध्यस्थता क्षेत्र के विशेषज्ञ भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता क्षेत्र के लिए चिंताजनक प्रमुख मुद्दों में से एक मुद्दा मध्यस्थों द्वारा लिया जाने वाला अत्यधिक शुल्क है। सुधारों में शुल्क अनुसूची से संबंधित चौथी अनुसूची को हटाने का प्रस्ताव रखा गया है। समिति ने एक मध्यस्थ द्वारा लिए जाने वाले मध्यस्थता संबंधी निर्णयों की संख्या पर भी कोई सीमा तय नहीं की है। उन्होंने इस बात पर भी गौर किया कि मध्यस्थ के रूप में नियुक्ति के लिए कोई ऊपरी आयु सीमा निर्धारित नहीं की गई है। समिति को मध्यस्थता अधिनियम की कार्यप्रणाली समेत देश के वर्तमान मध्यस्थता पारिस्थितिकी तंत्र के संचालन के बाबत आकलन और उसका विश्लेषण करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले महीने एक दीवानी अपील पर सुनवाई करते हुए कहा था कि समिति की रिपोर्ट का एक मसौदा सरकार को मिल गया है। इसलिए रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के बाद उसकी प्रति दी जानी चाहिए।

अयोध्या की असीम खुशी अबू धाबी में और बढ़ गई : मोदी

प्रथम पृष्ठ से आगे

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां आएंगे। इससे यूएई आने वाले लोगों की संख्या बढ़ेगी और दोनों देशों के बीच लोगों का आपसी संपर्क भी बढ़ेगा।' प्रधानमंत्री ने पिछले महीने अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को भी याद किया। उन्होंने कहा, 'अयोध्या की हमारी असीम खुशी आज अबू धाबी में मिली खुशी की लहर से और बढ़ गई है। यह मेरा सौभाग्य है कि मैं पहले अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर और फिर अबू धाबी में इस मंदिर का साक्षी बना हूं। अभी पिछले महीने अयोध्या में भव्य राम मंदिर का सदियों पुराना सपना पूरा हुआ। रामलला अपने भवन में विराजमान हैं। पूरा भारत और हर भारतीय अभी भी उस प्रेम की भावना में डूबा हुआ है।' मोदी ने कहा कि यह केवल भारत का 'अमृत काल' नहीं है, यह हमारी आस्था और संस्कृति के 'अमृत काल' का भी समय है।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने मंदिर के उद्घाटन समारोह में भाग लिया। मंदिर में वर्चुअल गंगा और यमुना नदियों में जल चढ़ाया। साथ ही मंदिर में हथौड़े और छेनी का उपयोग करके पत्थर पर 'वसुधैव कुटुंबकम' भी अंकित किया। उन्होंने 'वैश्विक आरती' में भी भाग लिया, जो द्वारा दुनियाभर में निर्मित स्वामीनारायण संप्रदाय के 1,200 से अधिक मंदिरों में एक साथ की गई।

अबूधाबी में बुधवार को बोचासनवासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था के नवनिर्मित हिंदू मंदिर के लोकार्पण समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं अन्य। प्रेट्र

कारीगरों से की मुलाकात : मंदिर का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री ने मंदिर का निर्माण करने वाले कारीगरों से मुलाकात की। गुजरात और राजस्थान के करीब दो हजार कारीगरों ने मंदिर निर्माण में योगदान दिया है। प्रधानमंत्री ने शुरुआत से लेकर पूरा होने तक मंदिर निर्माण में शामिल रहे स्वयंसेवकों एवं इसमें काम में योगदान देने वाले प्रमुख लोगों से भी भेंट की।

हर लेवल पर 300 से अधिक सेंसर : बीएपीएस के अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रमुख स्वामी ब्रह्मविहारीदास ने बताया, 'मंदिर में वास्तुशिल्प पद्धतियों के साथ ही वैज्ञानिक तकनीकों का भी इस्तेमाल किया गया है। तापमान, दबाव एवं गति (भूकंपीय गतिविधि) मापने के लिए मंदिर के हर लेवल पर 300 से अधिक हाई-टेक सेंसर लगाए गए हैं। ये सेंसर अनुसंधान के लिए सजीव आंकड़े उपलब्ध कराएंगे। अगर इस क्षेत्र में कोई भूकंप आता है तो मंदिर इसका पता लगा लेगा और हम उसका अध्ययन कर पाएंगे।'

नहीं हुआ धातु का उपयोग : मंदिर निर्माण में किसी धातु का उपयोग नहीं किया गया है और कार्बन फुटप्रिंट घटाने के लिए नींव भरने में राख (फ्लाई एश) का उपयोग किया गया है। मंदिर के निर्माण प्रबंधक मधुसूदन पटेल ने बताया, 'हमने गर्मी प्रतिरोधी नैनो टाइल्स और भारी ग्लास पैनलों का उपयोग किया है। यूएई के अत्यधिक तापमान के मद्देनजर ये टाइल्स आरामदायक होंगी ताकि श्रद्धालु गर्म मौसम में भी घूम सकें।'

इटली के संगमरमर का भी इस्तेमाल : मंदिर निर्माण में 18 लाख ईंटों, सात लाख मानव घंटों और 1.8 लाख घन मीटर बलुआ पत्थरों का इस्तेमाल किया गया है। 20 हजार टन बलुआ पत्थरों पर राजस्थान में ही नक्काशी की गई थी और उसके बाद 700 कंटेनरों में अबू धाबी लाया गया। इटली से लिए गए संगमरमर को भी नक्काशी के लिए पहले भारत भेजा गया और फिर अबू धाबी लाया गया।

दुबई में गुरुद्वारे ने आयोजित किया लंगर : अबू धाबी में मंदिर के उद्घाटन के मौके पर दुबई में एक गुरुद्वारे ने लंगर का आयोजन किया। इसमें पांच हजार लोगों को भोजन वितरित किया गया। इसे लहसुन-प्याज का इस्तेमाल किए बिना पकाया गया था।

कोविन्द समिति ने एक साथ चुनाव कराने के मुद्दे पर अर्थशास्त्रियों संग किया मंथन

- वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष के शोधपत्र पर मांगे सुझाव
- ओवैसी और गुजरात के चुनाव आयुक्त से की भी चर्चा

नई दिल्ली, प्रेट्र : 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर गठित पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय समिति ने बुधवार को समिति सदस्य और वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष एनके सिंह द्वारा लिखे शोधपत्र पर अर्थशास्त्रियों के साथ चर्चा की। सिंह और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) के सिस्टमिक डिवीजन से संबंधित मुद्दों की प्रमुख प्राची मिश्रा ने 'मैक्रोइकोनामिक इंपैक्ट आफ हार्मोनाइजिंग इलेक्टोरल साइकल्स' शीर्षक से शोधपत्र लिखा है। इसे उच्चस्तरीय समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया था।

शोधपत्र के अनुसार, देश में अलग-अलग चुनाव कराने से खर्च के अलावा व्यापक आर्थिक प्रभाव पड़ता है। कोविन्द समिति ने शोधपत्र पर व्यापक चर्चा की जरूरत बताते हुए मंथन सत्र में अर्थशास्त्रियों से सुझाव और टिप्पणियां आमंत्रित कीं। बैठक में आर्थिक विकास संस्थान के निदेशक प्रो. चेतन घाटे, भारतीय अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद के निदेशक और मुख्य कार्यकारी डा. दीपक मिश्रा, अनिवासी मानद प्रतिष्ठित फेलो, इंदिरा गांधी विकास अनुसंधान संस्थान के प्रो. इंदिरा राजारमन ने भाग लिया।

एआइएमआइएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने एक राष्ट्र एक चुनाव मुद्दे पर समिति के अध्यक्ष राम नाथ कोविन्द से बुधवार को मुलाकात कर उन्हें अपनी पार्टी की राय से अवगत कराया। एएनआइ

समिति ने आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के साथ भी चर्चा की। ओवैसी ने एक साथ चुनाव कराने के मुद्दे पर समिति के समक्ष पार्टी के विचार रखे। राज्य चुनाव आयुक्तों के साथ विमर्श जारी रखते हुए समिति ने गुजरात के चुनाव आयुक्त संजय प्रसाद से मुलाकात की। प्रसाद ने विधानसभाओं और लोकसभा के साथ-साथ स्थानीय निकायों के चुनाव कराने के लिए आवश्यक विभिन्न तार्किक और विधायी आवश्यकताओं पर प्रकाश डाला।

हाई कोर्ट के तीन जजों के स्थानांतरण की सिफारिश

नई दिल्ली, प्रेट्र : चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कलेजियम ने विभिन्न हाई कोर्ट के तीन जजों के स्थानांतरण की सिफारिश की है। जजों ने अपने स्थानांतरण का अनुरोध किया था। कलेजियम में जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस अनिरुद्ध बोस भी शामिल थे। कलेजियम ने मंगलवार की बैठक में कहा कि गत 12 फरवरी को जस्टिस मौसमी भट्टाचार्य ने व्यक्तिगत कारणों से कलकत्ता हाई कोर्ट से किसी अन्य हाई कोर्ट में स्थानांतरित किए जाने का अनुरोध किया था। जस्टिस भट्टाचार्य के अनुरोध को स्वीकार करते हुए उन्हें तेलंगाना हाई कोर्ट में स्थानांतरित किए जाने की सिफारिश की जाती है। कलेजियम ने जस्टिस अनु शिवरामन का अनुरोध स्वीकार कर उन्हें कर्नाटक हाई कोर्ट भेजने की सिफारिश की। उन्होंने केरल राज्य से बाहर स्थानांतरण की मांग की थी। वहीं कलेजियम ने जस्टिस सुजय पाल का अनुरोध भी स्वीकार उन्हें तेलंगाना हाई कोर्ट भेजने की सिफारिश की है। जस्टिस सुजाय ने बेटे द्वारा मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में वकालत करने को आधार बताते हुए स्थानांतरण की मांग की थी।

विचारण न्यायालय को अधीनस्थ न्यायालय न कहा जाए : हाई कोर्ट

- महानिबंधक को निर्देश दिया कि लोअर की बजाय ट्रायल कोर्ट संबोधित किया जाए

जागरण संवाददाता, प्रयागराज

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक आदेश में कहा है कि सत्र न्यायालय अथवा विचारण न्यायालय (ट्रायल कोर्ट) को लोअर कोर्ट या अधीनस्थ अदालत कहने का चलन उचित नहीं है। न्यायालय ने महानिबंधक को निर्देश दिया कि इस संबंध में परिपत्र जारी कर हाई कोर्ट रजिस्ट्री कार्यालय को निर्देशित करें कि सेशन कोर्ट के संबंध में लोअर कोर्ट की बजाय ट्रायल कोर्ट का संबोधन प्रयोग में लाएं। यह आदेश न्यायमूर्ति समित गोपाल ने मेरठ के शमशाद अली की अपराधिक पुनरीक्षण अर्जी पर सुनवाई करते हुए दिया है।

मेरठ से संबंधित एक प्रकरण में सुनवाई के दौरान न्यायालय ने रजिस्ट्री को 27 अक्टूबर, 2023 को निर्देश दिया था कि संबंधित ट्रायल कोर्ट का रिकार्ड मंगाया जाए। संबंधित कार्यालय (रजिस्ट्री) की 10 दिसंबर, 2023 की रिपोर्ट में कहा गया कि लोअर कोर्ट का रिकार्ड अब तक नहीं आया है। इसके बाद कोर्ट ने आफिस को रिमाइंडर भेजने का निर्देश दिया। मामले की सुनवाई से पूर्व 12 फरवरी को कार्यालय ने रिपोर्ट में कहा कि लोअर कोर्ट का रिकार्ड आ गया है। कोर्ट ने कहा, दो बार जब कार्यालय को ट्रायल कोर्ट का रिकार्ड मंगाने का निर्देश दिया तो दोनों बार कार्यालय की रिपोर्ट में ट्रायल कोर्ट को लोअर कोर्ट कह कर संबोधित किया गया। ट्रायल कोर्ट को लोअर कोर्ट या अधीनस्थ अदालत के रूप में संबोधित करना उचित नहीं है। कोर्ट ने कहा, सत्र न्यायालय में दाखिल किसी भी मामले, अपील, रिवीजन आदि के संबंध में तदनुसार ही संबोधन किया जाना चाहिए।

इलाहाबाद हाई कोर्ट की अहम व्यवस्था।

चुनावी बांड की संवैधानिक वैधता पर सुप्रीम कोर्ट आज सुनाएगा फैसला

नई दिल्ली, प्रेट्र : चुनावी बांड की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को फैसला सुनाएगा। तीन दिनों तक मामले की सुनवाई के बाद दो नवंबर को मामले में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। याचिकाकर्ताओं के अनुसार, चुनावी बांड से जुड़ी राजनीतिक फंडिंग पारदर्शिता को प्रभावित करती है और मतदाताओं के सूचना के अधिकार का उल्लंघन करती है।

याचिकाकर्ता ने यह भी तर्क दिया कि इस योजना में शेल कंपनियों के माध्यम से योगदान करने की अनुमति दी गई है। केंद्र ने इस योजना का बचाव करते हुए कहा कि धन का उपयोग उचित बैंकिंग चैनलों के माध्यम से राजनीतिक वित्तपोषण के लिए किया जा रहा है। दानदाताओं की पहचान गोपनीय रखना जरूरी है, ताकि उन्हें किसी प्रतिशोध का सामना न करना पड़े। सुनवाई के दौरान, पीठ ने योजना के बारे में केंद्र सरकार के समक्ष कई प्रासंगिक सवाल उठाए। पीठ ने कहा कि सत्ताधारी दल के लिए दानदाताओं की पहचान जानना संभव है, जबकि विपक्षी दलों को ऐसी जानकारी नहीं मिल सकती।

चुनावी शुचिता

चुनाव में गड़बड़ी करने वालों को रोकने के लिए स्याही की गुणवत्ता में किया गया सुधार, वोटर के हाथों में चिकनाई होने पर पहले किया जाएगा साफ

वोटिंग स्याही से पांच सेकेंड में ही बनेगा अमिट निशान

अरविंद पांडेय, नई दिल्ली

चुनावों में मतदाताओं की अंगुलियों पर लगने वाली स्याही को मिटाना अब आसान नहीं होगा। यह अंगुलियों पर लगने के पांच सेकेंड के भीतर ही अमिट छाप छोड़ देगी। इतना ही नहीं, अंगुलियों पर इसे लगाने से पहले अब यह भी देखा जाएगा कि मतदाता ने अपने हाथों में तेल या फिर चिकनाई वाली कोई चीज तो नहीं लगाई है। यदि ऐसा है तो पहले उसकी अंगुलियों को कपड़े से साफ किया जाएगा। फिर उसे लगाया जाएगा। यही वजह है कि चुनाव के दौरान मतदान कर्मियों को दी जाने वाली चुनाव सामग्री की किट में अब हाथों को साफ करने के लिए एक कपड़ा भी मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं।

चुनाव आयोग ने यह पहल तब की है, जब चुनाव में गड़बड़ी करने वाले लोग पहचान को छुपाने और फिर से वोट डालने के लिए हाथों में लगने वाली स्याही को तुरंत बाद मिटा देते थे। यह इसलिए भी हो जाता था, क्योंकि उनके हाथों में लगने वाली स्याही को अपनी छाप छोड़ने में थोड़ा वक्त लगता था। चुनाव आयोग ने इस चुनौती को समझा और इससे निपटने के लिए विशेष स्याही बनाने वाली मैसूर (कर्नाटक) की कंपनी से संपर्क साधा। इसके बाद इसमें बदलाव किया गया है। इसके चलते अब यह स्याही दो सेकेंड में ही काम शुरू कर देगी।

आसान नहीं होगा निशान मिटाना। प्रतीकात्मक

गौरतलब है कि आम चुनाव में विशेष स्याही का इस्तेमाल पहली बार 1962 में किया गया था। इसके बाद तो देश में होने वाले प्रत्येक आम चुनावों में इसका इस्तेमाल होते आ रहा है। अब तो पंचायत सहित दूसरे सभी चुनावों में इस स्याही का इस्तेमाल होता है। खास बात यह है कि इस स्याही को बनाने का फार्मूला नई दिल्ली स्थित सीएसआइआर की नेशनल फिजिकल लेबोरेटरी ने खोजा था। बाद में इसे बड़े स्तर पर तैयार करने का लाइसेंस कर्नाटक स्थित मैसूर पेंट एंड वार्निश लिमिटेड (एमपीवीएल) को दिया गया, जो देश में इसे बनाने वाली एकमात्र कंपनी है। साथ ही इसका फार्मूला भी इसी कंपनी के पास है।

कई देश उपयोग के लिए भारत से लेते हैं यह स्याही : चुनाव में इस्तेमाल होने वाली इस स्याही की लोकप्रियता सिर्फ भारत तक ही सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के 30 देशों में भी चुनाव के दौरान इसका इस्तेमाल होता है। जो इसे बनाने वाली कर्नाटक स्थित एक मात्र कंपनी मैसूर पेंट एंड वार्निश लिमिटेड (एमपीवीएल) से मंगाई जाती है। इनमें प्रमुख रूप से मलेशिया, कनाडा, कंबोडिया, घाना, अफगानिस्तान, आइवरी कोस्ट, तुर्किये, नाइजीरिया, पपुआ न्यूगिनी, नेपाल, सिंगापुर, दुबई, मंगोलिया, दक्षिण अफ्रीका, डेनमार्क आदि देश शामिल हैं।

****

वीवीपैट की सौ प्रतिशत अनुमति नहीं देना वोटरों से अन्याय : कांग्रेस

नई दिल्ली, एएनआइ : कांग्रेस ने कहा है कि सौ प्रतिशत वीवीपैट (वोटर वेरीफाइएबल पेपर आडिट ट्रेल) की अनुमति नहीं देना वोटरों से घोर अन्याय है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बुधवार को एक्स पर पोस्ट में कहा कि विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए के घटक दल जून, 2023 से चुनाव आयोग से मांग करते आ रहे हैं कि वीवीपैट के मुद्दे पर आयोग उन्हें मुलाकात करने का अवसर दे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सौ प्रतिशत वीवीपैट की अनुमति नहीं देना भारतीय मतदाताओं के साथ सरासर अन्याय है। उन्होंने कहा कि आठ अप्रैल, 2019 को आयोग से कहा था कि वह ऐसे बूथों की संख्या बढ़ा दे जो वीवीपैट स्लिप का मिलान करते हैं। आइएनडीआइए के घटक दलों की मांग है कि चुनाव आयोग अधिक जवाबदेही और पारदर्शिता के लिए वीवीपैट की पर्ची धीरे-धीरे सौ प्रतिशत कर दे।

कह कर रहेंगे — माधव जोशी

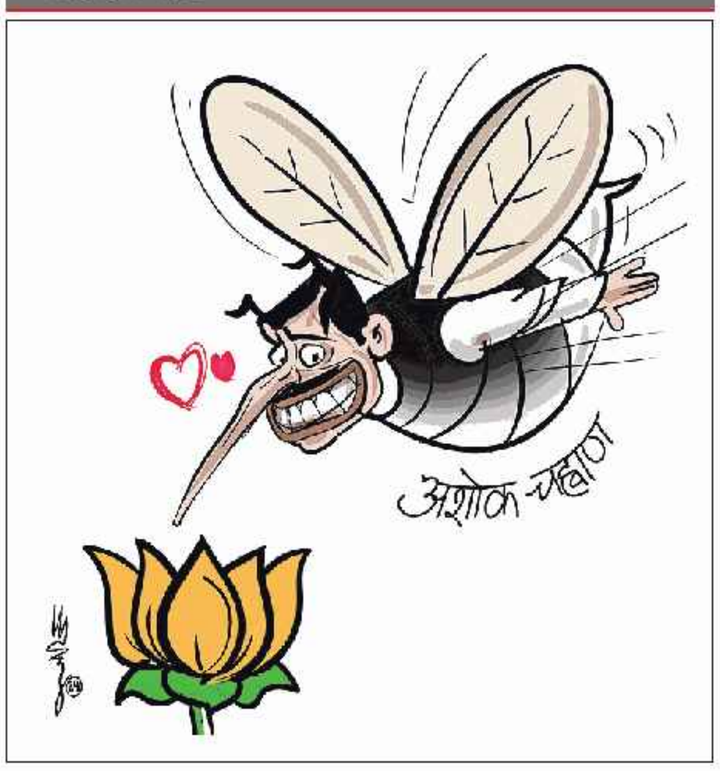

126 सदस्यीय असम विधानसभा में भाजपा सदस्यों की संख्या 61 है, जबकि इसकी सहयोगी यूपीपीएल के सात, असम गण परिषद (एजीपी) के नौ सदस्य हैं।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
गुरुवार 15 फरवरी, 2024

सात केंद्रीय मंत्रियों समेत राज्यसभा के 24 सदस्यों को भाजपा ने नहीं दिया टिकट

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ओडिशा और भाजपा अध्यक्ष नड्डा गुजरात से होंगे प्रत्याशी

राज्यसभा से आए सात केंद्रीय मंत्री लड़ सकते हैं लोकसभा चुनाव

नीलू रंजन, नई दिल्ली

जेपी नड्डा। फाइल

अशोक चव्हाण। फाइल

अश्विनी वैष्णव। फाइल

राज्यसभा से केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल सात मंत्री लोकसभा चुनाव में उतर सकते हैं। इनका कार्यकाल अप्रैल में खत्म हो रहा है और पार्टी ने इन्हें राज्यसभा का टिकट नहीं दिया है। भाजपा ने राज्यसभा के टिकट में पुराने के बजाय नए चेहरों पर ज्यादा भरोसा किया है। पार्टी ने कुल 28 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है, जिनमें केवल चार ही ऐसे हैं जो पहले से राज्यसभा सदस्य हैं। बाकी 24 नए चेहरे हैं। टिकट पाने वाले चार राज्यसभा सदस्यों में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, सूचना व प्रौद्योगिकी तथा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, सूचना व प्रसारण राज्यमंत्री एल मुरुगन और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी हैं। राज्यसभा का कार्यकाल समाप्त होने वाले सिर्फ दो मंत्रियों अश्विनी वैष्णव और एल मुरुगन को टिकट दिया गया है। राज्यसभा की कुल खाली हो रही 56 सीटों के लिए 27 फरवरी को मतदान होना है।

राज्यसभा का कार्यकाल समाप्त होने वाले जिन केंद्रीय मंत्रियों को फिर से उच्च सदन में नहीं भेजा जा रहा है कि उनमें शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया, श्रम तथा पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेंद्र यादव, सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर, विदेश राज्यमंत्री वी मुरलीधरन, पशुपालन व मत्स्य मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला और मध्यम, लघु व सूक्ष्म उद्योग मंत्री नारायण राणे शामिल हैं। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने पहले ही राज्यसभा के रास्ते मंत्रिमंडल में आए कई मंत्रियों के लोकसभा चुनाव लड़ने का संकेत दे दिया था। इसे देखते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने पहले से ही ओडिशा से लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी थी। इसी तरह से मनसुख मांडविया को गुजरात में लोकसभा का टिकट दिया जाएगा। केरल में पैर जमाने की कोशिश कर रही पार्टी राजीव चंद्रशेखर और वी. मुरलीधरण को मैदान में उतार सकती है। दोनों केरल से ही आते हैं। इसी तरह से नारायण राणे महाराष्ट्र, पुरुषोत्तम रुपाला का गुजरात से लोकसभा का चुनाव लड़ना तय माना जा रहा है। वहीं, भूपेंद्र यादव को राजस्थान या हरियाणा से टिकट दिया जा सकता है। इसके अलावा इस साल के अंत तक कार्यकाल पूरा करने वाले कई राज्यसभा सांसदों और मंत्रियों को भी लोकसभा का टिकट दिया जा सकता है।

भाजपा के राज्यसभा उम्मीदवार रेल मंत्री को बीजद का समर्थन

जासं, भुवनेश्वर : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को एक बार फिर ओडिशा से राज्यसभा उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं, भाजपा की तरफ से अश्विनी को राज्यसभा उम्मीदवार बनाए जाने की घोषणा के बाद बीजू जनता दल ने उन्हें अपना समर्थन दिया है। बीजद प्रमुख मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने उन्हें अपना समर्थन देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि राज्य के हित को देखते हुए बीजद ने अपना समर्थन दिया है। भाजपा से अश्विनी को जीतने के लिए 37 विधायकों का समर्थन जरूरी है। भाजपा के पास यह संख्या नहीं है, उनके पास वर्तमान में 22 विधायक हैं। पहले ही बीजद की तरफ से दो नामांकन पत्र दाखिल किए जा चुके हैं। तीसरी सीट को लेकर असमंजस की स्थिति बनी थी, जोकि अब स्पष्ट हो गई है।

'भाजपा के संकल्प के सामने कांग्रेस ने पहले मानी हार'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

राज्यसभा चुनाव के लिए बुधवार को लखनऊ में सुधांशु त्रिवेदी एवं आरपीएन सिंह सहित विभिन्न भाजपा प्रत्याशियों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक तथा केशव प्रसाद मौर्य व पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में नामांकन पत्र दाखिल किया। प्रेट्र

सोनिया के राजस्थान से राज्यसभा के लिए उम्मीदवारी दर्ज कराने के सवाल पर भाजपा के वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने पहले तो इसे कांग्रेस का आंतरिक मामला बताया, लेकिन यह भी जोड़ा कि इससे उप्र में भाजपा के 80 सीटें जीतने का दावा और पुख्ता होता है। वह लखऊ में बुधवार को विधान भवन में राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी के तौर पर नामांकन करने के बाद मीडिया से मुखातिब थे। उन्होंने कहा कि पहले तो कांग्रेस के युवराज (राहुल गांधी) ने उप्र छोड़ा। अब 'कांग्रेस की राजमाता' ने भी लोकसभा चुनाव से पहले ही उप्र को छोड़ने का निर्णय किया है। यह आगामी लोकसभा चुनाव में उप्र में 80 सीटें जीतने के भाजपा के संकल्प के साथ ही कांग्रेस की अवश्यंभावी पराजय की स्वीकार्यता का भी संकेत है।

उन्होंने कहा कि विपक्षी दल पिछड़ी जातियों के झंडाबरदार तो बनते हैं लेकिन जब उन्हें सत्ता और सियासत में हिस्सेदारी देने की बात आती है तो उनके साथ धोखाधड़ी करते हैं। भाजपा ने हिंदी पट्टी के राज्यों में पिछड़ी जाति के 13 लोगों को मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री पद सौंपे हैं। इनमें पांच मुख्यमंत्री और आठ उपमुख्यमंत्री हैं। पीएम को भी जोड़ लें तो संख्या 14 हो जाती है। इनके रूप में भाजपा ने पिछड़ा वर्ग की 12 जातियों को शासन में शीर्ष पदों पर बैठाया है।

भाजपा के सात प्रत्याशियों ने किया नामांकन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : राज्यसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के लिए घोषित किये गए भाजपा के सातों प्रत्याशियों ने बुधवार को नामांकन कर दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा के उप्र चुनाव प्रभारी बैजयंत जय पांडा की उपस्थिति में आरपीएन सिंह, सुधांशु त्रिवेदी, तेजवीर सिंह, साधना सिंह, अमरपाल मौर्य, संगीता बलवंत और नवीन जैन ने विधान भवन में रिटर्निंग अफसर बृजभूषण दुबे के समक्ष दो-दो सेट में नामांकन पत्र दाखिल किए। इनमें से सुधांशु त्रिवेदी को भाजपा ने जहां दोबारा राज्यसभा भेजने का निर्णय किया है, वहीं बाकी छह पहली बार संसद के उच्च सदन में जाएंगे। प्रदेश में राज्यसभा की जिन 10 सीटों पर चुनाव के लिए नामांकन हो रहे हैं, उनमें से अभी नौ भाजपा व एक सपा के पास है। भाजपा के सात प्रत्याशियों से पहले मंगलवार को सपा के तीन प्रत्याशियों ने नामांकन किया था। यदि और किसी प्रत्याशी ने नामांकन नहीं किया, तो भाजपा के सात व सपा के तीन प्रत्याशियों का निर्विरोध निर्वाचन तय है।

भाजपा ने राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े डा .गोपचड़े को बनाया राज्यसभा का प्रत्याशी

मुंबई, मिड-डे

चंद्रकांत हिंडोरे। फाइल

पार्टी की विश्वस्त डा. कुलकर्णी को उम्मीदवार बना कार्यकर्ताओं को साधा

भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्र से पार्टी के निष्ठावान और राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े कारसेवक डा. अजीत गोपचड़े और मेधा कुलकर्णी को राज्यसभा का टिकट देकर सम्मानित किया है। पार्टी ने मंगलवार को कांग्रेस छोड़कर पार्टी में शामिल हुए अशोक चव्हाण पर भी विश्वास जताया है। चव्हाण ने खुद पर विश्वास जताने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पार्टी के शीर्ष नेताओं का आभार जताया। वहीं अन्य दोनों उम्मीदवारों ने भी नई राष्ट्रीय भूमिका दिए जाने पर खुशी जताई। राजनीतिक हलकों में महाराष्ट्र से भाजपा के चौथे उम्मीदवार की नाम पर कयास लगाए जा रहे हैं। हालांकि पार्टी नेतृत्व ने कहा कि ऐसी कोई योजना नहीं है।

भाजपा ने मंत्री नारायण राणे सहित सभी मौजूदा राज्यसभा सांसदों को छोड़कर पार्टी के पुराने विश्वस्तों पर भरोसा जताया है। नांदेड़ से आने वाले लो प्रोफाइल डा. गोपचड़े पार्टी से लंबे समय से जुड़े हैं। बाल रोग विशेषज्ञ शुरुआत में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े थे। इसके बाद भाजपा की छात्र शाखा से शुरुआत कर वह राज्य इकाई के उपाध्यक्ष बने। वह राम जन्मभूमि आंदोलन में सक्रिय कारसेवक रहे हैं। अयोध्या में कारसेवा के दौरान विवादित ढांचे के शिखर पर चढ़े हुए उनकी फोटो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। 2020 के विधान परिषद चुनाव में पार्टी ने रमेश कराड के लिए डा. गोपचड़े से अपना नाम वापस लेने को बोल दिया था। हालांकि अब उन्हें उनकी पार्टी निष्ठा का उपहार दिया गया है।

वहीं पुणे की पूर्व विधायक मेधा कुलकर्णी को 2019 में विधानसभा चुनाव का टिकट नहीं दिया गया था। उनके स्थान पर आयातित उम्मीदवार चंद्रकांत पाटिल को मैदान में उतारा गया था। इसके बाद से पार्टी के विश्वस्त आम कार्यकर्ताओं में रोष था। हालांकि पार्टी ने इस बार पूर्व विधायक को राज्यसभा भेजकर पार्टी के कार्यकर्ताओं में जोश भरने की कोशिश की है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुले ने बुधवार को कहा कि पार्टी ने चौथा उम्मीदवार नहीं उतारने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि सभी दलों के पास छह सीटों के लिए अपना-अपना जीत का कोटा है।

शिवसेना (शिंदे गुट) ने देवड़ा, एनसीपी ने प्रफुल्ल पटेल को बनाया उम्मीदवार: महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने मिलिंद देवड़ा को राज्यसभा उम्मीदवार बनाया है। वह गत माह कांग्रेस छोड़कर शिवसेना (शिंदे गुट) में शामिल हुए थे। पार्टी सूत्रों की मानें तो वह कल राज्यसभा के लिए नामांकन करेंगे। दिग्गज कांग्रेसी नेता मुरली देवड़ा के बेटे मिलिंद देवड़ा ने 2004 और 2009 में लोकसभा चुनाव जीता था। हालांकि वह 2014 और 2019 में चुनाव हार गए थे। वहीं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने अपने मौजूदा राज्यसभा सदस्य प्रफुल्ल पटेल को आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार नामित किया है। उनके नाम की घोषणा बुधवार शाम पार्टी अध्यक्ष सुनील तटकरे ने की।

कांग्रेस ने दलित मतों के लिए दी हंडोरे को उम्मीदवारी

मुंबई, राज्य ब्यूरो : महाराष्ट्र कांग्रेस के दलित नेता चंद्रकांत हंडोरे को राज्यसभा की उम्मीदवारी देकर 2022 के विधान परिषद चुनाव में उन्हें मिली करारी हार का हर्जाना देने के साथ ही दलित मतों को कांग्रेस की तरफ खींचने का प्रयास भी माना जा रहा है। महाराष्ट्र में जून 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने चंद्रकांत हंडोरे को उम्मीदवार बनाया था। हालांकि क्रास वोटिंग के कारण उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। वह 1992-93 मुंबई के महापौर रहने के अलावा 2004 से 2009 के बीच विलासराव सरकार में सामाजिक न्याय मंत्री भी रह चुके हैं। वह महाराष्ट्र कांग्रेस के उपाध्यक्ष भी रहे हैं। कांग्रेस ने दलित मतदाताओं को ध्यान में रखते हुए वर्तमान में मुंबई कांग्रेस के अध्यक्ष का दायित्व भी एक दलित नेता वर्षा गायकवाड को सौंपा है।

लाल बहादुर शास्त्री के पौत्र कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल

बोले, आइएनडीआइए की कोई विचारधारा नहीं, 'जय जवान जय किसान' की सोच को मजबूत करूंगा

पूर्व पीएम के पौत्र विभाकर शास्त्री को भाजपा की सदस्यता देने के बाद स्वागत करते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, साथ में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक। जागरण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के पौत्र विभाकर शास्त्री ने अपने समर्थकों संग कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया है। बुधवार को लखनऊ स्थित भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में उन्हें पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई। विभाकर शास्त्री लाल बहादुर शास्त्री के सबसे बड़े पुत्र हरिकृष्ण शास्त्री के पुत्र हैं। भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि आइएनडीआइए की कोई विचारधारा नहीं है। उसका एकमात्र लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हटाना है। राहुल गांधी को देश को बताना चाहिए कि कांग्रेस की विचारधारा क्या है। अपने लिए भाजपा के दरवाजे खोलने के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के प्रति आभार जताया। कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्व.लाल बहादुर शास्त्री के 'जय जवान, जय किसान' के दृष्टिकोण को और सुदृढ़ कर देश की सेवा कर सकूंगा। इसकी घोषणा उन्होंने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को संबोधित पोस्ट के जरिये की।

आपको रुकना चाहिए था...: बताया जाता है कि भाजपा में शामिल होने के बाद कांग्रेस के बड़े नेता ने विभाकर शास्त्री को फोन किया। उन्होंने कहा-' ये आपने क्या किया, आपको रुकना चाहिए था...'

असम में कांग्रेस के दो विधायक 'सरकार में शामिल'

सीएम हिमंत विस्वा सरमा ने दोनों विधायकों का किया स्वागत

मुख्यमंत्री ने कहा दोनों विपक्ष में रहकर करेंगे सरकार का समर्थन

भाजपा सरकार को समर्थन देने वाले कांग्रेस विधायक कमलाख्या डे पुरकायस्थ और बसंत दास के साथ असम के मुख्यमंत्री हिमंत विस्वा सरमा। एएनआइ

गुवाहाटी, प्रेट्र: असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस विधायक कमलाख्या डे पुरकायस्थ और पूर्व मंत्री बसंत दास ने 'सरकार में शामिल' होने का फैसला किया है। पुरकायस्थ कांग्रेस की प्रदेश इकाई के कार्यकारी प्रमुख थे, जबकि दास तरुण गोगोई सरकार में मंत्री थे। दास 2021 में मंगलदोई सीट से चुने गए थे। हिमंत सरमा ने बजट सत्र के दौरान दोनों विधायकों का विधानसभा परिसर स्थित मुख्यमंत्री के कक्ष में स्वागत किया। पुरकायस्थ छात्र राजनीति से ही कांग्रेस से जुड़े थे। वह 2021 में करीमगंज उत्तर सीट से विधानसभा के लिए चुने गए थे। सरमा ने कहा कि मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में इस्तीफा दे चुके पुरकायस्थ और दास विपक्षी दल के विधायक बने रहेंगे, लेकिन जनता के लिए काम करने के वास्ते असम सरकार को बिना शर्त समर्थन दिया है।

...स्वामी को लेकर सतह पर आई सपा की रार

जागरण संवाददाता, बलिया

स्वामी प्रसाद के पार्टी पद से इस्तीफे को मिला राम गोविंद चौधरी का समर्थन

सुभासपा नेता ने कहा, पार्टी का पद छोड़ने के बजाय एमएलसी पद से इस्तीफा दें मौर्य

स्वामी प्रसाद मौर्य। फाइल

रामगोविंद चौधरी। जागरण

ओमप्रकाश राजभर।

पालाबदल की बेला में अब तक अपना कुनबा बचाए रखने में सफल रही समाजवादी पार्टी में भी अब रार सतह पर आ गई है। रामचरितमानस व सनातन धर्म विरोधी अपनी तीखी टिप्पणियों के कारण पार्टी के भीतर लगातार ब्राह्मण नेताओं के निशाने पर रहे स्वामी प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को पार्टी महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया था। मौर्य ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं पर भेदभाव करने और उनकी टिप्पणियों का समर्थन नहीं करने का आरोप लगाया था।

अब वरिष्ठ सपा नेता और पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राम गोविंद चौधरी ने बुधवार को पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव को पत्र लिखा है। चौधरी ने पत्र में कहा है-'आपके सफल नेतृत्व में सपा का प्रत्येक कार्यकर्ता और नेता सांप्रदायिकता और पाखंड के इस जहर के प्रभाव को कम करने के लिए संघर्ष कर रहा है। स्वामी प्रसाद मौर्य भी पूरी ताकत से इसका विरोध कर रहे हैं और इस कारण भाजपा, आरएसएस के निशाने पर हैं। मौर्य पिछड़े समुदाय से आते हैं और जुझारू नेता हैं। पार्टी के हित में है कि वह पदाधिकारी बने रहें, इसलिए उनका इस्तीफा स्वीकार न करने का आग्रह है। बता दें, 2022 के विधानसभा चुनावों से ठीक पहले भाजपा छोड़कर सपा में शामिल हुए स्वामी प्रसाद मौर्य ने फाजिलनगर से चुनाव लड़ा था लेकिन हार गए थे। इसके बाद सपा ने उन्हें विधान परिषद भेज दिया। उनकी बेटी संघमित्रा बदायूं से भाजपा सांसद हैं। पहले रालोद का साथ छूटने और फिर पार्टी की अंदरूनी कलह इस तरह सार्वजनिक होने से सपा की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही है।

पार्टी के अंदर ही मौर्य का विरोध

रायबरेली से सपा के नेता व ऊंचाहार विधायक मनोज पाण्डेय व अयोध्या से पूर्व विधायक पवन पाण्डेय स्वामी प्रसाद की टिप्पणियों पर सवाल उठाते रहे हैं, जबकि पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता स्वामी प्रसाद मौर्य की टिप्पणियों पर अक्सर बयान दे देते हैं कि यह उनके निजी विचार हैं। मौर्य के इस्तीफे पर सपा की पूर्व सहयोगी सुभासपा के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मौर्य का इस्तीफा एक नाटक है। पार्टी के पद से इस्तीफा देने के बजाय उन्हें एमएलसी पद से इस्तीफा देना चाहिए था।

सपा के राज्यसभा प्रत्याशियों के पक्ष में वोट नहीं देंगी पल्लवी पटेल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : अपना दल (कमेरावादी) की नेता और उप्र के कौशांबी के सिराथू से सपा विधायक पल्लवी पटेल ने राज्यसभा चुनाव के लिए पार्टी की ओर से घोषित किये गए प्रत्याशियों को पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) की उपेक्षा बताया है। उन्होंने कहा है कि वह राज्यसभा चुनाव में सपा प्रत्याशियों के पक्ष में वोट नहीं देंगी। एक समाचार चैनल से बातचीत में उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव के लिए पीडीए की झंडाबरदार बनी सपा ने जया बच्चन और सेवानिवृत्त आइएएस अधिकारी आलोक रंजन को प्रत्याशी बनाकर पीडीए का हक मारा है। उनसे कोई सलाह-मशविरा भी नहीं किया और भावना के विपरीत उम्मीदवार तय कर दिए हैं। ऐसे में वह सपा प्रत्याशियों के पक्ष में वोट नहीं देंगी।

पल्लवी पटेल। फाइल

रोटी बेल रही थीं भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेशाध्यक्ष, बेटे ने बताया- रास प्रत्याशी बन गईं

नईदुनिया, नर्मदापुरम: आज खाना बनाने वाली बाई (घरेलू सहायिका) नहीं आई थी, मैं किचिन में लौकी की सब्जी बनाने के बाद रोटी बेल रही थी, तभी बेटा विकास दौड़कर आया और बोला कि मम्मी आपका नाम राज्यसभा प्रत्याशियों की सूची में है। बेटे ने जैसे ही बताया तो खुशी का ठिकाना नहीं रहा। मैं तो भाजपा की छोटी सी कार्यकर्ता हूं। यह कहना है मध्य प्रदेश में भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेशाध्यक्ष माया नारोलिया का। माया नारोलिया का नाम बुधवार को भाजपा की ओर से जारी राज्यसभा प्रत्याशियों की सूची में शामिल था। उल्लेखनीय है नारोलिया 1980 से लगातार पार्टी में सक्रिय हैं। राशन की दुकान का संचालन करने के साथ ही वह राजनीति में सक्रिय हैं। 1997 में स्वयंसेवी संगठन नवधारा महिला मंडल का गठन किया। दो बार नगर भाजपा महिला अध्यक्ष रहीं। भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष बनीं। इसके बाद मंडी सदस्य का दायित्व मिला। दो बार पार्षद चुनी गईं। प्रदेश कार्यसमिति में सदस्य बनीं और उसके बाद नगरपालिका अध्यक्ष बनीं।

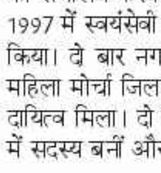
पंच पद से की थी शुरुआत...माया नारोलिया।

वाल्मीकि धाम के पीठाधीश्वर हैं भाजपा के राज्यसभा उम्मीदवार उमेश नाथ

नईदुनिया, उज्जैन : भाजपा ने राज्यसभा के लिए मध्य प्रदेश से बालयोगी उमेश नाथ जी महाराज को उम्मीदवार घोषित किया है। सन 1946 में जावरा में जन्मे संतश्री ने करीब 38 साल पहले उज्जैन के जूना सोमवारिया स्थित सोहनदासजी महाराज के समाधि स्थल को अपनी तपस्थली बनाते हुए श्री सिद्धक्षेत्र वाल्मीकि धाम की स्थापना की थी। अपने भक्तों के आग्रह पर वह इसके पीठाधीश्वर बने। जन्म के बाद ही उनके पिता हरिलाल व माता कमला देवी ने उन्हें महायोगी श्री गुरु गोरक्षनाथ के धूने को समर्पित कर दिया था। जन्म से ही वह नाथ संप्रदाय के संत के रूप में जीवन जी रहे हैं।

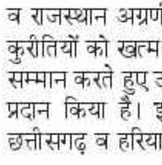
संत बालयोगी उमेशनाथ म्हाराज।

उमेश नाथ जी महाराज को वर्ष 1992 को देश के आठ प्रांतों की सरकारों ने राजकीय अतिथि का दर्जा दिया। इसमें मध्य प्रदेश व राजस्थान अग्रणी राज्य रहे। राष्ट्रप्रेम, समरसता व समाज से कुरीतियों को खत्म करने के लिए किए जा रहे उनके प्रयासों का सम्मान करते हुए उन्हें अवध विश्वविद्यालय ने समरसता अवार्ड प्रदान किया है। इसके साथ ही उन्हें गौरव इंडिया, कर्मवीर छत्तीसगढ़ व हरियाणा आदि से सम्मानित किया जा चुका है।

सफरनामा

रायबरेली में प्रियंका गांधी के चुनावी विरासत संभालने की तैयारी के पुख्ता संकेत, राहुल गांधी की भी पिछली हार पीछे छोड़ अमेठी से चुनाव लड़ने की संभावना कायम, इंदिरा ने राज्यसभा से शुरू की थी पारी तो सोनिया ने आखिरी दौर में चुना विकल्प

उप्र में नेहरू-गांधी परिवार की विरासत का दारोमदार अब चौथी पीढ़ी पर

संजय मिश्र, नई दिल्ली

जवाहर लाल नेहरू।

इंदिरा गांधी। फाइल

सोनिया गांधी। फाइल

प्रियंका गांधी वाड्रा।

सोनिया गांधी के राजस्थान से राज्यसभा का नामांकन भरने के साथ ही उत्तर प्रदेश की सक्रिय चुनावी राजनीति में नेहरू-गांधी परिवार की तीसरी पीढ़ी का सफर अब विराम की ओर बढ़ गया है। भाजपा की राजनीति में सक्रिय मेनका गांधी अगर अगला चुनाव लड़ेंगी तो परिवार की तीसरी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व बना रहेगा अन्यथा उत्तर प्रदेश की राजनीति में कांग्रेस व गांधी परिवार की प्रासंगिकता बनाए रखने का पूरा दारोमदार चौथी पीढ़ी के नेताओं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा पर होगा। दो दशक से रायबरेली का प्रतिनिधित्व कर रहीं सोनिया गांधी के राज्यसभा में जाने के बाद अब 2024 के लोस चुनाव में उनकी जगह उनकी पुत्री व कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के इस सीट से चुनाव लड़ने की संभावना जताई जा रही है। गांधी परिवार के संसदीय सफर का दिलचस्प पहलू यह भी है कि सोनिया गांधी ने जहां अपनी राजनीतिक सक्रियता के अंतिम दौर में राज्यसभा जाने का विकल्प चुना, वहीं पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कैरियर का आगाज राज्यसभा सदस्य के तौर पर हुआ था।

कांग्रेस को संक्रमण के दौर से बाहर निकालने के लिए 1999 में अमेठी से लोकसभा चुनाव लड़कर सक्रिय राजनीति में प्रवेश करने के बाद से सोनिया गांधी बीते ढाई दशक से लगातार लोकसभा में उत्तर प्रदेश की नुमाइंदगी कर रही हैं। 2014 में शुरू हुए भाजपा के वर्चस्व के दौर में भी रायबरेली ही प्रदेश की एकमात्र सीट है, जहां कांग्रेस का सूरज अभी डूबा नहीं है। 2004 में राहुल गांधी को अमेठी की विरासत सौंपकर रायबरेली को अपनी राजनीतिक कर्मभूमि बनाने वाली सोनिया गांधी पिछले 20 वर्षों से यहां से सांसद हैं। अनुमान लगाया जा रहा है कि प्रियंका अगले चुनाव में रायबरेली में उनकी राजनीति विरासत को आगे बढ़ाने के लिए उतरेंगी। इसी तरह राहुल गांधी के भी पिछली हार को पीछे छोड़कर अमेठी से चुनाव लड़ने की संभावना कायम है। भाजपा की सियासत में सक्रिय वरुण गांधी भी नेहरू-गांधी परिवार की चौथी पीढ़ी की नुमाइंदगी करते हैं।

****

उप्र को तीन दशक पहले तक कांग्रेस का गढ़ माना जाता था और इसका काफी श्रेय प्रदेश में नेहरू-गांधी परिवार की लोकप्रियता को दिया जाता था। इसकी बुनियाद स्वाभाविक रूप से देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने रखी थी और 1952 के पहले आम चुनाव से लेकर 1962 के तीसरे आम चुनाव तक उत्तर प्रदेश की फूलपुर लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व किया। 1964 में नेहरू के निधन के बाद उनकी बहन विजय लक्ष्मी पंडित ने फूलपुर का कुछ समय के लिए प्रतिनिधित्व किया। देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के निधन के बाद प्रधानमंत्री बनीं इंदिरा गांधी 1967 के आम चुनाव में रायबरेली को अपनी राजनीतिक कर्मभूमि बनाते हुए पहली बार यहां से लोकसभा पहुंचीं। हालांकि 1977 में कांग्रेस विरोधी लहर में हुए आम चुनाव में उत्तर प्रदेश से गांधी परिवार के प्रतिनिधित्व पर संक्षिप्त ब्रेक जरूर लगा, लेकिन 1980 के आम चुनाव में इंदिरा गांधी के साथ नेहरू-गांधी परिवार की तीसरी पीढ़ी के तौर पर संजय गांधी का अमेठी से लोकसभा में पदार्पण हुआ। संजय गांधी के निधन के बाद राजीव गांधी ने अपनी जिंदगी के अंतिम समय तक अमेठी की विरासत संभाली। राजीव के निधन के बाद उप्र में 1991-99 तक नेहरू-गांधी विरासत का कोई सदस्य कांग्रेस की ओर से सांसद में नहीं रहा। हालांकि कांग्रेस के विरोध में बने जनता दल से 1989 में पहली बार लोस में पहुंची मेनका गांधी 1991 का चुनाव हार गईं, मगर 1996 का चुनाव जीत गईं थीं। तब से वह लगातार संसद में हैं और जनता दल छोड़ने के बाद 1998 से वह भाजपा का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। चौथी पीढ़ी की राजनीतिक पारी की शुरुआत 2004 में राहुल गांधी ने की तो भाजपा ने भी वरुण गांधी को आगे किया। रायबरेली से प्रियंका चुनाव मैदान में उतरती हैं तो वह चौथी पीढ़ी की चुनावी राजनीति में कदम रखने वाली तीसरी शख्सियत होंगी।

भाजपा में शामिल होने के सवाल को टाल गए कमल नाथ

नईदुनिया, छिंदवाड़ा: मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ बुधवार को छिंदवाड़ा पहुंचे। इस दौरान पत्रकारों ने जब भाजपा में शामिल होने को लेकर सवाल किया तो वह टाल गए। पत्रकारों ने उनसे सुमित्रा महाजन के उस बयान पर सवाल किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि जय श्रीराम बोलो, और भाजपा में आ जाओ। इस पर कमल नाथ ने कहा कि वह जो कह रही हैं, वह छोड़िए, आप लोग क्या कह रहे हैं, यह बताइए।

हाल में लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने कमल नाथ और उनके बेटे नकुल नाथ के लिए कहा था कि जय श्रीराम बोल कर भाजपा में चले आएं। इसके बाद से ही राजनीतिक हलकों में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। इस बयान के बाद कई कांग्रेसियों ने भाजपा की सदस्या ग्रहण कर ली।

न्यूज गैलरी

बंगाल की मुख्यमंत्री को आक्सफोर्ड से न्योता

कोलकाता: बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को दो प्रमुख विदेशी शिक्षा संस्थानों से न्योता मिला है। उन्हें लेक्चर देने के लिए आमंत्रित किया गया है। ममता ने एक कार्यक्रम में खुद इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लंदन के आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की ओर से जून महीने में आयोजित होने वाले एक कार्यक्रम में शामिल होने और भाषण देने के लिए उन्हें निमंत्रण भेजा गया है। बताया कि लंदन स्कूल आफ इकोनामिक्स के छात्र भी मुझसे मिलना चाहते हैं। कोलकाता में अपने विधानसभा क्षेत्र में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि सबकुछ ठीक रहा तो मैं जून में लंदन का दौरा करूंगी। (राबू)

फोटोग्राफी प्रतियोगिता में तेलंगाना पुलिस ने मारी बाजी

लखनऊ: लखनऊ में आयोजित अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट में तीसरे दिन फोटोग्राफी प्रतियोगिता में तेलंगाना पुलिस के केडी विजय ने बाजी मारी। प्रतियोगिता में केडी विजय से पूछा गया कि आखिरकार क्राइम सीन में फोटोग्राफी क्यों आवश्यक है और इसमें क्या विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। केडी विजय ने जवाब दिया कि क्राइम सीन में फोटोग्राफी घटना के राजफाश में सबसे अधिक सहायक होती है। खास बात यह की घटनास्थल की फोटो दूर और नजदीक दोनों से करनी चाहिए, क्योंकि घटना के समय जब अधिकारी अथवा पुलिस टीम मौके पर पहुंचती है तब उस समय हर चीज को बारीकी से नहीं देख पाते हैं। इसी तरह तेलंगाना पुलिस के एनवी रमाना जिन्हें दूसरा मिला और तीसरा स्थान पाने वाले महाराष्ट्र पुलिस के चैतली गपत ने अपनी बारी पर परीक्षक को संतुष्ट किया। (जासं)

हवलदार वरिंदर सिंह विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित

नई दिल्ली: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भारतीय सेना के सिख रेजिमेंट के हवलदार वरिंदर सिंह को विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया है। हवलदार वरिंदर को यह सम्मान बहु-उद्देशीय आक्टोकाप्टर विकसित करने के लिए प्रदान किया गया है। वरिंदर द्वारा विकसित बहु-उद्देशीय आक्टोकाप्टर एक बहुमुखी ड्रोन है जो न केवल निगरानी अभियान चलाने, बल्कि ग्रेनेड गिराने, एके-47 जैसे हथियारों के साथ हवाई लक्ष्य पर हमला करने और लाजिस्टिक आपरेशन में सक्षम है। (एएनआइ)

ईडी का तमिलनाडु के पूर्व मंत्री के विरुद्ध सुनवाई का आग्रह

चेन्नई: ईडी ने मद्रास हाई कोर्ट से द्रमुक नेता और तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी सेंथिल बालाजी के विरुद्ध जाब-फार-कैश घोटाला मामले की त्वरित सुनवाई पर विचार करने का आग्रह किया है। जस्टिस आनंद वेंकटेश के समक्ष अपने शपथपत्र में ईडी ने कहा है कि पूर्व मंत्री जानबूझकर मनी लांड्रिंग मामले में सुनवाई शुरू होने से रोक रहे थे। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कोर्ट से मुकदमा पूरा होने से पहले जमानत याचिका स्वीकार करने की जगह त्वरित सुनवाई का आग्रह किया। (आइएएनएस)

केरल के स्कूल में देर रात पूजा की जांच के आदेश

कोझिकोड: कोझिकोड में सरकारी वित्तीय सहायता प्राप्त लोअर प्राथमिक विद्यालय में सोमवार रात एक नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिला। स्कूल प्रबंधन ने कक्षा के भीतर पूजा की और सत्ताधारी पार्टी माकपा के कार्यकर्ता बताए जा रहे कुछ स्थानीय निवासियों ने इसमें व्यवधान डाला। पुलिस ने कहा कि यह घटना कुट्टियाडी के समीप नेदुमान्नुर लोअर प्राथमिक विद्यालय में हुई। मुद्दे पर विवाद उत्पन्न होने के बाद सामान्य शिक्षा मंत्री वी सिवानकुट्टी ने मंगलवार को मामले की जांच का निर्देश दिया। (प्रेट्र)

अभिनेत्री गौतमी अन्नाद्रमुक में शामिल हुईं

चेन्नई: लोकप्रिय फिल्म अभिनेत्री गौतमी तादिमाल्ला ने बुधवार को अन्नाद्रमुक के महासचिव ईके पलानीस्वामी से मुलाकात की और तमिलनाडु की मुख्य विपक्षी पार्टी में औपचारिक रूप से शामिल हो गई। 55 वर्षीया अभिनेत्री 120 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुकी हैं। (प्रेट्र)

भाजपा ने संदेशखाली घटना की सीबीआइ जांच की मांग की

महिला आयोग या राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से जांच की मांग, लगातार सातवें दिन भी विरोध प्रदर्शन जारी

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने संदेशखाली घटना की सीबीआइ जांच की मांग की है। आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन और सत्तारूढ़ दल संदेशखाली में सुबूत नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि कलकत्ता हाई कोर्ट केंद्रीय जांच एजेंसी की महिला अधिकारियों के साथ एक टीम बनाए और इस मामले पर त्वरित कार्रवाई करे। इसके अलावा राष्ट्रीय महिला आयोग या राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से तथ्यों की जांच कराई जाए।

वहीं, दूसरी ओर संदेशखाली में बुधवार को लगातार सातवें दिन विरोध प्रदर्शन जारी है। बड़ी संख्या में महिलाएं सड़कों पर हैं और तृणमूल कांग्रेस नेता शेख शाहजहां और उसके सहयोगी नेताओं की गिरफ्तारी की मांग कर रही हैं। शाहजहां और उसके सहयोगियों के खिलाफ जमीन पर जबरन कब्जा करने और महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने सहित कई आरोप हैं।

उधर, तृणमूल कांग्रेस की स्थानीय सांसद व अभिनेत्री नुसरत जहां ने कहा कि किसी को भी आग में घी नहीं डालना चाहिए। प्रदेश भाजपा ने नुसरत पर हमला बोलते हुए कहा था कि टीएमसी नेता संदेशखाली में महिलाओं का यौन शोषण कर रहे हैं और बशीरहाट (जिसका संदेशखाली एक हिस्सा है) से टीएमसी सांसद नुसरत इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म इंस्टा और फेसबुक के लिए रील बनाने में व्यस्त हैं। उन्हें मामले की गंभीरता से कोई लेना-देना नहीं है।

बंगाल भाजपा प्रमुख कार के बोनट से गिरने से घायल

बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में बुधवार को कार की बोनट पर खड़े होकर मीडिया से वार्ता के दौरान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार संतुलन बिगड़ने के साथ गिर पड़े। वीडियोग्रैब/प्रेट्र

संतुलन बिगड़ने की वजह से गिर पड़े प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उनका उपचार चल रहा है। प्रेट्र

भाजपा की बंगाल इकाई के प्रमुख सुकांत मजूमदार उत्तर 24 परगना जिले में बुधवार को कार के बोनट पर खड़े होकर पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे, इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से गिर पड़े और चोटिल हो गए। उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मजूमदार ने आरोप लगाया कि राज्य पुलिस ने उन्हें अशांत संदेशखाली जाने से रोकने के लिए उनके लाज की घेराबंदी कर दी है। पुलिस ने इससे इन्कार किया है।

भाजपा ने ममता राज को बताया जंगल राज, मांगा इस्तीफा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : भाजपा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला है। ममता राज को जंगल राज बताते हुए इस्तीफे की मांग की है। पार्टी प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि बंगाल में दुष्कर्मियों की सरकार है, जो दुष्कर्मियों के द्वारा, दुष्कर्मियों के लिए चलाई जा रही है। बंगाल में टीएमसी के गुंडों द्वारा बंदूक की नोंक पर महिलाओं से दुष्कर्म करने की मीडिया रिपोर्ट्स बहुत निराशाजनक और चिंताजनक है। कोलकाता हाईकोर्ट का इस मामले पर स्वत: संज्ञान लेना ममता बनर्जी सरकार और उनके इरादों पर करारा थप्पड़ है।

कर्नाटक में कांग्रेस नेता ने भाजपा विधायक को दी धमकी, मुकदमा

बेंगलुरु, आइएएनएस: कर्नाटक में पैसों के लेन-देन के मामले में कांग्रेस नेता पद्मराजू ने भाजपा विधायक गोपालैया को जान से मारने की धमकी दे डाली। मामले में बुधवार को पुलिस ने कांग्रेस नेता पद्मराजू के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। विधायक गोपालैया ने कहा कि वह पद्मराजू को निष्कासित करने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरमैया और गृह मंत्री डा. जी. परमेश्वर से भी शिकायत दर्ज कराएंगे।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि आरोपित ने वित्तीय मामले में विधायक गोपालैया को फोन किया और धमकी दी कि वह विधानसौध के रास्ते में अथवा घर में घुसकर मार डालेगा। पद्मराजू गत अप्रैल में ही भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुआ था। इधर, विधानसभा में विधायक गोपालैया ने यह मामला उठाया। इस पर कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर ने बुधवार को राज्य सरकार से भाजपा विधायक को धमकी देने के आरोपित को शाम तक गिरफ्तार करने अथवा संबंधित पुलिस निरीक्षक को निलंबित करने को कहा। उन्होंने कहा कि सदन को इस मुद्दे को गंभीरता से लेना चाहिए। सरकार को मामले में सख्त संदेश देना चाहिए।

छत्तीसगढ़ में खाली मकानों का ताला तोड़कर मुस्लिमों ने किया कब्जा

नईदुनिया, बिलासपुर

- **विलासपुर हाउसिंग बोर्ड कालोनी का मामला**
- **125 लोगों को घर खाली करने का दिया गया नोटिस**

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर शहर में हाउसिंग बोर्ड द्वारा पीएम आवास योजना के तहत बनाए गए 50 मकानों का ताला तोड़कर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कब्जा कर लिया है। दो घरों में अवैध निर्माण करते हुए वहां मजार बनाकर झाड़-फूंक शुरू कर दी है। कुछ ऐसे घर, जहां परिवार वाले रह रहे थे, आसपास के मुस्लिम परिवारों ने इन्हें धमकाकर घर खाली करवाने के बाद उन पर भी कब्जा कर लिया है। लोगों की शिकायत पर नगर निगम प्रबंधन ने कब्जा करने वाले 125 परिवारों को मकान खाली करने का नोटिस दिया है।

हाउसिंग बोर्ड ने वर्ष 2013 में आवास विहिन परिवारों के लिए 400 मकान बनाए थे। इनमें से 335 मकान पात्र हितग्राहियों को आवंटित कर दिए गए और बचे 65 मकानों पर ताला लगा दिया गया। कुछ महीने बाद आसपास के कुछ मुस्लिम परिवार इन बंद पड़े मकानों का ताला तोड़कर रहने लगे। धीरे-धीरे शहर के अन्य क्षेत्र के मुस्लिम भी मकान का ताला तोड़कर यहां रहने लगे। देखते ही देखते 50 से ज्यादा मुस्लिम परिवारों का इन मकानों पर कब्जा हो गया। आसपास रहने वाले मुस्लिम परिवारों ने पात्र हितग्राहियों को डराकर मकान से भगा दिया और उन पर कब्जा कर लिया। मकान नंबर 199 और 200 में जाकिर खान का कब्जा है। उसने अतिरिक्त निर्माण करा मजार बनवाई और झाड़-फूंक शुरू कर दी है। अन्य मकानों में रहने वाले भी असामाजिक गतिविधियों को अंजाम देते हैं।

शिकायत मिली है कि मकानों का ताला तोड़कर कब्जा कर लिया गया है। ऐसे लोगों को मकान खाली करने का नोटिस दिया गया है। मकान खाली नहीं करने की दशा में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

-सुरेश बरुआ, कार्यपालक अभियंता, नगर निगम

बाहरी लोगों के रहने और मकानों पर कब्जा करने की शिकायत नहीं मिली है। जांच के बाद वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

-राजेंद्र जायसवाल, एएसपी सिटी, छग

हाउसिंग बोर्ड कालोनी देवरीखुर्द का वह मकान जिसमें कब्जाधारी ने मजारनुमा निर्माण कराया है। नईदुनिया

ईसीएचएस प्रभारी अधिकारी को सीबीआइ ने किया गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, बुलंदशहर : बुलंदशहर में पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) पाली क्लीनिक के प्रभारी अधिकारी अशोक कुमार शर्मा को बुधवार दोपहर सीबीआइ ने गिरफ्तार कर लिया है। इन पर कामकाज की सुचारु सुविधा के लिए एक लाख रुपये की मासिक रिश्वत मांगने के आरोप हैं। रिश्वत के 80 हजार रुपये लेते समय सीबीआइ टीम ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

बुलंदशहर में ईसीएचएस का दफ्तर व क्लीनिक है। यहां से पूर्व सैनिकों को संबद्ध अस्पतालों में चिकित्सा सेवाओं के लिए रेफर किया जाता है। इस क्लीनिक के प्रभारी अशोक कुमार शर्मा नेवी के रिटायर्ड अधिकारी हैं। वह ग्रेटर नोएडा में रहते हैं। वह रोजाना घर से क्लीनिक आते हैं। सीबीआइ ने एक ट्रैप आपरेशन में क्लीनिक से ही इनको गिरफ्तार किया है।

अशोक कुमार की गिरफ्तारी तब हुई जब वह एक व्यवसायी से 80 हजार रुपये की पहली किस्त प्राप्त कर रहे थे। आरोपित को गाजियाबाद की सीबीआइ अदालत पेश किया जाएगा।

मोदी के जम्मू दौरे से पहले पाक ने किया संघर्ष विराम का उल्लंघन

जागरण संवाददाता, जम्मू

- **पुलवामा हमले की बरसी पर आरएसपुरा में पाकिस्तानी रेंजर्स ने बिना वजह की गोलीबारी**
- **बीएसएफ के उच्च अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लिया, सीमा पर चौकसी बढ़ी**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जम्मू दौरे से पहले पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तनाव बढ़ाने का प्रयास किया। जम्मू के सीमांत क्षेत्र आरएसपुरा सेक्टर में पाकिस्तानी रेंजर्स ने बुधवार शाम को बिना किसी उकसावे के गोलीबारी कर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। बीएसएफ जवानों ने इसका करारा जवाब दिया। लगभग आधा घंटा हुई गोलीबारी में भारतीय क्षेत्र में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बीएसएफ ने सीमा पर चौकसी बढ़ा दी है। ग्रामीणों को भी सतर्क कर दिया है। पिछले वर्ष अक्टूबर में भी अरनिया सेक्टर में पाकिस्तान ने संघर्ष विराम का उल्लंघन किया था जिसमे एक महिला के अलावा दो बीएसएफ जवान घायल हो गए थे।

बता दें कि यह घटना ऐसे समय में हुई है जब प्रधानमंत्री 20 फरवरी को जम्मू दौरे पर आ रहे हैं। इस दौरान कई विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री जम्मू में जनसभा को भी संबोधित करेंगे। प्रशासन कार्यक्रम की तैयारियों में जुटा है। ऐसे में पाकिस्तान खलल डालने का षड्यंत्र रच रहा है। बुधवार को पुलवामा हमले की बरसी भी थी। सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तान रेंजर्स ने अफजल सईद पोस्ट से गोलाबारी की। 6:10 बजे शुरू हुई गोलाबारी रुक-रुक कर 6:25 बजे तक जारी रही। बीएसएफ जवानों के मुंह तोड़ जवाब देने के बाद पाक की तरफ से गोलाबारी बंद हुई। इसके बाद बीएसएफ के उच्च अधिकारियों के साथ-साथ पुलिस अधिकारी मौके पर स्थिति का जायजा लेने पहुंचे। सीमावर्ती लोग सतर्क कर दिए गए हैं। सुरक्षा अधिकारी के अनुसार सीमा पर फिलहाल हालात पूरी तरह से सामान्य हैं। सुरक्षा एजेंसियां अभी स्थिति नजर बनाए हुए हैं।

राम मंदिर को लेकर कर्नाटक विधानसभा में तीखी बहस

बेंगलुरु, प्रेट्र : राम मंदिर और हनुमान ध्वजा के मुद्दे पर बुधवार को कर्नाटक विधानसभा में विपक्षी दल भाजपा और सत्तारूढ़ कांग्रेस के सदस्यों के बीच तीखी बहस हुई है। राज्य में कानून और व्यवस्था पर चर्चा के दौरान कांग्रेस के सदस्यों ने दावा किया कि भाजपा असली कारसेवकों का अपमान कर रही है।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के बेटे प्रियंक खरगे ने कहा कि भाजपा पहले शंकराचार्यों की आपत्तियों का जवाब दे। इस पर भाजपा नेता अशोक ने कहा कि कांग्रेस ने मंदिर के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रपति को मुख्य अतिथि नहीं बनाने पर आपत्ति उठाई थी। वहीं भाजपा सदस्य सुनील कुमार ने कहा कि राम मंदिर हमारा मुद्दा है। इसके लिए हमारी प्रतिबद्धता थी।

विपक्ष के नेता आर.अशोक ने सिद्दरमैया प्रशासन पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति को जानबूझकर कमजोर किया गया। अशोक ने 1992 में रामजन्मभूमि आंदोलन में हुई हिंसा से जुड़े श्रीकांत पुजारी को कारसेवक कहते हुए उनकी गिरफ्तारी का जिक्र किया तो कांग्रेस विधायकों ने उन्हें कारसेवक कहे जाने पर आपत्ति जताई। अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा से पहले पुजारी की गिरफ्तारी पर कांग्रेस ने उन्हें आपराधिक पृष्ठभूमि का बताया। साथ ही कहा कि उन पर जुआ खेलने के आरोप हैं। कांग्रेस विधायकों ने दावा किया कि भाजपा पुजारी को कारसेवक बताकर असली कारसेवकों का अपमान कर रही है। जबकि भाजपा विधायकों का आरोप है कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने रामजन्मभूमि से जुड़े लोगों को झूठे मामलों में फंसाकर गिरफ्तार किया है।

- **भाजपा ने कहा-राम मंदिर हमारा मुद्दा, इसमें हमारी प्रतिबद्धता थी**

प्रियांक खरगे। फाइल

कांग्रेस का आरोप- भाजपा असली कारसेवकों का अपमान कर रही

दैनिक जागरण के सहयोगी मीडिया प्लेटफार्म विश्वास.न्यूज की पड़ताल में सामने आया सच

शफीकुर्रहमान पर सीएम योगी ने नहीं दिया बयान

Vishvas.News
क्योंकि सच जानना आपका अधिकार है
www.vishvasnews.com

नई दिल्ली, जेएनएन: आगामी लोकसभा चुनाव से पूर्व इंटरनेट मीडिया पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी (सपा) सांसद शफीकुर्रहमान बर्क के दो बयानों से संबंधित इन्फोग्राफिक्स को शेयर किया जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि शफीकुर्रहमान के एक बयान पर पलटवार करते हुए योगी आदित्यनाथ ने भड़काऊ बयान दिया।

पड़ताल: शफीकुर्रहमान के नाम से की-वर्ड सर्च में हमें एक यू-ट्यूब चैनल पर दो साल पुराना अपलोड किया हुआ वीडियो मिला, जिसमें उनका यह बयान शामिल है। उत्तर प्रदेश सरकार की जनसंख्या नीति पर सवाल उठाते हुए सांसद शफीकुर्रहमान बर्क ने कहा था कि अगर इसकी वजह से जनसंख्या कम हो गई और दूसरे मुल्क से विवाद हो गया, तो हम अपने मुल्क को कैसे बचाएंगे। इसके बाद हमने योगी आदित्यनाथ के नाम से प्रसारित बयान को चेक किया। सर्च में हमें ऐसा कोई बयान नहीं मिला।

निष्कर्ष: सपा सांसद शफीकुर्रहमान के बयान के जवाबी पलटवार के दावे के साथ योगी आदित्यनाथ के नाम पर शेयर किया जा रहा बयान फेक और मनगढ़ंत है।

क्या हो रहा प्रसारित?

इंटरनेट मीडिया यूजर 'inshort0186' ने पोस्ट को शेयर किया है जिसमें योगी आदित्यनाथ और शफीकुर्रहमान के बयानों का जिक्र है। शफीकुर्रहमान के नाम से इस बयान का जिक्र है, 'अगर बच्चे पैदा नहीं होंगे तो बार्डर पर कौन लड़ेगा?'। वहीं योगी आदित्यनाथ की तस्वीर के साथ उनके नाम से बयान का जिक्र है, 'मियां यदि तुम लोग पैदा ही न हो तो लड़ाई की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।' कई अन्य यूजर्स ने इसे समान दावे के साथ शेयर किया है।

झूठी खबर और अफवाहों का सच जानने के लिए विश्वास न्यूज के वाट्सएप चैनल को फालो करने के लिए कोड स्कैन करें।

चुनाव के दौरान दारुल उलूम में नेताओं की नो एंट्री

जासं, सहारनपुर : इस्लामिक शिक्षण संस्थान दारुल उलूम देवबंद में इस बार भी चुनावी माहौल में नेताओं की एंट्री नहीं होगी। संस्था में कोई नेता आता भी है तो कोई भी जिम्मेदार और उलमा उससे मुलाकात नहीं करेंगे। दारुल उलूम के मोहतमिम मुफ्ती अबुल कासिम नौमानी ने लोकसभा चुनाव से पहले साफ कहा कि अब संस्था के उलमा किसी भी नेता से नहीं मिलेंगे। दारुल उलूम देवबंद में यूं तो नेताओं का आना-जाना लगा रहता है। सभी दल यह जानने की कोशिश करते हैं कि दारुल उलूम का रुख किस दल की तरफ है। लगभग डेढ़ दशक पहले एक पार्टी के नेता ने पूर्व मोहतमिम से अपने सिर पर हाथ रखवा कर आशीर्वाद लिया था। बाद में इसका फोटो गलत तरीके से प्रचारित कर उक्त दल ने इसका लाभ लेने की कोशिश की थी। तभी से दारुल उलूम हर चुनाव से पहले यह स्पष्ट कर देता है कि वह किसी भी दल के समर्थन में नहीं है।

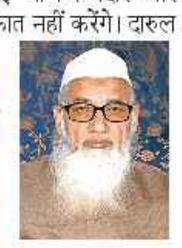

मोहतमिम मुफ्ती अबुल कासिम नौमानी।

बदलाव की अपील

अंग्रेजों के समय के नियम को चुनौती देने वाली याचिका पर हाई कोर्ट, पंजाब व हरियाणा को नोटिस

हाई कोर्ट में ए-3 की जगह ए-4 कागज के इस्तेमाल की मांग

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

1 पेड़ को काटकर उससे कागज की लगभग 8333 शीट का उत्पादन किया जाता है

10 लीटर पानी की आवश्यकता होती है कागज का एक टुकड़ा हिस्सा तैयार करने के लिए

1 जुलाई 2018 से 30 जून 2019 के बीच पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट के समक्ष 1,46,045 मामले दायर

हाई कोर्ट में ए-3 साइज की जगह ए-4 कागज का इस्तेमाल करने की मांग पर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के कार्यवाहक चीफ जस्टिस जीएस संधावालिया व जस्टिस लुपिता बनर्जी पर आधारित डिवीजन बेंच हाई कोर्ट (प्रशासनिक स्तर), पंजाब, हरियाणा व चंडीगढ़ प्रशासन को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

याचिका में आरोप लगाया गया कि कागज प्रयोग करने को लेकर हाई कोर्ट में आज भी अंग्रेजों के नियमों के अनुसार कागज का इस्तेमाल हो रहा है। इससे न केवल कागज की जमकर बर्बादी हो रही है बल्कि पर्यावरण को भी नुकसान हो रहा है। अदालती कार्रवाई में कागज की खपत को कम करने और पर्यावरण को बचाने के लिए चंडीगढ़ निवासी विवेक तिवारी ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर ए-3 साइज की जगह ए-4 कागज का इस्तेमाल करने की मांग की है। याचिका में हाई कोर्ट के साथ-साथ हरियाणा, पंजाब व चंडीगढ़ की सभी अधीनस्थ अदालतों, ट्रिब्यूनल में दायर की जाने वाली याचिकाओं, हलफनामे या अन्य दस्तावेजों के लिए एक तरफ छपाई के साथ लीगल पेज (ए 3) के उपयोग करने की वर्तमान प्रथा पर रोक लगाने की मांग की गई है।

याचिकाकर्ता के अनुसार फुलस्केप पेपर पर, डबल स्पेसिंग के साथ, मार्जिन छोड़ कर शीट के केवल एक तरफ छपाई करने के आदेश से कागज की जबरदस्त बर्बादी होती है। याचिका के अनुसार यह नियम जो दशकों पहले तैयार किए गए थे, स्वतंत्रता-पूर्व औपनिवेशिक समय के हैं। उस समय कागज की मोटाई और स्याही की गुणवत्ता के कारण कागज के एक तरफ छपी स्याही दूसरी तरफ रिस जाती थी, जिससे पढ़ना मुश्किल हो जाता था। अब पेपर प्रिंटिंग तकनीक और स्याही से संबंधित तकनीकों की प्रगति के चलते यह समस्या नहीं रही है। जानकारों के अनुसार मामला पर्यावरण के हित को ध्यान में रखकर उठाया गया है। इसइसलिए नजीर बन सकती है।

आकार में इतना अंतर

ए-4 कागज

ए-3 कागज

याचिका में बताया गया पानी और पेड़ों की बचत का हिसाब-किताब

भारतीय न्यायपालिका की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया गया कि 1 जुलाई 2018 से 30 जून 2019 के बीच पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट के समक्ष कुल एक लाख 46 हजार 45 मामले दायर किए गए। एक सामान्य अनुमान के लिए मान लेते हैं कि इनमें से प्रत्येक मामले में केवल दो पक्ष थे। फिर औसतन लगभग छह सेट फाइलों की जरूरत होगी। आगे यह मानते हुए कि प्रत्येक फाइल में लगभग 50 पृष्ठ हैं, तो भी न्यूनतम लगभग 4.38 करोड़ पृष्ठों की आवश्यकता होगी। इसके लिए कुल मिलाकर लगभग 5258 पेड़ काटे गए होंगे और 40.38

जब मोदी महाराष्ट्र का दौरा करेंगे तो जरांगे अपने स्थान से हिल भी नहीं पाएंगे : राणे

मुंबई, प्रेट्र : केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैलियों को बाधित करने की धमकी देने को गंभीरता से लिया और मराठा आरक्षण के लिए आंदोलन कर रहे मनोज जरांगे पर निशाना साधा। राणे ने एक्स पर लिखा कि भूख हड़ताल पर बैठे जरांगे ने सारी हदें पार कर दी हैं। कहा कि जरांगे ने एक बेतुकी और संवेदनहीन टिप्पणी की है कि वह महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दौरे को मुश्किल कर देंगे। उन्होंने सारी हदें पार कर दी हैं। मैं आपको चुनौती देता हूं कि जब प्रधानमंत्री मोदी महाराष्ट्र का दौरा करेंगे तो आप अपने स्थान से हिल भी नहीं पाएंगे। मैं उन्हें मराठाओं का नेता नहीं मानता।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसा लगता है कि उन्हें कुछ मानसिक झटका लगा है। वह ऐसी टिप्पणियां कर रहे हैं जिसका कोई अर्थ नहीं है। कहा कि उन्हें अपनी सीमाएं जाननी चाहिए और हद में रहना चाहिए। नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण के लिए मराठा समुदाय के आंदोलन का नेतृत्व कर रहे जरांगे पिछले पांच दिनों से जालना जिले के अपने पैतृक गांव अंतरवाली सरती में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। जरांगे ने चेतावनी दी थी कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री मोदी की कोई भी जनसभा नहीं होने दी जाएगी। जारांगे ने कुनबी मराठों के रक्त संबंधियों को कुनबी जाति प्रमाण पत्र देने पर कानून में बदलने के लिए राज्य विधानमंडल का एक विशेष सत्र बुलाने की मांग की है।

नारायण राणे।

केंद्रीय मंत्री ने पीएम की रैलियों को बाधित करने की धमकी देने पर जरांगे पर साधा निशाना

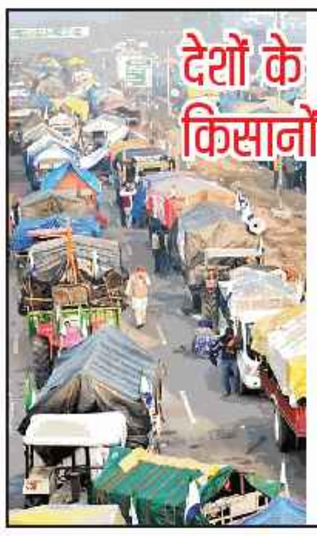

देशों के लिए सिरदर्द बना किसानों का ट्रैक्टर मार्च

इटली, स्पेन, जर्मनी, फ्रांस, बेल्जियम, रोमानिया और ग्रीस सहित कई देशों में किसान ट्रैक्टर के साथ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। भारत में भी सुरक्षा एजेंसियां किसानों के ट्रैक्टर मार्च से निपटने के लिए कारगर उपाय तलाश रही हैं। आइये जानते हैं वैश्विक स्तर पर किसानों के ट्रैक्टर मार्च का ट्रेंड किस तरह से जोर पकड़ रहा है?

इटली

किसानों ने हाल में टैक्स छूट फिर से लागू किए जाने की मांग को लेकर ट्रैक्टर के एक काफिले के साथ रोम में प्रदर्शन किया। पहले किसान ट्रैक्टर के साथ बड़ी रैली करना चाहते थे लेकिन आम लोगों को होने वाली असुविधा और उनका समर्थन खोने की आशंका के चलते उन्होंने ट्रैक्टर के छोटे काफिले के साथ प्रदर्शन किया।

स्पेन

स्पेन के विटोरिया शहर में किसानों ने सड़क पर ट्रैक्टर मार्च निकाल कर विरोध प्रदर्शन किया। इससे ट्रैफिक बाधित हुआ। किसान बढ़ती कीमतों, लालफीताशाही और बाहर से सस्ते आयात को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। स्पेन में किसानों ने ट्रैक्टर के काफिले के साथ राजमार्ग और बंदरगाह भी जाम किए।

जर्मनी

किसानों ने जनवरी में पूरे जर्मनी में ट्रैक्टर मार्च निकाल कर सड़कों को जाम कर दिया। किसान सरकार की सब्सिडी में कटौती की योजना को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे पहले दिसंबर में हजारों किसानों ने बर्लिन में विरोध प्रदर्शन करते हुए सड़कें जाम कर दी थीं और सड़कों पर खाद गिरा दी थी।

बेल्जियम

31 जनवरी को हजारों किसान ट्रैक्टर के साथ ब्रुसेल्स में यूरोपीय संसद के सामने विरोध प्रदर्शन किया। किसान बढ़ती कीमतों और टैक्स की ऊंची दरों से नाराज हैं। यहां किसानों ने पुलिस पर अंडे और पटाखे भी फेंके। किसानों का प्रदर्शन जारी है और उनकी घेराबंदी से बंदरगाह का परिचालन भी बाधित हो रहा है।

फ्रांस

30 जनवरी को करीब 10,000 किसानों ने ट्रैक्टर के काफिले के साथ विरोध प्रदर्शन किया और राजमार्ग जाम कर दिया। फ्रांस में सरकार ने किसानों को बड़े शहरों से दूर रहने की चेतावनी दी है। फ्रांस में भी किसान ज्यादा भुगतान, नौकरशाही पर अंकुश और विदेशी प्रतिस्पर्धा से संरक्षण की मांग कर रहे हैं।

न्यूज गैलरी

किसानों की मांगें गंभीरता से ले केंद्र सरकार : मायावती

लखनऊ : बसपा प्रमुख मायावती ने केंद्र सरकार को किसानों की मांगों को गंभीरता से लेने की सलाह दी है। इंटरनेट मीडिया एकाउंट एक्स पर बुधवार को किए गए पोस्ट में मायावती ने सरकार को किसान आंदोलन पर सख्ती करने के बजाए उनसे वार्ता कर आंदोलन समाप्त करने का प्रयास करने की नसीहत दी है। मायावती ने लिखा, मेहनतकश किसानों की जो मांगें हैं, सरकार उन्हें गंभीरता से ले। (राबु)

उतारे गए किसानों को पुलिस ने अयोध्या की ट्रेन में बैठाया

उज्जैन : किसानों के समर्थन में दिल्ली जा रहे कर्नाटक के जिन 70 किसानों को मध्य प्रदेश पुलिस ने सोमवार को भोपाल स्टेशन पर उतार लिया था, उन्हें बुधवार को अयोध्या जा रही ट्रेन में बिना टिकट चढ़ाकर भेज दिया। किसानों के साथ एक सिपाही को भी भेजा गया है। इससे पहले किसानों को को पैसेंजर ट्रेन में बैठाकर उज्जैन लाया गया था। वहां किसानों को महाकाल मंदिर में दर्शन कराने के बाद एक गार्डन में नजरबंद कर दिया गया था। अयोध्या की ट्रेन में बैठाते समय किसानों ने कहा कि उन्हें जबरिया भेजा जा रहा है। जाना दिल्ली है और भेज अयोध्या रहे हैं। (नईदुनिया)

स्वामीनाथन की बेटी ने कहा, किसानों को साथ लें

पश्चिमी दिल्ली: हरित क्रांति के जनक एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न दिए जाने की खुशी में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें एमएस स्वामीनाथन की बेटियों ने आनलाइन हिस्सा लिया और अपने विचार रखे। स्वामीनाथन की बेटी मधुरा स्वामीनाथन ने कहा कि हमें एमएस स्वामीनाथन का सम्मान करना है, तो भविष्य के लिए हम जो भी रणनीति बना रहे हैं उसमें हमें किसानों को अपने साथ लेना होगा। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञानियों को किसानों से परामर्श करना चाहिए। उनके साथ अपराधियों जैसा व्यवहार नहीं करना चाहिए। (जासं)

मधुर स्वमीनाथन

पीएम मोदी को धमकी वाले वीडियो हो रहे प्रसारित

चंडीगढ़ : हरियाणा की सख्ती से दिल्ली कूच में विफल होने के कारण कुछ किसान अपना आपा खो रहे हैं। वे न केवल भड़काऊ बयानबाजी कर रहे हैं, बल्कि इंटरनेट मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धमकी देने वाले वीडियो भी प्रसारित हो रहे हैं। इन धमकियों की जांच कर रही साइबर सेल के मुताबिक, कुछ ऐसे वीडियो प्रसारित हो रहे हैं, जिनमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धमकी दी जा रही है कि पिछली बार वह फिरोजपुर में बच निकले थे, लेकिन इस बार आए तो जिंदा नहीं जाएंगे। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक, जांच के बाद एफआइआर दर्ज की जाएगी। ध्यान रहे कि प्रतिबंधित संगठन सिख फार जस्टिस के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की ओर से लगातार इंटरनेट मीडिया पर माहौल को खराब करने के लिए पोस्टें डाली जा रही हैं। (राबु)

दस के दम के सहारे किसानों के प्रदर्शन के सामने डटी भाजपा

'अन्नदाता का सम्मान' हैशटैग के साथ सक्रिय हुई भाजपा

प्रदर्शन विरुद्ध इंटरनेट मीडिया पर संभाला मोर्चा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

तमाम प्रयासों और निर्णयों से जिन खेत-खलिहान में भाजपा अपनी चुनावी जमीन पक्की मान रही है, विपक्षी दल उसे ही कच्ची जमीन समझकर दंगल सजाने के लिए प्रदर्शनकारियों के पीछे हो लिए हैं। विपक्षी दलों की ओर से किसान संगठनों के उग्र 'दिल्ली कूच' को भरपूर हवा दी जा रही है, वहीं भाजपा को मोदी सरकार के दस वर्षों के कार्यकाल में किसानों के हित में लिए गए निर्णयों पर भरोसा है। भाजपा ने किसानों के घर-घर दस्तक के अलावा इंटरनेट मीडिया पर भी मोर्चा संभाल लिया है।

मोदी सरकार ने गांव, गरीब व किसान को प्राथमिकता में रखा। 11 करोड़ से अधिक किसानों को सम्मान निधि सहित कई निर्णयों से भाजपा ने ग्रामीणों-किसानों में पैठ बढ़ाई, जिसका परिणाम 2019 के लोकसभा चुनाव में भी दिखाई दिया। किसानों के वोटबैंक में सेंध लगाने की जुगत फिर से शुरू हुई है। इंटरनेट मीडिया पर भी विपक्षी दल सक्रिय हैं और भाजपा को घेरने का प्रयास कर रहे हैं। केंद्र सरकार किसानों से बाती जरूर कर रही है, पर प्रदर्शनों को लेकर संशकित नहीं है। किसान मोर्चा की ग्राम परिक्रमा यात्रा के जरिये मोदी सरकार के किए कार्यों का पुनः गांव-गांव, घर-घर जाकर प्रचार किया जा रहा है। साथ ही भाजपा ने 'अन्नदाता का सम्मान' हैशटैग से सरकार के निर्णय इंटरनेट मीडिया पर गिनाते हुए भी मोर्चा संभाल लिया है।

भाजपा ने याद दिलाए मोदी सरकार के कुछ निर्णय

- पीएम किसान मानधन योजना में तीन हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन। 23.38 लाख किसानों का पंजीकरण।
- पीएम मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना को कैबिनेट की मंजूरी। 2023-24 से 2026-27 तक छह हजार करोड़ से अधिक का निवेश।
- राष्ट्रीय गोकुल मिशन के लिए 2400 करोड़ रुपये का आवंटन। दुग्ध उत्पादन में हुई 61 प्रतिशत की वृद्धि।
- सोलर पंप पर अनुदान मिलने से बढ़ी पंपों की संख्या। 1992 से 2014 तक 0.116 लाख तो 2014 से 2023 के बीच लगे 5.3 लाख सोलर पंप।
- प्रसंस्करित खाद्य पदार्थों के निर्यात में दोगुणी बढ़ोतरी। 2014-15 की तुलना में 2022-23 में निर्यात दर 13.7 प्रतिशत से बढ़कर हुई 25.6 प्रतिशत।
- खाद्य उत्पादन क्षमता 15 गुना बढ़ी। 2014 में 12 लाख मीट्रिक टन, 2023 में 200 लाख मीट्रिक टन उत्पादन।
- चना, मसूर, जौ आदि के न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी।
- फसल खरीद 40% बढ़ी। 2014-15 में यह 759 लाख मीट्रिक टन थी, जबकि 2023 में 1063 लाख मीट्रिक टन।

पंजाब-हरियाणा सीमा पर बुधवार को प्रदर्शनकारी किसान एवं मुस्तैद सुरक्षाकर्मी। प्रशासन ने पिछले अनुभव से सबक लेते हुए इस बार पर्याप्त इंतजाम करें हैं। एपी

भारतीय किसान संघ ने दिल्ली कूच से किया किनारा, बताया राजनीति से प्रेरित

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : पंजाब के किसानों के दिल्ली कूच को राजनीति से प्रेरित बताते हुए भारतीय किसान संघ ने इससे किनारा कर लिया है। साथ ही, किसानों के प्रति समाज में नकारात्मक भाव पैदा नहीं करने की अपील की है। स्पष्ट किया कि किसानों के नाम पर हिंसा, अराजकता और राष्ट्रीय संपति का नुकसान होने से समाज में उनके प्रति नकारात्मक भाव जन्म लेगा। इसका खमियाजा संघर्षरत किसानों को चुकाना पड़ता है, इसलिए हिंसक आंदोलन का समर्थन नहीं किया जा सकता।

भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्र ने कहा कि जब राजनीतिक मंशा के साथ किसानों के कंधे का प्रयोग कुछ लोग अपने राजनीतिक हित साधने के लिए करते हैं, तो पीड़ा होती है। हमारा मानना है कि जब किसान के नाम पर राजनीतिक आंदोलन चलता है, तो इससे नुकसान सिर्फ किसानों को होता है। विगत वर्ष मंदसौर और दिल्ली में हुआ आंदोलन इसका प्रमाण है, जहां किसानों को अपनी जान गंवानी पड़ी, लेकिन उनके मुद्दे एवं मांगें जस की तस हैं। इसलिए किसानों के नाम पर चुनावी पैंतरेबाजी बंद होनी चाहिए मिश्र ने कहा कि लागत के आधार पर लाभकारी मूल्य किसान का अधिकार है। इसी तरह कृषि आदानों पर जीएसटी समाप्त करने, किसान सम्मान निधि में बढ़ोतरी और जीएम बीज पर रोक जैसी मांगें संकल्पबद्ध है।

प्रत्येक किसान परिवार पर सरकार का सालाना 22 हजार से ज्यादा खर्च

अरविंद शर्मा, नई दिल्ली

कृषक परिवारों व खेती की दशा-दिशा सुधारने के लिए प्रतिवर्ष तीन लाख करोड़ रुपये से ज्यादा होता है खर्च

किसान संगठन बार-बार एमएसपी को लेकर प्रदर्शन करते हैं पर यह मुद्दा नजरअंदाज किया जाता है कि केंद्र सरकार कृषक परिवारों एवं खेती की दशा-दिशा सुधारने के लिए प्रतिवर्ष तीन लाख करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च करती है। इसमें उर्वरकों पर सब्सिडी के अतिरिक्त कृषि मंत्रालय की कई ऐसी योजनाएं हैं, जिनके जरिये किसानों के खाते में सीधे पैसे भेजे जाते हैं। केवल समग्र कृषि योजनाएं एवं डीबीटी के माध्यम से दी जाने वाली सहायता राशि का यदि औसत आकलन किया जाए तो प्रत्येक किसान पर केंद्र सरकार वर्तमान में प्रति वर्ष लगभग 22 हजार रुपये से ज्यादा खर्च कर रही है। यह राशि पशुपालन, जल शक्ति, ऊर्जा व ग्रामीण विकास मंत्रालय की उन योजनाओं से अलग है, जिसे कृषि से संबद्ध कार्यों पर खर्च किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2013-14 में कृषि मंत्रालय का बजट 27,662.67 करोड़ रुपये था, जो 2023-24 में 1,25,035.79 करोड़ हो गया है।

समग्रता में देखें तो 2023-24 में कृषि एवं किसान कल्याण पर केंद्र सरकार ने 1.25 लाख करोड़ रुपये और उर्वरकों की सब्सिडी पर 1.75 लाख करोड़ रुपये खर्च किए। खाद्य प्रसंस्करण, पशुपालन एवं मत्स्यपालन आदि पर करीब दस हजार करोड़ रुपये से अधिक का आवंटन किया गया था। कुल राशि तीन लाख दस हजार करोड़ रुपये हुई। स्पष्ट है कि यह स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य कई सामाजिक विकास के लिए खर्च किए गए पैसे से बहुत ज्यादा है। इसमें सिंचाई परियोजनाओं पर होने वाला व्यय शामिल नहीं है।

कृषि लागत कम कर खेती को लाभकारी बनाने एवं किसान कल्याण के लिए सरकार की ओर से कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। केंद्र द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत 11 करोड़ किसानों के खाते में 2.81 लाख करोड़ रुपये ट्रांसफर किए जा चुके हैं। योजना के तहत केंद्र सरकार पर प्रतिवर्ष करीब 66 हजार करोड़ रुपये का बोझ पड़ता है।

2016 में शुरू हुई पीएम फसल बीमा योजना के तहत चालू वित्तीय वर्ष में 15 हजार 500 करोड़ का आवंटन किया गया है। इससे 1174.7 लाख किसानों की फसल क्षति की भरपाई करना है। पीएम किसान मानधन योजना के जरिये 2019 से केंद्र ने कमजोर किसान परिवारों के लिए पेंशन की व्यवस्था की है। 23.38 लाख ने योजना को अपनाया है। किसान सभी उपज को एमएसपी पर खरीदने की मांग कर रहे हैं जिसे मान लिया गया तो बाकी सारी योजनाएं बंद करनी पड़ेंगी।

गत दस वर्षों में किसानों ने कृषि कर्ज के रूप में प्रति वर्ष 1.40 लाख करोड़ के औसत से 14 लाख करोड़ रुपये लिए हैं। 2013-14 में यह राशि 7.3 लाख करोड़ थी, जो अब करीब 20 लाख करोड़ के पार कर चुकी है। पीएम किसान के सभी लाभार्थियों को केसीसी के जरिये रियायती ऋण दिया जा रहा है।

किसानों पर खर्च

पीएम किसान सम्मान :	66 हजार करोड़
फसल बीमा योजना :	15 हजार 500 करोड़
नमो ड्रोन दीदी :	1261 करोड़
एफपीओ इक्विटी अनुदान :	357 करोड़
कृषि यंत्रों पर सब्सिडी :	640.55
कृषि ऋण :	1.4 लाख करोड़
पशुपालन ऋण :	57 हजार करोड़
कृषि बजट :	1.25 लाख करोड़
उर्वरक सब्सिडी :	1.75 लाख करोड़
पशुपालन :	दस हजार करोड़

एमएसपी को लेकर राहुल की गारंटी पर किसानों को नहीं भरोसा

इन्द्रप्रीत सिंह, शंभू (पटियाला)

किसान नेता बोले, राहुल गांधी का बयान सिर्फ राजनीतिक

एक किसान ने कहा, कांग्रेस नेता को इतनी ही फिक्र है तो साथ आएं

न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद की गारंटी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के दिए आश्वासन पर किसान नेताओं को ही भरोसा नहीं है। उनका कहना है कि स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के आधार पर एमएसपी के लिए कानून बनाने का राहुल का बयान राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित है। स्वामीनाथन की रिपोर्ट तो पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान आई थी, पर लागू नहीं की गई। दिलचस्प यह कि स्वामीनाथन रिपोर्ट में कहीं भी एमएसपी का कानून बनाने की बात नहीं थी, सिर्फ किसानों को उनकी फसल की लागत पर 50 प्रतिशत लाभ देने की बात थी।

गुरदासपुर से आए किसान मजदूर संघर्ष समिति के नेता बलकार सिंह ने कहा, हमें तो एमएसपी के मामले पर हर सरकार ने ठगा है। पहले कांग्रेस से एमएसपी मांगते रहे, उनकी सरकार गई तो मोदी ने रेवाड़ी की रैली में स्वामीनाथन रिपोर्ट लागू करने की बात कही थी, पर रिपोर्ट लागू नहीं हुई। फिरोजपुर के जोगिंदर सिंह बोले, अब राहुल की बातों पर कौन भरोसा करेगा। अगर उन्हें हमारी इतनी फिक्र है तो अपनी यात्रा छोड़कर हमारे साथ आएं। बात स्वामीनाथन रिपोर्ट की नहीं है, फसलों के उचित मूल्य देने व खरीद के उचित बंदोबस्त की है।

भारतीय किसान यूनियन आजाद के जरनैल सिंह ने कहा, ये गारंटियां चुनाव के दौरान ही क्यों याद आती है। क्या इन्हें लागू करने के लिए राहुल के पास दस साल का समय कम था। स्वामीनाथन आयोग का गठन कांग्रेस ने किया, रिपोर्ट उसी के कार्यकाल में आई। फिर भी आज हमें आंदोलनों का सहारा लेना पड़ रहा है। कहा, जब देश को जरूरत होती है तो हमसे गेहूं व धान उगवा लिया जाता है। जरूरत नहीं होती तो खरीदने में भी आनाकानी करते हैं। धान के कारण हमारी जमीन का पानी खत्म हो गया है। मिट्टी बर्बाद हो गई है, लेकिन राजनीतिक लोगों को चुनाव आते ही बयान याद आते हैं।

स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को कांग्रेस ने किया था खारिज

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : प्रदर्शनकारी किसानों को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आश्वासन दिया है कि जब केंद्र में उनकी सरकार बनेगी तब एमएसपी की मांग पूरी की जाएगी, किंतु सच यह भी है कि वर्ष 2010 में जब केंद्र में यूपीए की सरकार थी तब स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को खारिज कर दिया गया था। आयोग ने अपनी रिपोर्ट भी कांग्रेस के कार्यकाल में ही वर्ष 2006-07 में सौंपी थी।

वर्ष 2010 में राज्यसभा में भाजपा सांसद प्रकाश जावडेकर के संबंधित एक प्रश्न पर केंद्र सरकार की तरफ से जवाब देते हुए कृषि मंत्रालय में तत्कालीन खाद्य एवं उपभोक्ता मामले के राज्यमंत्री केवी थामस ने कहा था कि इससे एमएसपी एवं उत्पादन लागत के बीच का संतुलन बिगड़ सकता है। जावडेकर ने पूछा था कि क्या सरकार ने किसानों को लाभकारी मूल्य दिलाने के लिए स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है? इस पर जवाब देते हुए थामस ने कहा था कि आयोग की सिफारिशों को सरकार ने स्वीकार नहीं किया है।

किसानों को पंजाब ने क्यों नहीं रोका : विज

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

गृह मंत्री बोले, ये लाल किले में डांस कर अपमानित करना चाहते हैं

किसानों के दिल्ली कूच को लेकर पंजाब व हरियाणा आमने आमने सामने आ गए हैं। हरियाणा में घुसने की कोशिश कर रहे किसानों पर शंभू बार्डर पर ड्रोन से आंसू गैस के गोले दागने पर पंजाब ने आपत्ति जताई तो हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने कहा, जब अमृतसर से किसान चले तो पंजाब सरकार ने इन्हें रास्ते में एक भी जगह रोकने की कोशिश नहीं की। इसका मतलब यह है कि ये दिल्ली को दहलाना चाहते हैं, क्या दोबारा चाहते हैं कि दिल्ली के लाल किले में जाकर डांस कर अपमानित किया जाए।

अनिल विज ने अंबाला में कहा, बड़ी हैरानी की बात है कि पंजाब सरकार ने नोटिस जारी किया कि हमारी सीमा में ड्रोन मत भेजो, क्या यह हिंदुस्तान-पाकिस्तान हो गया। अगर, हमारी पुलिस को मारकर कोई पंजाब में भाग जाएगा तो क्या हम उसे पकड़ नहीं सकते। पूछा कि किसानों को दिल्ली किस लिए जाना है, जिनसे इनको बात करनी है वे सारे मंत्री व अधिकारी चंडीगढ़ आ गए तो बात नहीं की। इनका मकसद कुछ और है।

अंबाला के पास शंभू बार्डर पर किसान जिस जगह जमा हैं, वह हिस्सा पंजाब

अनिल विज। फाइल

के पटियाला जिले में आता है। पटियाला के उपायुक्त शौकत अहमद ने अंबाला के उपायुक्त को पत्र लिखकर पंजाब की सीमा में ड्रोन उड़ाने और आंसू गैस के गोले गिराने पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा, हरियाणा प्रशासन अपनी सीमा में कार्रवाई करे। पंजाब के एनआरआइ मामलों के मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने कहा, हरियाणा पुलिस की कार्रवाई आपत्तिजनक है। पंजाब का माहौल बिगाड़ने की कार्रवाई को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नवजोत सिद्धू ने इंटरनेट मीडिया पर उकसाने वाली पोस्ट की है। उन्होंने लिखा है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान अपने क्षेत्र की रक्षा करें। उन्होंने लिखा कि ममता बनर्जी की तरह हमें संघीय ढांचे की रक्षा करनी चाहिए। जब सीबीआइ अफसर बंगाल पहुंचे थे तो उन्होंने उन्हें जेल में डाल दिया था।

ड्रोन को गिराने के लिए किसान उड़ा रहे पतंग

शंभू बार्डर पर जमे किसान ड्रोन को गिराने के लिए पतंग उड़ा रहे हैं। आंसू गैस के गोलों को निष्प्रभावी करने के लिए टाट की गीली बोरियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। किसान खेतों में कीटनाशक दवाई छिड़कने वाली स्प्रे मशीनें से प्रेशर के साथ पानी बौछार कर रहे हैं ताकि आंसू गैस के प्रभाव को कम किया जा सके।

खनौरी बार्डर पर हरियाणा पुलिस के जवान को पकड़ा

पंजाब के संगरूर जिले के खनौरी बार्डर के अंदर किसानों ने हरियाणा पुलिस के एक जवान सतविंदर को पकड़ लिया। यह जवान खनौरी बार्डर पार करके किसानों के बीच घूम रहा था। किसानों को शक था कि यह व्यक्ति उनकी जासूसी करने आया है। किसानों ने उसे पातड़ा पुलिस के हवाले कर दिया है।

विरोध का असर

पंजाब, हिमाचल और जम्मू कश्मीर को रोज हो रहा 3000 करोड़ का नुकसान, 1500 से अधिक ट्रकों की आवाजाही पर किसान आंदोलन से लगा ब्रेक

पंजाब के कारोबारियों का हो रहा रोजाना 1000 करोड़ का नुकसान

गुरमीत लूथरा, अमृतसर

किसानों के विरोध प्रदर्शन की कारोबार पर भी मार पड़ रही है। सिर्फ पंजाब, जम्मू-कश्मीर एवं हिमाचल प्रदेश में प्रतिदिन तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार प्रभावित हो रहा है। अकेले पंजाब को 800 से 1000 करोड़ रुपये रोजाना का नुकसान उठाना पड़ रहा है। चिंतित कारोबारियों ने सरकार से अपील की है कि जल्द समाधान निकाला जाए ताकि नुकसान रोका जा सके।

पंजाब व्यापार मंडल के अध्यक्ष प्यारे लाल सेठ एवं महासचिव समीर जैन ने कहा, अगर इसी तरह अर्थव्यवस्था पर चोट लगती रही तो देश की आर्थिक स्थिति बद से बदतर हो जाएगी। लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष अमित कपूर ने कहा, 90 प्रतिशत से अधिक माल सड़क मार्ग से ही पंजाब में पहुंचता है। ट्रकों की आजाही प्रभावित होने से कारोबारियों को माल की किल्लत महसूस होने लगी है। जरूरी दवाइयां अन्य राज्यों से नहीं पहुंच पा रही हैं।

इंडस्ट्री के पास दस दिन का ही है कच्चा माल : लुधियाना का उद्योग जगत भी चिंतित है। फेडरेशन आफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गनाइजेशन के पूर्व अध्यक्ष एवं लुधियाना हैंडटूल एसोसिएशन के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा कि कच्चे माल की आमद न होने से इंडस्ट्री की प्रोडक्शन बंद हो जाएगी। इस समय मैटीरियल को लाना और ले जाना सबसे बड़ी चुनौती है। इंडस्ट्री के पास अगले 10 दिन का ही कच्चा माल है। एवन साइकिल लिमिटेड के सीएमडी ओंकार सिंह पाहवा के मुताबिक, पिछले तीन-चार दिनों से स्थिति विकराल हो रही है। ऐसे में एहतियात के तौर पर अभी कंपनी की प्रोडक्शन को तीस प्रतिशत कम कर दिया गया है, क्योंकि अगर ज्यादा स्टाक हुआ तो लेबर को काम के बिना ही बैठना पड़ेगा। लुधियाना ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान जनकराज गोयल ने कहा कि ट्रांसपोर्टेशन पर असर अधिक है। समय और खर्च दोनों बढ़ गया है।

प्यारे लाल सेठ एवं समीर जैन

हिमाचल में उत्पादन प्रभावित

जासं, शिमला : हिमाचल प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ (बीबीएन) में उद्यमियों ने उत्पादन कम कर दिया है। औद्योगिक क्षेत्र से दिल्ली की तरफ जाने वाले ट्रकों को कई रूट बदलने पड़ रहे हैं। इससे ट्रक आपरेटरों को नुकसान हो रहा है।

मुश्किल में दिल्ली का पर्यटन उद्योग, होटलों की बुकिंग में 40 प्रतिशत तक गिरावट

नेमिष हेमंत, नई दिल्ली : किसानों के दिल्ली कूच से दिल्ली का पर्यटन उद्योग मुश्किल में आ गया है। न सिर्फ होटल के कमरों की बुकिंग में गिरावट आई है, बल्कि पहले हो चुकी बुकिंग को भी निरस्त किया जाने लगा है। इसमें देशी-विदेशी दोनों पर्यटक हैं।

दिल्ली में पर्यटन से जुड़े लोगों के अनुसार किसानों के दिल्ली कूच करने और उन्हें रोकने के लिए बार्डर पर भारी सुरक्षा व्यवस्था से बाकी राज्यों से दिल्ली का सड़क मार्ग प्रभावित हो गया है। जाम और असुरक्षित हालातों से बचने के लिए दूसरे राज्यों से आने वाले पर्यटकों की संख्या में गिरावट आई है। होटल महासंघ के अध्यक्ष अजय अग्रवाल के अनुसार अगर पहाड़गंज को ही लें, तो यहां 700 से अधिक होटलों में 14 हजार से अधिक कमरे हैं, जिसमें एक दिन में तकरीबन 25 हजार लोग रुक सकते हैं। अमूमन यहां के होटलों के कमरे 80 से 90 प्रतिशत तक भरे रहते हैं, लेकिन दो-तीन दिन से बुकिंग पूरी तरह से बंद हैं। इस स्थिति में कमरों में पर्यटकों की मौजूदगी बमुश्किल 30 प्रतिशत रह गई है।

किसान नेता सरकार से तीसरी बार बातचीत के लिए तैयार

प्रथम पृष्ठ से आगे

किसान नेता सरकार से तीसरी बार बातचीत के लिए तैयार हो गए हैं। उनकी केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल, कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के साथ गुरुवार शाम पांच बजे चंडीगढ़ के महात्मा गांधी स्टेट इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक एडमिस्ट्रेशन में बैठक होगी। राजपुरा की एसडीएम जसलीन कौर भुल्लर और इंटेलीजेंस के एडीजीपी जसकरण सिंह ने बंद कमरे में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा की संयुक्त किसान मोर्चा गैर राजनीतिक के जगजीत सिंह डल्लेवाल, किसान मजदूर संघर्ष समिति के महासचिव सरवन सिंह पंधेर से बातचीत कराई।

बाद में किसान नेताओं ने प्रेस कान्फ्रेंस में बैठक की जानकारी देते हुए कहा कि केंद्र ने मंगलवार को हमें बातचीत के लिए संदेश भेजा था। हमने केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर की बात भी अखबारों में पढ़ी कि केंद्र सरकार किसानों के पक्ष में है। इसके बाद हमने संगठन के लोगों से बात की कि बैठक की जाय कि नहीं। सभी ने कहा कि बैठक करनी चाहिए। इसके बाद हमने बैठक में शामिल होने की बात स्वीकार कर ली।

अब किसान शंभू बार्डर पर बैठक से पहले आगे नहीं बढ़ेंगे

अब किसान शंभू बार्डर पर बैठक से पहले आगे नहीं बढ़ेंगे। उधर, डल्लेवाल ने मुख्यमंत्री भगवंत मान से भी बैठक में शामिल होने की अपील की है। बैठक का नोटिस किसानों को भेज दिया गया है। किसान दोपहर से ही मांग कर रहे थे कि बैठक का नोटिस उन्हें लिखित तौर पर दिया जाए।

****

बनभूलपुरा कांड के मुख्य साजिशकर्ता समेत नौ आरोपितों की संपत्ति होगी कुर्क

बवाल की मजिस्ट्रेटी जांच शुरू, संवेदनशील क्षेत्र में कर्फ्यू जारी

अब तक 37 लोग हो चुके गिरफ्तार, बाकी की धरपकड़ के लिए जारी है दबिश

जागरण संवाददाता, हल्द्वानी

बनभूलपुरा बवाल के मुख्य साजिशकर्ता अब्दुल मलिक समेत नौ फरार आरोपितों के विरुद्ध गैर जमानती वारंट जारी हो गया है। एसएसपी पीएन मीणा ने बताया कि मुख्य साजिशकर्ता अब्दुल मलिक समेत नौ फरार आरोपितों की संपत्ति कुर्क होगी। कोर्ट से पुलिस को आदेश मिल चुका है। कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत ने घटना की मजिस्ट्रेटी जांच शुरू कर दी है। संवेदनशील क्षेत्र में बुधवार को सातवें दिन भी कर्फ्यू प्रभावी रहा। इलाके में इंटरनेट सेवा अभी बंद है। कर्फ्यूग्रस्त क्षेत्र में राहत पहुंचने के लिए प्रशासन ने स्वास्थ्य केंद्र में अतिरिक्त डाक्टरों की तैनाती की है। राशन और अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। अब तक 37 उपद्रवियों को गिरफ्तार कर पुलिस इनसे नौ तमंचे व 159 कारतूस बरामद कर चुकी है। इनमें 99 कारतूस बनभूलपुरा थाने से लूटे गए थे। बुधवार को कोई गिरफ्तारी नहीं हुई, लेकिन धरपकड़ के लिए दबिश जारी रही।

बनभूलपुरा के मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में सरकारी जमीन (नजूल) पर बना अवैध मदरसा व नमाज स्थल तोड़ने के दौरान आठ फरवरी को बवाल हुआ था। इसमें प्रशासन, पुलिस, नगर निगम व मीडिया से जुड़े लगभग 250 लोग घायल हुए थे। छह लोगों की मौत हो चुकी है। संवेदनशील क्षेत्र में सुरक्षा कड़ी है। पुलिस, एसएसबी, आइटीबीपी के जवान तैनात हैं।

हल्द्वानी के बनभूलपुरा में कर्फ्यू के बीच ईदगाहरोड पर तैनात एसएसबी के जवान। जागरण

हाई कोर्ट से याचिकाकर्ता को राहत नहीं

नैनीताल: हाई कोर्ट ने बनभूलपुरा में सरकारी भूमि पर स्थित मलिक के बगीचे में अतिक्रमण के मामले में बुधवार को सुनवाई की। फिलहाल याचिकाकर्ता को कोई राहत नहीं दी गई है। साथ ही, राज्य सरकार को चार हफ्ते में जवाब पेश करने व याचिकाकर्ता को सरकार के जवाब पर दो हफ्ते में शपथपत्र दाखिल करने को कहा है। अगली सुनवाई 10 मई को होगी। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से पैरवी करते हुए कहा, नगर निगम की ओर से अतिक्रमण हटाने का जो नोटिस दिया गया, वह नियम विरुद्ध है। अत: इस नोटिस पर रोक लगाई जाए। इसके जवाब में राज्य सरकार की तरफ से महाधिवक्ता एसएन बाबुलकर व मुख्य स्थायी अधिवक्ता चंद्रशेखर रावत, शासकीय अधिवक्ता अमित भट्ट ने कहा कि नजूल भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए सरकार के पास नीति है। प्रशासन ने नियमों के तहत ही अतिक्रमण हटाया है।

छत्तीसगढ़ में गोवंशियों से भरा कंटेनर जब्त, 11 की चली गई थी जान

नईदुनिया, रायपुर : छत्तीसगढ़ में दुर्ग जिले के कुम्हारी टोल नाके पर गोवंशियों से भरे एक कंटेनर को पकड़ा गया है। इसमें 83 गोवंशीय थे, जिनमें से 11 मृत मिले हैं। कइयों के पैर टूटे हैं। इस मामले को लेकर गो-सेवकों ने बिलासपुर हाईवे पर लगभग तीन घंटे तक चक्काजाम किया। जानकारी के अनुसार केरल पासिंग इस कंटेनर की पहचान छिपाने के लिए तेलंगाना की नकली नंबर प्लेट लगाई गई थी। पुलिस ने गोवंशियों को एक गोशाला में पहुंचा दिया है। इसके साथ ही अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इधर, विधानसभा के बजट सत्र में कांग्रेस सदस्यों ने गोवंशियों की तस्करी के इस मामले को उठाकर जोरदार हंगामा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की सरकार के आते ही इनकी तस्करी फिर से शुरू हो गई है।

- आरोपितों पर कार्रवाई की मांग को लेकर गो-सेवकों ने किया चक्काजाम

पूर्व सीएम बघेल ने साधा निशाना : पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा - 'बहुत दुख हो रहा है, यह दृश्य देखकर। भाजपा की सरकार आते ही तस्करी और गोमाता पर अत्याचार का सिलसिला फिर शुरू हो गया। इन तस्करों के गिरोह और शासन में बैठे गो-हत्यारों को सामने आकर उत्तर देना होगा।'

चित्रकूट में आतिशबाजी की तैयारी के दौरान विस्फोट, चार की मौत

- तेज धमाके से चार युवक कई फीट दूर छिटके, एक 30 फीट ऊपर छत पर जाकर गिरा
- सभी कार्यक्रम निरस्त, आतिशबाज दो ठेकेदार हिरासत में, डीएम ने बनाई जांच कमेटी

बुंदेलखंड गौरव महोत्सव स्थल चित्रकूट इंटर कालेज कर्वी में विस्फोट के बाद घायलों को लेकर जाती पुलिस व मौके में मौजूद डीएम व एसपी। जागरण

जागरण संवाददाता, चित्रकूट

चित्रकूट में बुंदेलखंड गौरव महोत्सव में आतिशबाजी शो की तैयारी के दौरान हुए विस्फोट से चार लोगों की मौत हो गई। कार्यक्रम बुधवार शाम कर्वी स्थित चित्रकूट इंटर कालेज के मैदान में होना था। अपराह्न तीन बजे हादसा हो गया। मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। माना जा रहा है कि मरने वाले आतिशबाजी का ठेका लेने वाले ठेकेदार के कर्मचारी थे। चर्चा यह भी है कि चार किशोर पटाखे चुराने आए थे तभी डिवाइस में छेड़छाड़ से विस्फोट हो गया। विस्फोट की तीव्रता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि घटनास्थल पर करीब पांच फीट गहरा गड्ढा हो गया। पुलिस ने दो ठेकेदारों को हिरासत में लिया है। महोत्सव के सभी कार्यक्रम निरस्त कर दिए गए हैं।

बुंदेलखंड गौरव महोत्सव में बुधवार रात स्थानीय कलाकारों व रोमी बैंड के सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद आतिशबाजी शो होना था। इसके लिए मुंबई की फर्म डोम इंटरप्राइजेज को ठेका दिया गया था। फर्म के हर्ष कामदार व पंकज जाट कर्मचारियों से आतिशबाजी लगवा रहे थे। इसी दौरान तेज धमाका हुआ, जिसमें वहां मौजूद चार लोग कई फीट दूर छिटककर गिरे। एक तो करीब 30 फीट ऊपर कालेज की छत पर जाकर गिरा, जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। जिला अस्पताल ले जाते समय एक और की मौत हो गई, जबकि दो की मौत प्रयागराज के अस्पताल में हुई। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने बताया कि विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए तकनीकी टीम जांच कर रही है। इसके लिए तीन सदस्यीय टीम गठित की गई है।

बिहार में एआइएमआइएम नेता हत्याकांड में तीन गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, गोपालगंज : बिहार में 12 फरवरी की रात आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआइएमआइएम) के नेता अब्दुल सलाम उर्फ असलम मुखिया की हत्या के मामले में पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

एसपी स्वर्ण प्रभात ने बुधवार को बताया कि अब्दुल सलाम की हत्या में उनके पुत्र अनस के बयान पर सात लोगों के विरुद्ध नामजद व कुछ अज्ञात पर प्राथमिकी कराई गई है। पुलिस ने तीन नामजद आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। आवेदन में राजद नेताओं पर भी साजिश का आरोप लगाया गया है। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। अब्दुल सलाम, एआइएमआइएम के प्रदेश सचिव तथा गोपालगंज इस्लामिया मदरसा के सचिव थे। वह गोपालगंज सदर विस सीट से पार्टी के प्रत्याशी भी रहे थे। घटना वाले दिन वह घर से लखनऊ जाने के लिए दोस्त के साथ निकले थे। रास्ते में दो बाइक पर सवार चार अपराधियों ने गोली मार उनकी हत्या कर दी थी। उनके पुत्र ने राजनीतिक कारणों से हत्या की आशंका जताई है।

मणिपुर पीटीसी में घुसने का प्रयास, गोलीबारी में एक की मौत

- हथियार लूटने के लिए परिसर में घुसने की कोशिश
- काकचिंग जिले में भी गोलीबारी, कोई हताहत नहीं

इंफाल, प्रेट्र: पूर्वी इंफाल के पंगेई में मणिपुर पुलिस प्रशिक्षण कालेज (एमपीटीसी) में घुसने का प्रयास करने वाले सशस्त्र युवाओं को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा कर्मियों द्वारा की गई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को कहा, ऐसा संदेह है कि सशस्त्र युवाओं ने हथियार लूटने के लिए परिसर में घुसने की कोशिश की क्योंकि उन्होंने पहले इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट किया था कि प्रतिद्वंद्वी गुट से लड़ने के लिए उन्हें और हथियारों की आवश्यकता है।

इस घटना में 24 वर्षीय ओकराम सनातन गोली लगने से घायल हो गया और इंफाल के एक सरकारी अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि यह घटना मंगलवार रात को हुई जब बड़ी संख्या में स्थानीय युवा, जिनमें ज्यादातर हथियारबंद थे, एमपीटीसी गेट पर एकत्र हुए और परिसर में घुसने की कोशिश की, जिनमें से कुछ अपने प्रयास में सफल भी हुए। उन्होंने बताया कि भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षाकर्मियों ने पहले आंसू गैस के कई गोले दागे, लेकिन बाद में स्थिति को नियंत्रित करने के लिए उन्हें गोली चलानी पड़ी। अधिकारी ने बताया कि फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई है और मामले की जांच कर रही है। पूर्वी इंफाल जिले के कुछ इलाकों में दो समुदायों के सशस्त्र समूहों के बीच गोलीबारी के बाद मंगलवार दोपहर से खुरई और खुंद्रकपम विधानसभा क्षेत्रों में तनाव की स्थिति है।

वहीं, मणिपुर के काकचिंग जिले के सुगनू गांव में हथियारबंद लोगों ने बुधवार को सुबह हमला किया। इस दौरान इलाके में तैनात ग्रामीण और अन्य लोगों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई। पुलिस के अनुसार अभी तक इसमें किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है। पुलिस ने बताया कि कई हथियारबंद लोगों ने सुगनू की ओर गोलियां चलाईं, जिसके बाद गांव के सशस्त्र युवाओं ने जवाबी कार्रवाई की। स्थिति को संभालने के लिए अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों को इलाके में भेजा गया है।

बंगाल की जेलों में बच्चों को जन्म देने वाली कैदी पहले से गर्भवती थीं

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट में दाखिल रिपोर्ट में सफाई दी गई है कि गत चार वर्षों में बंगाल की जेलों में जन्मे 62 बच्चों की माताएं जेल में आने से पहले ही गर्भवती थीं। जेलों में अमानवीय स्थितियों के मामले में न्यायमित्र गौरव अग्रवाल ने कोर्ट को बताया कि उन्हें पुलिस अफसरों द्वारा बंगाल में हिरासत में रहते हुए महिला कैदियों से पैदा हुए बच्चों के संबंध में जानकारी मिली थी।

कोर्ट के निर्देश पर दायर आवेदन में गौरव अग्रवाल ने कहा,ऐसा प्रतीत होता है कि अधिकांश महिला कैदी उस समय गर्भवती थीं जब उन्हें जेलों में लाया गया। कुछ कैदी पैरोल पर बाहर गई थीं और गर्भवती होने के बाद वापस लौट आईं। अग्रवाल ने कहा, जेलों व महिलाओं के लिए बैरक में सुरक्षा उपायों को समझने के लिए उन्होंने राजस्थान, हरियाणा व दिल्ली के जेल अफसरों के साथ चर्चा की। सुप्रीम कोर्ट ने नौ फरवरी को बंगाल की जेलों में महिला कैदियों के गर्भवती होने के आरोपों पर संज्ञान लिया था। इसके बाद कोर्ट ने गौरव अग्रवाल को इस पर गौर करने और एक रिपोर्ट सौंपने को कहा था।

'मां पर धन व समय खर्च करना घरेलू हिंसा नहीं'

- मुंबई की एक कोर्ट ने पति व ससुराल वालों पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाने वाली महिला की याचिका खारिज
- अदालत ने कहा, महिला घरेलू हिंसा के आरोपों को साबित करने में बुरी तरह विफल रही

मुंबई, प्रेट्र: मुंबई की एक अदालत ने कहा है कि पति द्वारा अपनी मां को समय देना व वित्तीय मदद प्रदान करना घरेलू हिंसा नहीं है। अदालत ने यह फैसला 43 वर्षीय महिला की याचिका खारिज करते हुए सुनाया जिसमें उसने घरेलू हिंसा से महिलाओं की रक्षा अधिनियम के तहत पति एवं उसके स्वजन के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की थी।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश आशीष अयाचित ने कहा, 'यह शिकायत कि पति अपनी मां को समय व पैसा दे रहा है, घरेलू हिंसा नहीं मानी जा सकती।' राज्य सचिवालय में सहायक इस महिला की शिकायत 2015 में एक मजिस्ट्रेट अदालत ने भी खारिज कर दी थी, इसमें उसने आरोप लगाया था कि पति द्वारा लगातार अपनी मां को वित्तीय मदद देने व उनके साथ समय बिताने के कारण उनके वैवाहिक जीवन में टकराव हुआ। उसने शादी से पहले अपनी सास की मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में भी अनभिज्ञता का दावा किया,जिससे परिवार में तनाव बढ़ गया था।

महिला के दावों को अस्पष्ट व सच्चाई के अभाव वाला बताकर खारिज करते हुए अदालत ने रेखांकित किया कि पति द्वारा अपनी मां की मदद करना और ससुराल वालों द्वारा कथित दुर्व्यवहार कथित घरेलू हिंसा के मानकों को पूरा नहीं करता।

अदालत ने मामले के तथ्यों पर गौर किया और कहा कि 1993 में शादी करने के बाद 2014 में दंपती ने महिला द्वारा क्रूरता के आधार पर अपनी शादी को खत्म कर दिया था, जिसमें पति द्वारा वैवाहिक जीवन के दौरान आत्महत्या के प्रयासों समेत उसके संघर्षों का संकेत मिलता है। साक्ष्यों एवं अन्य प्रासंगिक दलीलों के अनुसार, पति ने वैवाहिक जीवन के दौरान दो से तीन बार अपना जीवन समाप्त करने का प्रयास किया था। जज ने कहा, 'आवेदक एवं प्रतिवादी नंबर-1 (पति) के सभी साक्ष्यों को ध्यान से पढ़ने पर मेरी राय है कि आवेदक यह साबित करने में बुरी तरह विफल रही हैं कि वह घरेलू हिंसा का शिकार हुई थीं।' अदालत ने मामले के विवरण को जांचा और निष्कर्ष निकाला कि महिला के दावों में दम नहीं है। अदालत ने कहा कि महिला द्वारा कथित क्रूरता के बाद पति ने तलाक की पहल की थी।

महिला ने अपनी शिकायत में दावा किया था कि उसका पति अपनी नौकरी के सिलसिले में सितंबर, 1993 से दिसंबर, 2004 तक विदेश में था और अपनी मां को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये भेजता था एवं उनके आपरेशन के लिए भी पैसा खर्च किया था। पति ने जवाब में संपत्ति खरीदने के लिए अपने एनआरआइ (अनिवासी बाहरी) खाते से अनधिकृत निकासी का हवाला देते हुए वित्तीय अनियमितता के आरोप लगाए थे। कानूनी कार्यवाही के दौरान मजिस्ट्रेट कोर्ट ने याचिका खारिज करने से पहले महिला को तीन हजार रुपये प्रतिमाह का अंतरिम गुजारा भत्ता प्रदान किया था।

पीएम मोदी-शाह ने पुलवामा के बलिदानियों को किया याद

नई दिल्ली, एएनआइ : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को पुलवामा के बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी। गृह मंत्री अमित शाह, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी समेत अन्य नेताओं ने भी बलिदानियों को नमन किया। 14 फरवरी 2019 को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले के लेथपोरा में आत्मघाती हमलावर ने आइईडी से लदे वाहन से सीआरपीएफ के सुरक्षा काफिले में टक्कर मार दी। हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान बलिदान हो गए थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा, मैं पुलवामा में बलिदानी वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। राष्ट्र के लिए उनकी सेवा व बलिदान हमेशा याद रखा जाएगा। अमित शाह ने एक्स पोस्ट में कहा, मैं पुलवामा के वीर बलिदानियों को नमन करता हूं। राष्ट्र सदैव हमारे बहादुरों का ऋणी रहेगा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा,भारत की रक्षा के लिए समर्पित उनके सर्वोच्च बलिदान के लिए देश सदैव उनका ऋणी रहेगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

सीआरपीएफ ने आतंकवाद के नाश के संकल्प को दोहराया

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर : देश की एकता व अखंडता के लिए अपनी जान न्योछावर करने वाले सीआरपीएफ के 40 शूरवीरों की याद में बुधवार को जम्मू-कश्मीर में विभिन्न जगहों पर श्रद्धांजलि समारोह हुए। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, सेना, सीआरपीएफ और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ही राजनीतिक और सामाजिक संगठनों ने भी वीर बलिदानियों को नमन किया। पुलवामा के बलिदानस्थल लेथपोरा में भी उस जगह पुष्प अर्पित किए गए जहां हमला हुआ था। इस मौके पर सीआरपीएफ की 76वीं वाहिनी के कमांडेंट टीएच खान ने आतंकवाद के समूल नाश के अपने संकल्प को दोहराया। खान ने कहा कि बेशक पुलवामा हमले से हमें बड़ा नुकसान हआ है,पर इसने आतंकियों की कायरता को पूरी तरह उजागर कर दिया। आतंकी किसी भी स्तर पर हमारे जवानों का सामना करने की हिम्मत नहीं रखते।

बंगाल के राशन घोटाले में ईडी ने व्यवसायी को किया गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : बंगाल के राशन घोटाले में ईडी ने बुधवार को व्यवसायी विश्वजीत दास को कोलकाता स्थित उसके आवास से गिरफ्तार किया। घोटाले में ईडी की ओर से यह चौथी गिरफ्तारी है। सूत्रों के मुताबिक दास तृणमूल कांग्रेस नेता शंकर आद्य का करीबी विश्वासपात्र है।

ईडी ने एक अधिकारी ने कहा कि उपलब्ध सुरागों के अनुसार विश्वजीत दास राशन भ्रष्टाचार की काली कमाई को पहले विदेशी मुद्राओं में परिवर्तित करके और बाद में हवाला के जरिये विदेश में विशेष रूप से दुबई और बांग्लादेश भेजकर तृणमूल कांग्रेस नेता शंकर आद्य की मदद करता था। दास का नाम आद्य और उसके परिवार के सदस्यों से पूछताछ के दौरान सामने आया था।

इससे पहले ईडी के अधिकारियों ने मामले में बंगाल के मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक और व्यवसायी बाकिबुर रहमान को भी गिरफ्तार किया था। पहले गिरफ्तार किए गए तीनों व्यक्ति फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

राजस्थान में स्कूलों में सूर्य नमस्कार के खिलाफ दायर याचिका खारिज

जासं, जयपुर

- राज्य सरकार ने सूर्य सप्तमी से स्कूलों में सूर्य नमस्कार को अनिवार्य कर दिया है

राजस्थान हाई कोर्ट। फाइल

राजस्थान के सरकारी स्कूलों में सूर्य नमस्कार के निर्णय के खिलाफ दायर याचिका को हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया है। न्यायाधीश महेंद्र गोयल की एकलपीठ ने कहा, याचिकाकर्ता मुस्लिम फोरम पंजीकृत संस्था नहीं है। पंजीकृत संस्था या फिर कोई व्यक्तिगत रूप से भी याचिका दायर कर सकता है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने 15 फरवरी सूर्य सप्तमी को स्कूलों में सूर्य नमस्कार अनिवार्य किया है। इसके बाद नियमित रूप से प्रार्थना सभा में प्रतिदिन सूर्य नमस्कार किया जाएगा।

दूसरी ओर, स्कूलों में सूर्य नमस्कार के फैसले के खिलाफ आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के महासचिव काशिफ जुबेरी की ओर से भी एक याचिका दायर की गई है, जिस पर हाई कोर्ट 20 फरवरी को सुनवाई करेगा। याचिका में कहा गया है कि सरकार का निर्णय गैर संवैधानिक है। यह संविधान के अनुच्छेद-25 का उल्लंघन करता है। अनुच्छेद-25 में हर व्यक्ति को धर्म की स्वतंत्रता दी गई है। सरकार का यह आदेश व्यक्ति की धार्मिक स्वतंत्रता का हनन है। इसे रद किया जाए अथवा इसे अनिवार्य रूप से लागू नहीं करके वैकल्पिक रखा जाए। इस्लाम में अल्लाह के अलावा किसी अन्य की इबादत करने की अनुमति नहीं है।

सूर्य नमस्कार जोर-शोर से होगा: शिक्षा मंत्री : शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि सूर्य नमस्कार जोर-शोर से होगा। यह धार्मिक क्रिया नहीं है। विश्व के कई देशों ने इसको स्वीकार किया है। 21 जून को योग दिवस मनाया जाता है। सूर्य नमस्कार भी एक तरह का योग है। जिसे सूर्य नमस्कार नहीं करना, वह स्कूल में नहीं आए। उन्होंने कहा कि स्कूलों में तय ड्रेस पहनकर आना अनिवार्य है। हिजाब पहनकर स्कूल आना उचित नहीं है।

जमियत उलेमा-हिंद ने की बहिष्कार की अपील

सूर्य नमस्कार को लेकर जमियत उलेमा-हिंद ने जयपुर में एक बैठक की। इसमें मुस्लिम समुदाय से सूर्य नमस्कार के आयोजन के बहिष्कार की अपील की गई। संगठन के महासचिव अब्दुल वाहिद खत्री ने कहा कि बहुसंख्यक हिंदू समाज में सूर्य भगवान की पूजा की जाती है। इस्लाम धर्म में अल्लाह के सिवाय किसी अन्य की इबादत अस्वीकार्य है।

बंगाल के बकाए को लेकर राहुल ने पीएम को लिखा पत्र

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : कांग्रेस सांसद राहुल गांधी बंगाल के बकाए पैसे को लेकर तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी के पक्ष में खड़े हुए हैं। इस बाबत उन्होंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है। सूत्रों के मुताबिक, इसके बावजूद टीएमसी राज्य में कांग्रेस से दूरी बनाकर चलना चाहती है। वह राज्य में 42 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने के फैसले पर अडिग है। टीएमसी नेतृत्व ने फिर आरोप लगाया है कि उसने सीटों के बंटवारे को लेकर काफी इंतजार किया पर कांग्रेस की ओर से कोई पहल नहीं की गई। अभी तक कांग्रेस का कोई भी शीर्ष पार्टी नेता ममता बनर्जी या महासचिव अभिषेक बनर्जी के साथ चर्चा में नहीं बैठा है। जो कुछ भी कहा गया है वह अन्य नेताओं के माध्यम से कहा गया है। दूसरी ओर कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व अब भी कह रहा है कि वह ममता की पार्टी के साथ सीटों के समझौते की कोशिश कर रहा है। तृणमूल ने कहा कि गठबंधन की विफलता की जिम्मेदारी उस पर नहीं आनी चाहिए। पिछला लोकसभा चुनाव भी कांग्रेस और तृणमूल ने अलग-अलग लड़ा था।

जागरण विशेष

कम कीमत वाले स्वदेशी जैविक फिल्टर से घट जाएगा वाहन प्रदूषण

पुणे के डीवाई पाटिल जैव संस्थान का नवोन्मेष, राष्ट्रीय विज्ञान प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार

अजय राय • नई दिल्ली

वाहनों से उत्सर्जित प्रदूषकों के कारण दिल्ली समेत देश के कई शहरों की हवा जहरीली हो रही है। इसका दुष्प्रभाव कम करने के लिए पुणे स्थित डा. डीवाई पाटिल जैव संस्थान के विज्ञानियों ने जैविक फिल्टर बायोस्मोट्रैप तैयार किया है। यह वाहनों के धुएं में मौजूद हानिकारक तत्वों को 80 प्रतिशत तक कम करने में सक्षम है। बीते दिनों दिल्ली में केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआइ) की ओर से आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान प्रतियोगिता में इन नवोन्मेष को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।

'हम इस नए जैविक फिल्टर बायोस्मोट्रैप से पर्यावरण को स्वच्छ, हरा-भरा और सांस लेने योग्य बनाने का प्रयास कर रहे हैं। कम वायु प्रदूषण ही स्वस्थ जीवन समाधान का उत्तर है।
डा. नीलू नवानी,
निदेशक, डा. डीवाई पाटिल जैव संस्थान, पुणे

बायोस्मोट्रैप लगाने के बाद वाहन का प्रदूषण स्तर मापता एक विज्ञानी • सौ. डा. डीवाई पाटिल जैव संस्थान

वाहन के साइलेंसर में होता प्रयोग: संस्थान के माइक्रोबियल डायवर्सिटी सेंटर की टीम ने पर्यावरण अनुकूल संसाधनों का उपयोग किया जो सुगमता से उपलब्ध हों और फिल्टर की कीमत भी कम रहे। टीम ने तुरई के साथ शैवाल के लैमिनेटेड मिश्रण से बायोस्मोट्रैप फिल्टर तैयार किया है। जो वाहनों के धुएं में मौजूद कार्बन मोनोआक्साइड, नाइट्रिक आक्साइड, नाइट्रोजन डाइआक्साइड और पीएम2.5 जैसे खतरनाक प्रदूषकों को कम करता है। इसे साइलेंसर के अंतिम सिरे पर एक असेंबली की मदद से लगाया जाता है। इसे 500 किमी वाहन चलाने के बाद बदलना होगा।

इस तकनीक को पेटेंट मिल चुका है और अब संस्थान इसे कम कीमत में बाजार में लाने की प्रक्रिया कर रहा है। फिल्टर की कीमत 10 से 50 रुपये तक होगी। दोपहिया वाहनों के लिए कीमत कम और चारपहिया वाहनों के लिए थोड़ी अधिक होगी।

केंद्रीय संस्था बीआइआरएसी ने दी मान्यता

इस नवोन्मेष को केंद्र सरकार की जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआइआरएसी) ने भी सराहा है। परिषद ने नवोन्मेष करने वाली टीम को गांधियन यंग टेक्नोलाजिकल इनोवेशन ग्रैंड अवार्ड भी प्रदान किया है। परिषद ने पर्यावरणीय प्रदूषण कम करने में महत्वपूर्ण योगदान के लिए इसे मान्यता भी दी है। 2014 में शुरू किए गए इस शोध को 2022 में पूरा करने के बाद कई स्तर पर एक वर्ष तक इसका परीक्षण किया गया। सीआरआरआइ में भी विज्ञानियों ने इसे वायु प्रदूषण कम करने में किफायती और अहम सफलता बताया है।

दिल्ली स्थित सीआरआरआइ में जैविक फिल्टर के लिए पुरस्कार ग्रहण करतीं डा. डीवाई पाटिल जैव संस्थान, पुणे की नवोन्मेष टीम की सदस्य भाग्यश्री • सौजन्य: स्वयं

विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

चीन सीमा से लगे भारत के 14 गांवों में बजेगी मोबाइल की घंटी

देवेंद्र सिंह देवा, मुनस्यारी

- 20 हजार की आबादी के साथ ही सुरक्षाबलों को मिलेगा लाभ

चीन सीमा से लगे भारत के 14 गांवों में जल्द मोबाइल फोन की घंटी बजेगी। ये भारतीय गांव अभी तक संचार सुविधा से वंचित हैं। मुनस्यारी के उच्च हिमालयी गांवों में तीन जगह बीएसएनएल के टावर लगाने की स्वीकृति मिल चुकी है। प्रशासन के अनुसार तीनों टावरों के लिए मई से सामग्री पहुंचने लगेगी। इसी साल ग्रामीणों के साथ ही सेना, आइटीबीपी के जवानों व सीमा सड़क संगठन के कार्मिकों को लाभ मिलने लगेगा। विश्व प्रसिद्ध मिलम ग्लेशियर आने वाले पर्यटकों को भी संचार की सुविधा प्राप्त होगी। एसडीएम मंजीत सिंह के मुताबिक कुछ हिमालयी गांवों में संचार सेवा शुरू कर दी गई है। बीएसएनएल के टावर लगाने से 14 गांवों की 20 हजार की आबादी के मोबाइल पर सिग्नल आएंगे। ग्रीष्मकाल में अपने मूल गांवों में लौटने वाले मुनस्यारी तहसील के इन गांवों के लोग संचार के मामले में छह माह तक देश-दुनिया से कटे रहते हैं। सुरक्षा बलों के पास सेटेलाइट फोन की सुविधा है। आपात स्थिति में ग्रामीण भी सुरक्षा बलों के सहयोग से सेटेलाइट फोन से स्वजन को संदेश भेजते हैं। केंद्र सरकार देश के ऐसे गांवों को वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत विकसित कर रही है।

****

दैनिक जागरण

आकांक्षाएं जीवन में उमंग का संचार करती हैं

एमएसपी का अर्थशास्त्र

दिल्ली में जबरन प्रवेश करने की जिद कर रहे पंजाब के किसान संगठन अपनी जिन मांगों को केंद्र सरकार से मनवाना चाहते हैं, उन्हें इस सरकार तो क्या, किसी भी सरकार के लिए मानना संभव नहीं है। कुछ मांगें तो ऐसी हैं, जिन्हें मानने का मतलब होगा देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ करना। क्या किसान संगठन न मानी जा सकने वाली मांगें इसीलिए कर रहे हैं, ताकि टकराव का सिलसिला बना रहे? पता नहीं वे क्या चाहते हैं, लेकिन केंद्र सरकार से कोई समझौता तभी हो सकता है, जब तार्किक मांगें सामने रखी जाएं और दोनों पक्ष कोई बीच का रास्ता निकालने पर सहमत हों। फिलहाल ऐसे आसार कम ही हैं, क्योंकि विपक्षी दल किसानों को उकसाने में लगे हुए हैं। इनमें प्रमुख हैं आम आदमी पार्टी और कांग्रेस। राहुल गांधी ने तो यह कह भी दिया कि कांग्रेस ने हर किसान को स्वामीनाथन आयोग के अनुसार न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी की कानूनी गारंटी देने का फैसला कर लिया है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि न्याय के पथ पर यह कांग्रेस की पहली गारंटी है। कोई भी समझ सकता है कि यह चुनाव जीतने के लिए किसानों को दिया जाने वाला लालीपाप ही है। यह भी स्पष्ट है कि वह इस हकीकत को भूल जाना चाहते हैं कि स्वामीनाथन आयोग का गठन मनमोहन सिंह सरकार ने किया था। इस आयोग ने जब अपनी रपट दे दी तो मनमोहन सरकार ने उसकी सिफारिशें लागू करने से यह कहकर मना कर दिया था कि यह संभव नहीं है।

अच्छा होता कि राहुल गांधी यह याद रखते कि मनमोहन सिंह ने कभी यह भी कहा था कि पैसे पेड़ पर नहीं उगते। एक अर्थशास्त्री होने के नाते तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के मामले में उचित नतीजे पर ही पहुंचे थे। वास्तव में शायद ही कोई अर्थशास्त्री हो, जो स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को वित्तीय रूप से वहनीय मानता हो। किसी भी आयोग की रपट पत्थर की लकीर और अंतिम सत्य नहीं हो सकती। यदि सरकार किसानों की मांगों के अनुसार सभी फसलों की एमएसपी पर खरीद के लिए तैयार हो जाती है तो उसे प्रति वर्ष करीब दस लाख करोड़ रुपये खर्च करने होंगे। इतना अधिक पैसा केवल अन्न खरीदने में खर्च करने का मतलब होगा अर्थव्यवस्था का बेड़ा गर्क करना और साथ ही विकास के समस्त कार्यों पर विराम लगा देना। बेहतर यह होगा कि किसान संगठन जमीनी हकीकत समझें और बातचीत के जरिये अपनी समस्याओं के समाधान की राह तलाशें। सरकार के लिए भी यह आवश्यक है कि वह किसान संगठनों के समक्ष यह बात रखे कि वह उनकी जायज मांगों को किस हद तक पूरा कर सकती है? ऐसा करते हुए उसे पंजाब के साथ अन्य राज्यों के किसानों की समस्याओं पर भी ध्यान देना होगा। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि पंजाब के मुकाबले शेष देश के किसानों को एमएसपी का लाभ कम ही मिलता है।

वादा तो निभाना होगा

कोरोना काल की त्रासदी को हममें से कोई भी अब याद नहीं करना चाहता। किंतु कुछ बच्चे ऐसे हैं, जिनके जीवन में इस त्रासदी के दंश इतने गहरे हैं कि वे चाहकर भी इसे कभी नहीं भुला पाएंगे। ये वे बच्चे हैं, जिनके माता और पिता दोनों को कोरोना के संक्रमण ने इनसे छीन लिया। अब या तो ये बेसहारा हैं या अपने ही किसी परिजन की दया, कृपा और संवेदनशीलता पर किसी तरह जी रहे हैं। आज इनकी चिंता इसलिए क्योंकि बीते करीब 10 माह से मध्य प्रदेश सरकार इन बच्चों से वादाखिलाफी कर रही है। दरअसल प्रदेश सरकार ने ऐसे बच्चों के सहायतार्थ योजनाएं आरंभ की थी। इनमें से एक बाल आशीर्वाद योजना थी, जिसके तहत ऐसे प्रत्येक पात्र बच्चे को पांच हजार रुपये प्रतिमाह दिए जाने थे। इसके अलावा मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना के तहत चार हजार रुपये प्रतिमाह और स्पांसरशिप योजना के तहत भी 4000 रुपये प्रतिमाह दिए जाना तय हुआ था। प्रदेशभर में ऐसे 10 हजार बच्चे इन योजनाओं में पंजीकृत हैं। सरकार से मिलने वाली धनराशि से इनकी पढ़ाई, खानपान, कपड़े एवं जीवनयापन के अन्य साधनों की व्यवस्था होती रही है। इससे भी बढ़कर इनका स्वाभिमान बचा रहता है। किंतु अब बीते करीब 10 माह से इन्हें सरकार की ओर से कोई पैसा नहीं मिल रहा। किसी योजना के लिए बजट की कमी तो कहीं कुछ और कारण बताया जा रहा है। कहना न होगा कि फिजूलखर्ची में डूबी रहने वाली सरकार और उसके अफसर कई बार करोड़ों रुपये ऐसे कामों में आवंटित कर देते हैं, जिनका जनता को कोई लाभ नहीं मिलता। दूसरी ओर, इस तरह की बेहद जरूरी योजनाओं को फंड नहीं दिया जाता। यह तो सीधे-सीधे सरकार की ओर से की जा रही वादाखिलाफी है। सरकार और उसके अधिकारी एक बार उन बच्चों की आंखों में देखकर उनकी पीड़ा को समझें। यह पैसा उनके जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है।

भारत-अमीरात की बेमिसाल जोड़ी

श्रीराम चौलिया

अमीरात में 'अहलन मोदी' का उद्घोष और बुर्ज खलीफा पर तिरंगे की रौनक दर्शा रही है कि यह मित्रता मजबूत होकर वैश्विक वैकल्पिक नेतृत्व में भूमिका निभाएगी

अवधेश राजपूत

कुछ चुनिंदा देश ही ऐसे हैं, जिन्हें भारत का घनिष्ठ मित्र कहा जा सकता है। उनमें संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई का विशेष स्थान है। विगत दस वर्षों में यूएई रणनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक मोर्चे पर भारत का बेमिसाल दोस्त बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हालिया यूएई यात्रा के दौरान भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे को लेकर बात आगे बढ़ी है। 'जयवान' नामक भारतीय 'रुपे' पर आधारित डिजिटल भुगतान कार्ड का अनावरण हुआ। इन सबसे बढ़कर अबूधाबी में भव्य स्वामीनारायण हिंदू मंदिर का उद्घाटन भारत के सांस्कृतिक विस्तार का प्रतीक है। एक ही दौरे में इतने पहलुओं पर ठोस प्रगति दर्शाती है कि अमीरात हमारे लिए कितना मायने रखता है। मोदी द्वारा अमीरात के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायेद अल नाहयान को ''मेरा भाई'' कहना और उन दोनों के बीच आत्मीय स्नेह के पीछे परस्पर हितों और मूल्यों का अभिसरण है। अमीरात-भारत 'व्यापक सामरिक साझेदारी' का एक मुख्य स्तंभ है दोनों देशों का आतंकवाद और कट्टर जिहादी शक्तियों के विरुद्ध एकजुट होकर लड़ने का निश्चय। एक समय था जब अमीरात इस्लामी भाईचारे और 'उम्माह' के नाम पर पाकिस्तान का करीबी हुआ करता था। कश्मीर पर उसका रुख भी भारत के खिलाफ होता था। वर्ष 1999 में जब पाकिस्तानी जिहादियों ने भारतीय विमान का अपहरण करके उसे पहले दुबई में उतारा था, तब अमीरात ने हमारी मदद नहीं की थी। वह जहाज वहां से बेरोकटोक तालिबान-शासित कंधार पहुंच गया था, जिसे छुड़ाने के लिए भारत को भारी कीमत अदा करनी पड़ी थी।

समय के साथ बहुत कुछ बदला। वर्ष 2001 में अमेरिका पर आतंकी हमले के बाद और स्वयं अमीरात की राजतंत्रीय व्यवस्था के लिए खतरा बनते इस्लामिक अतिवादियों को देखते हुए अबूधाबी ने अपना दृष्टिकोण बदला। नई दिल्ली के साथ मिलकर पाकिस्तानी आतंकवाद पर नकेल कसना उसी दृष्टिकोण के अनुरूप है। दुबई में बसे भारत के सर्वाधिक वांछित आतंकवादियों की गिरफ्तारी और प्रत्यर्पण में अमीरात ने कोई कसर नहीं छोड़ी। जो दुबई और शारजाह कभी कुख्यात अपराधी और आतंकी सरगना दाऊद इब्राहिम के ठिकाने हुआ करते थे, वहां अमीरात की हुकूमत ने शिकंजा कड़ा कर दिया। मोदी युग में तो अमीरात ने इस्लामिक सहयोग संगठन यानी ओआइसी में भारत का पक्ष लिया और उस मंच पर पाकिस्तान के नापाक इरादों को चुनौती भी दी। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 समाप्त किया गया तब पाकिस्तान इस्लामिक जगत में उसका रोना रो रहा था। तब अमीरात ने पाकिस्तान को खुलेआम फटकारा और आतंक के विरुद्ध भारतीय सैन्य कार्रवाई की प्रशंसा की। आज अमीरात कश्मीर घाटी में सबसे बड़ा विदेशी निवेशक है।

खाड़ी के अन्य देशों के मुकाबले अमीरात उदार इस्लामी मूल्यों और खुलेपन के मोर्चे पर अग्रणी रहा है। इसी कारण उसे भारत जैसे बहुसांस्कृतिक और संयत देश पसंद हैं। अमीरात ऐसा अनोखा देश है जिसकी सरकार में सहिष्णुता और सह-अस्तित्व को प्रोत्साहन देने के लिए पूरा मंत्रालय बनाया गया है। अमीरात ने रोमन कैथोलिक समुदाय के प्रमुख पोप फ्रांसिस की मेजबानी की। हिंदू मंदिरों और सिख गुरुद्वारों के निर्माण की मंजूरी दी। 'अब्राहमिक फैमिली हाउस' की स्थापना की, जिसमें मस्जिद, गिरजाघर और यहूदी उपासनागृह शामिल हैं। भारतीय संवेदनाओं की दृष्टि से ऐसा इस्लामी देश ढूंढ़े नहीं मिल सकता और इसीलिए अमीरात पूरे खाड़ी क्षेत्र में भारतीय प्रवासियों का सर्वाधिक पसंदीदा गंतव्य है। अमीरात में फिलहाल 35 लाख से ज्यादा भारतीय निवास करते हैं। अमीरात की कुल आबादी का लगभग एक तिहाई हिस्सा भारतीयों का है। वहां पाकिस्तान, बांग्लादेश, फिलीपींस और ईरान के प्रवासियों की कुल संख्या से भी बढ़कर संख्या अकेले भारतीयों की है। मेहनत-मजदूरी से लेकर ऊंची श्रेणी के पेशेवरों तक अमीरात की सरकार अन्य देशों के लोगों की तुलना में भारतीय नागरिकों को वरीयता देती है, क्योंकि आदर्श व्यवहार और परिश्रम में उनका कोई सानी नहीं।

अमेरिका, चीन के बाद अमीरात भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। वहां बसे भारतीय निवेशकों और कंपनियों का इसमें महत्वपूर्ण योगदान है। अमीरात भारत में चौथा सबसे बड़ा विदेशी निवेशक भी है। उसमें भी हमारे प्रवासियों की अहम भूमिका है। अमीरात जैसे छोटे से देश के लिए भारत जैसी भावी महाशक्ति के आर्थिक भाग्य पर निर्णायक प्रभाव होना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। अमीरात और भारत के बीच शताब्दियों से समुद्री व्यापार कायम रहा, जो अब एक ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अमीरात ने हमारे पेट्रोलियम भंडार में तेल जमा कराने में अहम भूमिका निभाई। मोदी युग में दोनों सरकारों ने आर्थिक निकटता की राह में सभी प्रकार के अवरोधों को दूर करते हुए एक अनुकूल परिवेश तैयार किया है, जिसमें द्विपक्षीय व्यापार निरंतर वृद्धि कर रहा है। वहीं, खाड़ी देशों का मार्गदर्शक बनकर अमीरात ने सिद्ध किया है कि भारत से सौदा मुनाफे का ही होता है और चीन, अमेरिका से इतर अगर विश्व में कोई देश है जिससे विपुल आर्थिक लाभ मिल सकता है, तो वह है भारत।

अमीरात और भारत ने इजरायल और अमेरिका के संग 'आइ2यू2' जैसा रणनीतिक गठजोड़ बनाया है। आर्थिक गलियारा उसी का विस्तारित रूप है, जिससे भारत-पश्चिम एशिया और यूरोप का एकीकरण संभव है। चीन-केंद्रित विश्व व्यवस्था का विकल्प देने में अमीरात और भारत नींव की ईंटें हैं। अबूधाबी और नई दिल्ली अफ्रीका में भी मिलकर काम कर रहे हैं, जो त्रिकोणीय कूटनीति का उत्तम उदाहरण है। अमीरात-भारत-फ्रांस की तिकड़ी अरब सागर और हिंद महासागर की सुरक्षा के लिए भी प्रयासरत है। ऐसी नवाचारी विदेश नीति पहल से भारत के अंतरराष्ट्रीय कद और नेतृत्व का परिचय मिलता है, जिसमें अमीरात जैसे मित्रों का अहम योगदान है। अमीरात में 'अहलन मोदी' का उद्घोष और बुर्ज खलीफा पर भारतीय तिरंगे की रौनक साफ दर्शा रही है कि ये दोस्ती और मजबूत होगी।

(स्तंभकार शीघ्र प्रकाशित होने जा रही पुस्तक 'फ्रेंड्सः इंडियाज क्लोजेस्ट स्ट्रैटेजिक पार्टनर्स' के लेखक हैं)

response@jagran.com

राजनीतिक इरादों वाला आंदोलन

उमेश चतुर्वेदी

प्रदर्शन कर रहे किसान संगठनों की कुछ मांगें ऐसी हैं, जिन्हें किसी भी सरकार के लिए मानना संभव नहीं

चुनाव से ठीक पहले प्रदर्शन पर उठते सवाल। फाइल

चुनावों से ठीक पहले कर्मचारी और मजदूर संगठनों के साथ ही सामान्य नागरिकों की ओर से आंदोलन होना भारतीय लोकतंत्र के लिए कोई नई बात नहीं है। ऐसे आंदोलन का स्पष्ट लक्ष्य रहा है अपनी मांग मनवाने के लिए राजनीतिक दलों को दबाव में लाना। चुनाव में एक-एक वोट का महत्व होता है। लिहाजा कोई भी दल या नेता नहीं चाहता कि उसका एक भी वोट गड़बड़ हो। राजनीतिक दलों और नेताओं की इसी कमजोरी को भांपते हुए चुनावों के वक्त आंदोलन होते रहे हैं। इनके जरिये अपनी मांगें मनवाई जाती रही हैं। ऐसे आंदोलनों का सिवाय अपने समुदाय, संगठन या समाज के हित के अलावा कोई अन्य राजनीतिक मकसद शायद ही रहा है, लेकिन पंजाब के कुछ किसान संगठनों द्वारा शुरू किए गए हालिया किसान आंदोलन को दूसरे आंदोलनों की तरह नहीं लिया जा सकता। हालांकि इस आंदोलन की अगुआई कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) का दावा है कि इसका मकसद सिर्फ किसानों की मांगें मानने के लिए सरकार पर दबाव डालना है, लेकिन देश का एक बड़ा वर्ग उसकी बात आसानी से स्वीकार करने को तैयार नहीं है। इस समझ की वजह बना है स्वराज अभियान के संयोजक योगेंद्र यादव का एक बयान। साल 2020-21 में लंबे समय तक चले किसान आंदोलन के कुछ ही महीने बाद उत्तर प्रदेश का विधानसभा चुनाव हुआ था। तब किसान आंदोलन को समर्थन दे रहे योगेंद्र यादव जैसे लोगों को उम्मीद थी कि उसकी वजह से उत्तर प्रदेश में भाजपा की करारी हार होगी, लेकिन चुनाव नतीजे उनकी उम्मीदों के ठीक उलट रहे। भाजपा फिर से सरकार बनाने में कामयाब रही। इस पर योगेंद्र यादव ने निराशा जाहिर करते हुए कहा था कि उनके जैसे लोगों ने विपक्ष के लिए किसान आंदोलन से सियासी पिच तैयार की, पर वह इसका फायदा नहीं उठा पाया। योगेंद्र यादव अभी राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के संयोजक की भूमिका निभा रहे हैं।

लगता है कि इस बार भी आंदोलन का एक मकसद लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की अगुआई वाले विपक्ष के अनुकूल सियासी पिच तैयार करना है, जिस पर वह बेहतरीन खेल दिखाते हुए केंद्र की मौजूदा मोदी सरकार को मात दे सके। किसानों की समस्याएं दूर होनी चाहिए। इससे शायद ही किसी को इन्कार होगा। भारत की पहचान शस्य यानी कृषि संस्कृति को लेकर ही रही है। आजादी के कई वर्ष बाद तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि की हिस्सेदारी तकरीबन आधी थी, लेकिन यह अब घटकर 14 प्रतिशत तक रह गई है। खेती-किसानी के ही चलते भारत में ग्रामीण संस्कृति रही है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में 6.40 लाख से ज्यादा गांव हैं। एक दौर में इन्हीं गांवों में देश की करीब 80 प्रतिशत आबादी रहती थी। भारत के करीब 70 प्रतिशत लोगों की आजीविका कृषि पर ही निर्भर थी, लेकिन अब महज 54 प्रतिशत लोग ही खेती-किसानी पर निर्भर हैं। गांवों और किसानों की समस्याओं पर सरकार के साथ समाज का भी ध्यान होना चाहिए।

इसे विडंबना ही कहेंगे कि आजादी के बाद से लेकर अब तक चुनावों के दौरान किसानों, मजदूरों और गरीबों की सबसे ज्यादा बात की जाती रही है, लेकिन इस वर्ग के हालात में दूसरे वर्गों की तुलना में ज्यादा बदलाव नहीं हुए। इस संदर्भ में मोदी सरकार के कुछ कदम जरूर बेहतर कहे जाएंगे। जैसे कि किसान सम्मान निधि के तहत अब तक केंद्र सरकार दो लाख 80 हजार करोड़ रुपये सीधे किसानों के खाते में भेज चुकी है। 2014 से पहले तक देश का कृषि बजट सालाना 25 हजार करोड़ रुपये था, जिसे मोदी सरकार ने बढ़ाकर सवा लाख करोड़ रुपये कर दिया है। किसी को किसान सम्मान निधि के तहत मिलने वाली छह हजार रुपये सालाना की रकम मामूली लग सकती है, लेकिन गांवों की आर्थिकी से जिनका सीधा साबका है, उन्हें पता है कि यह रकम सीमांत और छोटे किसानों के लिए कितने काम की है। देश के ज्यादातर किसानों के पास जोत भूमि का रकबा बेहद कम है। चिंताजनक बात है कि करीब 86 प्रतिशत कृषि भूमि सीमांत और छोटे किसानों के पास है। अनुमान है कि 2030 तक 91 प्रतिशत ऐसी भूमि इन्हीं किसानों के पास होगी। यानी सीमांत और छोटे किसानों की संख्या में बढ़ोतरी होगी। ऐसे किसानों के लिए किसान सम्मान निधि बड़ी राहत की बात है।

किसान संगठनों की कुछ मांगें ऐसी हैं, जिन्हें आज के दौर की किसी भी सरकार के लिए स्वीकार करना संभव नहीं लगता है। उदारीकरण की राह पर काफी आगे बढ़ चुकी दुनिया में किसी भी देश के लिए विश्व व्यापार संगठन के समझौते से बाहर आना संभव नहीं है, लेकिन ये किसान संगठन ऐसा चाहते हैं। उनकी एक मांग है कि सरकार हर फसल की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी पर करने के लिए कानून बनाए। किसी भी सरकार के लिए इस मांग को स्वीकार कर पाना आसान नहीं है। पिछली बार आंदोलन के दौरान भी जब किसानों ने दिल्ली के नांगलोई, लाल किले और आइटीओ पर उपद्रव मचाया तो उसमें शामिल शरारती तत्वों की मंशा उजागर हुई थी। उसमें ग्रेटा थनबर्ग और अन्य विदेशी ताकतों का व्यवहार किसान समर्थक कम, भारत विरोधी ज्यादा रहा। योगेंद्र यादव की बातों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सिर्फ किसान हित अगर लक्ष्य होता तो यह आंदोलन और पहले भी हो सकता था। संभव है मार्च महीने के पहले या दूसरे हफ्ते तक आम चुनावों की घोषणा हो जाएं इसी वजह से अगर देश का एक तबका यह मानने लगा है कि इन किसान संगठनों के आंदोलन का मकसद भावी चुनावों के मद्देनजर विपक्ष के मुफीद सियासी पिच तैयार करना है तो इसमें हैरत क्यों?

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

गरीबी से मुक्ति

यदि किसी व्यक्ति की गरीबी का आधार उसकी शारीरिक असमर्थता है तब तो वह किसी के सहयोग के लिए लाचार है, किंतु यदि वह मानसिक रोग है तो फैलता ही जाएगा। वह गरीब खिचड़ी और कंबल बांटने वालों का महिमामंडन कराता रहेगा। गरीबी केवल गरीब के संकल्प और उसके सार्थक प्रयासों से ही मिट सकती है। दिखाई देने वाली गरीबी का विपरीत शब्द जब तक दिखाई देने वाली अमीरी रहेगा, तब तक दोनों लोग यानी अमीर एवं गरीब अपनी-अपनी जगह पर रहेंगे।

अपने पुरुषार्थ और कुशलता के प्रति असंतोष और कर्म के फलस्वरूप प्राप्ति में जब तक संतोष नहीं होगा, तब तक हम गरीब ही बने रहेंगे। तुलसी के पौधे की बरगद से प्रतिस्पर्धा क्यों होनी चाहिए? बरगद यदि बहुत बड़ा है तो तुलसी को भगवान अपने शीर्ष पर धारण करते हैं। गुलाब जमीन में पैदा होता है तो कमल जल में खिलता है। गन्ना मीठा है तो मिर्च तीखी है। पहाड़ ऊंचा है तो समुद्र गहरा है। सूर्य फल और धान्य को पकाता है तो चंद्रमा उसमें रस और मिठास भर देता है। संसार में समस्त प्रकृति विरोधाभासी है। हाथी सबसे बड़ा जानवर है तो खरगोश अपनी जगह सुंदर है। गाय पूज्य है और उसका अपना महत्व है तो घोड़ा दौड़ के लिए उपयोगी है। गरीबी तो दूसरे में विशेषता देखना और स्वयं कुछ न करके उसकी तरह बन जाने की मिथ्या इच्छा का नाम है।

हम किसी की तुलना में छोटे हैं या हम किसी की तुलना में बड़े हैं। यह सोच ही मानसिक गरीबी है, क्योंकि दोनों कुछ और बनना चाह रहे हैं। वे जो हैं। उस योग्यता का उपयोग नहीं कर रहे हैं। मनुष्य के अलावा जितने प्राणी हैं वे सब अपनी शक्ति और योग्यता का उपयोग करके स्वावलंबन की भूमि पर संकल्प के शिखर पर पहुंच कर जीवन के चरम उत्कर्ष को प्राप्त करते हैं। हमें भगवान ने जो दिया है, जो सिखाया है बस केवल उसी का सदुपयोग करना है।

स्वामी मैथिलीशरण

यूपीआइ की बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता

देवेंद्रराज सुथार

यूपीआइ का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार होने से तकनीकी महाशक्ति के रूप में भारत की छवि मजबूत हो रही है

हाल में भारत के यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआइ) सेवाएं श्रीलंका और मारीशस में लांच की गईं। नेशनल पेमेंट्स कारपोरेशन आफ इंडिया (एनपीसीआइ) द्वारा विकसित यूपीआइ अपनी निर्बाध, वास्तविक समय की कार्यक्षमता के साथ आधुनिक बैंकिंग की आधारशिला के रूप में उभरी है, जो अद्वितीय दक्षता के साथ मोबाइल फोन के माध्यम से अंतर-बैंक लेनदेन की सुविधा प्रदान करती है। यूपीआइ के साथ मिलकर भारत के रूपे नेटवर्क ने वैश्विक कार्ड भुगतान समाधान के रूप में जगह बनाया है, जिसकी दुकानों, एटीएम और आनलाइन मंच पर व्यापक स्वीकृति है। पिछले हफ्ते ही फ्रांस ने घोषणा की थी कि एफिल टावर देखने आने वाले भारतीय पर्यटक यूपीआइ पेमेंट कर टिकट खरीद सकेंगे। यह साझेदारी न केवल पर्यटक सुविधा को बढ़ाती है, बल्कि द्विपक्षीय संबंधों को भी गति देती है।

भारत के यूपीआइ प्लेटफार्म को अपनाने का समझौता सबसे पहले नेपाल के साथ हुआ था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विभिन्न देशों के साथ ऐतिहासिक संबंधों को आधुनिक डिजिटल तकनीक के साथ जोड़ने की पहल भारत की कूटनीतिक और तकनीकी शक्ति को उजागर करती है। प्रतिकूल परिस्थितियों और औपनिवेशिक शोषण के बावजूद भारत के अंतरराष्ट्रीय संबंधों का समृद्ध इतिहास इसकी स्थायी वैश्विक प्रासंगिकता को रेखांकित करता है। आज यूपीआइ जैसी पहल आर्थिक सशक्तीकरण और सहयोग की दिशा में काम कर रही है।

2016 में भारत में यूपीआइ की शुरुआत ने वित्तीय समावेशन और दक्षता के एक नए युग की शुरुआत की थी, जिससे लाखों लोगों के लिए बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच का लोकतंत्रीकरण हुआ। इसका तेजी से अपनाया जाना और सफलता डिजिटल नवाचार को अपनाने में भारत की क्षमता को दर्शाता है। कई अध्ययन भारत के डिजिटल बैंकिंग बुनियादी ढांचे की कई विकसित देशों की तुलना में श्रेष्ठता की पुष्टि करते हैं, जो इसे फिनटेक नवाचार में अग्रणी देश के रूप में स्थापित करता है। परिणामस्वरूप विकासशील देश डिजिटल परिवर्तन के लिए एक माडल के रूप में भारत की ओर रुख कर रहे हैं, वित्तीय समावेशन और आर्थिक विकास को बढ़ाने में इसका अनुकरण करना चाहते हैं। जैसे-जैसे यूपीआइ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार हो रहा है, एक तकनीकी महाशक्ति और डिजिटल नवाचार के दिग्गज के रूप में भारत की छवि और मजबूत होगी। निष्कर्षतः यूपीआइ के माध्यम से डिजिटल भुगतान में भारत का प्रवेश वैश्विक वित्तीय परिदृश्य में एक आदर्श बदलाव का संकेत देता है। इसका लाभ उठाकर भारत न केवल अपने आर्थिक पथ को नया आकार दे रहा है, बल्कि वैश्विक रुझानों को भी प्रभावित कर रहा है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

मेलबाक्स

समान नागरिक संहिता देश की जरूरत

'समान नागरिक संहिता का अतार्किक विरोध' शीर्षक से प्रकाशित आलेख में ए. सूर्यप्रकाश ने कुछ ऐसे धार्मिक समुदायों की निम्न मानसिकता को स्पष्ट करने का प्रयास किया है, जो पंथनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य वाले भारत में रहना तो चाहते हैं, परंतु अपने धर्म की परंपरागत प्रथाओं और रूढ़िवादी नियमों को भी नहीं छोड़ना चाहते। समान नागरिक संहिता भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 में वर्णित एक ऐसा महत्वपूर्ण प्रविधान है, जो पूरे भारत के लिए विशेष धार्मिक नियमों से इतर विवाह, तलाक, विरासत एवं उत्तराधिकार आदि के संदर्भ में एक समान कानून की बात करता है। इसके लागू होने के पश्चात भारत में न केवल महिलाओं की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार संभव है, बल्कि लैंगिक पक्षपात को कम करने के साथ ही सभी धर्मों के मध्य विधि के समक्ष समानता का जो विचार है उसे भी मजबूत आधार प्रदान किया जा सकता है। गोवा में 1867 से ही समान नागरिक संहिता प्रचलन में है। जब गोवा के विभिन्न धार्मिक समुदाय भारत की पंथनिरपेक्षता वाली छवि को मजबूती प्रदान करने के लिए एक कानून की छत्रछाया में आ सकते हैं तो देश के बाकी प्रदेशों के धार्मिक समुदाय ऐसा क्यों नहीं कर सकते? अतः समान नागरिक संहिता आने वाले समय में पूरे देश में लागू हो, इसके लिए सभी प्रदेशों की सरकारें व्यापक स्तर पर सोच विचार कर नीतियां बनाएं तथा इसे चरणबद्ध तरीके से लागू करें। जनता को चाहिए कि वह अपनी धार्मिक रूढ़िवादी विचारधाराओं और पूर्वाग्रहों से ऊपर उठकर सर्वधर्म समभाव को अधिक महत्व दे तथा समान नागरिक संहिता पर सरकार का समर्थन करे, ताकि भारत सही अर्थों में एक पंथनिरपेक्ष राष्ट्र बन सके।

बिन्नी कुमारी, छात्रा, जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा

दिल्ली कूच के नाम पर अराजकता

एमएसपी पर कानून की मांग को लेकर एक बार फिर सरकार और किसान संगठनों के बीच टकराव की स्थिति पैदा होती नजर आ रही है। जब केंद्र सरकार ने तीन कृषि कानून बनाए थे तो वे दिल्ली बार्डर पर धरना देने के लिए बैठ गए थे। तब स्थानीय लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। देश का एक बड़ा जनसमुदाय खेती-किसानी से जुड़ा हुआ है, जो लोग कृषि कार्य से अलग होकर शहरों और महानगरों में आ गए हैं, वे भी इसके प्रति गहरी हमदर्दी रखते हैं। लेकिन 26 जनवरी 2021 को लालकिले में हुई घटना ने किसान संगठनों के प्रति आम लोगों का नजरिया ही बदल दिया। किसान संगठनों को इस बात को नहीं भूलना चाहिए कि आप नागरिक को परेशानी में डालकर अपनी मांगों को नैतिक आधार नहीं दे सकते। अपनी बातों को सही तरीके से पटल पर रखकर जन समर्थन जुटाया जा सकता है। सिस्टम को ध्वस्त करके नहीं। बातचीत द्वारा ही किसी समस्या का समाधान किया जा सकता है। केंद्र सरकार और किसान संगठनों को बातचीत का रास्ता अपनाकर इस समस्या का समाधान किया जाना चाहिए।

मीना धानिया, दिल्ली

समान नागरिक संहिता का सतही विरोध

दैनिक जागरण में प्रकाशित आलेख ''समान नागरिक संहिता का अतार्किक विरोध'' उत्तराखंड में लागू समान नागरिक संहिता के कतिपय कट्टरपंथी मुस्लिम नेताओं द्वारा विरोध और पूर्व में संविधान सभा में तत्कालीन मुस्लिम नेताओं के विरोधी स्वर को लेकर गंभीर चर्चा करता है। यह सुखद और संतोषजनक ही है कि मुस्लिम जनमानस ने समान नागरिक संहिता पर आम तौर पर कोई असहमति नहीं जताई है। इन कट्टरपंथी मुस्लिम नेताओं का कोई जनाधार नहीं रह गया है और यह केवल टीवी चैनलों तक और अतिवादी मुस्लिम वर्ग तक सीमित रह गए हैं जबकि समान नागरिक संहिता मुस्लिम बहनों और मातृशक्ति के विवाह, तलाक और विरासत के अधिकारों और हितों की रक्षा करता है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है, जिसमें धर्म, मजहब और रीति-रिवाजों की आड़ में किसी को माताओं और बहनों के शोषण की अनुमति नहीं दी जा सकती।

विनोद जौहरी, दिल्ली

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :

दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल : mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

****

97 करोड़ तक मतदाताओं की संख्या के पहुंचने का अनुमान व्यक्त किया गया है, भारतीय चुनाव आयोग द्वारा इस वर्ष होने वाले लोकसभा के दौरान।

आजकल

नारी शक्ति के व्यापक योगदान की महत्ता

मनु त्यागी
manu@nda.jagran.com

महादेवी या आदिशक्ति को इस संसार की सृजनशक्ति माना जाता है। ऐसी शक्ति जो सारे संसार को जोड़ती है। पूरी सृष्टि को संचालित और नियंत्रित करती है। केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में प्रस्तुत अंतरिम बजट में भी नारी शक्ति की महत्ता और अर्थव्यवस्था में उनके व्यापक योगदान को दर्शाया गया है। इतना ही नहीं, समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी के माध्यम से देवभूमि उत्तराखंड ने नारी को वह प्रबल पहचान दी है जिसके सुखद परिणाम की अनुभूति बहुत जल्द पूरा देश कर सकता है

मोदी सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तीकरण से पूरी हो रहीं आधी-आबादी की आकांक्षा। फाइल

अधिकांश आधुनिक भारतीय रूपक प्राचीन ग्रंथों को मात्र कहानियों के रूप में देखते हैं। दुर्गा सप्तशती का एक चरित्र महिषासुर का इतिहास उनके लिए अप्रासंगिक हो जाता है, जब उन्हें पता चलता है कि शक्तिशाली राक्षस, दैत्य, जिसे ब्रह्मा ने अमरता का वरदान दिया था, अंततः इतना शक्तिशाली हो जाता है कि वह दैवीय शक्तियों को ललकारता है जो उसे रोकने में असमर्थ हैं और अंततः देवी द्वारा परास्त हो जाता है। उनके लिए सबसे आश्चर्यजनक पहलू 'एक महिला योद्धा' को उस युग में स्वीकार्यता मिलना है। आज यही स्त्री प्रभुता व प्रबलता के समानांतर डटकर खड़ी हो रही है। 'महिला फाइटर' के रूप में ताकत का लोहा मनवा रही है। हाल ही में एक फिल्म रिलीज हुई है– तेजस। इस फिल्म में एक संवाद है : पाकिस्तान से अपने जवानों को छुड़ाकर लाने के लिए दो लड़कियां चुनी जाती हैं, घबराई हुई दोनों महिला जवान आफिया और तेजस आपस में बात करती हैं। आफिया, तेजस से यही कहती है कि यदि मिशन पर कुछ हो गया तो लोग कहेंगे कि इस मिशन के लिए महिला जवानों की जगह पुरुष जवानों को चुना होता, तब ऐसा नहीं होता। इस पर तेजस उसका आत्मविश्वास जगाते हुए कहती है, ऐसा कुछ नहीं होगा। हम ऐसी मिसाल पेश करेंगे कि अगली बार सब गर्व से कहेंगे कि अच्छा किया, इसके लिए महिला जवानों को चुना। उनकी यही दृढ़ता उन्हें मिशन पर ले जाती है। वह न केवल आतंकवादी को मारने और अपने जवानों को सुरक्षित बचाकर लाने में कामयाब होती हैं, बल्कि उनका यह पुरुषार्थ प्रभुता की पहचान भी बनता है।

वस्तुतः कोई भी परिपाटी चुटकियों में या चुटकी बजाकर छूमंतर नहीं हो सकती। छोटे-छोटे कदम ही भविष्य में इतिहास रचने के परिचायक बनते हैं। आज के परिवेश में केंद्र सरकार ने घर-घर में पड़ी मानसिक बेड़ियों को धीरे-धीरे अपनी नारीत्व योजनाओं के माध्यम से तोड़कर सशक्त और समृद्धि की मिसाल के रूप में खड़ा कर दिया है। गणतंत्र दिवस परेड में पहली बार महिलाओं की त्रि-सेवा टुकड़ी भी कर्तव्य पथ पर मार्च करती दिखी। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के दस्ते में महिलाकर्मी भी शामिल रहीं। इतना ही नहीं, अग्निवीर योजना में 48 अग्निवीरों ने शौर्य का प्रदर्शन किया, जिसका आरंभ अभी दो वर्ष पूर्व ही किया गया है। वहीं, फ्रांस के राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर अतिथि के तौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ शामिल रहीं स्क्वाड्रन लीडर सुमिता यादव ने भी इस परेड में हिस्सा लिया। स्क्वाड्रन लीडर रश्मि ठाकुर ने गणतंत्र दिवस परेड में भारतीय वायुसेना की मार्चिंग टुकड़ी का नेतृत्व किया। यह सब देश के सशक्त होने, गौरवान्वित होने का परिचायक नहीं तो क्या है?

यूसीसी के अधिकार : यह सर्वविदित सत्य है कि जब भी महिलाएं नेतृत्व की भूमिका में होती हैं तो सामाजिक मुद्दों पर गंभीरता से विचार करती हैं। उनके दृष्टिकोण की व्यापकता, रचनात्मकता और समस्या समाधान की क्षमता नई धार और नई दिशा देती है। हम आज प्रभु श्रीराम की मर्यादाओं को आत्मसात करने को पीढ़ी में जागृति लाने के प्रयास कर रहे हैं। लेकिन यह भी सर्वविदित है कि प्रभु श्रीराम भी यदि मर्यादा पुरुषोत्तम राम बने हैं तो मां सीता के साथ होने से ही बने, उनकी वह 'मर्यादा' सीता ही हैं। जब समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी में महिलाओं को तलाक के लिए सभी धर्मों का एक कानून, गोद लेने के लिए सभी धर्मों का एक कानून, संपत्ति बंटवारे में लड़की का समान अधिकार भी सभी पंथों में समान, सभी पंथों में विवाह की आयु लड़की के लिए 18 वर्ष और एक पति पत्नी का नियम, बहुपत्नी प्रथा का अंत जैसी शक्तियां प्राप्त होंगी तो उस समाज की परिकल्पना आज की कुरीतियों को इतिहास में विसंगतियों के रूप में ही याद रखेगी।

समान नागरिक संहिता के तहत नारी को दिव्य शक्ति के रूप में दिए गए ये अधिकार/ हथियार उसी भांति अनुभूति करा रहे हैं जिस प्रकार दुर्गा सप्तशती में देवताओं ब्रह्मा, विष्णु, महेश द्वारा दुर्गा को शक्तिशाली शतरूपा का वरदान देते हैं और उन्हें अस्त्र-शस्त्र शक्तियों से प्रबल बनाते हैं। उसी भांति ही नारी की प्रभुता को बढ़ाने वाले ये अधिकार उसे उस पड़ाव पर लाकर खड़ा कर सकेंगे, जहां घर से समाज तक विभिन्न बुराइयों और विसंगतियों व अपराधों से वह मौन रहकर जूझती रही है। और यह अधिकार सभी पंथों की बेटियों को एक ही समान देखता है। यही इसकी सबसे बड़ी खूबी है।

लेकिन विपक्ष से नवाजे गए राजनीतिक दल कुछ करने के लिए विरोध करना है, के रूप में इस पर आपत्ति जता रहे हैं, धार्मिक खतरों का हवाला देकर संवेदनशील बना रहे हैं। ऐसा विरोध जताने वाले निश्चित ही यह भूले बैठे हैं कि केंद्र की इसी सरकार ने मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से मुक्ति दिलाई। और मुस्लिम महिला आबादी ने इसकी खुलकर सराहना ही नहीं की, इसका दम पिछले लोकसभा चुनाव के मतदान में भी सभी ने देखा था। बीते दिनों जब यूसीसी लाने की शुरुआत हुई थी तो अर्थशास्त्री प्रो. अमर्त्य सेन ने इसे एक प्रकार का झांसा बताया था। अमर्त्य सेन की पुस्तक 'द कंट्री आफ फर्स्ट बायज' में बताते हैं कि स्त्रियों को परिवारों में बराबरी का अधिकार न मिलना, बच्चियों के कुपोषण, अशिक्षा, शोषण और आर्थिक पिछड़ेपन का बड़ा कारण बनता है। बाल विवाह और दहेज प्रथा जैसी कुरीतियां भी संपत्ति के बंटवारे में भेदभाव से जुड़ी हैं। आर्थिकी तक को इससे कितने नुकसान पहुंचते हैं, इसका भी हवाला दिया है।

अब इन विरोध करने वालों को या आस्था या धार्मिकता की दूरबीन से देखने वालों को समझना होगा कि जिन विडंबनाओं पर पुस्तकों में चिंतन किया जा रहा है आज समानता की इस पहल से ये सब परेशानियां ही तो खत्म करने की पहल की जा रही है। ऐसे में विरोध करने वालों को दूरदृष्टि से समान नागरिक संहिता के परिणाम देखने की आवश्यकता है जिससे संपन्नता और समृद्धि के द्वार खुलते हैं। देश की आर्थिकी को नए आयाम तक ले जाने के सुखद संकेत दिखते हैं।

गांव से शहर तक बदलाव की बयार : हम इतिहास उठाकर देखेंगे तो उसकी यात्रा में हम महसूस करेंगे कि हर देश का एक कालखंड आता है, वह दौर आता है जब वह देश तेजी से तरक्की करता है। पूरा विश्व उसकी शक्ति को नमन करता है। देश की नारी शक्ति भी उस कालखंड का वही अध्याय बन रही है। बन रही है से अधिक उचित यहां केंद्र की वर्तमान सरकार द्वारा उस तरह से गढ़ी जा रही है, कहना होगा। एक दशक में नारी के सशक्त होने की जड़ों में जाएंगे तो हमें एक बार के लिए पुस्तक के पिछले उन पन्नों को भी पलटना होगा, जब स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घर-घर शौचालय के माध्यम से सीधे महिलाओं की एक बड़ी समस्या को, उनकी तकलीफ को उठाया था और विपक्ष ने इसकी खिल्ली उड़ाई थी। याद है न, एक वह स्वतंत्रता दिवस? और उस पहल ने आज गांवों की ऐसी तस्वीर बदली कि आज गांव-गांव की नारी का नारा ही बदल गया।

बदलाव की नींव, सशक्त बनाने की ऐसी दृढ़ इच्छाशक्ति होती है, तभी गांव-गांव तक प्रधानमंत्री आवास जैसी योजनाएं हर किसी को छत का अधिकार देती हैं। निम्न वर्ग और मध्यम वर्ग तक हर किसी को छत मिलना सीधे महिला वर्ग को अपने घर की चाभी हाथ में थमाकर उसके आत्मविश्वास को, गौरव को बढ़ाना बदलाव नहीं तो क्या है। अब तो इस बदलाव की सीढ़ियों को और आगे बढ़ाने के लिए इस बार यानी वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट में लक्ष्य और बड़े कर दिए गए हैं। झुग्गी-झोपड़ी, चाल और अनधिकृत कालोनियों में रहने वालों को सभी को अपना मकान मिलेगा। इसका एक पड़ाव पूरा करने के बाद इस बार के बजट में इसके लक्ष्य को तीन करोड़ और बढ़ा दिया गया। घर, मकान छत की चिंता सब करते हैं, लेकिन महिलाओं से घर का जुड़ाव किस रूप में होता है, घर की चाभी लक्ष्मीरूपेण कही व माने जाने वाली नारी के ही हाथों में होती है, यह तो हमारी संस्कृति में सर्वविदित है। अंतरिम बजट की चौथी जाति नारी इसलिए भी है, क्योंकि उसे लखपति दीदी के रूप में तीन करोड़ महिलाओं को स्वावलंबी भी बनाया गया। अब इसका लक्ष्य भी एक करोड़ और बढ़ा दिया गया। यहां आत्मनिर्भर के रूप में बड़ी संख्या में वे महिला उद्यमी भी हैं जो मुद्रा योजना से लोन लेकर अपने हुनर से हुंकार भर रही हैं। यहां ये सब सुफल योजनाएं ही तो इस तरक्की के नए आयाम गढ़ने का रास्ता बन रही हैं।

मतदान में होगी निर्णायक भूमिका

अब बात अधिकारों की हुई तो मतदान के अधिकार में ये शक्ति कैसे पीछे छूट सकती है। बीते एक दशक में मतदान के बदलते ग्राफ इसकी गवाही भी दे रहे हैं। महिलाओं के लिए निर्णायक राजनीति करने वाले और सत्ता की चाह रखने वाले भी इसे समझ चुके हैं। इसलिए अब दिखावटी योजनाओं का दौर बदला है। महिलाओं के नाम पर केवल घोषणाएं नहीं हो रही हैं, उन्हें धरातल पर उतारा भी जा रहा है या नहीं इसकी बानगी ही मतदान करता है। मतदान को लेकर पूर्व में भी जागरूकता अभियान चलाए जाते थे, अब भी उस दिशा में काम हुआ, लेकिन अब मत का अधिकार और योजनाओं का लाभ घर तक पहुंचने वाली महिलाएं समझ पा रही हैं, यही कारण है कि इस बार के लोकसभा चुनाव में मतदान करने के लिए पुरुषों से अधिक महिला मतदाताएं बढ़ी हैं। लोकसभा चुनाव में पिछले चुनाव यानी वर्ष 2019 की तुलना में लगभग सात करोड़ अधिक मतदाता हिस्सा लेंगे। इनमें महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों की तुलना में अधिक बढ़ी है। पिछले रिकार्ड को देखें तो कई चुनावों में महिला मतदाताओं का वोट प्रतिशत पुरुषों से अधिक रहा है। इनमें लगभग तीन करोड़ पुरुष तो चार करोड़ महिला मतदाता हैं। हाल ही में आई अंतिम मतदाता सूची में इस बार 2.63 करोड़ नए युवा मतदाताओं को भी जोड़ा गया है। इनमें भी महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से करीब 15 प्रतिशत अधिक है, तो अब बताइए कि यह बदलाव नहीं तो क्या है?

(मनु त्यागी)

खरी-खरी

कुर्सीलाल और चिपकू बाबा

डा. सुरेश कुमार मिश्रा

यह जो कुर्सी नाम की चीज है, कमाल की है। अगर कुर्सी न होती तो न इतने नेता होते और न इतने चेले-चपाटे। परिणाम यह होता कि मधुशालाओं के बजाय अस्पताल खुलते और मक्खी मारने के बजाय रोजगार मिलते। देश में जो कुछ भी परेशानियां हैं वे सब कुर्सी के ही कारण हैं। जो भी हो, स्थिति यह है कि नेतागण तिलचट्टे की तरह धड़ से सिर अलग हो जाने पर भी कुर्सी की माया के कारण जीवित रहते हैं। जब तक कुर्सी है, तब तक उनकी मर्जी है। कुर्सी गई मतलब उल्टी गिनती शुरू। इसलिए कुर्सी चाहे जैसी भी हो, लेकिन उसमें पावर अवश्य होना चाहिए। जब तक पावर है, तब तक शरीर में झनझनाहट है। गली से लेकर दिल्ली तक केवल कुर्सी की माया चलती है। यह कुर्सी इतनी कमाल की होती है कि उस पर बैठा मच्छर डायनासोर लगने लगता है और उतरते ही डायनासोर मच्छर।

यह किस्सा एक छोटी सी कुर्सी का है। वह भी कालोनी अध्यक्ष की। कालोनी अध्यक्ष की कुर्सी क्या गई, कुर्सीलाल की तबियत खराब हो गई। कुर्सी छिनने से उन पर कहर टूट पड़ा। एक अदद कुर्सी की बात थी। मगर जब उसमें वे बैठते मानो स्वयं को भगवान समझने लगते। आगे-पीछे चमचे दुम हिलाने लगते। बात-बात पर शाल ओढ़ना, माला पहनना उनके लिए सांस लेने जैसा हो गया था। हर छोटे-बड़े काम कराने के लिए माल अलग से मिलता था। वे अक्सर कहते- कुर्सी भले लकड़ी की बनी होती है, लेकिन जानदार लोगों को झुकने पर मजबूर कर देती है। कुर्सीलाल फिर से कुर्सी प्राप्त करने के लिए चिपकू बाबा के पास पहुंचे। चिपकू बाबा अब तक नौ-दस बार पलटी मार चुके हैं। मजाल कि कोई कुर्सी उनसे चिपकने से मना कर दिया हो। उसे लगता है कि उलटने के बहाने कहीं यही मेरा कचूमर न बना दे। यही कारण है कि चिपकू बाबा जिस दल में जाते, कुर्सी भी उनके संग चल उठती। कुर्सी को भी सभी तशरीफें पसंद नहीं आतीं, जिसकी पसंद आती है, उसी के हिसाब से अपना आकार बदल लेती है। और ऐसी कुर्सियां अपने आकार से नहीं, तशरीफ के आकार से प्रसिद्ध हो जाती हैं।

पोस्ट

जिस संतान के जीवित रहते हुए उसके माता-पिता कष्ट भोगें तो वह व्यक्ति जीवन भर चाहे कितना भी पुण्य कार्य करता रहे, वह सब कुछ व्यर्थ है।
शिवम@shiva_m2912

बंगाल का संदेशखाली जल रहा है, वहां नारी अस्मिता रौंदी जा रही है, लेकिन तृणमूल सांसद नुसरत जहां इंस्टाग्राम पर वैलेंटाइन डे का जश्न मना रही हैं।
ऋतिका चंदोला@RitikaChandola

देश का एक नेता ऐसा है जो विदेश में जाकर गैरों को भी अपना बना लेता है और एक ऐसा भी नेता है जो अपनों को भी लगातार अपमानित करने में लगा है।
आचार्य प्रमोद@AcharyaPramodk

पाकिस्तान की फौज की खासियत है कि उसने आज तक कोई युद्ध नहीं जीता और आज तक कोई इलेक्शन भी नहीं हारा।
मंजीत ठाकुर@manjit2007

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह दायित्व है कि वह अपने मौलिक अधिकारों के प्रति सजग होने के साथ अपने मौलिक कर्तव्यों का भी निर्वहन करे। आंदोलनकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसान आंदोलन की वजह से आम जनता की आवाजाही में बाधा न पड़े।
प्रवीण खंडेलवाल@praveendel

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या सरकार के लिए समस्त अन्न की खरीदारी करना संभव है?

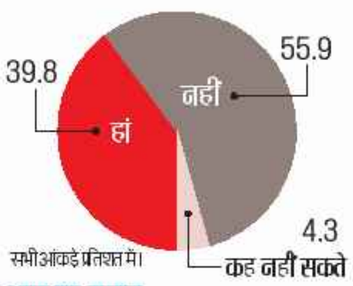

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या सोनिया गांधी को राज्यसभा उम्मीदवार बनाना कांग्रेस के रक्षात्मक रवैये को दर्शाता है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

गूंजे कहीं विदेश में जब घंटा-घड़ियाल,
ऊंचा होता सुन उसे हर हिंदू का भाल।
हर हिंदू का भाल गया था जिसे झुकाया,
उसने सदियों बाद गर्व का अवसर पाया।
आज सनातन देव जायं दुनिया में पुजे,
घंटा अरु घड़ियाल अबू धाबी में गूंजे।
- ओमप्रकाश तिवारी

मध्य प्रदेश डायरी

राज्यसभा चुनाव से समरसता का संदेश

धनंजय प्रताप सिंह
राज्य ब्यूरो प्रमुख, मध्य प्रदेश

राज्यसभा चुनाव के जरिये भारतीय जनता पार्टी ने देश को समरसता का संदेश दिया है। लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा ने श्री बाल्मीकि धाम उज्जैन के पीठाधीश्वर संत बालयोगी उमेश नाथ महाराज को राज्यसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाकर दलित समाज को संदेश दिया है कि भाजपा ही उनकी हितैषी पार्टी है। इसके कई राजनीतिक मायने भी हैं। दरअसल, बालयोगी उमेश नाथ महाराज का मध्य प्रदेश के ही दलित समुदाय पर गहरा प्रभाव नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और दक्षिण भारत के कई राज्यों में भी उनके लाखों अनुयायी हैं। आरंभ से ही अध्यात्म के साथ-साथ राजनीति में भी उमेश नाथ महाराज की गहरी रुचि रही है। कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने उमेश महाराज को राज्यमंत्री का दर्जा दे रखा था। वे उनका गुरुतुल्य सम्मान करते थे। राजनीति में उनकी चर्चा देशव्यापी तब हुई, जब उन्होंने सिंहस्थ 2016 में शिप्रा के श्री बाल्मीकि घाट पर समरसता स्नान का आयोजन किया था। तमाम विरोध के बाद भी इसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित पार्टी संगठन के कई बड़े नेता शामिल हुए थे। इसी संत समागम के बाद से उमेश महाराज के पास राजनेताओं की भीड़ जुटने लगी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डा. मोहन भागवत भी उनसे प्रभावित हैं और उज्जैन प्रवास के दौरान उमेश महाराज से मुलाकात करते रहते हैं। यह अलग बात है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी जब भारत जोड़ो यात्रा पर उज्जैन आए थे तो वे कार्यक्रम निर्धारित होने के बाद भी उनसे मुलाकात नहीं कर पाए। बालयोगी उमेशनाथजी को जिस समय राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा द्वारा प्रत्याशी बनाए जाने की सूचना मिली तो वे आश्रम में गुरु गोरक्षनाथजी के धूने पर पूजा अर्चना कर रहे थे। संतश्री को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाए जाने से वाल्मीकि समाज सहित अन्य पिछड़े समाज में हर्ष व्याप्त है। जानकारी मिलते ही आश्रम में भक्तों का तांता लग गया।

उमेशनाथ महाराज। फाइल

सामाजिक समरसता, मानवता व राष्ट्रवाद का अलख जगाने वाले राष्ट्रीय संत बालयोगी उमेशनाथजी महाराज का जन्म वर्ष 1964 को कार्तिक पूर्णिमा के दिन हुआ। जन्म के बाद ही उनके माता-पिता ने उन्हें महायोगी श्री गुरुगोरक्षनाथ के धूने को समर्पित कर दिया था। जन्म से ही वे नाथसंप्रदाय के संत के रूप में जीवन जी रहे हैं। उमेशनाथ महाराज संन्यासी जीवन से ऊपर उठकर समाज के लिए जीना पसंद करते हैं। समाज में धर्म, अध्यात्म, संस्कार, समरसता, सद्भाव, मर्यादा, एकात्मकता, भाई-चारे का स्पंदन हो इसके लिए वे निरंतर कार्य कर रहे हैं। इसके लिए निरंतर यात्राओं का क्रम जारी रहता है। 'जाति पंथ संप्रदाय तोड़ो, राष्ट्र को जोड़ो' उमेशनाथ महाराज के इस विचार ने देश में समरसता, मानवता व राष्ट्रवाद का ऐसा अलख जगाया कि देशभर के लोग इस आंदोलन में सहज ही शामिल होते गए। सन 1992 को देश के आठ प्रांतों की सरकारों ने उन्हें राजकीय अतिथि का दर्जा दिया। इसमें मध्य प्रदेश व राजस्थान अग्रणी राज्य रहे। राष्ट्रप्रेम, समरसता व समाज से कुरीतियों को खत्म करने के लिए किए जा रहे उमेशनाथजी महाराज के प्रयासों का सम्मान करते हुए उन्हें अवध विश्वविद्यालय ने समरसता अवार्ड प्रदान किया है। इसके साथ ही उन्हें गौरव इंडिया, कर्मवीर, छत्तीसगढ़ व हरियाणा आदि राज्यों के सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। उमेशनाथ महाराज ने उज्जैन के जूना सोमवारिया क्षेत्र में श्री सोहनदासजी के समाधि स्थल पर श्री क्षेत्र वाल्मीकि धाम की स्थापना की है। यह स्थान राजा हरिश्चंद्र का तपस्या स्थल भी रहा है। मान्यता है इसी स्थान पर बैठकर महर्षि वाल्मीकि ने रामायण महाकाव्य की रचना की थी। उमेशनाथ महाराज ने बताया कि यह भी चमत्कार ही रहा कि इस स्थान पर उनके आने के ठीक 41 दिन बाद भूमि से एक दिव्य शिवलिंग प्रकट हुआ, जो आज भी यहां श्री कमलेश्वर वाल्मीकेश्वर महादेव के नाम से प्रतिष्ठित है। उमेशनाथ महाराज मध्य प्रदेश से ऐसे संत हैं, जिन्हें अयोध्या में राम मंदिर के भूमिपूजन का आमंत्रण भी मिला और श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में भी वे शामिल हुए।

भारतीय जनता पार्टी ने 11 फरवरी को ही पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 56वीं पुण्यतिथि मनाई और इसके ठीक दो दिन बाद राज्यसभा प्रत्याशियों की जो सूची जारी की, जिसमें पंडित दीनदयाल के एकात्म मानववाद और समाज के अंतिम व्यक्ति को सशक्त बनाने की झलक साफ दिखाई दी। भाजपा और नरेन्द्र मोदी सरकार ने पिछले एक दशक में अंत्योदय के भाव से अभूतपूर्व काम किया है। समाज के ऐसे लोगों को पद्मश्री से लेकर देश के कई बड़े सम्मान प्रदान किए, जिसकी लोग कल्पना भी नहीं कर सकते थे। जबलपुर की सुमित्रा बाल्मीक को राज्यसभा में भेजकर भाजपा ने अपना संदेश साफ कर दिया था कि कांग्रेस या अन्य पार्टी दलित वर्ग को केवल वोटबैंक के रूप में इस्तेमाल करती रही हैं, लेकिन भाजपा उन्हें समाज की बराबरी के साथ खड़ा करना चाहती है। राज्यसभा प्रत्याशी डा. एल मुरुगन भी तमिलनाडु से हैं। भाजपा ने उन्हें मध्य प्रदेश से राज्यसभा में भेजा है। दक्षिण भारत के राज्यों में दलित राजनीति के बिना कोई पार्टी अपनी जमीन नहीं बना सकती। उमेशनाथ और मुरुगन को राज्य सभा में भेजने से पार्टी को यहां भी अपनी जमीन मजबूत करने में मदद मिलेगी।

हिमाचल प्रदेश डायरी

राज्यसभा में हिमाचल से सिंघवी का अभिषेक

नवनीत शर्मा
राज्य संपादक, हिमाचल प्रदेश

'सर! विनम्र निवेदन यह है कि हिमाचल प्रदेश जैसे छोटे राज्य में प्रत्येक दो वर्ष के बाद राज्यसभा की सीट खाली होती है। वर्ष 1990 में भी वरिष्ठ नेता श्री कृष्ण लाल शर्मा को हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा भेजा गया था। इस बार पंजाब से डा. बलदेव प्रकाश को भेजने की बातें सुन रहा हूं। इससे ठीक संदेश नहीं जाएगा। किसी बड़े राज्य से भेज दें हमें आपत्ति नहीं, पर यहां से किसी प्रदेशवासी पार्टी कार्यकर्ता को ही भेजें तो अच्छा है।'

वर्ष 1992 में उपरोक्त शब्द भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन प्रदेशाध्यक्ष प्रेम कुमार धूमल ने अटल बिहारी वाजपेयी और लाल कृष्ण आडवाणी से कहे थे। बात में प्रार्थनातत्व इतना प्रभावी था कि बात मान ली गई। डा. बलदेव प्रकाश नहीं, भगवान रघुनाथ जी के छड़ीबरदार, पूर्व लोकसभा सदस्य महेश्वर सिंह को राज्यसभा भेजा गया। दूसरा प्रसंग तब आया जब प्रेम कुमार धूमल मुख्यमंत्री थे। अरुण जेटली को हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा भेजने की बात हुई। धूमल कहते हैं, 'जेटली जी के साथ मैत्री इतनी थी कि मैंने सीधे उनसे बात की कि ऐसा करने से यहां अच्छा संदेश नहीं जाएगा। अरुण जेटली ने कहा कि आप निश्चिंत रहें, पार्टी चाहेगी तो मुझे बड़े राज्य से भेज देगी, मैं हिमाचल प्रदेश के लिए मना कर दूंगा। तब कृपाल परमार को भेजा गया।' संयोगवश, यह वही कृपाल परमार थे जो पिछले विधानसभा चुनाव में कांगड़ा के फतेहपुर से टिकट न मिलने पर आजाद खड़े हो गए थे और प्रधानमंत्री का फोन आने के बाद भी नहीं बैठे थे।

यह प्रसंग इसलिए, क्योंकि लंबी ऊहापोह के बाद कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट के प्रसिद्ध अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी को हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा भेजने का निर्णय सुनाया है। ऐसा कोई विधान नहीं है कि संबंधित राज्य का व्यक्ति ही राज्यसभा जाए, किंतु जब राज्य छोटा हो, सीटें कम हों तो कई चेहरे ऐसे होते हैं जिन्हें पार्टी के लिए दिए 'अमूल्य योगदान' के प्रतिफल में राज्यसभा की अपेक्षा होती है। वास्तव में राजनीति और उपयोगिता का सिद्धांत परस्पर गुंथे हुए हैं। अभिषेक मनु सिंघवी हर ओर से घिरी हुई कांग्रेस के स्वर को विभिन्न न्यायालयों में पूरी सघनता के साथ उठा सकेंगे, ऐसा कहा जा रहा है। उनका लाभ गांधी परिवार को भी कई मामलों में मिलेगा, ऐसा कहा नहीं, समझा जा रहा है। इधर, हिमाचल प्रदेश सरकार भी उनके ज्ञान और विशेषज्ञता का लाभ उठाएगी, ऐसा समझा नहीं जा रहा, कहा जा रहा है। अभिषेक मनु सिंघवी ने 'एक्स' पर सुंदर पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश के सीधे-सादे और अच्छे लोगों की प्रशंसा करते हुए लिखा है, 'मैंने सुप्रीम कोर्ट और हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट में हिमाचल प्रदेश की कई याचिकाओं पर राज्य का पक्ष रखा है।' सिंघवी के अनुसार, 'मुझे गर्व है कि मैं अब हिमाचल प्रदेश को परखूंगा और इसका प्रतिनिधित्व करूंगा। बहुत लोगों को पता नहीं है कि मेरी बड़ी बहू हिमाचली हैं।' उम्मीद की जानी चाहिए कि सिंघवी उच्चतम या उच्च न्यायालय ही नहीं, उच्च सदन में भी हिमाचल प्रदेश की आकांक्षाओं को स्वर देंगे। हालांकि यह देखना होगा कि अब वह हिमाचल सरकार के 'वाटर सेस अधिनियम' को चुनौती देने वाले पक्षों के वकील बने रहेंगे या नहीं।

अभिषेक मनु सिंघवी। फाइल

कांग्रेस के कई नेता उनके चयन में दूसरा लाभ यह देख रहे हैं कि सिंघवी वकील अधिक हैं, राजनीतिज्ञ कम हैं, इसलिए सत्ता का एक और केंद्र नहीं बनेगा। क्योंकि आलाकमान कोई भी हो, उसका हर निर्णय हमेशा सबको स्वीकार्य, दूर की कौड़ी और अच्छा होता है, इसलिए सिंघवी के सम्मान में बुधवार को रात्रिभोज भी प्रस्तावित था। कौल सिंह, राम लाल ठाकुर और आशा कुमारी और कई बड़े नेता हैं जिन्हें पुनर्वास की आशा थी। जब तक ऐसी चर्चा थी कि सोनिया गांधी चुनावी राजनीति से किनारा कर हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा जाएंगी, तब तक सब प्रसन्न थे, किंतु अब परिदृश्य और है। सवाल यह भी उठाए जा रहे हैं कि सोनिया गांधी ने राज्यसभा के लिए हिमाचल प्रदेश का रास्ता क्यों नहीं चुना, जबकि उनकी पुत्री का तो घर भी हिमाचल में है और हिमाचल को मिले पूर्ण राज्यत्व के पीछे स्वर्गीय इंदिरा गांधी थीं? एक कांग्रेस विधायक हल्की मुस्कराहट के साथ कहते हैं कि इतने महंगे वकील की सेवाएं वित्तीय संकट से जूझते हिमाचल को मिलेंगी, यह प्रदेश के लिए अच्छा ही है। कांग्रेस के एक विधायक यह भी कहते हैं कि आज यदि सिंघवी को बाहर का व्यक्ति बताया जा रहा है तो भाजपा वाले याद रखें कि कैप्टन अमरिंदर सिंह की माता मोहिंद्र कौर भी हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा जा चुकी हैं। यह 1978 की बात है।

इधर, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा गुजरात से राज्यसभा जाएंगे। इस सूचना से हिमाचल प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के कतिपय नेताओं पर छाया असमंजस छंट गया है। चर्चा जारी थी कि नड्डा भी चुनाव लड़ेंगे। इस संदर्भ में मंडी और कांगड़ा में बड़ी हलचल थी। नड्डा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, इस नाते तो राज्य गौरवान्वित होता ही आया है, इस बार बड़ी बात यह है कि भाजपा ने उन्हें तीसरी बार अवसर प्रदान किया है।

****

जीईएम से खरीद में कोल इंडिया शीर्ष पर कायम

नई दिल्ली : कोल इंडिया लिमिटेड (सीआइएल) ने सरकारी ई-मार्केट प्लेटफार्म (जीईएम) से वस्तुओं और सेवाओं की खरीद में केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों (सीपीएसई) में शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जीईएम के माध्यम से 14 फरवरी, 2024 तक 63,890 करोड़ रुपये की खरीद हो चुकी है, जो 21,325 करोड़ रुपये के वार्षिक लक्ष्य का 300 प्रतिशत है। (प्रेट्र)

अदाणी ग्रीन एनर्जी, सौर और पवन के लिए दुनिया के सबसे व्यापक नवीकरणीय ऊर्जा परिवेश में से एक निर्माण कर रही है।
— गौतम अदाणी, चेयरमैन, अदाणी समूह

सेंसेक्स	निफ्टी	सोना प्रति दस ग्राम	चांदी प्रति किलोग्राम	डालर	क्रूड (ब्रेंट) प्रति बैरल
71,822.83 ▲ 267.64	21,840.05 ▲ 96.80	₹62,350 ▼ ₹750	₹74,000 ▼ ₹1400	₹83.02 ▼ ₹0.06	$82.64

एक नजर में

अर्थव्यवस्था की समीक्षा करेंगी निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (एफएसडीसी) की 21 फरवरी को होने वाली बैठक में वैश्विक चुनौतियों के बीच अर्थव्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करेंगी। उच्चस्तरीय निकाय की राष्ट्रीय राजधानी में होने वाली 28वीं बैठक में आरबीआइ गवर्नर शक्तिकांत दास समेत वित्तीय क्षेत्र के सभी नियामक शामिल होंगे। (प्रेट्र)

जनवरी में यात्री वाहनों की बिक्री ने बनाया रिकार्ड

नई दिल्ली : यूटिलिटी वाहनों की मजबूत मांग के बीच घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री जनवरी में सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर 3,93,074 इकाई हो गई। यह जनवरी में अभी तक दर्ज बिक्री का सर्वाधिक आंकड़ा है। दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री जनवरी में सालाना आधार पर 26 प्रतिशत की बढ़त के साथ 14,95,183 इकाई रही। (प्रेट्र)

500 अस्पताल 'ईट राइट कैंपस' के रूप में प्रमाणित

नई दिल्ली : खाद्य सुरक्षा नियामक एफएसएसएआइ ने 500 से अधिक अस्पतालों को 'ईट राइट कैंपस' के रूप में प्रमाणित किया है। इसमें 100 सरकारी अस्पताल हैं। यह पहल नियामक के 'ईट राइट इंडिया' अभियान के तहत अस्पतालों सहित विभिन्न संस्थानों और कार्यस्थलों के भीतर सुरक्षित, स्वस्थ्य एवं पर्यावरण अनुकूल खाद्य परिवेश बनाने पर केंद्रित है। (प्रेट्र)

सात प्रमुख शहरों में लक्जरी घरों की बिक्री 75% बढ़ी

नई दिल्ली : पिछले साल देश के सात प्रमुख शहरों में चार करोड़ रुपये से अधिक कीमत के घरों की बिक्री में 75 प्रतिशत की भारी वृद्धि देखी गई। रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी सीबीआरई के मुताबिक, सात प्रमुख शहरों में से दिल्ली-एनसीआर में लक्जरी घरों की बिक्री में लगभग तीन गुना का उछाल आया। साल 2023 में बिकने वाले कुल घरों की संख्या 3,22,000 इकाई हो गई जो सालाना आधार पर नौ प्रतिशत अधिक है। (प्रेट्र)

यूरोपीय यूनियन को निर्यात करना होगा मुश्किल

वस्तु के उत्पादन में जंगल की कटाई से संबंधित जानकारी देने के नियम को लागू कर सकता है ईयू

राजीव कुमार • नई दिल्ली

कार्बन बार्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म (सीबैम) के बाद यूरोपीय यूनियन (ईयू) अब वस्तु की बिक्री के लिए उस वस्तु के उत्पादन या निर्माण में जंगल की कटाई संबंधित जानकारी देने के नियम को लागू करने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। वस्तु के पैकेट पर क्यूआर कोड के जरिये इसकी जानकारी देनी पड़ेगी कि उस वस्तु का निर्माण या उत्पादन में किस हद तक जंगल की कटाई हुई है। इसके तीन स्तर होंगे। उच्च, मध्यम व निम्न। उच्चस्तर का मतलब होगा कि वस्तु के निर्माण में जंगल की कटाई काफी अधिक हुई है।

यूरोपीय यूनियन निम्न स्तर वाले उत्पादों की ही खरीदारी करेंगे। इस प्रकार के नियम के लागू होने पर भारत को यूरोप में अपनी वस्तुओं को बेचना कठिन हो जाएगा, क्योंकि इससे वस्तु निर्माण की लागत बढ़ जाएगी। यूरोपीय यूनियन (ईयू) आगामी 26-29 फरवरी को अबूधाबी में विश्व व्यापार संगठन के मिनिस्ट्रियल कांफ्रेंस 13 (एमसी13) में इस मामले पर चर्चा के पक्ष में है ताकि वैश्विक स्तर पर इस नियम पर एकमत बन सके। एमसी डब्ल्यूटीओ का सर्वोच्च समूह है। सूत्रों के मुताबिक भारत यूरोपीय यूनियन के इस प्रस्ताव से सहमत नहीं है और डब्ल्यूटीओ एमसी13 की बैठक में भारत इस प्रस्ताव के लिए राजी नहीं होगा। क्योंकि इससे अतिरिक्त नियम के पालन का बोझ बढ़ेगा और लागत बढ़ेगी। इससे निर्यात प्रभावित होगा। अंतिम वस्तु (फाइनल प्रोडक्ट) पर जंगल की कटाई की जानकारी के लिए पहले उस वस्तु के उत्पादन में इस्तेमाल अन्य सभी तत्वों के निर्माण में जंगल की कटाई के बारे में जानकारी जुटाना होगा।

- वस्तु के पैकेट पर क्यूआर कोड से देनी होगी जानकारी, बढ़ेगी लागत
- ईयू इस महीने होने वाली बैठक में इस मामले पर चाहता है चर्चा

वर्ष 2026 से अपने यहां सीबैम लागू करेगा यूरोपीय यूनियन

ईयू ने वर्ष 2026 से अपने यहां सीबैम लागू करने का फैसला किया है। इसके तहत वस्तु के निर्माण के दौरान कार्बन उत्सर्जन करने पर कार्बन टैक्स देना होगा। इससे स्टील, एल्युमिनियम जैसी वस्तुओं का निर्यात महंगा हो जाएगा, क्योंकि इनके उत्पादन में काफी अधिक कार्बन का उत्सर्जन होता है। इससे भारतीय उत्पाद यूरोप में प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगे। हालांकि भारत ने इस प्रकार की बाधाओं से बचने के लिए घरेलू स्तर पर ग्रीन स्टील व अन्य वस्तुओं के उत्पादन में ग्रीन ईंधन के इस्तेमाल को प्रोत्साहित करना शुरू कर दिया है।

भारत कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए मांग सकता है फंड

सूत्रों के मुताबिक भारत यह नहीं कह रहा है कि हम कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए लाए जा रहे नियमों का पालन नहीं करेंगे, लेकिन भारत ईयू व अन्य विकसित देशों को इस प्रकार के नियमों के पालन के लिए उनसे टेक्नोलाजी व फंड मुहैया कराने की मांग करेगा। डब्ल्यूटीओ की एमसी13 की बैठक में भारत इस प्रकार के रुख को अपना सकता है।

नियमों से संतुष्ट न होने पर अब 30 दिनों तक वापस कर सकेंगे पालिसी

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने कंपनी की नियम और शर्तों से संतुष्ट नहीं होने पर पालिसी को वापस करने की अवधि (फ्री लुक पीरियड) को 15 दिन से बढ़ाकर 30 दिन करने का प्रस्ताव दिया है। साथ ही नियामक ने जीवन बीमा पालिसियों के लिए नामिनी को अनिवार्य बनाने को भी कहा है।

मौजूदा समय में कोई भी बीमाधारक नियमों और शर्तों से संतुष्ट नहीं होने की स्थिति में पालिसी दस्तावेज मिलने की तारीख से 15 दिनों की 'फ्री लुक' अवधि के भीतर उससे अलग हो सकता है। हालांकि अगर पालिसी आनलाइन खरीदी गई है तो यह अवधि 30 दिन है। नियामक ने इन प्रस्तावों पर चार मार्च तक राय मांगी है। मसौदा प्रस्ताव के मुताबिक, पालिसी रिफंड के इलेक्ट्रानिक हस्तांतरण और बीमा दावों के भुगतान को सक्षम बनाने के लिए बीमा कंपनी को प्रस्ताव चरण में ही बीमाधारक के बैंक खातों का विवरण एकत्र करना चाहिए।

- बीमा नियामक ने जीवन बीमा पालिसियों के लिए नामिनी को अनिवार्य बनाने को कहा

इंश्योरेंस सहूलियत के लिए बीमा सुगम ला रहा है इरडा

जाब्यू, नई दिल्ली : इंश्योरेंस खरीदने वालों से लेकर बेचने वालों तक की सहूलियत के लिए इरडा बीमा सुगम नामक इंश्योरेंस इलेक्ट्रानिक मार्केटप्लेस ला रहा है। इस प्लेटफार्म में सभी प्रकार की इंश्योरेंस बेचने वाली कंपनी, इंटरमीडिएरीज और ग्राहक होंगे, जहां उपभोक्ता अपनी सुविधा के मुताबिक इंश्योरेंस की खरीदारी कर सकेंगे। सभी इंश्योरेंस की जानकारी उनके सामने होगी।

तीन महीने के निचले स्तर पर रही थोक महंगाई

नई दिल्ली, प्रेट्र : थोक मुद्रास्फीति जनवरी में तीन महीने के निचले स्तर 0.27 प्रतिशत पर आ गई। खाद्य पदार्थों की कीमतों में नरमी इसकी प्रमुख वजह रही। दिसंबर 2023 में यह 0.73 प्रतिशत थी जबकि जनवरी, 2023 में यह 4.8 प्रतिशत थी। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआइ) आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल से अक्टूबर तक लगातार शून्य से नीचे बनी हुई थी। नवंबर में यह 0.39 प्रतिशत दर्ज की गई थी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2024 में खाद्य सामग्री की महंगाई दर 6.85 प्रतिशत रही जो दिसंबर 2023 में 9.38 प्रतिशत थी। जनवरी में सब्जियों की महंगाई दर 19.71 प्रतिशत रही थी, जो दिसंबर 2023 में 26.3 प्रतिशत रही थी। आलू की महंगाई नकारात्मक दायरे में रही। फल, अंडे, दूध, मछली और दूध की कीमतें कम हुई हैं। जनवरी में दालों में थोक मुद्रास्फीति 16.06 प्रतिशत थी, जबकि फलों में यह 1.01 प्रतिशत रही।

आरबीआइ ने कहा, बढ़ते जोखिमों के प्रति सतर्क रहें बैंक प्रबंधन

मुंबई, प्रेट्र : आरबीआइ गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को बैंकों से क्षेत्र में बढ़ते जोखिमों के प्रति सतर्क रहने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि आत्मसंतुष्टि की कोई गुंजाइश नहीं है। अल्पांश सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और निजी क्षेत्र के चुनिंदा बैंकों के प्रबंध निदेशकों (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के साथ बैठक की। यह आरबीआइ की बैंकों, एनबीएफसी और उसके दायरे में आने वाली अन्य इकाइयों के वरिष्ठ प्रबंधन के साथ बातचीत करने की मुहिम का हिस्सा है।

आरबीआइ ने एक बयान में कहा कि गवर्नर ने बैंकों के बेहतर वित्तीय प्रदर्शन के लिए उनकी सराहना की। बयान के अनुसार, "बैंकों के बेहतर बैलेंस शीट के साथ घरेलू वित्तीय प्रणाली की मजबूती पर गौर करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की ढिलाई की कोई गुंजाइश नहीं है और बैंकों को बढ़ते जोखिमों को लेकर अपनी निगरानी बनाए रखनी चाहिए।' दास ने बिजनेस माडल की व्यवहार्यता, व्यक्तिगत ऋणों में अत्यधिक वृद्धि, गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) क्षेत्र में बैंक के कर्ज और नकदी जोखिम प्रबंधन से जुड़े मुद्दों का भी जिक्र किया। बैठक में बैंकों को फिनटेक संबंधित पहल में भाग लेने को कहा गया।

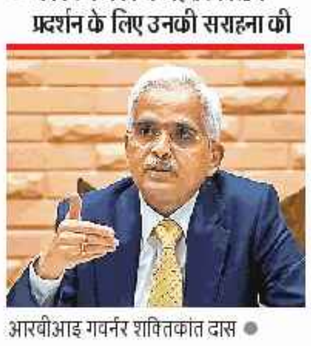

- आरबीआइ गवर्नर ने बैंकों के एमडी और सीईओ के साथ की बैठक
- गवर्नर ने बैंकों के बेहतर वित्तीय प्रदर्शन के लिए उनकी सराहना की

आरबीआइ गवर्नर शक्तिकांत दास

वित्त आयोग की पहली बैठक में अधिकारों और उद्देश्यों पर हुई चर्चा

जाब्यू, नई दिल्ली : डा. अरविंद पानगढ़िया की अध्यक्षता में 16वें वित्त आयोग की पहली बैठक में वित्त आयोग के संचालन को लेकर कई अहम फैसले किए गए। बैठक में आयोग के अधिकारों व उद्देश्यों को लेकर चर्चा हुई और आने वाले दिनों में राज्य सरकारों, स्थानीय निकायों, विभिन्न मंत्रालयों और विशेषज्ञों से किस तरह से विमर्श को आगे बढ़ाया जाएगा।

आयोग की तरफ से शोध संस्थानों, थिंक टैंक से भी विमर्श की जरूरत को चिह्नित किया गया है। आयोग की तरफ से स्वीकार किया गया है कि उसे बहुत बड़े स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ बातचीत करनी होगी। आयोग की तरफ से पहली सिफारिशें 31 अक्टूबर, 2025 को सरकार को सौंपी जाएंगी। 01 अप्रैल, 2026 से पांच वर्षों के लिए इसकी रिपोर्ट के आधार पर केंद्र सरकार और राज्यों के बीच राजस्व का बंटवारा किया जाएगा।

आरआइएल ने बाजार पूंजीकरण में पेप्सिको व पेट्रोचाइना को पीछे छोड़ा

मुंबई, प्रेट्र : मुकेश अंबानी की अगुआई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआइएल) बुधवार को 20 लाख करोड़ रुपये का बाजार पूंजीकरण हासिल करने वाली देश की पहली कंपनी बन गई। इस तरह कंपनी का बाजार पूंजीकरण पेप्सिको, नीदरलैंड्स की उर्जा कंपनी शेल और चीन की पेट्रोचाइना लिमिटेड जैसी कंपनियों से ज्यादा हो गया है। दरअसल, रिलायंस के शेयर ने मंगलवार को ही कारोबार के दौरान 20 लाख करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (एम-कैप) को छुआ था, लेकिन कारोबार के अंत में यह 19,93,881.61 करोड़ रुपये पर आ गया था।

बुधवार को कंपनी का शेयर 2,963.60 रुपये पर बंद हुआ, जो पिछले बंद से 1.14 प्रतिशत ज्यादा है। इससे कंपनी का बाजार पूंजीकरण कारोबार की समाप्ति पर 20.05 लाख करोड़ रुपये हो गया। इस उपलब्धि के साथ कंपनी बाजार पूंजीकरण के हिसाब से दुनिया की शीर्ष 50 कंपनियों में पेप्सिको, शेल पीएलसी और सिस्को जैसी दिग्गज कंपनियों को पीछे छोड़ 49वें स्थान पर पहुंच गई है। खास बात यह है कि अगर 20 जुलाई, 2023 को रिलायंस से अलग हुई जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के एम-कैप को इसमें शामिल कर लिया जाए तो रिलायंस का संयुक्त बाजार मूल्यांकन 21.73 लाख करोड़ रुपये होगा। इससे कंपनी 43वें स्थान पर हो जाएगी। इससे यह एक्सेंचर और नेटफ्लिक्स से भी आगे हो जाएगी।

मूल्यवान कंपनियां और मार्केट कैप

माइक्रोसाफ्ट कार्प	3.08 ट्रिलियन डालर
एपल इंक	2.89 ट्रिलियन डालर
सऊदी अरामको	2.04 ट्रिलियन डालर
अल्फाबेट इंक	1.84 ट्रिलियन डालर

239 अरब डालर हुआ रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण

- बुधवार को कंपनी का शेयर 2,963.60 पर बंद हुआ, यह पिछले बंद से 1.14% ज्यादा

राष्ट्रीय फलक

बेहमई कांड में 43 साल बाद एक को उम्र कैद, एक बरी

जागरण संवाददाता, कानपुर देहात

कानपुर देहात के बेहमई गांव में 43 वर्ष पहले हुए नरसंहार पर बुधवार को फैसला आ गया। घटना में दस्यु रहीं फूलन देवी समेत 36 आरोपित बनाए गए थे। फूलन देवी समेत 33 आरोपित अब इस दुनिया में नहीं हैं। एक अब तक फरार है, वहीं दो लोग जमानत पर चल रहे थे। इनमें से एक को दोषी ठहराते हुए एंटी डकैती कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है, जबकि एक को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया। घटना 1981 में 14 फरवरी को हुई थी और उसी तारीख को फैसला आया है। मामले की केस डायरी फरवरी, 2020 में गायब हो गई थी। घटना के वादी और मुख्य गवाह का निधन हो चुका है।

बेहमई गांव तब कानपुर जिले का हिस्सा था। फूलन देवी ने अपने गिरोह के साथ मिलकर बेहमई में धावा बोल दिया था। 26 लोगों को गांव में कुएं के पास कतार से खड़ा किया और उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं। फायरिंग में 20 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि छह लोग घायल हुए थे। घटना के प्रत्यक्षदर्शी रहे गांव के ही राजाराम ने फूलन देवी समेत 36 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। इनमें से एक आरोपित मान सिंह अब तक पुलिस की पकड़ में नहीं आया। मुकदमे की सुनवाई में वादी राजाराम के साथ ही मुख्य गवाह रहे जंटर की मौत हो चुकी है।

नियत तिथि पर बुधवार को सुनवाई के दौरान बचाव व अभियोजन में बहस हुई। दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद न्यायालय ने औरैया के कोठीशाला गांव के रहने वाले अभियुक्त 67 वर्षीय श्याम बाबू को दोष सिद्ध किया। सजा सुनाए जाने के बाद उसे जेल भेज दिया गया। श्याम बाबू को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 50 हजार रुपये अर्थदंड लगाया है। अर्थदंड अदा न करने पर अभियुक्त को छह माह का अतिरिक्त कारावास काटना होगा। वहीं, 65 वर्षीय विश्वनाथ उर्फ पुतानी को साक्ष्य के अभाव में दोष मुक्त किया गया है।

- फूलन देवी और गिरोह ने 14 फरवरी, 1981 को 20 लोगों को गोलियों से भून दिया था
- 36 में से फूलन देवी समेत 33 आरोपितों की हो चुकी है मौत, एक अब तक फरार

अभियुक्त श्यामबाबू को जेल ले जाती पुलिस। जागरण

रंजिश और मुखबिरी के शक में हुआ था बेहमई कांड

बेहमई कांड डकैत श्रीराम व लालाराम की फूलन से रंजिश व मुखबिरी के शक में हुआ था। श्रीराम व लालाराम बाबू गुज्जर की हत्या से नाराज थे। वे फूलन को ही हत्या के लिए जिम्मेदार मानते थे और बदला लेना चाहते थे। उन्होंने फूलन को अगवा कर लिया था, जिसके बाद हुए आतंक ने फूलन को दस्यु सुंदरी बना दिया। फूलन को शक था कि बेहमई गांव के लोग श्रीराम गिरोह को संरक्षण देते हैं। इसी आक्रोश में उसने 20 निर्दोषों की जान ले ली थी। लालाराम व श्रीराम ने विक्रम मल्लाह की हत्या कर फूलन को अगवा किया था, जिसके बाद उसे अपमानित किया गया था। उस समय फूलन की उम्र 18 साल के आसपास थी। वहां से भागकर फूलन डाकुओं के पास मदद मांगने गई और अपना नया गिरोह बनाया। इसके बाद उसने कसम खाई थी कि श्रीराम व लालाराम से बदला लेगी। दोनों गिरोह एक दूसरे के जान के प्यासे थे।

केंद्रीय सूचना आयोग ने पीएमओ को दिए निष्पक्ष सुनवाई के निर्देश

जागरण संवाददाता, नैनीताल

- आइएफएस संजीव चतुर्वेदी से जुड़ा है मामला, 30 दिन में देनी होगी रिपोर्ट

केंद्रीय सूचना आयोग ने चर्चित आइएफएस अधिकारी और हल्द्वानी के मुख्य वन संरक्षक संजीव चतुर्वेदी के मामले में निष्पक्ष व समुचित सुनवाई करने के निर्देश प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को दिए हैं। आयोग ने कहा, संजीव के पक्ष को प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का अनुपालन करते हुए सुना जाए और कारण सहित आदेश पारित किया जाए। साथ ही कहा, मामले की सुनवाई 30 दिन के भीतर पूरी कर अनुपालन रिपोर्ट आयोग को भेजी जाए।

संजीव के अधिवक्ता सुदर्शन गोयल ने के मुताबिक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान नई दिल्ली में मुख्य सतर्कता अधिकारी पद पर रहते हुए संजीव ने 2012-14 तक भ्रष्टाचार से जुड़े दो सौ से अधिक मामले उजागर किए थे। 2014 में एक तत्कालीन सांसद की भूमिका की जांच को लेकर उन्होंने पीएमओ से शिकायत की थी। तब संबंधित सांसद ने संजीव को एम्स के मुख्य सतर्कता अधिकारी पद से हटाने व घपलों की जांच बंद करने का आग्रह पीएमओ से किया था। संजीव ने फिर पीएमओ को पत्र लिख सांसद की भूमिका की जांच कराने का आग्रह किया। पत्र का संज्ञान लेते हुए पीएमओ ने स्वास्थ्य मंत्रालय से 15 दिन में रिपोर्ट मांगी थी। रिपोर्ट नहीं मिलने पर पीएमओ ने फरवरी 2015 में मंत्रालय को दोबारा पत्र लिखा था।

अक्टूबर 2022 में पीएमओ के सूचना अधिकारी की ओर से संजीव को जवाब दिया गया कि मंत्रालय से टिप्पणी मांगी गई है। जवाब से असंतुष्ट होकर संजीव ने सूचना आयोग का रुख किया। अधिवक्ता गोयल के अनुसार, आयोग ने इसी माह एक फरवरी को मामले में सुनवाई पूरी कर निर्णय सुरक्षित रख लिया था। केंद्रीय सूचना आयुक्त हीरा लाल सामरिया ने 12 फरवरी को पारित चार पेज के निर्णय में संजीव के मामले में निष्पक्ष सुनवाई के आदेश पारित किए हैं।

ईडी ने शुरू की पेटीएम के खिलाफ जांच

नई दिल्ली, प्रेट्र : ईडी ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) के खिलाफ लगे आरोपों की जांच शुरू कर दी है। इसकी जानकारी स्वयं कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को दी। कंपनी ने कहा कि ईडी उसकी पैरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (ओसीएल) व उसकी सहायक कंपनियों से ग्राहकों से जुड़ी जानकारी मुहैया कराने को नोटिस भेज रहा है। कंपनी द्वारा अधिकारियों को जानकारी, दस्तावेज व स्पष्टीकरण प्रदान किए जा रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में ईडी और वित्तीय खुफिया इकाई ने आरबीआइ से पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड को ग्राहक खातों में जमा या टाप-अप स्वीकार करने से रोकने के वास्ते उसके द्वारा की गई कार्रवाई पर अपनी रिपोर्ट साझा करने के लिए कहा था। वित्तीय खुफिया इकाई ने यह विश्लेषण करने के लिए भी आरबीआइ से रिपोर्ट मांगी है कि क्या पेटीएम या पीपीबीएल ने मनी लांड्रिंग एक्ट की धारा 13 के तहत रिपोर्टिंग इकाई के तौर पर जरूरी प्रक्रियाओं का पालन किया है।

गोतस्करों को छुड़ाने गए विहिप-बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने थाने में की तोड़फोड़

जागरण संवाददाता, औरैया

उप्र के औरैया में गोतस्करों को छुड़ाने गए विहिप-बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने थाने में तोड़फोड़ की है। गोतस्करी में पुलिस ने कानपुर देहात निवासी बजरंग दल के सह जिला गोरक्षा प्रमुख रिशू पांडेय और उसके तीन साथियों को गिरफ्तार किया था। बजरंग दल व विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता उनकी पैरवी में ऐरवाकटरा थाने पहुंच गए और हवालात में बंद आरोपितों को छुड़ाने का प्रयास किया। इस दौरान उन्होंने थाने में तोड़फोड़ की। पुलिस ने लाठी पटककर भीड़ को खदेड़ा और नौ नामजद व 50 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। उधर, बुधवार को गोतस्करी के चारों आरोपितों को जेल भेज दिया गया।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर गांव हरनागरपुर के पास सोमवार देर रात यूपीडा की सुरक्षा टीम ने गोवंशी पशुओं से लदे मिनी ट्रक को पकड़ा था। मामले में पुलिस ने कानपुर देहात निवासी बजरंगदल के सह जिला गोरक्षा प्रमुख रिशू पांडेय उर्फ शांतनू सहित चार को पकड़ा था, जबकि दो फरार हो गए थे। रिशू को छुड़वाने के लिए कानपुर देहात व औरैया के बजरंग दल, विहिप व गोरक्षा संगठन के करीब 50 लोग मंगलवार देर रात थाने पहुंचे। पुलिस से अपने साथी को लेकर बातचीत की। इसी बीच सीओ बिधूना व कई थानों की फोर्स पहुंच गई। बातचीत के दौरान कार्यकर्ता उग्र हो गए और साथी को ले जाने के लिए हवालात की तरफ बढ़ने लगे। पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो धक्कामुक्की कर दी। वहां रखी कुर्सी आदि फर्नीचर को तोड़ दिया और बाइक को पलटा दिया।

पाकिस्तान से चला रहे थे खेल

प्रथम पृष्ठ से आगे

गिरफ्तार किए गए चार आरोपितों के अलावा दो आरोपित आतंकी अल्ताफ अहमद बट और मंजूर अहमद शाह भी हैं, जो इस समय पाकिस्तान के कराची और रावलपिंडी में छिपे बैठे हैं। ये दोनों सुरक्षाबलों से बचने के लिए 1990 में पाकिस्तान भाग गए थे। अल्ताफ और मंजूर ही पाकिस्तान में एमबीबीएस और इंजीनियरिंग कालेजों में कश्मीरी छात्रों के दाखिले की आड़ में टेरर फंडिंग के खेल में आइएसआइ की पूरी मदद करते थे। इनके अलावा दो अन्य आरोपित काजी यासिर और मोहम्मद मकबूल मीर हैं।

ईडी की ओर से गिरफ्तार किए गए तीन आरोपितों में मोहम्मद अकबर बट, फातिमा शाह और सब्जार अहमद शेख हैं। फातिमा शाह ने अल जब्बार नामक ट्रस्ट बना रखा था। सब्जार शेख अनंतनाग का रहने वाला है। मोहम्मद अकबर बट हिजबुल मुजाहिदीन के उन आतंकी कमांडरों में एक है, जिसने 2000 में सैयद सल्लाहुदीन और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ के खिलाफ जाकर कश्मीर में संघर्ष विराम का एलान करते हुए केंद्र से बातचीत की थी। फिलहाल, वह जम्मू कश्मीर साल्वेशन मूवमेंट नामक संगठन चला रहा है। वहीं, चौथे आरोपित मोहम्मद अब्दुल्ला शाह को ईडी ने छह फरवरी को गिरफ्तार किया था। इन चारों को जम्मू कश्मीर पुलिस ने गिरफ्तार किया था और तभी से ये जेल में बंद थे। ईडी ने जेल से इन्हें अपनी हिरासत में लेकर गिरफ्तार किया है।

2021 में दायर किया था आरोपपत्र : पुलिस ने जुलाई, 2020 को इस संबंध में मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की थी। दिसंबर, 2021 में आठ आरोपितों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया गया था। ईडी ने पुलिस द्वारा की गई जांच के आधार पर पर ही जांच शुरू कर रखी है। बीते माह ईडी ने आरोपितों की पांच करोड़ की संपत्ति को भी अटैच किया।

****

एम्स दिल्ली ले जाए गए जगद्गुरु रामभद्राचार्य

जागरण संवाददाता, देहरादून : तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज को देहरादून से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली ले जाया गया है। सिनर्जी अस्पताल के एमडी कमल गर्ग ने बताया कि उनकी बाईपास सर्जरी एम्स दिल्ली में हुई थी। उनके हार्ट के वाल्व बदले जाने हैं। जिसके लिए उन्हें एम्स दिल्ली ले जाया गया। वह 20 फरवरी तक वापस लौट आएंगे।

हाथरस में राम कथा कर रहे तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज की दो फरवरी को तबीयत बिगड़ गई थी। सीने में जकड़न व सांस लेने में दिक्कत के चलते उन्हें आगरा के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां से उन्हें दून लाया गया। यहां सिनर्जी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था।

पीसीबी ने मसूरी के नौ होटल कराए बंद, बिजली-पानी के कनेक्शन काटे

जासं, मसूरी

पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) की अनुमति न लेने पर मसूरी के नौ होटल बंद करा दिए गए हैं। इन होटलों के बिजली-पानी के कनेक्शन भी काट दिए गए हैं। पीसीबी की ओर से पूर्व में बगैर अनुमति चल रहे 27 होटलों को नोटिस भेजे गए थे। हालांकि, वर्तमान में इनमें से नौ ही संचालित हो रहे थे। पीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी डा. आरके चतुर्वेदी ने बताया कि बीते वर्ष एनजीटी के निर्देश के बाद मसूरी के होटलों का निरीक्षण किया गया। जिसमें पाया गया कि मसूरी के 282 होटलों में से 27 मानकों का उल्लंघन कर रहे हैं। जिन्हें समय-समय पर नोटिस जारी किए गए।

बुधवार को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के निर्देशों के क्रम में उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बिना अनुमति संचालित नौ होटलों की बिजली व पानी की आपूर्ति बंद कराने के साथ ही संचालन भी रुकवा दिया। पूर्व में बोर्ड ने इन नौ होटल को नोटिस देकर अनुमति लेने के निर्देश दिए थे। साथ ही होटल संचालन में पर्यावरणीय मानकों का ध्यान रखने को कहा था। कई बार नोटिस देने के बाद भी होटल स्वामियों ने इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया। जिसके बाद कार्रवाई की गई।

7 अक्टूबर से गाजा पर इजरायली हमलों में 28,576 फलस्तीनी मारे गए हैं और 68,291 घायल हुए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि पिछले 24 घंटों में 103 फलस्तीनी मारे गए और 145 घायल हुए हैं।

रात के अंधेरे में हुई जनादेश की चोरी

इमरान की पार्टी पीटीआइ ने कहा, चुनाव परिणाम को सुप्रीम कोर्ट में देंगे चुनौती

निर्दलियों को पार्टी में शामिल होने को मिलेंगे तीन दिन

इस्लामाबाद, प्रेट्र: पाकिस्तान में सरकार बनाने के लिए पीएमएल एन के प्रमुख शहबाज शरीफ के समर्थन में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (54) व मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट (17) आ गए हैं, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी-पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआइ) ने कहा है कि मतदान के बाद रात के अंधेरे में जनादेश की चोरी हुई। धांधली कर उसके प्रत्याशियों को हराया गया। ज्ञात हो, चुनाव में सबसे बड़ी संख्या में पीटीआइ समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी जीतकर आए हैं। इनमें से दो ने अब शहबाज की पार्टी-पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) की सदस्यता ले ली है।

मंगलवार रात अप्रत्याशित घटनाक्रम में पीएमएल एन ने पीएम पद के लिए 72 वर्षीय शहबाज शरीफ का नाम आगे किया था। उससे पहले तीन बार पीएम रहे नवाज शरीफ के नाम पर पार्टी और समर्थन देने वाले दलों में सहमति बन चुकी थी। पीटीआइ के राष्ट्रीय प्रवक्ता रऊफ हसन ने एक्स पर कहा, जनादेश की चोरी से पाकिस्तान फिर सड़क पर आ गया है। रऊफ ने कहा, अपराधियों का झुंड एक बार फिर सरकार बनाने के लिए साथ आ गया है। ये वही लोग हैं जिन्होंने देश को बर्बाद किया है और लोग जिन्हें नकार चुके हैं। लेकिन सत्ता के लिए ये एक बार फिर मिल गए हैं।

प्रवक्ता ने कहा, पीटीआइ पूरी ताकत से इन लोगों के राष्ट्रविरोधी कार्यों का विरोध करेगी। देश को मुश्किलों से निकालने में केवल इमरान खान ही सक्षम हैं। मंगलवार को रावलपिंडी की आदियाला जेल में इमरान ने कहा था कि उनकी पार्टी आठ फरवरी के चुनाव परिणाम को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। उन्होंने अपने जीवन में किसी भी चुनाव में इतने बड़े स्तर पर धांधली न सुनी न देखी। ज्ञात हो, आठ फरवरी को 265 सीटों पर हुए चुनाव में पीटीआइ समर्थित 95 प्रत्याशियों ने जीत हासिल की। इनमें से दो पीएमएल एन के साथ जा चुके हैं।

फिर तय होगा आरक्षित सीटों पर नामित करने का कोटा

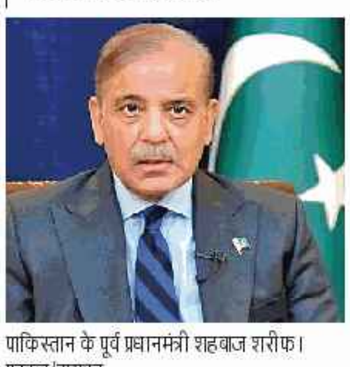

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ। फाइल/रायटर

पाकिस्तान के चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार कुछ प्रक्रियाओं के बाद 22 फरवरी को नेशनल असेंबली के सदस्यों के निर्वाचन की अधिसूचना जारी होगी। इसके बाद अगले तीन दिनों तक निर्दलीय सदस्य किसी भी दल में शामिल हो सकेंगे। इससे उस दल को 70 आरक्षित सीटों पर अपनी पसंद के व्यक्ति को नामित करने का अधिकार मिलेगा। ये आरक्षित सीटें 60 महिलाओं और 10 अल्पसंख्यकों से भरी जाएंगी। सरकार के विश्वास मत में ये नामित सदस्य भी मतदान करेंगे। नई संसद का पहला सत्र मतदान की तारीख के बाद तीन सप्ताह के भीतर अर्थात 29 फरवरी तक बुलाना अनिवार्य है।

बलूचिस्तान में चुनाव में धांधली के विरोध में सड़क जाम

करावी, प्रेट्र: बलूचिस्तान प्रांत में सड़क जाम से जनजीवन ठहर गया है। चुनाव परिणाम में धांधली के विरोध बलूचिस्तान राष्ट्रीय पार्टी (मेंगल), पश्तूनख्वा मिल्ली आवामी पार्टी व हजारा डेमोक्रेटिक पार्टी ने बुधवार से सभी राष्ट्रीय राजमार्गों पर बेमियादी जाम लगा दिया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जिन स्थानों पर धांधली हुई है वहां फिर से मतगणना का आदेश जारी नहीं होगा तब तक जाम लगा रहेगा।

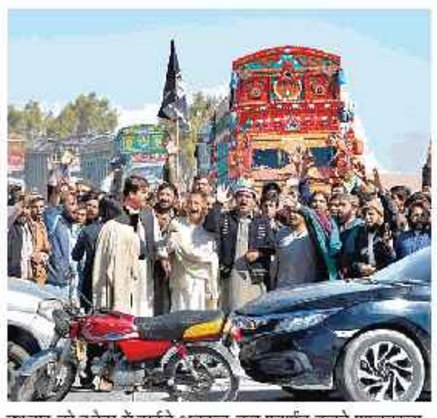

क्वेटा में बुधवार को हाईवे अवरुद्ध कर प्रदर्शन करते पश्तूनख्वा मिल्ली आवामी पार्टी के समर्थक। एएफपी

मौलाना फजलुर रहमान ने भी कहा, धांधली हुई : कट्टरपंथी मौलाना फजलुर रहमान की पार्टी जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम फजल ने कहा है कि आठ फरवरी के चुनाव में बड़े पैमाने पर धांधली हुई है। इसलिए वह धांधली का फायदा लेकर सरकार बनाने वाले गठबंधन में शामिल नहीं होगी और विपक्ष में बैठेगी। जमीयत ने चुनाव में नेशनल असेंबली की चार सीटें जीती हैं। मौलाना रहमान ने कहा है कि वह इन चुनाव परिणामों को अस्वीकार करते हैं। वैसे रहमान की पार्टी ने बलूचिस्तान की 51 सदस्यों वाली विधानसभा चुनाव में 11 सीटें और सिंध विधानसभा में दो सीटें जीती हैं।

खान यूनिस के नासिर अस्पताल को खाली कर रहे फलस्तीनी

रफाह, एपी : इजरायल हमास के बीच बढ़ते संघर्ष के दौरान फलस्तीनियों ने दक्षिणी गाजा स्थित खान यूनिस में मुख्य अस्पताल को खाली करना शुरू कर दिया है। कई हफ्तों की लड़ाई ने चिकित्सा सुविधा को ठप कर दिया था और अस्पताल में कई लोगों की जान चली गई थी। बुधवार को चिकित्सकों ने वीडियो साझा कर यह जानकारी दी। वीडियो में दर्जनों फलस्तीनियों को अपना सामान बोरियों में भरकर नासिर अस्पताल परिसर से बाहर निकलते हुए दिखाया गया है। वीडियो में एक डाक्टर भीड़ के आगे चल रहा है, उसके पीछे कुछ लोग हाथ में सफेद झंडा लिए जा रहे हैं।

पिछले चार महीने से अधिक समय से जारी इजरायल-हमास युद्ध में गाजा में स्वास्थ्य सुविधा तबाह हो गई हैं। आधे से कम अस्पताल आंशिक रूप से काम कर हैं। इजरायल ने आतंकियों पर अस्पतालों व अन्य इमारतों पर कब्जा करने का आरोप लगाया है। इजरायल खान यूनिस पर लगातार हमले कर रहा है। इजरायल ने दावा किया है कि हमलों को रफाह तक विस्तारित किया जाएगा। ज्ञात हो, हमले के कारण करीब 14 लाख लोग मिस्र की सीमा से लगे रफाह शहर में और इसके आसपास आश्रयगृहों तथा तंबुओं के शिविरों में रह रहे हैं। यह संख्या गाजा की आबादी की करीब आधा है।

- **अस्पताल के चिकित्सकों ने वीडियो साझा कर दी जानकारी**
- **इजरायल-हमास युद्ध से गाजा में स्वास्थ्य सुविधा तबाह**

इज़राइल और फलस्तीन के इस्लामी समूह हमास के बीच चल रहे संघर्ष के बीच बुधवार को इजरायली ने गाजा पट्टी में बड़ी कार्रवाई की और हमास को निशाना बनाया। रायटर

आइडीएफ ने कहा, हमास लीडर सिनवार को जिंदा या मुर्दा पकड़ेंगे: इजरायल रक्षा बल (आइडीएफ) ने कहा है कि उनकी खुफिया एजेंसियां हमास के आतंकी लीडर याह्या सिनवार के करीब पहुंच रही हैं और उसे जिंदा या मुर्दा पकड़ लेंगी। आइडीएफ के प्रवक्ता रियर एडमिरल डेनियल हगारी ने एक प्रेस बयान में इसकी घोषणा की। प्रवक्ता ने कहा कि सैन्य खुफिया और अन्य इजरायली खुफिया एजेंसियों को हमास लीडर के बारे में जानकारी मिली है, जिसे सात अक्टूबर के इजरायल पर हुए हमलों का मास्टरमाइंड माना जाता है। इस बीच, आइडीएफ ने यह भी कहा है कि उन्हें सुरंगों के नेटवर्क में रहने वाले सिनवार और उसकी एक पत्नी और बच्चे के कुछ फुटेज मिले हैं। फुटेज हाल ही में इजरायली सैनिकों द्वारा सिनवार के जन्मस्थान पर की गई छापेमारी के दौरान प्राप्त किया गया था।

इजरायल ने लेबनान पर किया हमला, चार की मौत : वहीं लेबनान के सुरक्षा सूत्रों ने कहा, दक्षिणी लेबनान के गांवों पर इजरायली हमलों में चार लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन घायल हो गए। इजरायल ने लेबनान से राकेट हमले के जवाब में बमबारी तेज कर दी है। अल सवाना गांव पर इजरायली हमले में एक महिला और उसके दो बच्चे मारे गए है। लेबनान के सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह ने कहा कि एक अलग शहर पर हमले में उसके एक लड़ाके की मौत हो गई है।

मरयम ने नवाज शरीफ के संन्यास की चर्चा खारिज की

इस्लामाबाद, प्रेट्र : प्रधानमंत्री पद के लिए शहबाज शरीफ का नाम प्रस्तावित होने के बाद पीएमएल एन नेता नवाज शरीफ के सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने की चर्चा ने जोर पकड़ा था, लेकिन बुधवार को नवाज की बेटी और पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) की वरिष्ठ उपाध्यक्ष मरयम नवाज ने इस चर्चा को सिरे से खारिज कर दिया। एक्स पर जारी बयान में कहा, अगले पांच साल नवाज शरीफ न केवल सक्रिय राजनीति में रहेंगे बल्कि पीएमएल एन के नेतृत्व वाली संघीय और पंजाब सरकारों की पूरी देखभाल भी करेंगे। पार्टी ने मंगलवार रात अचानक नवाज शरीफ के स्थान पर प्रधानमंत्री पद के लिए शहबाज शरीफ का नाम प्रस्तावित करने की घोषणा की थी। पार्टी ने यह कदम तब उठाया था जब तीन बार प्रधानमंत्री रह चुके नवाज शरीफ की सरकार को समर्थन देने के लिए पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी और मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट तैयार थे। मरयम ने कहा, उनके पिता ने सिद्धांतवादी राजनीति करते हुए पार्टी प्रमुख शहबाज शरीफ को मौका दिया है। विदित हो कि मरयम नवाज का नाम पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री पद के लिए चल रहा है।

- **कहा, पिता ने सिद्धांतवादी राजनीति करते हुए शहबाज को मौका दिया है**
- **बोलीं, नवाज संघीय व पंजाब सरकारों की पूरी देखभाल करते रहेंगे**

मरयम नवाज। फाइल फोटो

कैलीफोर्निया के घर में मृत मिला चार सदस्यों का भारतीय परिवार

न्यूयार्क, प्रेट्र : अमेरिका में भारतीय मूल के एक परिवार की हत्या-आत्महत्या के अंदेशे की कड़ी में एक और मामला सामने आया है। कैलीफोर्निया के एक घर में चार साल के दो जुड़वां बच्चों समेत भारतीय मूल का एक पूरा परिवार मृत मिला है। इनकी पहचान आनंद सुजीत हेनरी, एलाइस प्रियंका और उनके दो जुड़वां लड़कों के रूप में हुई है।

एनबीसी बे एरिया की रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने अभी तक औपचारिक रूप से पीड़ितों की पहचान जाहिर नहीं की है। यह घटना सोमवार को सैन माटेयो में हुई। पुलिस को 911 से काल आया था और किसी ने बताया कि उस घर से कुछ समय से कोई हलचल नहीं हुई है। जब पुलिस ने घर की तलाशी ली तो घर में जबरन घुसने के कोई निशान नहीं मिले। सैन माटेयो पुलिस विभाग के जनसूचना अधिकारी जरमी सुरेट ने बताया कि दुर्भाग्यवश घर में दो बच्चों समेत चार लोगों के शव मिले। बच्चों की लाशें बेडरूम में थीं और उनके शरीर पर कोई निशान नहीं हैं, जबकि भारतीय मूल के दंपती के शव बाथरूम में मिले और दोनों के शरीर पर गोलियों के निशान हैं। मौत का समय और कारण पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा। बाथरूम में ही एक नौ मिमी की पिस्तौल और लोडेड मैग्जीन मिली है।

अदालत के रिकार्ड के अनुसार पति ने दिसंबर, 2016 में तलाक के लिए आवेदन किया था पर फिर उस प्रक्रिया को बीच में ही छोड़ दिया। पुलिस का कहना है कि पूरे परिवार के खात्मे की यह घटना हत्या या आत्महत्या दोनों ही हो सकती है। दोनों ही स्तर पर इसकी जांच की जा रही है। हाल के महीनों में भारतीयों या भारतीय-अमेरिकियों के साथ ऐसी सात घटनाएं हो चुकी हैं। 10 फरवरी को वाशिंगटन में एक 41 साल के भारतीय आइटी अफसर की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई थी। इसी तरह शिकागो में सैयद मजाहिर अली नाम के भारतीय छात्र को मार-पीटकर सरेराह लूट लिया गया था। इससे पहले, 25 साल के भारतीय छात्र विवेक सैनी पर जार्जिया के लिथोनिया शहर में एक बेघर ड्रग एडिक्ट ने जानलेवा हमला किया था। ओहायो में 19 साल के श्रेयस रेड्डी को मृत पाया गया था। इसी तरह पांच फरवरी को इंडियाना के पोर्ट यूनिवर्सिटी में भारतीय छात्र नील आचार्य मृत पाया गया था। हत्या से पहले वह 28 जनवरी से लापता था। पिछले महीने इलिनास यूनिवर्सिटी का 18 वर्षीय छात्र अकुल बी.धवन हाइपोथर्मिया के लक्षणों के साथ मृत पाया गया था।

- **दंपती के अलावा मरने वालों में चार साल के जुड़वां लड़के भी**
- **पुलिस हत्या और आत्महत्या के अंदेशे पर कर रही है जांच**

मालदीव ने 43 भारतीय समेत 186 विदेशी किए निर्वासित

माले, प्रेट्र: मालदीव ने वीजा उल्लंघन और मादक पदार्थों से संबंधित अपराध करने का आरोप लगाते हुए 43 भारतीयों समेत 186 विदेशियों को निर्वासित कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार निर्वासित किए गए लोगों में सर्वाधिक संख्या बांग्लादेशियों (83) की है। मालदीव में अवैध रूप से संचालित व्यवसायों को बंद करने की जारी प्रयासों के बीच विदेशियों को निर्वासित किया गया है।

गृह मंत्री अली इहुसन ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि विभिन्न नामों से संचालित अवैध व्यवसायों पर कार्रवाई के लिए मंत्रालय वित्त मंत्रालय के साथ मिलकर काम कर रहा है। गृह मंत्रालय इस प्रकार के व्यवसायों को बंद करने और उन्हें संचालित करने वाले विदेशियों निर्वासित करने पर काम कर रहा है। यदि रजिस्ट्रार पर्याप्त सुबूतों के आधार पर यह मानता है कि कोई व्यवसाय किसी विदेशी द्वारा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मुनाफा कमाने के लिए संचालित किया जा रहा है तो ऐसे व्यवसायों के पंजीकरण को समाप्त करने के लिए दिसंबर 2021 में एक कानून बनाया गया था। आव्रजन नियंत्रक शमां वहीद ने बताया कि आपराधिक गतिविधियों में लिप्त विदेशी श्रमिकों को खोजने के लिए चलाए गए अभियान के तहत आव्रजन विभाग ने कई लोगों को हिरासत में लिया और वैध दस्तावेजों व पासपोर्ट वाले लोगों को निर्वासित कर दिया गया।

- **वीजा उल्लंघन, मादक पदार्थों से संबंधित अपराध के आरोप में कार्रवाई**

प्रतीकात्मक

यूक्रेन ने काला सागर में रूसी युद्धपोत को डुबोया

रूस के हवाई हमले में तीन की मौत, 13 घायल

कीव, एपी: यूक्रेन की सेना ने मंगलवार को दावा किया कि उसने काला सागर में एक रूसी युद्धपोत पर जोरदार हमला किया और क्रीमिया प्रायद्वीप के शहर अलुपका के निकट उसे डुबो दिया। यूक्रेन की सैन्य इंटेलीजेंस जीयूआर ने बताया कि उसकी विशेष परिचालन इकाई 'ग्रुप 13' ने बुधवार को मगुरा वी5 समुद्री ड्रोन का इस्तेमाल कर रूस के 'त्सेजर कुनिकोव' नामक युद्धपोत को डुबो दिया। दो हफ्ते में यह दूसरी बार है कि यूक्रेनी बलों ने कहा, उन्होंने काला सागर में रूसी जहाज को डुबो दिया। रूसी सेना ने कहा, मंगलवार देर रात उसने काला सागर के ऊपर छह यूक्रेनी ड्रोन को गिरा दिया।

रूसी नौसेना का 'त्सेजर कुनिकोव' नामक युद्धपोत। फाइल/रायटर

रूसी सेना ने बुधवार की सुबह यूक्रेन के डोनेस्क क्षेत्र के सेलीडोव शहर में मिसाइल हमले किए जिससे आवासीय इमारतों में आग लग गई। रायटर

यूक्रेन के पूर्वी डोनेस्क क्षेत्र के सेलीडोव शहर पर मंगलवार देर रात कई मिसाइल हमले किए। हमले में एक बच्चे समेत तीन नागरिकों की मौत हो गई और 13 लोग घायल हो गए। यूक्रेन के अधिकारियों ने बताया कि हमले से अस्पताल और कई अपार्टमेंट क्षतिग्रस्त हो गए। डोनेस्क के गवर्नर वादिम फिलाश्किन ने बताया कि रूसी हमले से अस्पताल के क्षतिग्रस्त होने के कारण 100 मरीजों को नजदीकी शहरों के अस्पतालों में पहुंचाया गया।

दक्षिण कोरिया ने कहा, उत्तर कोरिया ने दागी क्रूज मिसाइलें

सियोल, एपी : उत्तर कोरिया ने बुधवार को समुद्र में कई क्रूज मिसाइलें दागीं। जनवरी से लेकर अब तक यह उसका यह पांचवां परीक्षण है। दक्षिण कोरियाई सेना ने कहा है कि हथियारों के बढ़ते प्रदर्शन से क्षेत्र में तनाव और बढ़ रहा है।

दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ आफ स्टाफ ने कहा कि दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी सेनाएं पूर्वी तटवर्ती शहर वोन्सान के उत्तर पूर्व समुद्र में किए गए लांच का विश्लेषण करने में जुटी हैं। दक्षिण कोरियाई सेना ने दागी गई मिसाइलों की सटीक संख्या या उनके द्वारा तय की गई दूरी की जानकारी नहीं दी। यह भी तत्काल स्पष्ट नहीं हो पाया कि मिसाइलें जमीन या समुद्री संसाधनों से दागी गईं। ज्वाइंट चीफ आफ स्टाफ ने कहा, 'हमारी सेना ने निगरानी और सतर्कता बढ़ा दी है और उत्तर कोरिया की आगे की गतिविधियों पर गहरी दृष्टि रखने के लिए अपने अमेरिकी साझीदारों के साथ काम कर रही है।'

युद्ध होने पर नाटो में शामिल देशों की रक्षा करेगा अमेरिका : बाइडन

वाशिंगटन, प्रेट्र: अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने मंगलवार को एक बार फिर उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के प्रति प्रतिबद्धता जताई। बाइडन ने हाल ही में अपने पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रंप द्वारा की गई टिप्पणियों को खतरनाक बताते हुए कहा कि 74 साल पुराना यह संगठन अमेरिका के लिए पवित्र प्रतिबद्धता है। जब तक मैं राष्ट्रपति हूं और यदि पुतिन नाटो में शामिल किसी भी देश पर हमला करते हैं तो अमेरिका नाटो क्षेत्र के हर इंच की रक्षा करेगा। हाल ही में दक्षिण कैरोलिना में एक रैली में ट्रंप ने कहा था कि वह नाटो सहयोगियों से अपना रक्षा खर्च बढ़ाने को कहेंगे अन्यथा उन देशों पर आक्रमण करने के लिए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को प्रोत्साहित करेंगे।

राष्ट्रपति जो बाइडन ने मंगलवार को कहा कि जब अमेरिका जबान देता है तो उसका कुछ मतलब होता है। जब हम कोई वादा करते हैं तो हम उसे निभाते हैं और नाटो हमारे लिए पवित्र प्रतिबद्धता है। हालांकि ट्रंप इसे बोझ के रूप में देखते हैं। उन्होंने कहा, जब वह नाटो को देखते हैं तो उन्हें अमेरिका और पूरी दुनिया की रक्षा करने वाला गठबंधन नहीं दिखता है। वह नहीं समझते हैं कि नाटो स्वतंत्रता, सुरक्षा और राष्ट्रीय संप्रभुता के मूलभूत सिद्धांतों पर बना है। बाइडन ने ट्रंप की टिप्पणियों की नाराजगी जताते हुए कहा कि ट्रंप के लिए सिद्धांत मायने नहीं रखते हैं। उनके लिए सब कुछ लेन-देन है।

- **अमेरिका के राष्ट्रपति ने ट्रंप की टिप्पणियों को बताया खतरनाक**
- **दक्षिण कैरोलिना में पूर्व राष्ट्रपति ने नाटो पर की थी विवादित टिप्पणी**

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन। एपी

नेपाल में बंधक बनाए गए 11 भारतीय मुक्त, सात लोग गिरफ्तार

काठमांडू, प्रेट्र: अमेरिका भेजने के नाम पर नेपाल में एक महीने से अधिक समय से बंधक बनाए गए 11 भारतीय नागरिकों को मुक्त करा लिया गया। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। काठमांडू जिला पुलिस रेंज के सूत्र ने बताया कि इस गिरोह में शामिल होने के आरोप में सात भारतीय एजेंट को गिरफ्तार किया गया। नेपाल पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एजेंटो ने प्रत्येक भारतीय नागरिक से काफी धन वसूला था और बाद में उन्हें अमेरिका भेजने के बहाने नेपाल लाया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह पाया गया कि प्रत्येक व्यक्ति ने एजेंटों को 45 लाख रुपये का भुगतान किया था। इन 11 लोगों को काठमांडू के रातोपुल इलाके में एक महीने से अधिक समय तक किराए के घर में बंधक रखा गया था। गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, काठमांडू जिला पुलिस रेंज से भेजी गई पुलिस की एक विशेष टीम ने अभियान को अंजाम दिया।

रूसी विज्ञानी कैंसर के टीके बनाने के करीब : पुतिन

मास्को, रायटर: रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को कहा, रूसी विज्ञानी कैंसर के लिए टीके बनाने के करीब पहुंच गए हैं, जो जल्द ही मरीजों के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। पुतिन ने टीवी पर दिए गए बयान में कहा, हम कैंसर टीकों और नई पीढ़ी की प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत करने वाली दवाओं के निर्माण के बहुत करीब हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही उनका प्रभावी ढंग से चिकित्सा के रूप में उपयोग किया जाएगा। उन्होंने मास्को में भविष्य की तकनीकों पर आयोजित कार्यक्रम में ये बातें कहीं।

पुतिन ने यह नहीं बताया कि प्रस्तावित टीके किस प्रकार के कैंसर को लक्षित करेंगे और कैसे काम करेगा। कई देश व कंपनियां कैंसर के टीकों पर काम कर रही हैं। पिछले साल ब्रिटिश सरकार ने जर्मनी स्थित बायोएनटेक के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए, जो कैंसर उपचार प्रदान करने के लिए परीक्षण शुरू करेगा। जिसका लक्ष्य 2030 तक 10,000 रोगियों तक पहुंचना है। फार्मास्युटिकल कंपनियां माडर्ना और मर्क एंड कंपनी एक प्रयोगात्मक कैंसर वैक्सीन विकसित कर रही हैं, जो तीन साल के उपचार के बाद मेलेनोमा (सबसे घातक त्वचा कैंसर) से मृत्यु की संभावना को आधा कर देती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वर्तमान में छह लाइसेंस प्राप्त टीके हैं जो कई तरह के कैंसरों का कारण बनने वाले मानव पेपिलोमाविरस के उपचार के लिए हैं, जिनमें सर्विकल कैंसर भी शामिल है। साथ ही हेपेटाइटिस बी के टीके भी हैं, जो लीवर कैंसर का कारण बनता है।

- **रूसी राष्ट्रपति ने जल्द टीका उपलब्ध कराने का किया दावा**

व्लादिमीर पुतिन ने यह नहीं बताया कि यह कैसे काम करेगा

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति चुनाव में रक्षा मंत्री सुबिआंतो ने किया जीत का दावा

जकार्ता, एपी: इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री प्रबोवो सुबिआंतो ने बुधवार शाम अनौपचारिक आंकड़ों के आधार पर राष्ट्रपति चुनाव में जीत का दावा किया। शुरुआती अनौपचारिक त्वरित गणना में मिली बढ़त से उत्साहित सुबिआंतो ने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा, यह इंडोनेशियाई लोगों की जीत है। ध्यान रहें चुनाव के आधिकारिक नतीजे एक महीने में आएंगे।

दुनिया के तीसरे सबसे बड़े लोकतंत्र इंडोनेशिया में बुधवार दोपहर मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। करीब 20 करोड़ लोगों ने मताधिकार का प्रयोग किया। इसके बाद चुनाव आयोग ने मतों की त्वरित गणना शुरू कर दी है, जिसके अनुसार, सुबिआंतो को 57 से 59 प्रतिशत के बीच वोट मिले। इनमें से 80 प्रतिशत से अधिक वोट मतदान स्थलों पर गिने गए। त्वरित गणना पूरे इंडोनेशिया में मतदान केंद्रों के नमूने पर वास्तविक वोट गिनती पर आधारित होती है। इसका प्रयोग 2004 से किया जा रहा है। इसके शुरू होने के बाद अब तक के सभी राष्ट्रपति चुनावों में इस प्रक्रिया ने चुनाव परिणामों की सटीक तस्वीर प्रदान की है। चुनाव में दो पूर्व प्रांतीय गवर्नर अनीस बसवेडन व गंजार प्रानोवो भी राष्ट्रपति जोको विडोडो के उत्तराधिकारी की दौड़ में शामिल हैं। त्वरित गणना के अनुसार बसवेडन को 25 और गंजर प्रानोवो को 17 प्रतिशत वोट मिले हैं।

बता दें कि चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों में भी रक्षा मंत्री प्रबोवो सुबिआंतो को राष्ट्रपति पद का प्रबल दावेदार माना जा रहा था। प्रबोवो तानाशाह सुहार्तो के शासनकाल में सैन्य जनरल रह चुके हैं। उन पर मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोप लग चुके हैं। इसके कारण अमेरिका ने उनके प्रवेश पर दो दशक तक प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि उन्होंने मानवाधिकारों के आरोपों को सिरे से खारिज किया है। इंडोनेशिया का चुनाव अमेरिका और चीन के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। इसका प्रमुख कारण इंडोनेशिया का बड़ा घरेलू बाजार, निकल और पाम आयल जैसे प्राकृतिक संसाधन और दक्षिण एशियाई पड़ोसियों के साथ राजनयिक प्रभाव है।

- **प्रारंभिक त्वरित गणना में प्रतिद्वंद्वियों पर मिली बढ़त**
- **अमेरिका-चीन भी चुनाव पर बनाए हुए हैं अपनी नजर**

इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में बुधवार को एक पोलिंग स्टेशन पर मतदान करते राष्ट्रपति जोको विडोडो और प्रथम महिला इरियाना। रायटर

****

रेक्स परेड में गाय की झांकी

अमेरिका के न्यू आरलियन्स में मार्डी ग्रास सेंट चार्ल्स एवेन्यू में रेक्स परेड में शामिल झांकी। मार्डी ग्रास संगीत, परेड, पिकनिक और झांकियों का उत्सव है। एपी

'आशा करता हूं कि राजकोट की पिच हैदराबाद और विशाखापत्तनम की तरह ही होगी, जिससे एक बार फिर रिवर्स स्विंग की भूमिका होगी। मुख्य मुकाबला बुमराह और इंग्लैंड के मध्यक्रम के बीच होगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि राजकोट में बुमराह रिवर्स स्विंग हासिल कर पाएगा।' – जहीर खान, पूर्व गेंदबाज, भारत

एक नजर में

जू. प्रतियोगिता के दौरान पाक खिलाड़ी की मौत

इस्लामाबाद: पाकिस्तान के एक किशोर टेनिस खिलाड़ी जैनब अली नकवी की आईटीएफ जूनियर टूर्नामेंट से पहले अभ्यास सत्र के बाद अपने कमरे में गिरने के बाद मौत हो गई। उन्हें दिल का दौरा पड़ने का संदेह है। मामले की जांच कर रहे एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि इस्लामाबाद के एक अस्पताल में लाए जाने के बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने कहा, 'डाक्टरों को दिल का दौरा पड़ने का संदेह है और उन्होंने इसे मौत का स्वाभाविक कारण बताया है।' (प्रेट्र)

निशानेबाज देवांशी, लक्षिता शीर्ष दो स्थान पर रहे

नई दिल्ली: भारत की देवांशी शर्मा और लक्षिता सेन के ग्रेनाडा में चल रहे 10 मीटर आइएसएसएफ विश्व कप के 10 मीटर जूनियर महिला पिस्टल स्पर्धा में पहले दो स्थान पर रहे। टूर्नामेंट में यह चौथा ऐसा परिणाम है जब एक से अधिक भारतीय निशानेबाज शीर्ष तीन स्थान पर रहे। इस प्रदर्शन के बाद भारत पदक तालिका में शीर्ष पर बरकरार है। भारत के नाम चार स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य पदक है। इससे पहले, स्पर्धा के पहले दिन उमामहेश मद्दिनेनी, पार्थ माने और अजय मलिक ने क्रमश स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते थे। महिलाओं की स्पर्धा में ईशा अनिल टकसाले ने स्वर्ण, जबकि संभावी क्षीरसागर ने कांस्य पदक जीता था। (प्रेट्र)

क्वार्टर फाइनल में रामकुमार

बेंगलुरु : भारतीय डेविस कप खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन ने शीर्ष वरीयता प्राप्त लुका नार्डी के विरुद्ध शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज कर बुधवार को यहां बेंगलुरु ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले रामकुमार ने केएसएलटीए स्टेडियम में प्री-क्वार्टर फाइनल में दो घंटे से कुछ अधिक समय तक चले मैच में इटली के खिलाड़ी पर 1-6, 6-4, 6-4 से जीत हासिल की। भारतीय खिलाड़ी के लिए मैच की शुरुआत अच्छी नहीं रही और नार्डी ने शुरुआती सेट के पहले ही गेम में ही उनकी सर्विस तोड़ दी। चौथी वरीयता प्राप्त फ्रांस के बेंजामिन बोंजी को भी पोलैंड के माक्स कास्निकोवस्कि के विरुद्ध 3-6, 4-6 से हार का सामना करना पड़ा। एक अन्य मैच में रोका बटाल्ला ने ट्रिस्टिन बायर को 7-5, 6-3 से हराया। (प्रेट्र)

युवाओं के पास खुद को साबित करने का मौका

भारत-इंग्लैंड के बीच **तीसरा टेस्ट मैच आज से** सरफराज, जुरैल व पाटीदार पर होगी मध्यक्रम की जिम्मेदारी

राजकोट, प्रेट्र : भारतीय टीम गुरुवार से जब इंग्लैंड के विरुद्ध तीसरे टेस्ट के लिए उतरेगी तो उसे निडर और चतुराई भरा क्रिकेट खेलने के अलावा मध्यक्रम की कमजोरियों का भी समाधान ढूंढना होगा। इंग्लैंड ने हैदराबाद में सीरीज के पहले मैच में भारत को हराया, लेकिन मेजबान ने विशाखापत्तनम में पलटवार करते हुए सीरीज बराबर कर दी। उस मैच में यशस्वी जायसवाल और जसप्रीत बुमराह के दमदार प्रदर्शन ने भारत की जीत सुनिश्चित की, लेकिन मध्यक्रम भारतीय टीम की चिंता का सबब बना हुआ है जहां योगदान देने की जिम्मेदारी अब युवा प्रतिभाओं पर है।

आठ दिन के ब्रेक से पहले कप्तान रोहित शर्मा की बल्ले से खराब फार्म ने भारतीय बल्लेबाजी क्रम की चिंता बढ़ाई ही है। भारतीय टीम इस मैच में केएल राहुल के बिना उतरेगी जबकि विराट कोहली पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। पिछले लगभग एक साल से रोहित ने बल्ले से आक्रामक रुख अपनाया है लेकिन बड़ी पारियां खेलने में विफल रहे हैं। मौजूदा स्थिति को देखते हुए टीम को अपने कप्तान से बड़ी पारी की उम्मीद होगी। राहुल के अनुपलब्ध होने से सरफराज खान को पदार्पण का मौका मिलेगा। रणजी में रनों का अंबार लगाने वाले मुंबई के बल्लेबाज सरफराज एक टेस्ट खेल चुके रजत पाटीदार के साथ मध्यक्रम की जिम्मेदारी संभालेंगे। विकेटकीपर केएस भरत की बल्ले से लगातार विफलता को देखते हुए भारत के 23 वर्षीय ध्रुव चंद जुरैल को मौका देने की संभावना बढ़ गई है। राजकोट की पिच के पूरे तरह से स्पिन के अनुकूल होने की संभावना नहीं है और ऐसे में उन्हें अगर पदार्पण का मौका मिलता है तो उनके लिए आसानी होगी।

वहीं, स्थानीय स्टार रवींद्र जडेजा भी चोट से उबरकर इस मैच में वापसी करेंगे। राजकोट की पिच पारंपरिक रूप से बल्लेबाजी के अनुकूल होती है और भारत को बाएं हाथ के स्पिनर्स कुलदीप यादव और अक्षर पटेल में से किसी एक को चुनना होगा। बेहतर बल्लेबाज होने के कारण अक्षर का पलड़ा हालांकि भारी है। भारत के शीर्ष स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के नाम 499 विकेट दर्ज हैं और इस मैच के दौरान उनके 500 टेस्ट विकेट के एलीट क्लब में शामिल होने की पूरी उम्मीद है।

100 वां टेस्ट मैच खेलने उतरेंगे इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स

16 वें खिलाड़ी बन जाएंगे स्टोक्स इंग्लैंड के यह उपलब्धि प्राप्त करने वाले

500 टेस्ट विकेट पूरे करने से रविचंद्रन अश्विन एक विकेट दूर हैं

भारत : रोहित (कप्तान), बुमराह, यशस्वी, शुभमन, पाटीदार, सरफराज, जुरैल, केएस भरत, अश्विन, जडेजा, अक्षर, वाशिंगटन, कुलदीप, सिराज, मुकेश, आकाश दीप, पडिक्कल।

इंग्लैंड एकादश : जैक क्रावले, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, जानी बेयरस्टो, बेन स्टोक्स (कप्तान), बेन फोक्स, रेहान अहमद, टाम हार्टले, मार्क वुड, जेम्स एंडरसन।

अभ्यास के दौरान रोहित शर्मा • एपी

रेहान के वीजा मुद्दे पर बीसीसीआइ का अच्छा काम : बेन

भारत सरकार और बीसीसीआइ के हस्तक्षेप के बाद युवा लेग स्पिनर रेहान अहमद का वीजा मुद्दा कम समय में सुलझ गया, जिसके बाद इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने राहत की सांस ली। अहमद के पास राजकोट आगमन पर सिंगल एंट्री वीजा था, जिसके बाद उन्हें एयरपोर्ट पर रोक लिया गया था। बाद में उन्हें दो दिन का अस्थायी वीजा दिया गया था। स्टोक्स ने कहा कि किसी के लिए वीजा का इंतजार करना हमेशा तनाव वाला समय होता है लेकिन शुक्र है कि हमने इसे समय रहते पूरा कर लिया। बीसीसीआइ और सरकार के सहयोग से उसे वीजा मिल गया।

नबी सबसे उम्रदराज शीर्ष वनडे आलराउंडर बने

क्रिकेट डायरी

मोहम्मद नबी • फाइल फोटो, एपी

दुबई, प्रेट्र : अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी बुधवार को जारी आइसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में बांग्लादेश के शाकिब अल हसन के लंबे समय से चले आ रहे दबदबे को खत्म कर शीर्ष आलराउंडर खिलाड़ी बन गए। नबी (39 साल और एक महीने) आलराउंडरों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। उनसे पहले यह रिकार्ड श्रीलंका के तिलकरत्ने दिलशान के नाम था, जो जून 2015 में 38 साल और आठ महीने की उम्र में शीर्ष रैंकिंग पर पहुंचे थे। शाकिब सात मई 2019 से नौ फरवरी 2024 तक रिकार्ड 1739 दिनों के लिए वनडे आलराउंडरों की रैंकिंग में शीर्ष पर रहे।

टेस्ट रैंकिंग के शीर्ष स्थान पर हालांकि कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह शीर्ष पर बने हुए हैं, जबकि चोट से उबरकर राजकोट टेस्ट में वापसी करने वाले रवींद्र जडेजा टेस्ट आलराउंडरों की सूची में नंबर एक पर बने हुए हैं। वनडे गेंदबाजों में केशव महाराज शीर्ष पर हैं।

द. अफ्रीका ने बनाई बढ़त : आफ स्पिनर डेन पीट ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 89 रन देकर पांच विकेट चटकाए, जिससे दक्षिण अफ्रीका ने बुधवार को यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन न्यूजीलैंड को पहली पारी में 211 रन पर समेटकर 31 रन की बढ़त हासिल की। दक्षिण अफ्रीका ने दिन की शुरुआत छह विकेट पर 220 रन से करते हुए पहली पारी में 242 रन बनाए।

मूनी होंगी गुजरात की कप्तान: आस्ट्रेलिया की बेथ मूनी 23 फरवरी से शुरू होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के दूसरे सत्र में गुजरात जाइंट्स की कप्तानी करेंगी। फ्रेंचाइजी ने बुधवार को इसकी घोषणा की। मूनी को पहले सत्र के लिए भी कप्तान बनाया गया था लेकिन पहले मैच के बाद वह चोटिल हो गई और टूर्नामेंट के बाकी मुकाबलों में नहीं खेल सकीं। उनकी अनुपस्थिति में स्नेह राणा ने टीम का नेतृत्व किया था।

सिंधू की जीत के साथ वापसी

बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप

शाह आलम, प्रेट्र : स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने चोट के कारण चार महीने बाद वापसी करते हुए बुधवार को यहां जीत दर्ज की जिससे भारत ने बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप (बीएटीसी) की महिला स्पर्धा में चीन की मजबूत टीम को 3-2 से हराया।

भारत की नाकआउट में जीत सुनिश्चित थी लेकिन टीम ने शीर्ष वरीय चीन को हराकर शान से नाकआउट में प्रवेश किया। पिछले साल फ्रेंच ओपन के दौरान घुटने में लगी चोट के बाद से बाहर सिंधू ने अपने से बेहतर रैंकिंग वाली हेन युई को 21-17, 21-15 से हराकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई।

तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी को इसके बाद ल्यु शेंग शु और टेन निंग की जोड़ी के विरुद्ध 19-21, 16-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी, जबकि अस्मिता चालिहा भी दुनिया की नौवें नंबर की खिलाड़ी वैंग झी यी के विरुद्ध 13-21, 15-21 से हार गईं जिससे तीन मैच के बाद भारत 1-2 से पिछड़ गया।

त्रीशा जाली और गायत्री गोपीचंद ने इसके बाद ली यी जिंग और लुओ शू मिन की जोड़ी को 10-21, 21-18, 21-17 से हराकर भारत को बराबरी दिलाई। निर्णायक मुकाबले में दुनिया की 472वें नंबर की अनमोल खरब ने दुनिया की 149वें नंबर की वू लियो यू को 22-20, 14-21, 21-18 से हराकर भारत की जीत सुनिश्चित की।

इस बीच, पुरुषों में एचएस प्रणय एनजी का लोंग एंगस से 18-21, 14-21 से पहला सिंगल्स मैच हार गए, लेकिन भारत ने फिर अगले चार मैच जीते।

साक्षी-बजरंग ने फिर प्रदर्शन की धमकी दी

नई दिल्ली, प्रेट्र : ओलिंपिक पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआइ) के प्रमुख संजय सिंह ने युनाईटेड वर्ल्ड रेस्लिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) द्वारा लगाया प्रतिबंध हटवाने के लिए कपटपूर्ण तरीकों का इस्तेमाल किया और उन्होंने एक बार फिर डब्ल्यूएफआइ के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन करने की धमकी दी। यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने भारत पर लगा प्रतिबंध हटा दिया था।

साक्षी ने 'एक्स' पर कहा कि हमें पता चला कि संजय सिंह ने निलंबन हटवाने के लिए यूडब्ल्यूडब्ल्यू के साथ कोई सांठगांठ कर ली है। अगर बृजभूषण के विश्वास पात्र को डब्ल्यूएफआइ का संचालन करने की स्वीकृति दी जाएगी तो पहलवानों के पास विरोध दोबारा शुरू करने के अलावा कोई रास्ता नहीं होगा।

टी-20 विश्व कप में रोहित ही होंगे कप्तान : जय

अभिषेक त्रिपाठी • नई दिल्ली

वेस्टइंडीज और अमेरिका में इस वर्ष होने वाले टी-20 विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी रोहित शर्मा करेंगे। बीसीसीआइ सचिव जय शाह ने बुधवार को कहा कि टी-20 विश्व कप में भारतीय टीम रोहित की कप्तानी में खेलेगी। हार्दिक पांड्या उपकप्तान और राहुल द्रविड़ कोच होंगे। दैनिक जागरण ने दो दिसंबर 2023 के अंक में बता दिया था कि रोहित टी-20 विश्व कप में कप्तान के तौर पर खेलेंगे।

सौराष्ट्र क्रिकेट स्टेडियम का नाम बीसीसीआइ के पूर्व सचिव निरंजन शाह के नाम पर रखने के कार्यक्रम के दौरान जय शाह ने कहा कि 2023 में अहमदाबाद में लगातार 10 जीत के बाद हम विश्व कप नहीं जीत पाए, लेकिन हमने दिल जीता। मैं आपसे वादा करता हूं कि 2024 में हम बारबाडोस (टी-20 विश्व कप फाइनल का स्थल) में रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत का झंडा गाड़ेंगे। विराट के टी-20 विश्व कप खेलने पर उन्होंने कहा कि इस पर बाद में चर्चा करेंगे। विराट कोहली के इंग्लैंड के विरुद्ध टेस्ट सीरीज नहीं खेलने पर शाह ने कहा कि विराट ऐसे खिलाड़ी नहीं हैं, जो बिना किसी बड़े कारण के सीरीज में नहीं खेलें। हमें हमारे खिलाड़ी का समर्थन करना चाहिए। हम आने वाले समय में उनकी भूमिका पर चर्चा करेंगे। इसके साथ ही शाह ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक खिलाड़ी को रणजी ट्राफी में खेलना ही होगा। ये किसी एक खिलाड़ी के बारे में नहीं है। खिलाड़ियों के कार्यभार प्रबंधन पर आइपीएल फ्रेंचाइजियों की भूमिका पर शाह ने कहा कि ये फ्रेंचाइजी तय नहीं करेंगी। बीसीसीआइ सर्वोच्च संस्था है और कार्यभार प्रबंधन पर वही फैसला करेगा। हम जो तय करेंगे वो फ्रेंचाइजियों को मानना पड़ेगा। पाकिस्तान में चैंपियंस ट्राफी में खेलने पर कहा कि हम इस मामले में केंद्र सरकार जो तय करेगी, उसके अनुसार हम चलेंगे। लेकिन अभी एक साल बाकी है, चीजें बदल भी सकती हैं।

जय शाह • बीसीसीआइ

क्या बोले जय शाह

- हार्दिक पांड्या होंगे उपकप्तान
- विराट पर उचित समय पर चर्चा
- हर खिलाड़ी को रणजी खेलना होगा
- पाक में चैंपियंस ट्राफी को लेकर केंद्र के निर्देशों पर चलेंगे

रोहित शर्मा होंगे विश्व कप में कप्तान, विराट से होगी बात

2 दिसंबर 2023 को दैनिक जागरण में प्रकाशित समाचार •

केविन डि ब्रून ने मैनचेस्टर सिटी को दिलाई लगातार नौवीं जीत

चैंपियंस लीग

कोपेनहेगन, एपी : केविन डि ब्रून ने गोल और दो गोल में मदद से मैनचेस्टर सिटी ने चैंपियंस लीग फुटबाल के प्री क्वार्टर फाइनल के पहले लेग में एफसी कोपनहेगन को 3-1 से हराया। मैनचेस्टर सिटी ने चैंपियंस लीग में यह लगातार नौवीं जीत है, जो इंग्लैंड की किसी टीम की ओर से लगातार सर्वाधिक जीत का रिकार्ड है। टीम ने पिछले दो महीने में सभी टूर्नामेंट में लगातार 10 मैच जीते हैं। सिटी को डि ब्रून ने 10वें मिनट में बढ़त दिलाई लेकिन गोलकीपर एडरसन मोरेस की गलती का फायदा उठाकर मैग्नस मैटसन ने स्कोर 1-1 कर दिया। बर्नार्डो सिल्वा ने 45वें मिनट में सिटी को 2-1 से आगे किया जबकि फिल फोडेन ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में गोल दागकर टीम की जीत सुनिश्चित की। अन्य मुकाबले में रीयल मैड्रिड ने ब्राहिम डैज के गोल की मदद से प्री क्वार्टर फाइनल के पहले चरण के मुकाबले में लेपजिग के विरुद्ध 1-0 से जीत दर्ज की।

मैच के दौरान डि ब्रून • रायटर

भारत ने बुडापेस्ट को सौंपी शतरंज ओलिंपियाड मशाल

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को शतरंज ओलिंपियाड के 45वें संस्करण के आधिकारिक मेजबान हंगरी के बुडापेस्ट को शतरंज ओलिंपियाड मशाल सौंपी। पहली शतरंज ओलिंपियाड मशाल रिले को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम से 19 जून 2022 को रवाना किया था।

मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में संपन्न हुए हैंडआफ कार्यक्रम में अनुराग ने बुडापेस्ट को ओलिंपियाड मशाल सौंपने से पहले भारतीय ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद के साथ फिडे अध्यक्ष अरकडी ड्वोर्कोविक और हंगरी के ग्रैंडमास्टर जुडिट पोल्गार के साथ शतरंज की एक दोस्ताना बाजी भी खेली। अनुराग ने कहा, 'मुझे खुशी है कि हमने कुछ साल पहले जो फैसला किया था (शतरंज ओलिंपियाड मशाल रिले का) वह वास्तव में हुआ। शतरंज एक बौद्धिक विरासत है, जो संभवतः भारत ने दुनिया को प्रदान की है और यह केवल खेल मात्र नहीं है, बल्कि रणनीतिक गहराई और दार्शनिक ज्ञान का प्रतिबिंब है। यह न केवल दिमाग को तेज करता है, बल्कि धैर्य और लचीलेपन का महत् पूर्ण सबक भी सिखाता है और व्यक्ति को रणनीतिक महारत की बौद्धिक तलाश के मार्ग पर ले जाता है।' अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआइसीएफ) के अध्यक्ष संजय कपूर ने कहा कि उन्हें शतरंज ओलिंपियाड के 44वें सत्र की मेजबानी करके गर्व महसूस हो रहा है और यह एआइसीएफ के लिए सपने सच होने जैसा है। शतरंज ओलिंपियाड का आयोजन चेन्नई में 2022 में हुआ था। संजय कपूर ने कहा, 'मैं फिडे को 100 साल की उपलब्धि हासिल करने पर बधाई देता हूं। जब हम इस ऐतिहासिक क्षण का जश्न मना रहे हैं, तो मुझे पिछले कुछ वर्षों में भारतीय शतरंज में हम सभी ने जो प्रगति देखी है, उसकी याद दिला दी है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बिना संभव नहीं होता।' उन्होंने कहा, 'एआइसीएफ टीम के अथक प्रयास और अनुराग ठाकुर के प्रबल समर्थन से, मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि हमने वह कर दिखाया जिसकी किसी ने कभी उम्मीद नहीं की थी।'

एआइसीएफ प्रमुख संजय बोले, ओलिंपियाड ने भारतीय शतरंज में स्वर्णिम युग की शुरुआत की, अनुराग ने कहा, जो फैसला किया वो सच हुआ

हैंडआफ सेरेमनी के दौरान (बाएं से) विश्वनाथन आनंद, फिडे अध्यक्ष अरकडी ड्वोर्कोविक, खेल मंत्री अनुराग ठाकुर और एआइसीएफ के अध्यक्ष संजय कपूर • सौजन्य: साई

गत चैंपियन जायंट्स को चित कर फाइनल में एमआइ एमिरेट्स

नई दिल्ली, जेएनएन : एमआइ एमिरेट्स ने अपना दमदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गत चैंपियन गल्फ जायंट्स को 45 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई। बुधवार को खेले गए क्वालीफायर-1 मुकाबले में एमआइ एमिरेट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 163 रन का स्कोर खड़ा किया था, जिसके जवाब में जायंट्स की टीम 18.2 ओवर में 118 रन पर आलआउट हो गई। गल्फ जायंट्स के पास अब भी फाइनल में पहुंचने का अवसर है। उसे अब गुरुवार को होने वाले क्वालीफायर-2 में दुबई कैपिटल्स से भिड़ना है। इस मुकाबले में जीतने वाली टीम फाइनल में एमआइ एमिरेट्स से भिड़ेगी। जी फाइव व एंड पिक्चर्स पर खेले गए मुकाबले में गल्फ ने टास जीतकर गेंदबाजी चुनी। मोहम्मद वसीम (12) और कुसल परेरा (22) ने टीम को सधी शुरुआत दिलाई, लेकिन डेनियल वारेन ने उसके शीर्षक्रम को समेटा। इसके बाद कप्तान निकोलस पूरन (36), ब्रावो (30), टिम डेविड (29) और कीरोन पोलार्ड (27) ने छोटी-छोटी उपयोगी पारियां खेलकर टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। इसके बाद वी विजयकांत और अकील हुसैन ने शानदार गेंदबाजी कर गल्फ के बल्लेबाजों को पैर जमाने का मौका ही नहीं दिया। उसके लिए उस्मान खान (26) और क्रिस जोर्डन (31) ही 20 से ज्यादा रन बना पाए।

आइएलटी-20

राष्ट्रीय फलक

बंगाल में पत्नी का सिर काटकर सड़क किनारे बेंच पर रख बैठा रहा पति

राज्य ब्यूरो, कोलकाता: बंगाल की राजधानी कोलकाता में बुधवार को गौमत गुछाईत नामक व्यक्ति ने पारिवारिक कलह के चलते चाकू से पत्नी का सिर धड़ से अलग कर दिया। इसके बाद वह सिर को हाथ में लेकर जोर से चिल्लाया। फिर सड़क किनारे बेंच पर सिर को रखकर खून सना चाकू लेकर बैठा रहा। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और हत्याभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही उसके माता-पिता को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

पुलिस के अनुसार, गौतम के परिवार में कई दिनों से अशांति चल रही थी। इसी के चलते उसने पत्नी की हत्या कर दी। ग्रामीणों ने कहा, गौतम पत्नी की हत्या करने के बाद उसका कटा हुआ सिर लेकर सड़क आ गया। इसके बाद खुद एक जगह को रस्सी से घेर लिया और बेंच लाकर उस पर सिर रखा और पास में बैठ गया। उसके हाथ में खून से सना चाकू था। कुछ स्थानीय लोगों का दावा है कि गौतम की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। इससे पहले एक बार उसने अलीपुर चिड़ियाघर में बाघ के पिंजरे में घुसने की भी कोशिश की थी।

देश में जैविक खेती का एक चौथाई रकबा मप्र में

राज्य ब्यूरो, भोपाल

- दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र और फिर गुजरात का नंबर
- केंद्रीय कृषि मंत्रालय की रिपोर्ट में सामने आई जानकारी

खाद के ज्यादा उपयोग से जमीन और मानव स्वास्थ्य को होने वाले नुकसान की रिपोर्ट के बीच एक अच्छी भी खबर सामने आई है। खबर यह है कि मध्य प्रदेश तेजी से जैविक खेती की ओर बढ़ा है। देश में जैविक खेती का सबसे बड़ा रकबा मध्य प्रदेश में 15 लाख 92 हजार हेक्टेयर है। दूसरे नंबर पर 13 लाख हेक्टेयर के साथ महाराष्ट्र है। गुजरात में यह रकबा नौ लाख 37 हजार हेक्टेयर, राजस्थान में छह लाख 78 हजार हेक्टेयर है। बाकी राज्यों में जैविक खेती का रकबा तीन लाख हेक्टेयर से कम है।

देश में कुल 64 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में जैविक खेती की जा रही है। केंद्र सरकार की पारंपरिक कृषि विकास योजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश में तीन हजार से अधिक क्लस्टर बने हैं। यह जानकारी केंद्रीय कृषि मंत्रालय की पिछले दिनों राज्यसभा में प्रस्तुत की गई एक रिपोर्ट में सामने आई है। मध्य प्रदेश सरकार ने भी जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं शुरू की हैं।

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश में खेती का कुल रकबा डेढ़ करोड़ हेक्टेयर है। कुछ किसान लंबे समय से जैविक खेती करते रहें हैं, पर सरकारी प्रोत्साहन के साथ इसकी शुरुआत वर्ष 2001 में प्रत्येक विकासखंड में एक गांव में जैविक खेती के साथ हुई थी।

केंद्र सरकार की जैविक उत्पादन कृषि नीति (एनपीओपी) के अनुसार मध्य प्रदेश सरकार ने वर्ष 2011 में अपनी जैविक कृषि नीति बनाई है। इसमें जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए कई प्रविधान किए गए हैं। उत्पादों का सीधे विक्रय की जगह ब्रांड नाम उपलब्ध कराना, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराना, जैविक उत्पाद विपणन केंद्रों का विकास, प्रसंस्करण की सुविधाएं प्रदान करना व उत्पादों का जैविक प्रमाणीकरण शामिल है। केंद्र सरकार के प्रयासों से देश के विभिन्न राज्यों में किसान अब जैविक खेती में बेहद रुचि लेने लगे हैं।

मप्र में लगभग 15 लाख टन प्रतिवर्ष तैयार हो रहा जैविक उत्पाद

किसान एवं कृषि कल्याण विभाग के अधिकारियों ने बताया मप्र में प्रतिवर्ष लगभग 15 लाख टन जैविक उत्पाद तैयार हो रहा है। इसमें पांच लाख टन से अधिक जैविक उत्पाद निर्यात किए जाते हैं। इसे और विस्तार दिया जा रहा है।

सहारनपुर में चाइनीज मांझे से गर्दन कटी, मौके पर मौत

जागरण संवाददाता, सहारनपुर: उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में बुधवार को चाइनीज मांझे से बाइक सवार युवक की गर्दन कट गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के समय वहां से एक युवती स्कूटी लेकर गुजर रही थी। अतुल की गर्दन से निकल रहे खून को देखा तो बेहोश हो गई।

अतुल शर्मा (35) एसी और फ्रिज रिपेयरिंग का काम करते थे। छोटे भाई गोल्डी ने बताया कि बुधवार दोपहर अतुल एक घंटे में आने की बात कहकर घर से बाइक लेकर निकले थे। अतुल जब शारदानगर पुल पर चढ़े तो चाइनीज मांझे की चपेट में आ गए और उनकी गर्दन कट गई। अतुल की मौके पर ही मौत हो गई। एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। स्वजन का आरोप था कि अधिकारी चाइनीज मांझे पर रोक नहीं लगा पा रहे हैं। यदि रोक लग गई होती तो उनके बेटे की जान नहीं जाती। अतुल की एक बेटी है जो कक्षा तीन में पढ़ती है। अतुल घर में इकलौते कमाने वाले सदस्य थे।

मौरिस ने यूट्यूब से सीखा था पिस्टल के उपयोग का तरीका

मुंबई, प्रेट्र: फेसबुक लाइव के दौरान शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता अभिषेक घोसालकर की गोली मारकर हत्या करने वाले मौरिस नोरोन्हा ने पिस्टल के इस्तेमाल का तरीका यूट्यूब और अपने सुरक्षाकर्मी से सीखा था। नोरोन्हा ने मुंबई के बोरीवली क्षेत्र में आइसी कालोनी स्थित कार्यालय में आठ फरवरी को अपने सुरक्षाकर्मी अमरेंद्र मिश्रा की लाइसेंसी पिस्टल से पूर्व पार्षद घोसालकर की हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली थी। नोरोन्हा को मौरिस भाई भी कहा जाता था।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि वह पिस्टल चलाने की जानकारी देने वाले यू-ट्यूब वीडियो को देखा करता था। नोरोन्हा ने पिस्तौल लोड करने और चलाने के बारे में मिश्रा से भी जानकारी ली थी। पुलिस ने पहले कहा था कि अभिषेक व नोरोन्हा के बीच दुश्मनी थी। अपराध शाखा ने इस मामले में अब तक 50 से ज्यादा लोगों के बयान दर्ज किए हैं। जांचकर्ताओं को पता चला है कि घोसालकर ने एमएचबी कालोनी पुलिस थाने में नोरोन्हा के खिलाफ दर्ज दुष्कर्म के मामले में अमेरिकी दूतावास को जानकारी दी थी। इससे नोरोन्हा खफा था।

अमेरिका से लौटने के बाद मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नोरोन्हा को गिरफ्तार भी किया गया था। उसे 84 दिन जेल में बिताने पड़े थे। घोसालकर द्वारा अमेरिकी दूतावास को दी गई सूचना के परिणामस्वरूप नोरोन्हा का अमेरिकी वीजा रद कर दिया गया था।

मुंबई पुलिस ने नोरोन्हा के अंगरक्षक मिश्रा को शस्त्र अधिनियम की धारा 29 (बी) के तहत नौ फरवरी को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने कहा था कि जेल से बाहर आने के बाद नोरोन्हा कहता था कि वह घोसालकर को छोड़ेगा नहीं। नोरोन्हा ने पहले घोसालकर का भरोसा जीता। इसके बाद आठ फरवरी को अपने कार्यालय में फेसबुक लाइव के जरिये पुरानी दुश्मनी भुलाने की बात कही। इसी दौरान घोसालकर को गोली मार दी।

शिवसेना उद्धव गुट के नेता को गोली मारने से पहले सुरक्षाकर्मी से भी ली थी पिस्टल चलाने की जानकारी

****

दैनिक जागरण

सप्तरंग

तकनीक की दुनिया का

गुरुवार, 15 फरवरी, 2024

गूगल के जेमिनी से बनाएं आकर्षक फोटो

टेक टिप्स

गूगल ने अपने सबसे ताकतवर एआइ चैटबाट जेमिनी एडवांस को हाल ही में लांच किया है। इसका पेड वर्जन जेमिनी अल्ट्रा 1.0 लार्ज लैंग्वेज माडल भी उपलब्ध है। खास बात यह है कि सभी यूजर के लिए इसमें टेक्स्ट टू इमेज की भी सुविधा दी गई है यानी कुछ शब्दों को टाइप करके आप मनपसंद इमेज तैयार कर सकते हैं। कालेज प्रोजेक्ट, बिजनेस आइडिया से लेकर किसी भी कार्य के लिए यहां से तस्वीरें आसानी से तैयार की जा सकती हैं। प्राम्प्ट के जरिये इन तस्वीरों में अपेक्षित सुधार भी किया जा सकता है। हालांकि, अभी तक यह सुविधा प्रतिद्वंद्वी चैटजीपीटी प्लस में थी, लेकिन वहां यह पेड सब्सक्रिप्शन आधारित है।

गूगल जेमिनी से तैयार करें इमेज

- अपने सिस्टम पर gemini.google.com ओपन करें।
- प्राम्प्ट सेक्शन में जाकर किसी इमेज को तैयार करने के लिए टेक्स्ट लिखें।
- इसके लिए प्राम्प्ट में जेनरेट, क्रिएट या ड्रा जैसे शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं।
- उदाहरण के तौर पर बारिश में मस्ती करते डागी की फोटो तैयार करने के लिए प्राम्प्ट टाइप कर सकते हैं।
- फोटो तैयार करने के बाद रिजाल्यूशन फिक्स करके डाउनलोड और सेव कर सकते हैं।
- ध्यान रखें, जेमिनी या किसी भी चैटबाट में निजी और संवेदनशील जानकारियों को साझा करने से हमेशा बचें।

इन दिनों

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) और अन्य नियामक संस्थानों के सहयोग से सरकार लगातार फर्जी लोन एप को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है। गूगल ने भी प्ले स्टोर से हजारों फर्जी एप हटा दिए हैं। लोन एप से होने वाली धोखाधड़ी और इससे बचने के जरूरी उपायों पर चर्चा कर रहे हैं ब्रह्मानंद मिश्र...

फोटो: फ्रीपिक

फर्जी लोन एप
बचें जाल में फंसने से

दिल्ली की रहने वाली शिवानी रावत ने बीते वर्ष जून में वेतन में देरी होने के कारण एक एप से चार हजार रुपये के ऋण के लिए आवेदन कर दिया। पैसे तो मिले नहीं, लेकिन 15 दिन बाद ही नौ हजार की रिकवरी के लिए प्रतिदिन 10-15 फोन आने लगे। रिकवरी एजेंट ने अपशब्द कहने के साथ-साथ शिवानी की तस्वीरों से छेड़छाड़ कर उसे उनके आफिस के एक सहयोगी को भेजना शुरू कर दिया। स्थिति स्पष्ट हो पाती, उससे पहले ही शिवानी को नौकरी से निकाल दिया गया। इसी तरह, फर्जी लोन एप के रिकवरी एजेंटों की धमकियों से आहत भोपाल के भूपेंद्र ने अपने पूरे परिवार के साथ आत्महत्या कर ली। दरअसल, फर्जी लोन एप के जरिये इस तरह की ठगी, टार्चर और साइबर अपराध कुछ वर्षों में बहुत बढ़ गए हैं। बीते सप्ताह राज्यसभा में वित्त राज्यमंत्री भागवत कराड ने बताया कि अगस्त 2023 तक गूगल ने प्ले स्टोर से लगभग 4,700 फर्जी लोन एप को हटाया है। भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य नियामक संस्थाओं के सहयोग से सरकार अवैध लोन एप पर कार्रवाई कर रही है। पिछले एक वर्ष में डिजिटल लोन के जरिये धोखाधड़ी के हजार से अधिक मामले रिपोर्ट हुए।

कैसे फंस जाते हैं जाल में: फर्जी लोन एप यूजर को बहुत आसानी से किसी दस्तावेज या सत्यापन के बगैर ही कुछ क्लिक पर लोन दे देते हैं, जिसके लिए आमतौर पर पारंपरिक बैंकों में हफ्तों का समय लग जाता है। कुछ ही मिनटों में पैसे भी खाते में आ जाते हैं, पर असली खेल इसके बाद शुरू होता है। कुछ दिनों बाद ही 20 से 30 प्रतिशत ब्याज दर और 15 प्रतिशत से अधिक प्रोसेसिंग फीस आदि को लेकर रिकवरी शुरू हो जाती है। इस काले कारोबार के पीछे अक्सर चीनी कंपनियां होती हैं, जो स्थानीय एजेंटों के जरिये निर्दोष भारतीय यूजर्स को निशाना बना रही हैं।

अवैध एप्स के हथकंडे: जरूरतमंदों को लोन में फंसाने के बाद ऐसे एप अवैध तरीके से यूजर की कांटेक्ट लिस्ट, इमेज व मैसेज में सेंध लगाते हैं। उनका दुरुपयोग करके ब्लैकमेल करने लगते हैं, जबकि आरबीआइ का स्पष्ट कहना है कि कर्ज देने वाली कोई भी संस्था यूजर के नाम, पते और उसके संपर्क नंबर के अलावा किसी अन्य डाटा का इस्तेमाल नहीं कर सकती।

इंटरनेट मीडिया के जरिये ट्रैप: स्कैमर भोलेभाले यूजर्स को फंसाने के लिए एप में 'ईजी', 'लोन', 'आधार' और 'ईएमआइ' जैसे प्रचलित शब्दों का बखूबी प्रयोग करते हैं, जिससे आनलाइन सर्च के दौरान आसानी से वे यूजर की नजर में आ जाते हैं। फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्रचलित इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म व गूगल के एड्सेंस से भी ये यूजर बेस बढ़ाते हैं। एप्स पर कार्रवाई होने पर ये नए नाम और नई जानकारियों के साथ सामने आ जाते हैं। इंटरनेट मीडिया के जरिये काम करने वाले फर्जी लोन एप के विस्तार को रोकने के लिए अब सरकार बड़े स्तर पर कदम उठाने की तैयारी में है। बीते दिसंबर में आइटी मंत्रालय की तरफ से इस बारे में एक सख्त एडवाइजरी भी जारी की गई थी।

फर्जीवाड़े पर शिकंजा

1. **गूगल की सख्ती:** फर्जी लोन एप को रोकने के लिए गूगल ने प्लेस्टोर नियमों को सख्त किया है। केवल एनबीएफसी या उससे संबद्ध एप को ही अब इसकी अनुमति दी गई है।
2. **आरबीआइ का नियमन:** कस्टमर सुरक्षा और देश में डिजिटल लेंडिंग सिस्टम को पारदर्शी बनाने के लिए आरबीआइ की तरफ से दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।
3. **साइबर सुरक्षा निगरानी:** गृह मंत्रालय के अधीन साइबर क्राइम कोआर्डिनेशन सेंटर (आइ4सी) फर्जी लोन एप की निगरानी कर रहा है।
4. **जनसमर्थ पोर्टल:** क्रेडिट-लिंक्ड सरकारी योजनाओं के तहत ऋण के लिए सरकार ने जनसमर्थ पोर्टल लांच किया है। इससे कोई भी व्यक्ति आसानी से वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकता है।

ऐसे बचें मुश्किलों से

- ऋण लेने से पहले देखें कि एप किसी एनबीएफसी (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी) से संबद्ध है या नहीं। एनबीएफसी की सूची आरबीआइ की वेबसाइट पर देख सकते हैं।
- अगर कोई एप किसी एनबीएफसी से संबद्धता का दावा करता है, तो भी वेबसाइट पर जाकर सत्यापन करें।
- एप के डाउनलोड्स और उसके रिव्यूज को जरूर देखें। अगर किसी एप के लाखों डाउनलोड्स हैं और यूजर सकारात्मक टिप्पणी कर रहे हैं, तो उस पर विचार कर सकते हैं। लेकिन, ध्यान रखें केवल डाउनलोड्स ही प्रामाणिकता का पैमाना नहीं हो सकता।
- मिलते-जुलते नामों से सतर्क रहें। कई बार वास्तविक प्रतिष्ठानों वाले नामों के पीछे गलत एप्स भी डाउनलोड हो जाते हैं।
- एप के नियम-शर्तों को जरूर पढ़ें और उसके ब्याज दरों, प्रोसेसिंग फीस आदि की जानकारी प्राप्त करें।
- अपनी डिवाइस और एप को अपडेट करते रहें, सुरक्षित पेमेंट चैनल का प्रयोग करें। किसी एप के साथ संवेदनशील जानकारियों को साझा करने से बचें।
- किसी भी तरह की धोखाधड़ी की घटना या शिकायत को नेशनल क्राइम पोर्टल www.cybercrime.gov.in या हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दर्ज करा सकते हैं।

वर्ग पहेली – 2545

बाएं से दाएं

1 पानी में गिरने की ध्वनि (3)।
4 एक फिल्म अभिनेता के नाम का पहला शब्द (4)।
6 बातचीत, वार्तालाप (2)।
7 साठ से पांच कम (4)।
8 सूर्य की किरण (5)।
11 विद्यमान, जो चल रहा हो (4)।
13 शेष (2,2)।
14 नया अन्न या फल खाना (5)।
18 डर के मारे संकुचित जगह पर छिपना (4)। 19 हाथ, हस्त (2)।
20 खानाबदोश, घुमंतू (4)।
21 धरती के तल से बहुत नीचे (3)।

© Bird Features & Writing Agency

ऊपर से नीचे

1 उमड़ कर बाहर गिरना (4)।
2 हाथ का आघात, घूंसा, थप्पड़ (4)।
3 बाल्यावस्था (4)। 5 दबाने की क्रिया (3)।
7 लालन-पालन, अमिताभ और विनोद खन्ना की एक फिल्म (5)। 9 अंतर समझना, जान-बूझ लेना (5)। 10 उच्च, श्रेष्ठ, उन्नत (2)। 12 जननी (2)। 15 मान्य, सिद्ध (4)।
16 नए ढंग का (4)।
17 मरे के समान, मृतप्राय, अधमुआ (4)।
18 दूध की तरह सफेद (3)।

कल का हल

आ	लं	का	र	■	■	र	ह	स	ना
सी	■	■	सा	■	दी	क्षा	■	■	ग
स	■	■	य	■	■	प	■	■	रि
ना	श	वा	न	■	प्र	ति	का	र	क
■	क	■	ज्ञ	पि	त	■	■	■	■
■	■	■	■	टा	ल	ना	■	रा	■
स	ह	प्र	था	रा	■	का	त्या	य	न
मा	■	■	रा	■	■	म	■	■	ट
पि	■	■	सा	या	■	या	■	■	ख
त	मो	ह	र	■	■	बे	ना	व	ट

जागरण सुडोकू – 2545

5				9		1		8
		8	1				9	
		2		3	8			6
9	1		3			7		5
	8	7			1		2	
2				4	7			3
	3		8				5	
		1			9		3	
4		9	6		3			7

कल का हल

1	4	9	8	3	7	6	5	2
6	2	3	4	5	9	7	1	8
7	8	5	2	6	1	3	4	9
3	6	8	7	1	5	9	2	4
4	1	7	6	9	2	8	3	5
9	5	2	3	8	4	1	6	7
2	9	6	5	7	3	4	8	1
8	7	4	1	2	6	5	9	3
5	3	1	9	4	8	2	7	6

आज का भविष्यफल – 15 फरवरी, 2024 गुरुवार

के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : माघ मास शुक्ल पक्ष षष्ठी। आज का राहुकाल : दोपहर 01 बजकर के 30 मिनट से 03 बजे तक। आज का दिशाशूल : दक्षिण।
आज का पर्व एवं त्योहार : शीतला अष्टमी। विशेष : शनि अस्त।

कल 16 फरवरी, 2024 का पंचांग
कल का दिशाशूल : पश्चिम।
कल का पर्व एवं त्योहार : अचला सप्तमी।
कल की भद्रा : प्रात : 08 : 55 बजे से रात्रि के 08 : 36 बजे तक।
विक्रम संवत 2080 उत्तरायण, माघ मास शुक्ल पक्ष की सप्तमी तत्पश्चात अष्टमी, भरणी नक्षत्र तत्पश्चात कृतिका नक्षत्र, तत्पश्चात मेष में चंद्रमा, तत्पश्चात वृष में।

- मेष : मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी।
- वृष : आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। रिश्तों में निकटता आएगी।
- मिथुन : आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
- कर्क : संतान दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना होगा।
- सिंह : विरोधी परास्त होंगे। विभागीय परिवर्तन की संभावना है।
- कन्या : सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।
- तुला : शासन का सहयोग मिलेगा। किसी से तनाव मिल सकता है।
- वृश्चिक : दांपत्य जीवन सुखमय होगा। देशाटन की स्थिति बनेगी।
- धनु : सम्मान में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।
- मकर : शिक्षा में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
- कुंभ : जीवन सुखमय होगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।
- मीन : पुरुषार्थ सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में सफलता मिलेगी।

टेक सिक्योरिटी

लक्षण जो बताते हैं फोन में लग रही है सेंध

आजकल लोग संवेदनशील डाटा को भी स्मार्टफोन में ही सेव कर लेते हैं। पर उन्हें सतर्क रहना चाहिए कि कहीं कोई फोन में सेंध लगाकर डाटा चुरा तो नहीं रहा है। पर कैसे पता लगाएं कि फोन में सेंध लगा है या नहीं, आइए जानते हैं...

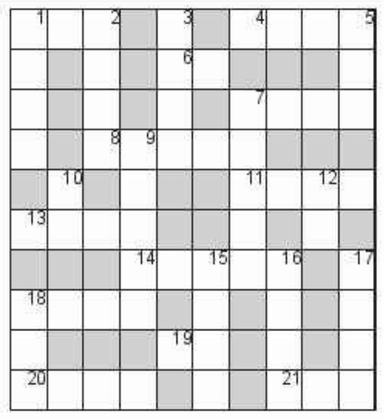

आजकल स्मार्टफोन में लोग निजी और गोपनीय जानकारियां रखने लगे हैं, जिन पर हैकर्स की नजर होती है। हालांकि आप स्वयं पता लगा सकते हैं कि आपके फोन में कोई सेंध लगी है या नहीं।

ये हैं सेंध के लक्षण

बैटरी तेजी से खत्म होना: यदि फोन की बैटरी तेजी से खत्म हो रही है, तो यह मैलवेयर या स्पाइवेयर की वजह से भी हो सकता है।

स्लो परफार्मेंस: फोन में छेड़छाड़ या हैकिंग होने पर वह स्लो हो जाता है।

डाटा की खपत में तेजी: हैकर्स अक्सर आपकी जानकारी के बिना आपके फोन से डाटा ट्रांसफर कर देते हैं।

संदिग्ध एप्स: अपने हाल में इंस्टाल किए गए एप्स की जांच करें कि कहीं उसमें कोई अपरिचित या संदिग्ध एप तो नहीं है। इस तरह के एप्स हानिकारक हो सकते हैं।

क्या करें

इंटरनेट से डिस्कनेक्ट करें: वाई-फाई और मोबाइल डाटा बंद करें।

पासवर्ड बदलें: ईमेल, इंटरनेट मीडिया और एप के लिए पासवर्ड तुरंत बदलें।

मैलवेयर के लिए स्कैन करें: सिक्योरिटी एप इंस्टाल करें और संदिग्ध साफ्टवेयर जांचने और हटाने के लिए स्कैन चलाएं।

साफ्टवेयर अपडेट करें: आपरेटिंग सिस्टम को अपडेट रखें। इसमें सिक्योरिटी पैच भी होते हैं।

2-फैक्टर आथेंटिकेशन : इससे अतिरिक्त सिक्योरिटी मिलती है।

हैक के जोखिम से कैसे बचें

नियमित बैकअप: डाटा की सुरक्षा के लिए नियमित रूप से अपने फोन का बैकअप लें।
मजबूत पासवर्ड का उपयोग करें: अपने खातों के लिए यूनिक और मजबूत पासवर्ड रखें।
सार्वजनिक वाइ-फाइ से बचें: सार्वजनिक वाइ-फाइ नेटवर्क का उपयोग करते समय सतर्क रहें और अतिरिक्त सुरक्षा के लिए वीपीएन का उपयोग करने पर विचार करें।
फिशिंग से सावधान रहें: संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने या अज्ञात सोर्स से फाइल डाउनलोड करने से बचें।
साफ्टवेयर अपडेट रखें: आपरेटिंग सिस्टम और एप्स को नियमित रूप से अपडेट करें।

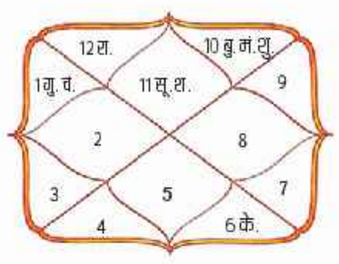

संतोष आनंद

इंटरनेट मीडिया

फिशिंग स्कैम से बचाएगा नया फीचर

वाट्सएप यूजर को फिशिंग हमलों से बचाने के लिए मेटा ने एक नया फीचर विकसित किया है। इससे यूजर किसी मैसेज को खोले बिना ही नंबर को ब्लाक कर सकेंगे, जिसके लिए आमतौर पर यूजर एप खोलने से लेकर नंबर ब्लाक और रिपोर्ट करने तक तीन चरणों से गुजरना पड़ता था। किसी लिंक पर क्लिक करने, निजी जानकारियों को साझा करने व नहीं करने को लेकर भी यूजर को जागरूक किया जा रहा है। अब नए मैसेज के आने पर लाक स्क्रीन पर दो विकल्प होंगे, रिप्लाई करने और नंबर को ब्लाक व रिपोर्ट करने का।

राष्ट्रीय फलक

रामलला की आरती में नित्य शामिल हो सकेंगे चार सौ भक्त

प्रवीण तिवारी, अयोध्या

▸ **ट्रस्ट की भावी योजना, पांच आरती में से चार के लिए निर्गत किए जा सकते हैं पास**

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट रामलला के दर्शन के साथ ही उनकी आरती में भी अधिकाधिक श्रद्धालुओं को शामिल करने की योजना बना रहा है। इसका प्रारूप इस तरह बन रहा है, जिससे रामलला की आरती में स्वयं आनलाइन पास बनाकर श्रद्धालु शामिल हो सकें। इसके प्रारूप पर अंतिम विमर्श चल रहा है। लगभग सहमति बन गई है। इसके अनुसार अलग-अलग आरती में शामिल होने वालों की संख्या कुल चार सौ तक हो सकती है। ये सभी नित्य होने वाली रामलला की पांच में से चार आरती में शामिल होंगे। प्रत्येक आरती में सौ-सौ लोग शामिल हो सकेंगे।

अभी रामलला की मंगला व शयन आरती में ही श्रद्धालु शामिल हो पा रहे हैं। इसके लिए आनलाइन मोड तथा ट्रस्ट के अनुमोदन के बाद ही पास जारी हो रहा है। मंगला आरती में सौ व शयन आरती में भी सौ पास बनाए जाते हैं। शेष तीन आरती शृंगार, राजभोग व संध्या आरती में संध्या को छोड़ कर शृंगार व राजभोग आरती के लिए भी पास जारी करने की योजना है। सिर्फ संध्या आरती के लिए पास निर्गत नहीं किए जाएंगे। मंगला आरती रामलला के जागरण के समय सुबह साढ़े चार बजे, शृंगार आरती भगवान के शृंगार के समय साढ़े छह बजे होती है। राजभोग आरती दोपहर 12 बजे, संध्या आरती शाम साढ़े सात बजे और रात्रि 10 बजे शयन आरती होती है।

12 मई को खुलेंगे बदरीनाथ धाम के कपाट

जागरण संवाददाता, ऋषिकेश: बदरीनाथ धाम के कपाट 12 मई को सुबह छह बजे खुलेंगे। तेल कलश यात्रा का दिन 25 अप्रैल निश्चित हुआ है। बुधवार को वसंत पंचमी पर वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुसार भगवान बदरीनाथ के कपाट खोलने की तिथि तय की गई। यहां आयोजित धार्मिक समारोह में पंचांग गणना के पश्चात कपाट खुलने की तिथि घोषित हुई। वहीं, पंच केदारों में से चतुर्थ केदार रुद्रनाथ मंदिर के कपाट इस वर्ष 18 मई को ग्रीष्मकाल के लिए खोले जाएंगे। वसंत पंचमी के पर्व पर गोपीनाथ मंदिर में पुजारियों, हक-हकूक धारियों और मंदिर समिति के पदाधिकारियों के सम्मुख पंचांग गणना के आधार पर कपाट खुलने की तिथि निर्धारित की गई। राज पुरोहित आचार्य कृष्ण प्रसाद उनियाल ने टिहरी राज सिंहासन के प्रमुख महाराज मनुजेंद्र शाह की जन्म कुंडली के हिसाब से नक्षत्रों की ग्रह-दशा की गणना करते हुए शुभ तिथि का निर्धारण किया।

▸ **15 अप्रैल को निकलेगी तेल कलश यात्रा, भगवान बदरी विशाल के अभिषेक में प्रयुक्त होता है तिल का तेल**

पाक में लगी आग सैन्य चौकियों तक पहुंची, बारूदी सुरंगें फटने लगीं

जागरण संवाददाता, पुंछ

पाकिस्तान की तरफ से लगाई गई आग बुधवार देर शाम पुंछ में एलओसी पार कर भारतीय सेना की अग्रिम चौकियों के पास पहुंच गई है। इस वर्ष चौथी बार पाकिस्तानी सैनिकों ने आग की घटना को अंजाम दिया है। इससे पहले पुंछ जिले की मेंढर तहसील के बालाकोट, मनकोट और चक्का दा बाग में नियंत्रण रेखा पर आग लगाई गई थी। आग के कारण भारतीय सेना की ओर से नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ रोकने के लिए बिछाई बारूदी सुरंगों में रुक-रुक कर विस्फोट हो रहे हैं। इससे पहले भी पाकिस्तान कई बार इस तरह की नापाक हरकतें कर चुका है। सेना के अधिकारियों के अनुसार जवान स्थिति से निपट रहे हैं और किसी भी आतंकी को भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ नहीं करने दी जाएगी।

पुंछ के देगवार सेक्टर में पाकिस्तान के नकरकोट गांव के सिडियां इलाके से आग लगाई गई थी जो देर शाम तेजी से फैलते हुए भारतीय सेना की अग्रिम चौकी दुर्गा पोस्ट के अलावा कई छोटी पोस्टों के नजदीक पहुंच गई। आग कई किलोमीटर तक फैल गई है। इससे पूर्व पाक सेना ने मेंढर के मनकोट में नियंत्रण रेखा पर आग लगाकर भारत की तरफ से घुसपैठ रोकने के लिए बिछाई बारूदी सुरंगें और निगरानी के लिए लगाए उपकरणों को नष्ट करने का प्रयास किया था।

▸ **इस वर्ष चौथी वार पाक सैनिकों ने दिया ऐसी घटना को अंजाम**

▸ **सेना के जवान आग पर काबू पाने में जुटे**

पुंछ में नियंत्रण रेखा पर लगी आग।

लद्दाख में मिले नौ विस्फोटक नष्ट किए

राज्य ब्यूरो, जम्मू : लेह जिले में सेना ने कारू में मिले नौ विस्फोटकों को बुधवार नष्ट कर दिया। कारू क्षेत्र के चुलित्से कुलुम में गिरने के बाद मिट्टी में दबे इन नौ विस्फोटकों की जानकारी इगु के पार्षद सोनम थारदोस ने एसडीएम को दी थी। एसडीएम द्वारा यह मुद्दा उठाने के बाद सेना की इंजीनियर रेजीमेंट में पुलिस की मौजूदगी में विस्फोटकों को बरामद कर उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाकर नष्ट कर दिया।

जम्मू कश्मीर में बिजली बिल बकायेदार सरकारी कर्मियों को नहीं मिलेगा वेतन

जागरण संवाददाता, जम्मू : जम्मू कश्मीर में सरकारी कर्मचारियों का अगर बिजली का बिल बकाया है तो उन्हें अब वेतन जारी नहीं होगा। कर्मचारियों को बकाया बिल जमा करवाने के बाद जम्मू कश्मीर पावर डिस्ट्रीब्यूशन कारपोरेशन लिमिटेड (जेकेपीडीसीएल) से एनओसी प्राप्त करनी होगी। उसे जमा करवाने के बाद ही बैंक खाते में वेतन आएगा। इसी तरह आम उपभोक्ता को भी सरकारी विभाग से संबंधित कोई काम करवाना होगा तो उन्हें भी अपने आवेदन के साथ पूरा बकाया बिजली बिल भरने के बाद बिजली निगम से प्राप्त एनओसी जमा करवाना होगा।

ज्ञात हो, 6000 करोड़ के निर्धारित बिजली राजस्व के एवज में प्रदेश में फिलहाल 2700 करोड़ रुपये जुटाए जा सके हैं। 31 मार्च से पहले निर्धारित लक्ष्य के समीप पहुंचने के लिए ही बिजली निगम ने एनओसी को फिर से लागू किया है। वित्तीय वर्ष के समापन के दौरान जम्मू-कश्मीर प्रशासन हर बार बिजली निगम की एनओसी को लागू करता था, लेकिन कोरोना काल के बाद करीब दो वर्ष से इसे लागू नहीं किया गया।

गुंजायमान हुई अटूट सनातन आस्था

वसंत पंचमी का पावन पर्व बुधवार को देशभर में असीम श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया। अयोध्या, मथुरा, काशी तथा प्रयागराज में अटूट सनातन आस्था अत्यंत मनोहारी स्वरूप में गुंजायमान हुई। रामनगरी में प्रभु बालकराम ने दिव्य रूप में दर्शन दिए। भगवान श्रीकृष्ण की नगरी स्थित ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में सेवायतों ने आराध्य के प्रसादी गुलाल से भक्तों को सराबोर कर दिया। इसी के साथ ब्रज में 40 दिवसीय होली उत्सव आरंभ हो गया। भगवान महादेव की नगरी काशी में वसंत पंचमी के मान विधान के अंतर्गत भोर में मंगला आरती के साथ वेदमंत्रों व मंगल गीतों के बीच बाबा विश्वनाथ की पंचबदन रजत प्रतिमा का तिलकोत्सव महंत आवास पर हुआ एवं बाबा ने दूल्हा रूप में दर्शन दिए। संगम नगरी में विशाल संख्या में उमड़े श्रद्धालुओं ने पावन त्रिवेणी में पुण्य की डुबकी लगाई।

एएनआइ/प्रेट्र/नवनीत रत्न पाठक/गिरीश श्रीवास्तव

माघ मेला में चार राज्यों की पुलिस व छात्रों ने सीखा भीड़ प्रबंधन

जागरण संवाददाता, प्रयागराज

विदेशी छात्र-छात्राओं के दल के बाद बुधवार को चार राज्यों मध्य प्रदेश, झारखंड, राजस्थान और हरियाणा की पुलिस और कई विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का दल प्रयागराज के माघ मेला पहुंचा। मुख्य स्नान पर्व पर उन्होंने प्रयागराज पुलिस से भीड़ प्रबंधन के गुर सीखे। डेलीगेट्स ने पुलिस मैनेजमेंट पर नोटस तैयार किए। वसंत पंचमी पर पुलिस कमिश्नरेट के अधिकारी व कर्मचारी शिक्षक और प्रशिक्षक के रूप में भी नजर आए।

यूपी पुलिस मेला क्षेत्र में किस तरह से श्रद्धालुओं की सुरक्षा करती है। लाखों की भीड़ को नियंत्रण सेवाभाव से काम करती है और उसके कुशल मैनेजमेंट से सब कुछ बिना किसी हंगामे या परेशानी के शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न हो जाता है। यह सीखने के लिए मध्य प्रदेश की पुलिस टीम से सौरभ सोनी, झारखंड पुलिस टीम के रवि कुमार सिंह, राजस्थान पुलिस के पीयूष और हरियाणा पुलिस के अधिकारी अपनी-अपनी टीम के साथ यहां पहुंचे। मेले में कम्युनिटी पुलिसिंग की अवधारणा को बेहद करीब से जाना और डिजिटल प्रेजेंटेशन के जरिये पुलिस के कुशल मैनेजमेंट को समझा। संगम समेत दूसरे घाटों, रास्तों, पांटून पुलों के साथ ही प्रवेश व निकास द्वारों पर किए जाने वाले इंतजामों को देखा। दूसरे राज्यों की पुलिस को बताया गया कि मेले में ड्यूटी करने वाले डंडों का प्रयोग नहीं करते। हथियार को उपयोग भी विशेष परिस्थिति किया जाता है।

▸ **वसंत पंचमी पर शिक्षक-प्रशिक्षक नजर आए पुलिस के अधिकारी व कर्मचारी**

प्रयागराज माघ मेला – 2024 में चौथा स्नान पर्व वसंत पंचमी पर जुटे श्रद्धालु। गिरीश श्रीवास्तव

तरनतारन में बीड़ी पीने पर निहंग ने की युवक की हत्या

जासं, तरनतारन : बीड़ी पीने को लेकर विवाद में पंजाब के तरनतारन जिले के गांव सभरा में एक निहंग ने युवक को तलवार से हमला करके मार डाला। तरनतारन जिले के सभरा गांव के हरजीत सिंह ने बताया कि उसका भाई 38 वर्षीय सुखराज सिंह घर के बाहर बीड़ी पी रहा था।

मृतक सुखराज सिंह। सौ. स्वजन

इस पर आपत्ति जताते हुए गांव के ही निहंग सुखचैन सिंह ने उसके साथ गालीगलौच की। सुखराज ने बीड़ी बुझा दी, लेकिन निहंग ने गालियां देता रहा और तलवार निकालकर उसकी छाती के आर-पार कर दी। सुखराज मौके पर ही ढेर हो गया। एसएसपी अश्विनी कपूर ने बताया कि आरोपित निहंग के खिलाफ धारा 302 के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। हलवाई का काम करने वाले आरोपित निहंग को पुलिस ने हिरासत में लिया है। निहंग ने बताया कि सुखराज उसे चिढ़ाने के लिए बीड़ी पीता था।

महाभारत सीरियल में कृष्ण बने नितीश भारद्वाज ने मांगी बेटियों के लिए सुरक्षा

नईदुनिया, भोपाल

▸ **मप्र कैडर की आइएएस अधिकारी पत्नी स्मिता के विरुद्ध की शिकायत**

▸ **भोपाल पुलिस कमिश्नर को मेल कर लिखा- पत्नी बेटियों से मिलने नहीं दे रही**

महाभारत सीरियल में भगवान कृष्ण का पात्र निभाने वाले अभिनेता और राजनेता नितीश भारद्वाज ने अपनी जुड़वा बेटियों की सुरक्षा के लिए भोपाल पुलिस कमिश्नर से सहायता मांगी है। भारद्वाज ने भोपाल पुलिस कमिश्नर को मेल भेजकर अपनी पत्नी और मध्य प्रदेश कैडर की आइएएस अधिकारी के विरुद्ध शिकायत करके मानसिक प्रताड़ना का आरोप भी लगाया है। पुलिस कमिश्नर ने महिला एडिशनल डीसीपी को मामले की जांच सौंप दी है।

भारद्वाज ने शिकायत में बताया गया है कि 2009 में मध्य प्रदेश कैडर की आइएएस अधिकारी स्मिता भारद्वाज के साथ उनका विवाह हुआ था। इसके बाद उनकी दो जुड़वा बेटियां हुईं, जो साढ़े 11 वर्ष की हो चुकी हैं। अब पत्नी के अप्रिय व्यवहार एवं आचरण के कारण उनके समस्त प्रयासों के बावजूद वैवाहिक जीवन टूटने की कगार पर है। इसकी कानूनी कार्रवाई न्यायालय में चल रही है। पत्नी वर्तमान में भोपाल में पदस्थ हैं एवं पिता को उनकी बेटियों से मिलने नहीं दिया जा रहा है। भारद्वाज ने अपने मेल में भोपाल पुलिस कमिश्नर से बेटियों को सुरक्षा उपलब्ध करवाने एवं अन्य कानूनी सहायता मांगी है। पुलिस कमिश्नर हरीनारायणाचारी मिश्र ने शिकायत प्राप्त होने की पुष्टि करते हुए बताया कि भारद्वाज और उनकी पत्नी के बीच कुटुंब न्यायालय में मामला लंबित है। शिकायत की जांच की जा रही है।

नितीश भारद्वाज। फाइल फोटो

****

इराक युद्ध के खिलाफ इतिहास का सबसे बड़ा शांति प्रदर्शन

2003 में आज ही दुनिया भर के लगभग 800 शहरों में तीन करोड़ से अधिक लोगों ने इराक युद्ध के खिलाफ शांति प्रदर्शन किया था। 'इराक पर हमला मत करो!' नारे के तहत लोगों ने प्रदर्शन किया। गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड्स ने इसे इतिहास के सबसे बड़े शांति प्रदर्शन का दर्जा दिया।

विश्व व्यापार संगठन का नेतृत्व करने वाली पहली महिला बनीं इवेला

2021 में आज ही के दिन नाइजीरिया की ओकोन्जो इवेला को विश्व व्यापार संगठन का महानिदेशक चुना गया था। इसी के साथ वह विश्व व्यापार संगठन का नेतृत्व करने वाली विश्व की पहली महिला बनीं। इस पद तक पहुंचने वाली पहली अफ्रीकी थीं। इवेला इससे पहले दो बार नाइजीरिया की वित्तमंत्री भी रह चुकी थीं।

भारत के बेहतरीन चित्रकारों में गिने जाते हैं केजी सुब्रमण्यन

चित्रकार केजी सुब्रमण्यन का जन्म 1924 में आज ही के दिन केरल में हुआ था। वह बचपन से ही कला की तरफ आकर्षित थे। शांतिनिकेतन के कला भवन से कला की शिक्षा हासिल कर 1951 में बड़ौदा के एमएस यूनिवर्सिटी में कला संकाय में व्याख्याता नियुक्त हुए। 1959 में आल इंडिया हैंडलूम बोर्ड बांबे के उप निदेशक नियुक्त हुए। एनाटामी लेसन, वार आफ द रिलिक्स, मिडनाइट ब्लूज सीरीज उनकी महान कृतियों में गिनी जाती है। 2012 में पद्म विभूषण से सम्मानित हुए। 29 जून, 2016 को उनका निधन हो गया।

इधर-उधर की

चूहे के पिंजरे वाला जूता देखकर नेटिजन हैरान

क्रिएटिव स्टूडियो ने ध्यान खींचने के लिए बनाया जूता ● इंटरनेट मीडिया

वाशिंगटन, एजेंसी: आजकल फैशन के नाम पर अजीबो-गरीब चीजों का चलन तेजी से बढ़ रहा है। इसी कड़ी में इंटरनेट मीडिया पर ऊंची एड़ी के जूते पहने एक महिला का वीडियो तेजी से प्रसारित हो रहा है। दरअसल यह जूता छोटे से पिंजरे का बना है जिसमें एक नकली चूहे को देखा जा सकता है। इस वीडियो को 10 फरवरी को यूजर जेनेट ओके ने साझा किया था। इस असामान्य जूते को देखकर नेटिजन हैरान हैं। नेटिजन ने इसे फैशन स्टेटमेंट के नाम पर जीवों के साथ दुर्व्यवहार को बढ़ावा देना बताया। न्यूयार्क पोस्ट के अनुसार यह जूते न्यूयार्क के अनकामन क्रिएटिव स्टूडियो ने लोगों का ध्यान खींचने के लिए बनाया है।

सिंक्यूबेटर को लांच करने का रास्ता साफ

स्टैनफोर्ड बायोडिजाइन गैराज कार्यक्रम के लिए चुना आइआइटी मंडी का सिंक्यूबेटर

नवजात को एक जगह से दूसरी जगह ले जाना व देखभाल होगी आसान

जागरण संवाददाता, मंडी

आइआइटी मंडी के शोधार्थियों द्वारा विकसित किए गए सिंक्यूबेटर (नवजात इनक्यूबेटर) को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। इसे स्टैनफोर्ड बायोडिजाइन इनोवेटर्स गैराज कार्यक्रम के लिए चुना गया है। इससे सिंक्यूबेटर को लांच करने का रास्ता भी साफ हो गया है। इसमें स्कूल आफ मैकेनिकल एंड मैटेरियल्स इंजीनियरिंग के सहायक प्रोफेसर डा. गजेंद्र सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर डा. सत्वशील रमेश पोवार और मैकेनिकल इंजीनियरिंग तृतीय वर्ष के प्रशिक्षु केशव वर्मा शामिल हैं। सिंक्यूबेटर स्वास्थ्य देखभाल को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

आइआइटी मंडी के शोध को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान

आइआइटी मंडी के शोधार्थियों द्वारा विकसित किया गया सिंक्यूबेटर। सौजन्य संस्थान

यह है सिंक्यूबेटर

सिंक्यूबेटर एक नवजात इनक्यूबेटर के रूप में डिजाइन किया गया है। इससे नवजात को एक जगह से दूसरी जगह ले जाना व उसकी देखभाल आसान होगी। पारंपरिक इनक्यूबेटर के विपरीत यह उपकरण वार्मर और इनक्यूबेटर दोनों रूप में काम करता है। मजबूत एल्यूमीनियम फ्रेम उच्च पोर्टेबिलिटी सुनिश्चित करता है।

35 से 38 डिग्री के बीच बनाए रखता है तापमान

स्कूल आफ मैकेनिकल एंड मैटेरियल्स इंजीनियरिंग आइआइटी मंडी के सहायक प्रोफेसर डा. गजेंद्र सिंह ने बताया कि स्मार्ट कंट्रोल सुविधा इंटरनेट कनेक्शन के साथ दुनिया में कहीं से भी रिमोट एक्सेस के साथ एंड्रायड एप्लीकेशन के माध्यम से पैरामीटर समायोजन को सक्षम बनाती है। एंबुलेंस में उपलब्ध सभी जांच तक पहुंच सुनिश्चित करता है। इससे बच्चे को ले जाने के लिए किसी भी एंबुलेंस के उपयोग की सुविधा मिलती है। सिंक्यूबेटर में तापमान 35 से 38 डिग्री सेल्सियस और सापेक्षिक आर्द्रता 50 से 70 प्रतिशत के बीच रहती है। एंड्रायड, आइओएस एप के माध्यम से बच्चे की निरंतर वीडियो निगरानी सक्षम है। इसमें पीलिया से निपटने के लिए प्लग एंड प्ले फोटोथैरेपी किट शामिल है।

डेढ़ साल में देश में लांच करने की तैयारी

एसोसिएट प्रोफेसर डा. सत्वशील रमेश पोवार के अनुसार सिंक्यूबेटर को सभी पैरामीटर पर जांच चुके हैं। आइआइटी मंडी के आइ हब, कैटलिस्ट और राजकीय इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज नोएडा के सहयोग से यह सब संभव हो पाया है। स्टैनफोर्ड बायोडिजाइन गैराज के माध्यम से इस नवाचार के मूल्य का एक प्रमाण विकसित करने में सक्षम होंगे जो विनिर्माण योग्य होगा। उम्मीद है कि आवश्यक प्रमाणपत्र प्राप्त कर लेंगे और एक से डेढ़ साल में देश में इसे लांच कर देंगे। उनके मुताबिक देश उच्च नवजात मृत्यु दर और समय पूर्व डिलिवरी की समस्या से जूझ रहा है।

आइआइटी मंडी के शोधार्थी। फाइल

सुख-समृद्धि की प्रार्थना

वियतनाम की राजधानी हेनोई के पगोडा में वैलेंटाइन डे पर प्रार्थना करती युवती। इस प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिर में युवा वैलेंटाइन डे पर जाकर सुख-समृद्धि के साथ अपने लिए अच्छे जीवन साथी की प्रार्थना करती हैं। एएफपी

मेढक के शरीर से मशरूप पनपता देख विज्ञानी हैरान

- कर्नाटक के पश्चिमी घाट की तलहटी में पाया गया मेढक
- इस असामान्य स्थिति के बाद भी मेढक जिंदा और सक्रिय है

नई दिल्ली, प्रेट्र: कर्नाटक के पश्चिमी घाट की तलहटी में एक ऐसा मेढक देखा गया है जिसकी बाईं ओर से एक मशरूम पनप रहा है। विज्ञानी इस अनोखी घटना को लेकर हैरान हैं। यह पहली बार है जब किसी जीवित उभयचर से मशरूम उगता हुए देखा गया है। मेढक की पहचान 'राव्स इंटरमीडिएट गोल्डन बैक्ड फ्राग' (हाइलराना इंटरमीडिया) के रूप में की गई है। इसे विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) के अनुसंधानकर्ताओं समेत एक टीम ने पिछले साल 19 जून को कर्नाटक के करकला में देखा था। यह विशेष प्रजाति कर्नाटक और केरल के पश्चिमी घाटों में ही पाया जाता है। 'रेप्टाइल्स और एंफीबियन्स' पत्रिका में इस बारे में जानकारी प्रकाशित की गई है जिससे विज्ञानी समुदाय असमंजस में है।

अनुसंधानकर्ताओं ने सड़क किनारे बारिश के पानी के एक छोटे से तालाब में ऐसे करीब 40 मेढक देखे।

मेढक के शरीर में उगा बोनट मशरूम। इंटरनेट मीडिया

अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि पड़ताल करने के बाद मेढक की बाईं ओर से एक मशरूम उगता देखा गया। मेढक जिंदा है और इस असामान्य स्थिति के बाद भी सक्रिय है। माइकोलाजिस्ट द्वारा आगे के विश्लेषण से मशरूम की पहचान बोनट मशरूम के रूप में हुई, जो सड़ी हुई लकड़ी पर सैप्रोट्राफ के रूप में पाया जाता है। सैप्रोट्राफ ऐसी संरचनाएं हैं जो निर्जीव जैविक वस्तुओं पर पैदा होती हैं।

सिकल सेल रोगियों के लिए नैनो मेडिसिन टूल बनाएगा आइआइटी

जागरण संवाददाता, कानपुर

देश के 17 राज्यों में फैले सिकल सेल रोग के प्रभावितों की मदद के लिए आइआइटी कानपुर और अमेरिका की राइस यूनिवर्सिटी ने साथ मिलकर काम करने का फैसला किया है। राइस-आइआइटी कानपुर सहयोग केंद्र में शोध एवं अनुसंधान के जरिये सिकल सेल की पहचान के बाद उपचार के लिए नैनो टूल विकसित करने के साथ ही जीनोम एडिटिंग पर भी काम किया जाएगा। आइआइटी निदेशक प्रो. एस गणेश और राइस यूनिवर्सिटी के प्रो. गांग बाओ ने मिलकर चिकित्सा क्षेत्र में नवाचार व अनुसंधान के लिए समझौता भी किया है।

सात करोड़ में सिकल सेल रोग का खतरा : भारत सरकार ने राष्ट्रीय सिकल सेल मिशन की शुरुआत कर रखी है जिसके तहत सात करोड़ लोगों की जांच का लक्ष्य है। आनुवंशिक रोग का प्रभाव क्षेत्र देश के 17 राज्यों में माना गया है। ये विरासत में मिले रक्त विकारों का एक समूह है। उसे ज्यादा होने वाला रूप सिकल सेल एनीमिया बन जाता है। पांच से छह माह की उम्र में इसकी शुरुआत होती है और दर्द के असहनीय दौरे पड़ते हैं। हाथों और पैरों में सूजन, खून की कमी इसके प्रमुख लक्षण हैं।

शोर से बहरेपन की समस्या के पीछे है जिंक की भूमिका

अनुसंधान

तेज शोर के चलते स्थायी या अस्थायी रूप से सुनाई न देने की समस्या से दुनियाभर में बड़ी संख्या में लोग प्रभावित होते हैं। शोधकर्ताओं ने शोर से होने वाली इस समस्या के लिए जिंक की भूमिका की खोज की है। यह खनिज सेलुलर कार्य व श्रवण के लिए आवश्यक है, लेकिन इसकी अधिकता सुनने की क्षमता को प्रभावित करती है।

अमेरिका के पिट्सबर्ग यूनिवर्सिटी के शोध दल ने चूहों पर किए प्रयोग में पाया कि चूहों के तेज शोर के संपर्क में आने के कुछ घंटों बाद उनके कान के अंदरूनी भाग में जिंक का स्तर बढ़ जाता है। जो अंततः सेलुलर क्षति की ओर ले जाती है और सामान्य सेल से सेल संचार को बाधित करती है। कानों में घंटियां बजने जैसी आवाज का अनुभव होने के अलावा कुछ लोगों को तेज आवाज के संपर्क में आने के बाद अस्थायी या यहां तक कि स्थायी रूप से सुनाई न देने या ठीक से सुनाई न देने की समस्या का सामना करना पड़ता है। प्रयोग से पता चला है कि ऐसी दवाएं जो अतिरिक्त जिंक को फंसाने के लिए आणविक स्पंज के रूप में काम करती हैं, वह शोर से होने वाली सुनाई न देने की समस्या सुलझाने में मदद कर सकती है। प्रोसीडिंग्स आफ द नेशनल एकेडमी आफ साइंसेज में प्रकाशित यह खोज संभावित समाधान के द्वार खोलती है। पिट्सबर्ग यूनिवर्सिटी में ओटोलर्यनोलोजी के प्रोफेसर व शोध वाइस चेयरमैन थानोस त्जोनोपोलोस ने कहा कि शोर के कारण होने वाली श्रवण हानि को रोकना एक निरंतर चुनौती रही है। शोधकर्ता वर्तमान में प्रीक्लिनिकल सुरक्षा अध्ययनों में परीक्षण के लिए एक उपचार विकसित कर रहे हैं, जिसका लक्ष्य एक सरल, ओवर-द-काउंटर विकल्प के रूप में उपलब्ध कराना है। (आइएएनएस)

स्क्रीन शाट

सलमान ने कहा वेलेंटाइन से मेरा क्या लेना-देना भाई

सुनील शेट्टी ने पत्नी माना को बताया अपनी सदा की वैलेंटाइन। इंस्टाग्राम @suniel.shetty

फिल्मों के माध्यम से प्यार के अलग-अलग रंग प्रस्तुत करने वाले हिंदी सिनेमा के सितारे वेलेंटाइन डे पर प्यार दिखाने में कैसे पीछे रह सकते हैं। 'दबंग' अभिनेता सलमान की प्रतिक्रिया काफी दिलचस्प रही। दरअसल, एक समारोह के दौरान वेलेंटाइन डे के सवाल पर सलमान ने कहा, 'वेलेंटाइन से मेरा क्या लेना-देना भाई? या मेरा ही लेना-देना है वेलेंटाइन डे से। आप सभी को वेलेंटाइन डे की बहुत-बहुत शुभकामानाएं।' अभिनेता सुनील शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की। इसमें पत्नी माना शेट्टी ने उन्हें बाहों में पकड़ रखा है। सुनील ने लिखा, 'जिंदगी में पकड़कर रखने वाली सबसे बेहतर चीज है कि एक दूसरे को पकड़कर रखना... मेरी सदा की वैलेंटाइन के साथ।' अभिनेता शाहिद कपूर को उनकी पत्नी मीरा कपूर का शहर में न होना काफी खला। उन्होंने मीरा को टैग करते हुए इंस्टाग्राम स्टोरी में वीडियो साझा किया। इसमें वह बोलते हैं कि मीरा, आप शहर में नहीं हो तो आज रात के लिए यही मेरी डेट है। इसके बाद वह अपने हाथ में लिए डेट (खजूर) को खाते हैं। तेलुगु अभिनेता अल्लू अर्जुन ने इंस्टाग्राम पर पत्नी और बच्चों के साथ केक काटते हुए फोटो साझा किया।

मुझे अभी 35 साल और काम करना है

हिंदी सिनेमा के कई कलाकार हालीवुड की फिल्मों में काम कर रहे हैं। हालांकि अभिनेता शाह रुख खान ने कभी किसी विदेशी फिल्म में काम नहीं किया है। दुबई में एक कार्यक्रम के दौरान होस्ट ने जब शाह रुख से इसका कारण पूछा, तो शाह रुख ने करारा जवाब दिया। शाह रुख ने कहा, 'मुझे किसी ने विदेश से ऐसी कोई फिल्म आफर नहीं की है, जिसमें कुछ खास हो। इंग्लिश और अमेरिकन फिल्म इंडस्ट्री से किसी ने अच्छा काम आफर ही नहीं किया है। मुझे अभी भी उन दर्शकों के लिए जो मुझे पसंद करते है, उनके लिए अच्छा काम कैसे करना है वह सीखना है। मेरा मानना है सीखने की प्रक्रिया कभी रुकनी नहीं चाहिए। मैं खुद को बहुत ज्यादा फैलाना नहीं चाहता हूं। बहरहाल, जब मुझे वैसा काम ही आफर नहीं हुआ, तो मैं कैसे कर लूंगा।' जब होस्ट ने उनसे पूछा कि इतना काम करने के बाद अब क्या करना रह गया है? इस पर शाह रुख ने कहा, 'पहले मैं केवल इस इंडस्ट्री में सर्वाइव करना चाहता था। जैसे-जैसे समय बीता मैं नई तकनीक भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में लाना चाहता हूं, मैं अपना फिल्मी करियर खत्म करना चाहता हूं, हालांकि वह अभी बहुत दूर है, अभी 35 साल और काम करना है। वह फिल्म बनानी है, जिसे पूरी दुनिया पसंद करे, ताकि इतने बड़े मंच पर कोई मुझसे यह न पूछे कि आपने विदेशी फिल्में क्यों नहीं कीं। वह फिल्म मुझे विदेशियों तक पहुंचाए।' शाह रुख ने कहा, 'मैं चाहता हूं कि आप हिंदी, उर्दू और अरबी भाषा सीखें, ताकि उस फिल्म को समझ पाएं।'

« विदेशी मंच पर अभिनेता शाह रुख खान ने की होस्ट की बोलती बंद ● मिडडे आर्काइव

आफर मिलने के बावजूद इसलिए एक्शन फिल्मों से दूर हैं तापसी

फिल्म नाम शबाना में अपनी एक्शन कला दिखा चुकी हैं तापसी। (इंस्टाग्राम) @taapsee

हिंदी सिनेमा में एमी जैक्सन, रानी मुखर्जी, दीपिका पादुकोण, कट्रीना कैफ जैसी अभिनेत्रियां एक्शन में हाथ आजमा चुकी हैं। वहीं बेबी और नाम शबाना जैसी फिल्में कर चुकी अभिनेत्री तापसी पन्नू एक्शन फिल्मों से दूर दिख रही है। इसके पीछे तापसी की अपनी सोच है। तापसी का कहना है कि मैं इस भेड़चाल के विरुद्ध हूं। अपने करियर के शुरुआत में ही मैंने बेबी और नाम शबाना फिल्मों में एक्शन किया था। तब शायद ही कोई अभिनेत्री ऐसा कर रही थी। मुझे तो समझ में ही नहीं आ रहा है कि आखिर क्यों सभी लोग अब एक्शन फिल्में करना चाह रहे हैं? अगर ऐसा चलता रहा तो कुछ महीनों में ही हमारे यहां हर शुक्रवार सिर्फ एक्शन फिल्में आएंगी। मैं भेड़चाल की प्रशंसक नहीं हूं। मैंने अपने करियर में ही नहीं, अपनी जिंदगी में कभी किसी चलन के अनुसार नहीं चली। मैं एक्शन फिल्मों को ना नहीं कर रही हूं। मेरे लिए एक्शन करने के लिए कुछ ऐसा होना चाहिए जो बेबी और नाम शबाना से बेहतर हो। नहीं तो मैं फिर से अपने ही बनाए रास्ते पर चलने लगूंगी।' तापसी आगामी दिनों में फिर आई हसीन दिलरुबा और खेल खेल में फिल्मों में नजर आएंगी।

कहानी नई, शीर्षक पुराना

कुछ प्रसिद्ध फिल्मों का जिक्र होते ही पूरी कहानी याद आ जाती है। साल 1967 में रिलीज हुए देव आनंद और वैजयंती माला अभिनीत फिल्म ज्वेल थीफ ने बाक्स आफिस पर धूम मचाई थी। फिल्म का शीर्षक अलहदा था। अब इस शीर्षक को भुना रहे हैं फिल्मकार सिद्धार्थ आनंद। पठान और फाइटर फिल्मों के निर्देशक सिदार्थ अपनी निर्माण कंपनी में भी फिल्में बना रहे हैं। उनकी आगामी फिल्म का नाम ज्वेल थीफ होगा, जिसमें अभिनेता सैफ अली खान और जयदीप अहलावत मुख्य भूमिकाओं में होंगे। खबरों के अनुसार यह कहानी दोस्ती पर नहीं, बल्कि इन दोनों के आपस में टकराव पर आधारित होगी। इस फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार फिल्म के शीर्षक ज्वेल थीफ के अलावा इस फिल्म का देव आनंद की मूल फिल्म से कोई लेना देना नहीं है। सिद्धार्थ ने इस फिल्म के शीर्षक को अपने बैनर तले काफी पहले ही रजिस्टर करवाया लिया था। उन्हें लगता है कि राबी ग्रेवाल निर्देशित इस फिल्म के विषय के लिए यह शीर्षक उपयुक्त है। ज्वेल थीफ की शूटिंग पहले ही पूरी हो चुकी है। लगभग साठ करोड़ में नेटफ्लिक्स ने इस फिल्म को खरीदा है। सिद्धार्थ की आगामी फिल्मों में यशराज फिल्म्स की फिल्म टाइगर वर्सेस पठान शामिल है, जिस पर वह अगले साल काम शुरू करेंगे।

सैफ और जयदीप अब होंगे आमने-सामने

भूल भुलैया 3 में नहीं होंगे अक्षय

हाउसफुल हो, हेरा फेरी या फिर वेलकम वर्तमान में अभिनेता अक्षय कुमार की कई फिल्मों की सीक्वल बन रही है। इनमें कुछ में अक्षय हैं, तो कुछ को उनके बिना बनाया जा रहा है। 2007 में प्रदर्शित फिल्म भूल भुलैया की फ्रेंचाइज भूल भुलैया 2 साल 2022 में प्रदर्शित हुई। जिसमें अक्षय की जगह अभिनेता कार्तिक आर्यन ने मुख्य भूमिका निभाई थी। अब निर्देशक अनीस बज्मी कार्तिक के साथ ही इस फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म भूल भुलैया 3 बनाने के लिए तैयार हैं। हाल ही में कार्तिक ने घोषणा की थी कि मूल फिल्म में मंजूलिका की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री विद्या बालन भूल भुलैया 3 में वापसी करेंगी। इसके बाद से यह भी कयास लगाए जाने लगे कि अक्षय भी भूल भुलैया 3 का हिस्सा बन सकते हैं। हालांकि, निर्देशक अनीस बज्मी ने ऐसी किसी भी संभावना से इन्कार किया है। अनीस ने कहा, 'अक्षय भूल भुलैया 3 का हिस्सा नहीं होंगे। मैं उनके साथ काम करने के लिए बेताब हूं, लेकिन दुर्भाग्य से मैं अब तक ऐसी पटकथा नहीं लिख सका, जिस पर हम दोनों साथ काम कर सकें।'

निर्देशक अनीस बज्मी ● मिडडे आर्काइव

पहले निर्माताओं का नहीं होता था सम्मान

पिछले साल रिलीज वेब सीरीज जुबली में गुजरे दौर के सिनेमा को दर्शाया गया था। अब करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस तले बनी वेब सीरीज शोटाइम को निर्माताओं के नजरिये से दर्शाया जाएगा। शो में निर्माता की भूमिका में इमरान हाशमी, जबकि सुपरस्टार की भूमिका में राजीव खंडेलवाल हैं। फिल्म की सफलता का श्रेय अमूमन कलाकारों दिया जाता है। हालांकि, उसे बनाने से लेकर उसके रिलीज का जिम्मा निर्माताओं के कंधे पर होता है। यह प्रक्रिया लंबी और जटिल होती है। करण के पिता यश जौहर ने कई फिल्मों का निर्माण किया है। निर्माताओं के प्रति दृष्टिकोण में आए बदलाव को लेकर करण का कहना है, 'मैंने अपने पिता को कई फिल्मों को प्रोड्यूस करते देखा है। उस समय निर्माताओं को उतना सम्मान नहीं दिया जाता था, जितना आज मिलता है। उन दिनों फिफाइनेंसर पर निर्भर होना पड़ता था। फिल्म को बनाने के लिए बहुत कुछ दांव पर लगाना पड़ता था। वह काफी कठिन समय था।' शोटाइम आठ मार्च को डिज्नी प्लस हाटस्टार पर रिलीज होगा।

« आठ मार्च को रिलीज हो रहे शोटाइम वेब शो के निर्माता हैं करण जौहर ● मिडडे आर्काइव

उस दिन अनुराधा ने तय कर लिया कि भक्ति वाले गाने गाऊंगी

करियर के शिखर पर भक्ति वाले गाने गाए अनुराधा ने (इंस्टाग्राम) @paudwal.anuradha_official

कुछ निर्णय करियर के शिखर पर लेना कठिन होता है, लेकिन वह निर्णय लेने कई बार खुद के लिए जरूरी होते हैं। गायिका अनुराधा पौडवाल ने भी अपने गायिकी के शिखर पर भक्ति गीत गाए हैं। इसका कारण बताते हुए अनुराधा कहती हैं कि मैंने एक स्थापित गायक के बारे में कुछ लोगों को उनकी बुराई करते हुए सुना था। वह एक बड़े गायक की बात कर रहे थे, जिन्होंने भक्ति आधारित गाने भी गाए थे। उम्र के साथ आवाज में बदलाव आता है। लेकिन कुछ लोग जो संगीत की बिल्कुल जानकारी नहीं रखते हैं, वह उनके बारे में बातें कर रहे थे। मैं युवा थी, उनकी वह बात दिल पर इतनी लगी कि मैं बता नहीं सकती हूं। जिस गायक की बात हो रही थी, उसने ढेर सारे गाने गाए है। मुझे लगा कि भगवान जिस दिन आप मुझे नंबर वन पर लेकर जाएंगे, तो आपका नाम लूंगी। 12 साल की कड़ी मेहनत के बाद मेरा हीरो फिल्म का गाना हिट हुआ। उसके बाद मल्टीस्टारर फिल्मों का दौर शुरू हुआ, एकाध गाना ही मुझे मिल रहा था। मैं दक्षिणेश्वर मंदिर गई थी। वहां के पुजारी ने कहा कि मां का भजन सुनाओ। मुझे माता का एक भी गाना नहीं आता था। मैंने कहा कि नंबर वन पर आऊंगी, तो खुद को आपके चरणों में अर्पण कर दूंगी और भक्ति वाले गाने गाऊंगी। फिर आशिकी, दिल है की मानता नहीं जैसी कई फिल्मों के गाने हिट हुए। जब शिखर पर पहुंची, तो मैंने भक्ति वाले गाने शुरू कर दिए।

अखिल भारतीय स्तर पर प्रदर्शित होगी छावा : उतेकर

वर्तमान दौर में फिल्मकारों की कोशिश बड़ी स्टारकास्ट और बड़े बजट की फिल्मों को अखिल भारतीय (पैन इंडिया) स्तर पर प्रदर्शित करने की होती है। ताकि फिल्म को बड़े दर्शक वर्ग तक पहुंचाया जा सके और कमाई के आंकड़ों में भी बढ़ोतरी हो सके। इन फिल्मों की कास्टिंग में भी फिल्मकार हिंदी और दक्षिण भारतीय सिनेमा के बीच संतुलन का ध्यान रखते हैं। लुका छिपी और मिमी फिल्मों के निर्देशक लक्ष्मण उतेकर फिलहाल अभिनेता विक्की कौशल के साथ पीरियड ड्रामा फिल्म छावा बना रहे हैं। विक्की के साथ इस फिल्म में उन्होंने दक्षिण भारतीय अभिनेत्री रश्मिका मंदाना को कास्ट कर यह संतुलन बरकरार रखा है। तो क्या उनकी योजना इस फिल्म को भी अखिल भारतीय स्तर पर प्रदर्शित करने की है? इस पर लक्ष्मण कहते हैं, 'बिल्कुल, हमारी योजना वही है। यह फिल्म उसी स्तर पर बन भी रही है। निश्चित तौर पर यह एक अखिल भारतीय फिल्म होने वाली है। इस फिल्म के आधे हिस्से की शूटिंग हो चुकी है। हमारी योजना फिल्म को इसी साल प्रदर्शित करने की है।' फिलहाल विक्की के हाथ में चोट लगने के कारण इस फिल्म की शूटिंग रुकी हुई है। इस फिल्म को लेकर आगे लक्ष्मण कहते हैं, 'छावा पूरी तरह से युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म है। मेरी कोशिश यही रहती है कि मेरी फिल्म पारिवारिक हो, जिसे पूरा परिवार साथ में बैठकर देख सके।

फिलहाल विक्की कौशल के चोटिल होने से रुकी है फिल्म छावा की शूटिंग ● मिडडे आर्काइव »

****

****